ॐ

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

पंचम पुष्प : (सत्र : 2021-2022)

(01.04.2021 से 31.03.2022 तक)



न्यासी मंडल

डॉ. राकेश मिश्र (अध्यक्ष)
श्रीमती आशा रावत (सचिव)
श्रीमती मालती मिश्रा (न्यासी)
श्रीमती रेखा अवस्थी (कोषाध्यक्ष)
डॉ. रचना मिश्रा,
श्रीमती प्रमिला मिश्रा व संकल्प मिश्र

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
नेह निकुंज, बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)
नीलकंठ धाम, ग्राम-धवर्रा (नौगाँव), जिला-महोबा-471201 (उ.प्र.)

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का पंचम पुष्प

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से प्रकाशित पंचम पुष्प आपको समर्पित करते हुए अत्यंत आनंद एवं विनम्रता की अनुभूति हो रही है। विगत दो वर्षों में देश और दुनिया को कोरोना की विषम परिस्थितियों का साक्षात्कार करना पड़ा है। एक अदृश्य चुनौती के रूप में यह आज भी हमारे समक्ष है। निश्चित रूप से कोरोना की त्रासदी के भयावह स्वरुप की जितनी चर्चा करें कम है, किंतु हमारी सनातन संस्कृति व उसके आख्यान विषम परिस्थितियों में भी सृजनात्मक आचरण की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते रहे हैं। कोरोना संकट के दौरान मानवीय आचरण में इसकी जितनी सुंदर अभिव्यक्ति दिखी, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। यही वजह है कि कोरोना संकट में जब विश्व की आर्थिक महाशक्तियाँ अपने स्वार्थों में सिमटती दिखीं उस वक्त भारत कोरोना की जंग में वैश्विक नेतृत्वकर्ता की भूमिका में है।

कोरोना के अदृश्य युद्ध में भारत यदि आज विश्व जगत को राह दिखा रहा है, तो उसका श्रेय हमारे समाज की सामूहिक चेतना, भारतीयता और स्वदेशी संस्कृति को जाता है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने कोरोना संकट के पहले दिन से ही सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए देश के अलग–अलग हिस्सों में सेवा कार्य प्रारंभ किए। कोरोना की जंग में स्वास्थ्य जागरूगता ही सबसे बड़ा सशक्त माध्यम है। इसी क्रम में न्यास द्वारा कोरोना संकट के दौरान दस स्वास्थ्य परिचर्चाओं का आयोजन किया गया। इन स्वास्थ्य परिचर्चाओं में दिल्ली और मुंबई के प्रतिष्ठित चिकित्सा एवं शोध संस्थानों के डॉक्टरों ने न सिर्फ लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया, बल्कि उनके प्रश्नों व जिज्ञासाओं का घर बैठे समाधान भी किया। इस दौरान

डॉ. संदीप मित्तल, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. वेदप्रकाश चतुर्वेदी, पं. लक्ष्मण दास रतन भारद्वाज (वैद्य), डॉ. अमित गर्ग, डॉ. सौरभ मंदिलवार एवं डॉ. राजेश जैन ने लोगों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान किया। इन स्वास्थ्य परिर्चाओं में 57,452 लोग लाभान्वित हुए। इसके साथ ही इस साल चार स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें 5,353 लोग लाभान्वित हुए। इसमें विभिन्न चिकित्सकीय उपकरण, चश्मा एवं कान की श्रवण मशीनों का वितरण किया गया।

जिजीविषा मानव का वह स्वभाव है, जिससे कठिन परिस्थितियाँ में भी वह सृजन के बीज अंकुरित करता है। समय-समय पर सरकार द्वारा जारी की गई कोरोना गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए न्यास ने माघ मेले में न सिर्फ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, बल्कि दिव्यांगों के लिए चिकित्सा उपकरण मुहैया कराने का क्रम जारी रखा।

सेवा न्यास कृषकों की आर्थिक उन्नति, उन्नत वैज्ञानिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके लाभ हेतु सरकारों से पहल करके विभिन्न प्रकार के विभागों की प्रदर्शनी का आयोजन और संचालन हेतु सहयोग प्रदान करता है। इन सभी अवसरों पर गाँव में ही यह प्रदर्शनियाँ लगाकर हजारों लोग लाभान्वित हुए। आत्मनिर्भर गाँव बने इस दिशा में 312 किसानों को सब्जियों के बीच वितरित किए गए। घर-घर में खाली पड़ी जमीन पर सब्जी का उत्पादन होने लगा। वृक्षारोपण हेतु 3000 फलदार पौधे दद्दाजी के 97वें जन्म दिन पर वितरित किए गए। कृषि में आत्मनिर्भर बनाने हेतु मौके पर ही खाद, बीज की जानकारी हेतु प्रशिक्षण, उपयोगी उपकरणों का वितरण, एक हजार किसानों को पाँच-पाँच फलदार वृक्षों के पौधे नि:शुल्क देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उचित प्रयास न्यास के द्वारा किया गया। कृषि प्रशिक्षण हेतु धवर्रा में एक वैज्ञानिक नियुक्त किया है, जिसके द्वारा समय-समय पर किसानों को दवा, बीज व उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी जाती है।

सेवा न्यास सांस्कृतिक क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में पुस्तकें, कॉपी, पेन, पेंसिल, ड्रेस, बस्ते, बैग, घडियाँ, पानी बोतलें, ट्रॉफी, क्रीड़ा उपकरण आदि के वितरण के साथ-साथ लोगों में राष्ट्रप्रेम, स्वदेशी एवं समरसता का भाव भी जाग्रत करता है। मेधावी एवं विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान करता है।

धवर्रा ग्राम की महिलाएँ स्वावलंबी बनें, इसलिए महिलाओं को सिलाई मशीन देकर रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ है। इसी प्रकार क्षेत्र के विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दृष्टि से कैट कंपनी द्वारा आर.ओ. प्रदान किए गए। अभी तक 114 शासकीय विद्यालयों में छात्रों एवं शिक्षकों को यह पोर्टेबल बिना बिजली के चलनेवाले आरओ दिए जा चुके हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक हैं। विद्यालयों में 500 लीटर की 216 टंकियों के वितरण व फिटिंग करके न्यास ने बालिकाओं के पेयजल एवं शौचालय हेतु पानी उपलब्ध कराया है। पूज्य दद्दाजी की पंचम पुण्यतिथि के अवसर पर दीपावली को स्कूल बैग, घड़ियों, छातों एवं कपड़ों का वितरण जरूरतमंद छात्रों के बीच निरंतर किया जा रहा है।

समाज के विकास हेतु सेवा न्यास विभिन्न प्रकार की विचार गोष्ठियाँ भी आयोजित करता है। चार विशेष विषयों पर राष्ट्रीय वक्ताओं के द्वारा छतरपुर शहर में व्याख्यान हो चुके हैं, जिनमें बुद्धिजीवी व नौजवानों की सक्रिय भूमिका रहती है। सेवा न्यास आध्यात्मिक विकास हेतु धार्मिक क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के धार्मिक आयोजन, संगीतमय भागवत-रामायण कथा, श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ, रामलीला मंचन, भजन-कीर्तन, रास लीला, प्रभात फेरी, सुंदरकांड, पांठ, सत्संग, पूजा-पाठ, गौ-सेवा, भोजन, भंडारों के साथ-साथ धार्मिक पुस्तक वितरण जैसे कार्यों को करते हुए सनातन धर्म के उत्थान, सत्कर्म हेतु प्रेरित कर संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार-प्रसार करता है। इस वर्ष माघ मेले में चतुर्थ वर्ष में अनेक आयोजन किए गए। गाँव में सर्व सुविधायुक्त खेल परिसर शरीर सौष्ठव का निर्माण कर रहे हैं। 18 प्रकार की कसरत हेतु मशीनें लग चुकी हैं।

कोरोना महामारी के बीच "द्वारचार व परिणय संस्कार" एवं विवाह सामग्री वितरण कार्यक्रम हुआ, जिनमें चार जुलाई को दद्दा बाई स्मृति में 19 जोड़ों को विवाह कार्यक्रम में "द्वारे-द्वारे परिणय यज्ञ" संपन्न हुआ। जिसमें 19 स्थानों पर जाकर हजारों लोगों ने जय-जय कार की। शीतकाल में जरूरतमंदों के बीच एक हजार कंबलों का वितरण प्रयागराज, नौगाँव, धवर्रा, सतना, भीमकुंड में किया गया। महिलाओं में स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी पैड का वितरण अभियान रूप में निरंतर किया जा रहा है।

धवर्रा गाँव से प्रारंभ यह सेवा का बीज आज उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं दिल्ली के अनेक स्थानों पर पल्लवित-पुष्पित हो रहा है। इन स्थानों पर कार्यकर्त्ता सेवा कार्यों

में लगे हैं। प्रयागराज, सतना, छतरपुर, नौगाँव, धवर्रा, रुरावन कलां (बंडा), सागर, दिल्ली में अनेक कार्यकर्ता सक्रिय होकर नि:स्वार्थ भाव से इन सेवा कार्यों में लगे हैं। धीरे-धीरे यह राष्ट्रीय क्षितिज पर स्थापित होकर अपना नाम रोशन कर रहा है।

विगत पाँच वर्ष में प्रारंभ हुई यह यात्रा न्यास के कुछ पदाधिकारियों की सक्रियता के कारण नहीं अपितु समाज के सामूहिक सहयोग से ही फलीभूत है। हमें यह कहते हुए अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है कि अब न्यास के कई कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष आयोजित किए जानेवाले स्थायी कार्यक्रमों का रूप ले चुके हैं।

'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्॥'

इसी कामना के साथ न्यास गत पाँच वर्षों से क्रियाशील है। गरीब एवं सुदूर इलाके में स्थित लोगों के लिए गंभीर बीमारियों का इलाज करा पाना संभव नहीं होता। सेवा न्यास गरीब लोगों के क्षेत्रों में जाकर स्वास्थ्य शिविरों द्वारा उन्हें उन्नत तकनीकी की हर संभव मदद प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के इस पंचम पुष्प में वर्ष भर की गतिविधियों को समाहित करने का संक्षिप्त प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य सिर्फ यही है कि सशक्त और सक्षम भारत के नवनिर्माण के लिए हम सब एकजुट होकर अपनी-अपनी भूमिका का सार्थक निर्वहन करें। "नर सेवा, नारायण सेवा" का मंत्र तभी साकार हो पाएगा।

धन्यवाद!!

दिनांक : 31.03.2022

—डॉ. राकेश मिश्र

अनुक्रम

1. पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का पंचम पुष्प 3
2. पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का गठन व संक्षेपिका 11
3. पं. गणेश प्रसाद मिश्र : तपस्वी जीवन, प्रेरक व्यक्तित्व 13
4. ममता व करुणा की प्रतिमूर्ति माँ शांति मिश्रा 16
5. पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी के जीवन पर पद्य रचना 19
6. पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास कार्यक्रम 25
   - दसवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 30
   - ग्यारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 32
   - बारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 34
   - तेरहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 37
   - श्रीमती शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि 39
   - चौदहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 43
   - पंद्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 46
   - सोलहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 49
   - बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सामग्री वितरण 52
   - सत्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 54
   - सामूहिक वृक्षारोपण अभियान 57
   - अठारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा 59

- सामूहिक वृक्षारोपण अभियान 63
- गंगा दशहरा के पावन पर्व पर सामूहिक वृक्षारोपण 65
- चतुर्थ पुष्प : (सत्र : 2020-2021) पुस्तक विमोचन 67
- द्वारचार एवं परिणय संस्कार सामग्री वितरण 68
- द्वारे-द्वारे परिणय यज्ञ 70
- पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्राजी की जन्म जयंती में श्रीमद्भागवत सप्ताह एवं सामग्री वितरण 77
- सुंदरकांड, श्रद्धांजलि सभा, सामूहिक वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण 81
- कृषक प्रशिक्षण, कृषि सामग्री एवं बीज वितरण 83
- ओरछा के राजा राम की लीला हेतु सोशल मीडिया का शुभारंभ 87
- सामूहिक वृक्षारोपण अभियान 89
- वृक्षारोपण अभियान 91
- 'ओरछा के राजा राम की लीला' का पोस्टर लॉञ्च 93
- राष्ट्रीय खेल दिवस, खेल प्रतियोगिताएँ मेजर ध्यानचंद श्रद्धांजलि सभा 95
- 'ओरछा के राजा राम की लीला' के मंचन की तैयारी सभा 96
- 'ओरछा के राजा राम की लीला' भूमि पूजन समारोह 99
- नि:शुल्कु चौदहवाँ मल्टी-स्पेश्यिल्टी हैल्थ चैक-अप कैंप 102
- उन्नीसवीं स्वास्थ्य व्याख्यान-माला 106
- नि:शुल्क हैल्थ चैक-अप कैंप समापन एवं सामग्री वितरण 109
- ओरछा के राजा राम की लीला 115
- पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की पंचम पुण्यंतिथि पर श्री रामचरित मानस अखंड पाठ, श्रद्धांजलि सभा एवं सामग्री वितरण 118
- सतना हाफ मैराथन 2021 की तैयारी बैठक 121
- सतना हाफ मैराथन 2021 126

- पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यान माला (पंचम पुष्प) 139
- कंबल बैंक का शुभारंभ 144
- ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट समापन 147
- माघ माहात्म्य कथा 150
- तिलवा चौथ पर्व पर वृक्षारोपण, मास्क एवं सेनेटरी पैड वितरण 151
- श्रीराम कथा 154
- राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण 155
- गणतंत्र दिवस समारोह, सतना 158
- गणतंत्र दिवस समारोह, धवर्रा 162
- मास्क एवं कंबल वितरण 163
- पंद्रहवाँ स्वास्थ्य शिविर 165
- भजन संध्या एवं संत समागम 168
- श्रीमद्भागवत कथा 172
- कंबल वितरण समारोह 173
- सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण 175
- मास्क वितरण 176
- यज्ञोपवीत कार्यक्रम 177
- सेनेटरी पैड वितरण 180
- स्व. बाल आपटे स्मृति वाचनालय का शुभारंभ 181
- सोलहवाँ स्वास्थ्य शिविर 185
- सत्रहवाँ स्वास्थ्य शिविर 188
- वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं पूर्व में लगाए गए वृक्षों का भौतिक सत्यापन 190
- यज्ञोपवीत संस्कार 192

- अंकुर अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण 194
- श्री व्यंकटेश मंदिर में स्वच्छता अभियान 196
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वास्थ्य परिचर्चा 198
- जिला स्तरीय वालीबॉल टूर्नामेंट 202
- स्वास्थ्य जागरूकता अभियान 204
- फीचर फिल्म–कश्मीर द फाइनल रिजोल्यूशन की प्रथम स्क्रीनिंग 205

7. स्थानीय समाचार–पत्रों में सेवा न्यास की झलकियाँ 208
8. मुद्रित सामग्री विवरण 217

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का गठन व संक्षेपिका

पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की धर्मपत्नी श्रीमती शांति मिश्रा ने दद्दाजी का समाज के प्रति सेवा भाव, कर्म प्रधानता एवं नर सेवा ही नारायण सेवा है, जैसे विचारों को जीवंत रखने हेतु पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास गठित करने की प्रेरणा प्रदान की। अत: उनके मार्गदर्शन में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को मूर्त रूप प्रदान किया गया। इसका विधिवत् गठन मध्य प्रदेश के गजट में प्रकाशित होने के पश्चात् इसका विधिवत् पंजीयन क्रमांक 24, दिनांक 17 मार्च, 2017 को सतना (म.प्र.) में किया गया। आयकर की धारा 80 जी में इसे दान प्राप्त करने की अनुमति है।

डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष एवं श्रीमती आशा रावत इस न्यास की सचिव नियुक्त की गईं। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' को सार्थक बनाना है। यह सेवा न्यास लोगों को सभी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, भौतिक व धार्मिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत्॥
ॐ शांतिः शांतिः शांतिः।।

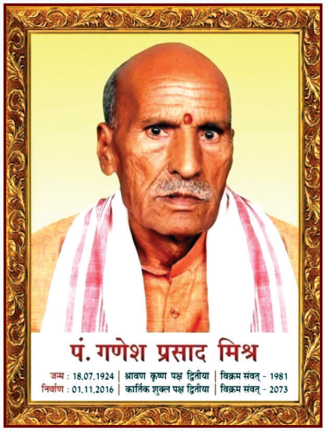
प्राय: गरीब एवं सुदूर इलाके में स्थित लोगों के लिए गंभीर बीमारियों का इलाज करा पाना संभव नहीं होता, जिससे कई बार इसे असाध्य एवं परमात्मा का प्रकोप मान लिया जाता है और लोग कई तरह के अंधविश्वासों की चपेट में भी आ जाते हैं। अत: सेवा न्यास गरीब लोगों के क्षेत्रों में जाकर स्वास्थ्य शिविरों द्वारा उन्हें उन्नत तकनीकी की हर संभव मदद प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। इसमें गरीब लोगों

को मुफ्त उपचार, दवाइयाँ, ऑपरेशन व आवागमन की सुविधा भी प्रदान की जाती है। अनेक मरीजों को देश के प्रमुख अस्पतालों, जैसे—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट, इबहास अस्पताल, पी.जी.आई. लखनऊ व चंडीगढ़, टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट, मुंबई का यथासंभव सहयोग रहता है। हमने डॉक्टरों की कुशल टीम से रियायती दरों पर बड़ी शल्य चिकित्सा कराई हैं। मेदांता दि मेडीसिटी, गुरुग्राम (हरियाणा) अभी तक चार मल्टी स्पेशियलिटी हैल्थ कैंपों का आयोजन करके 7489 मरीजों की संपूर्ण जाँच कर चुका है। दो बार नौगाँव नगर में एवं दो बार सतना नगर में यह सफल आयोजन हुआ है। न्यास के अनुरोध पत्र पर मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम द्वारा 719 मरीजों को 15 प्रतिशत छूट दी गई है, जिससे मरीजों के लाखों रुपए की बचत हो सकी एवं जानें भी बच सकी हैं।

सेवा न्यास ग्राम्य विकास संबंधी, जैसे- पेयजल, विद्युतीकरण, सार्वजनिक शौचालय, स्वच्छता, सड़क एवं नालियों हेतु निर्माण कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं और सफाई आदि में भी विशेष सहयोग प्रदान करता है।

सेवा न्यास कृषकों की आर्थिक उन्नति, उन्नत वैज्ञानिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, बीज वितरण, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके लाभ हेतु सरकारों से पहल करके विभिन्न प्रकार के विभागों की प्रदर्शनी का आयोजन और संचालन हेतु सहयोग प्रदान करता है। इन सभी अवसरों पर गाँव में ही यह प्रदर्शनी लगाकर हजारों लोग लाभान्वित हुए हैं। आत्मनिर्भर एवं विवादमुक्त गाँव बने इस दिशा में बहुविध प्रयास जारी हैं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र : तपस्वी जीवन, प्रेरक व्यक्तित्व



समय-समय पर ऐसे व्यक्तित्व का अवतरण होता है, जो अपने कर्म, साधना और सोच से समाज और आने वाली पीढ़ी को नई दृष्टि और दिशा दिखा जाते हैं। जिस धरती पर ऐसे व्यक्तित्व का जन्म होता है, वह धरती भी धन्य हो जाती है। ऐसे ही व्यक्तित्व पं. गणेश प्रसाद मिश्र का जन्म, भारत के हृदय प्रदेश में नौगाँव नगर के निकट धवर्रा गाँव में हुआ था। उनका जीवन जहाँ तपस्वी का था, वहीं उनका कार्य समाज के लिए एक मिशाल है तो उनकी दृष्टि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणाश्रोत है। सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम पीढ़ी के कार्यकर्ता रहे और तृतीय वर्ष शिक्षित होकर आजीवन संघ के स्वयंसेवक रहे। पं. मिश्र जैसे व्यक्तित्व बिरले ही मिलते हैं। शिक्षक के नाते अनेक संघ शिक्षा वर्गों में एक-एक माह शिक्षक बनकर जाते रहे। पं. मिश्र ने पोस्टमास्टर से जीवन की शुरुआत कर झांसी में संघ के प्रचारक बने। महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध के समय सन् 1948 में उन्हें छह माह का कारावास हुआ। आपातकाल में (1975-77) भूमिगत रहकर 18 माह तक सक्रिय रूप से कार्य किया। दद्दाजी के नाम से सुविख्यात और हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी के प्रकांड विद्वान पं. गणेश प्रसाद मिश्र मृदुभाषी व अनुशासनप्रिय व्यक्ति थे। कृषि कार्य में रूचि रखते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में वैद्य की उपाधि प्राप्त की। शिक्षादान जैसे कार्य में उनकी विशेष रूचि होने से उन्होंने गणित, अंग्रेजी और संस्कृत विषय में बी.ए., एम.ए. के अनेक छात्र-छात्रओं

को सदैव ज्ञानार्जन कराया। सरस्वती शिशु मंदिर नौगाँव में आचार्य से लेखपाल तक का शानदार प्रदर्शन रहा। अपने अंतिम समय में पाँच गायों की सेवा-सुश्रुषा उनका मुख्य कार्य हो गया था। संभाग में जब कोई प्राइवेट आई.टी.आई. नहीं थी तो उन्होंने कंपनी बाग ईसानगर रोड नौगाँव में आई.टी.आई. प्रारंभ की जो उत्तरोत्तर उन्नति करते युवाओं को रोजगार प्रदान कर रही है। शिक्षा के प्रति उनकी रूचि का परिणाम था कि उन्होंने अपनी चारों पुत्रियों को मास्टर डिग्री तथा बी.एड. तक शिक्षित कराया। सभी पुत्रियाँ शिक्षण कार्य में हैं। वहीं एक पुत्री और पुत्र को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी-एच.डी.) कराई।

उनके एकमात्र पुत्र डॉ. राकेश मिश्र संघ के प्रचारकों की श्रेणी में आकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत अध्यक्ष, प्रांत प्रमुख व प्रांत संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत (मध्य प्रदेश) के दायित्वों का निर्वहन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यकारी सचिव के रूप में दिल्ली में कार्यरत हैं। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। पं. मिश्रजी ने अयोध्या आंदोलन के दौरान 1990 में कारसेवा में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और 1992 में विवादित ढाँचा विध्वंस में छतरपुर जिले से दो कारसेवकों में एक वे ही थे, जो वहाँ पहुँच सके। 1990 में कश्मीर की एकता यात्रा में डॉ. मुरली मनोहर जोशीजी के नेतृत्व में यात्रा के समापन में लालचौक पर तिरंगा ध्वज फहराने के लिए गए थे। भारत भ्रमण और संस्कृति परिचय में उनकी गहन रुचि रही। लेह-लद्दाख में सिंधु दर्शन यात्रा रही हो या अमरनाथ की यात्रा, वे हर जगह सपत्नीक सहभागी रहे। अरुणाचल प्रदेश का परशुराम कुंड हो या कन्याकुमारी में धनुषकोटि तथा गंगोत्तरी में गौमुख तक की दुर्गम यात्रा या गंगासागर का पवित्र जल, सभी दुर्गम स्थानों पर आम पर्यटक की तरह उन्होंने यात्राएँ कीं और अपने अनुभवों का लेखन साझा किया। साधनों की शुचिता व नैतिकता के पक्षधर श्री मिश्र ध्येय के प्रति समर्पित, दृढ़ निश्चयी व कठोर परिश्रमी रहे। जब लोग त्योहारों में प्रसन्नता मनाते, वे अपने कार्य में मौन रूप से लगे रहकर दीन-दु:खियों के साथ सेवा में लगे रहते थे। समाज और राष्ट्र के लिए उनमें जो सेवा और समर्पण का भाव था, उससे वे महान साधक के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व नई पीढ़ी के लिए प्रेरणाश्रोत बना रहेगा। पर्यावरण से लेकर आध्यात्मिक चेतना के प्रति उनका चिंतन समाज को नई दृष्टि प्रदान करता रहेगा।

संयमित जीवन शैली और आहार के कारण 93 वर्ष की आयु में भी वे पूर्ण स्वस्थ थे। 16 अप्रैल, 2016 को अचानक हुए मस्तिष्क आघात में वे कोमा में चले गए। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) व डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल में तीन माह तक गहन चिकित्सा हुई। न्यूरो वैज्ञानिकों के लिए इतनी उम्र का यह पहला केस था, जिसमें रोगी इतनी तीव्र गति से ठीक होकर पुन: नौगाँव अपने घर पर ही विश्राम करने लगा। डॉक्टरों का मत था कि इनकी गौसेवा, खानपान, दिनचर्या से ही इनका जीवन प्रेरणादायी है। 1 नवंबर, 2016 को प्रात: 6.30 बजे वे इस लोक से मुक्ति पाकर गोलोक धाम में प्रस्थान कर गए। यह समाचार मिलते ही दिल्ली से लेकर गाँव तक शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम संस्कार में देश-विदेश की महान हस्तियों के शोक संदेश प्राप्त हुए। संपूर्ण बुंदेलखंड के प्रमुख व्यक्तियों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऐसे महान् प्रेरक व्यक्तित्व को प्रणाम और विनम्र श्रद्धांजलि!

॥ विनम्र प्रणाम ॥

ममता व करुणा की प्रतिमूर्ति माँ शांति मिश्रा



परिवार को एकसूत्र में बाँधनेवाली, सास-ससुर की सेवा और अपनी संतानों को संस्कारित करते हुए पति के कार्यों एवं सफलता में कदम-से-कदम मिलाकर चलनेवाली नारी ही शक्ति स्वरूपा होती है। ऐसी चंद माताओं के कारण ही हमारी संस्कृति और समाज में सेवाभाव शेष है। इसी को ममता की मूर्ति, करुणामयी, सौम्य, मृदुभाषी एवं शांत, यथानाम तथागुण माँ 'शांति देवी' ने हमेशा कर्तव्यों के प्रति सचेत रहते हुए अपने नाम को चरितार्थ किया। 2 अगस्त, 1927 को सिंगरावन कलां में पुराने जमींदार की बेटी के घर में जन्म लेकर बड़े ही लाड़-प्यार में पलने के बाद मात्र तेरह वर्ष की उम्र में विवाह-बंधन में बंधकर एक अत्यंत सामान्य परिवेश में आ गईं। और उनकी जिंदगी में परीक्षाओं का दौर प्रारंभ हो गया।

महान् साधक और तपस्वी पति श्री गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में रचे-बसे, घर-द्वार छोड़कर देशसेवा हेतु चले जाने के पश्चात् पति पारायण होकर दोनों कुलों की मर्यादाओं का निर्वहन बड़ी दृढ़ता के साथ किया, जो अविस्मरणीय है। पाक कला में निपुणता, ससुराल की अकेली बहू द्वारा सभी का मान-सम्मान, सभी के बीच समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हुए वे ससुराल में अपनी बड़ी ननद (स्व. इंद्रा बाई) जो माँ तुल्य थीं, की प्रिय बन गईं।

सन् 1948 में पति झाँसी में पोस्टमास्टर की सेवा से त्याग-पत्र देकर संघ कार्य में प्रचारक हो गए। गांधीजी की हत्या के समय पति के छह माह जेल में रहने पर

उन्होंने बड़े साहस के साथ अपने वृद्ध सास-ससुर एवं ननद का सहयोग किया। वे बड़ी धर्मपरायण, कर्तव्यनिष्ठ, मृदुभाषी एवं स्पष्ट बोलने वाली थीं। संपूर्ण परिवार को एक सूत्र में बाँधने की कला में निपुण थीं, जिससे हर व्यक्ति अपने आपको उनसे जुड़ा हुआ पाता था और इसे अपना सौभाग्य मानता था।

विवाह के लगभग 10-12 वर्ष की कठिन परिस्थितियों के पश्चात उन्होंने क्रमशः चार पुत्रियों (आशा, मालती, रेखा व डॉ. रचना) तथा एक पुत्र (डॉ. राकेश) को जन्म दिया। उन परिस्थितियों में भी उन्होंने पति व ननद के सहयोग से पुत्रियों को बेटों जैसा लालन-पालन व उच्च शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। अपने पुत्र-पुत्रियों में भेद न करते हुए उन्होंने सभी का समान लालन-पालन कर उन्हें संस्कारों का धनी बनाया, जिसकी वजह से आज उनकी जीवन-बगिया हरी-भरी और खुशहाल है।

धर्म में गहन रुचि रखते हुए वह प्रत्येक तीज-त्यौहार को व्यवस्थित एवं पूरे मनोयोग से मनाती थीं। सोते समय 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का पाठ वह जरूर करती थीं। उनके पास लोक-कथाओं का अथाह भंडार था, जिसका वे समय व परिस्थिति को देखते हुए उपयोग करके बच्चों का मनोरंजन एवं उत्साहवर्धन कर उनका ज्ञानव-र्धन भी करती थीं। शिक्षा के प्रति गहन रुचि होने के कारण उन्होंने पति (दद्दाजी) के सहयोग से अपने आपको पढ़ने-लिखने में पूर्णरूपेण दक्ष कर लिया। पुस्तकें व दैनिक समाचार-पत्र उनकी नियमित दिनचर्या के हिस्सा हो गए थे।

उनमें नेतृत्व के भी गुण थे। धवर्रा गाँव में वार्ड मेंबर का चुनाव वे हमेशा निर्विरोध जीतीं और उप-प्रधान के पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्यों को भी बखूबी निभाया। पग-पग पर उन्होंने अपने पति का साथ दिया। आपातकाल के दौरान अठारह महीने तक जब दद्दाजी भूमिगत रहे, तब उन्होंने माँ एवं पिता दोनों की भूमिका बखूबी निभाई और दद्दाजी के देशहित के कार्यों में पूर्ण सहयोग दिया। भारत-भ्रमण एवं संस्कृति-परिचय में भी उनकी गहन रुचि रही। दद्दाजी के साथ चारों धाम की तीर्थयात्रा, लेह-लद्दाख में सिंधुदर्शन, अमरनाथ एवं गौमुख जैसी दुर्गम यात्राओं में भी वे सहभागी रहीं। जटाशंकर धाम एवं अबार माता के दर्शन उनके जीवन का महत्त्वपूर्ण पड़ाव था। गौसेवा के प्रति उनका विशेष रुझान था। जब भी समय मिलता, वे गौसेवा में लग जातीं थीं। स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति सदैव सतर्क रहतीं एवं अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखतीं थीं। उनके इस व्यवस्थित जीवन के कारण उनकी स्मृति तीक्ष्ण थी एवं दाँत मजबूत थे। वे बिना चश्मे के लिख-पढ़ लेती

थीं। छोटी-मोटी घरेलू दवाइयाँ व नुस्खे की जानकारी भी खूब थी। गाँव में वे अनेक महिलाओं व बच्चों की देसी दवाई भी कर देती थीं। इसलिए लोग 'बाई का बटुआ' पूछते रहते थे।

90 वर्ष की आयु में 15 अप्रैल, 2017 को दिल्ली में अपने पुत्र डॉ. राकेश मिश्र के निवास पर अचानक हृदयाघात के कारण उन्हें डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में ले जाया गया। पुत्रवधू प्रमिला एवं पोता संकल्प ने वरिष्ठ चिकित्सकों से उचित चिकित्सीय परामर्श किया, किंतु विधि की नियति कुछ और ही थी और वह स्वर्गवासी हो गईं। पूरे परिवार में अचानक हुई इस दुखद घटना से शोक की लहर दौड़ गई। उस समय उनके पुत्र डॉ. राकेश मिश्र भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, भुवनेश्वर (उड़ीसा) में थे। यह खबर मिलते ही वहाँ श्रीमती शांति मिश्रा के लिए शोकसभा एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अंतिम संस्कार में देश-विदेश के कई महान् व्यक्तियों के शोक संदेश प्राप्त हुए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के प्रमुख व्यक्तियों, राजनेताओं एवं अधिकारियों ने स्वयं अंतिम संस्कार में उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। एक भरे पूरे परिवार में माँ, दादी, परदादी, नानी एवं परनानी सभी की भूमिका का निर्वहन करने और सभी रिश्तों को प्रेरणा प्रदान करनेवाली महान व्यक्तित्व की धनी स्व. शांति मिश्रा को शत्-शत् नमन एवं वंदन!

॥ विनम्र प्रणाम ॥

पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी के जीवन पर पद्य रचना

—डॉ. रेखा मिश्रा (फरीदाबाद)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र,
एक प्रभावशाली व्यक्तित्व।
पीढ़ी-दर-पीढ़ी पूजित है,
जिनका कि अस्तित्व।

प्रथम पूज्य गणेश पर,
पड़ा था उनका नाम।
परंतु प्यार से दद्दा कहता,
उनको खास और आम।

कुछ ऐसा कर गुजरे थे वो,
किस्से हमने सुने तमाम।
वर्षों बाद भी स्मृतियों में,
यही गूँजता नाम।

उनकी याद से आज भी जन-जन,
करता है दिन की शुरुआत।
क्या बच्चा, क्या जवाँ, क्या बूढ़ा,
है हर्षित करके उनकी याद।

सरस्वती शिशु मंदिर को,
पूजा प्रांगण बना दिया।
मध्य प्रदेश नौगाँव में स्थित,
विद्यालय आगे बढ़ा दिया।

उनको था आभास यदि हमें,
करनी है देश की रक्षा।
देनी होगी हरेक युवा को,
ऊँची/अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा।
विंध्य प्रदेश और गाँव धवर्रा

18 जुलाई, 1924
तब जन्म लिया था उस बालक ने,
जिस पर देवों का था आशीष।

श्री नीलकंठ थे पिता,
और माता श्रीमती टुईयाँ।
मंदिर-मंदिर मन्नत माँगी,
पर्वत ऊपर-पीपल छैंया।
तब ईश कृपा से तीन बहन संग,
इकलौते थे वे भाई।
सबका प्यार मिला जी भर के,
ममता उनकी परछाई।

अद्भुत साहस गजब की शक्ति,
कुशल बुद्धि और तेज दिमाग।
हरदम अव्वल आते दद्दा,
जिस भी समूह में लेते भाग।

डिप्टी साहब हुए प्रसन्न,
दौरे पर जो आए थे।
उनकी प्रतिभा के किस्से,
स्कूल सभा में सुनाए थे।

भलीभाँति आभास था उनको,
अब कठिन परीक्षा आएगी।
अच्छी गुणवत्तावाली शिक्षा,
देश को आगे बढ़ाएगी

प्राइमरी की करते थे पढ़ाई
क्या दिन-रात,
क्या सुबह या शाम।
जगजीत सिंह, जो कि थे दीवान,
चाँदी की इकन्नी दिया इनाम।

पर बालक को खुश न कर पाया,
ब्रिटिश चिह्न का मिला इनाम।
नौगाँव नगर का है किस्सा,
जब बढ़ी इलाके की थी शान।
ब्रिटिश सरकार का चित्र देख,
बालक का मन हो गया खिन्न।
क्यों न हो इस पर अंकित,
भारत के किसी राजा का चिह्न।

ननिहाल ननौरा में नानी
गांधी का चरखा चलाती थी।
समय-समय पर नाती को
अच्छी बातें समझाती थी।

सब खुश थे, पर गणेश ने
इस इनाम का सुख न लिया।
तब उसके मन-मस्तक ने,
आजादी के जुनून का रुख था किया।

उनके साथ रहे वर्षों,
गुणवत्ता युक्त समय बिताया था।
इसके चलते उनके मन में,
देशप्रेम का भाव जगाया था।
स्वदेशी आंदोलन हेतु हृदय में,
एक जुनून था हुंकारे भरता।
पाठन और पठन में अति कुशाग्र,
हरदम अव्वल आया करता।

बुद्धि बल्लभ शास्त्री वहाँ,
अति प्रेम भावना रखते थे।
बालक को आगे बढ़ाने में,
सब किया जो वह कर सकते थे।

धन का अभाव गरीबी से ग्रसित,
घर-परिवार बहुत ही साधारण
जिसमें कि पनपी थी प्रतिभा
अति विलक्षण-अति असाधारण।

हायर सेकेंडरी की पढ़ाई की,
घर-परिवार का बढ़ाया मान।
अजमेर बोर्ड से हाई स्कूल टॉप किया,
था वो किशोर अति प्रतिभावान।
सर्वाधिक किए अंक प्राप्त,
सब छात्रों की वह प्रेरणा बना।
असाधारण प्रतिभा के धनिकों में
जाने लगा उसका नाम गिना।
पोस्ट ऑफिस से आया बुलावा,
मिली नौकरी सरकारी।
विशेष योग्यता प्राप्त हुई है,
जनमानस में चर्चा भारी।

सन् 1942 में,
उनका विवाह हुआ संपन्न।
उन्हीं दिनों आजादी की,
उमड़ रही थी मन में तरंग।

देशभक्ति के मद में थे सब,
जोश अनोखा छाया था।
अंग्रेजो तुम भारत छोड़ो,
सबने नारा लगाया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से,
उन्हीं दिनों संपर्क हुआ।
यद्यपि नौकरी करते थे पर,
मन आजादी में लगा हुआ।

द्वितीय विश्वयुद्ध चला हुआ था,
बेचैनी थी जन-जन में।
कुछ अलग योजना रूप ले रही,
उनके मस्तक और मन में।

पूज्यनीय गुरुजी ने,
बौद्धिक का आयोजन किया।
ओ.टी.सी. के चलते,
उनको भी शामिल था किया।

सन् 1946 की घटना है यह,
संघ से नाता बना लिया।
मुड़कर पीछे कभी न देखा,
पूरा जीवन बिता दिया।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की,
घोर विरोधी थी सरकार।
नौकरी या शाखा चुनने की,
मन में चली बहुत तकरार।

देशप्रेम की जीत हुई,
सरकारी नौकरी ठुकराई।
उनके फैसले से चौंका था,
जनसमूह-बंधु और भाई।

साहस अजब दिखाया था,
नौकरी का विकल्प जब छोड़ा था।
सामाजिक व राष्ट्र निर्माण में,
अनगिनत जनों को जोड़ा था।

हुई जब हत्या गांधीजी की,
झूठे केस बनाए थे।
आर.एस.एस. के कर्मवीरों ने,
देखे डर के साए थे।

आयुर्वेद में रजिस्ट्रेशन करवाया,
औषधालय में सहयोग किया।
संघ प्रचारक बाबूलालजी,
ने था ऐसा काम किया।

इंजेक्शन को लगाना सीखा,
एलोपैथी करते थे।
आयुर्वेद के ज्ञानी थे वो,
सभी बड़े वैद्यजी कहते थे।
गौ पालन से बहुत लाभ है,
जब सेहत का उठता सवाल।

उनका भी उत्थान है संभव,
जो गरीबी से हुए निढाल।

गौवध रोको अभियान चलाया,
गौरक्षा प्रदर्शनी भी लगाई थी।
राजऋषि पुरुषोत्तम दास टंडन ने की,
इसकी खूब बड़ाई थी।
डॉ. राजेंद्र प्रसाद भी आए,
जो राष्ट्रपति थे तत्कालीन।
भूरि-भूरि तारीफ की उनकी,
जो गौरक्षा में थे तल्लीन।

इन सब सेवाओं के चलते,
बहुत मिला उनको सम्मान।
सहज भाव से सँभल रही थी,
राजनीतिक क्षेत्रों की कमान।

1967 के हुए चुनाव में,
स्पष्ट दिखा उनका प्रभाव।
अद्‌भुत थी उनकी चर्चा,
और अद्‌भुत था जन-मन का भाव।
कानपुर के बड़े इलाके में,
वे पहचाने जाते थे।

जनमानस के बीच,
वैद्यजी नाम से जाने जाते थे।
हुआ समय का फेर तभी,
और तात्यागंज था छोड़ दिया।
और धवर्रा आ पहुँचे,
उस भूमि से खुद को जोड़ दिया।

संघ का गढ़ बन गया धवर्रा,
5-5 लगती थी शाखा।
परिचित और मिलनेवाला,
संघ के रंग में रँग जाता।

स्वयंसेवकों की संख्या तो,
100 के पार चली जाती।
जगह-जगह चर्चा होती थी,
दूर-दूर फैली ख्याति।

माननीय श्री सुदर्शनजी तब,
जिला प्रचारक सागर में।
हुए प्रसन्न कार्यों से उनके,
भेजा संदेशा आदर में।

धवर्रा शाखा में उन्होंने
वार्षिकोत्सव का आयोजन किया,
श्रीनिवास शुक्लाजी को,
उसमें था आमंत्रित किया।

विभाग संघचालक थे शुक्लाजी,
कर्मस्थल था मध्य प्रदेश।
उनके साथ ही शामिल थे,
श्री अशोक सिंघल अतिथि विशेष।
हत्या कर दी लोकतंत्र की,
इमरजेंसी को लागू किया।
चरम पर थी तानाशाही,
कानून को अपने हाथ लिया।

पूरे देश में एकच्छत्र,
राज था इंदिरा गांधी का।

अत्याचार को बंद न करना,
काज था इंदिरा गांधी का।

इस अत्याचार के खिलाफ,
जनसंघ सामने आया था।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी,
साथ में बीड़ा उठाया था।

पर सरकार का था दुस्साहस,
सी.आई.डी. जासूस लगाए थे।
जो भी इमरजेंसी विरोधी था,
उनकी गिरफ्तारी में जुटाए थे।

चुन-चुनकर सरकार विरोधी,
जेल में बंद किए जाते।
जान बचाते फिरते सेवक,
वरना धड़ पकड़े जाते हैं।
सी.आई.डी. की छापेमारी,
दिन-पर-दिन बढ़ती जाती।
केंद्र बदल नौगाँव कर दिया
कि छापेमारी बच पाती।
1977 के चुनाव में,
इंदिरा सरकार का पतन हुआ।
इसके साथ ही जनमानस में,
डर का आलम खत्म हुआ।
दद्दाजी ने फिर से,
बढ़-चढ़कर के काम किया।
सामाजिक चेतना जगाने,
को मन में था ठान लिया।

बीड़ा था उठाया कि करेंगे,
पर्यावरण का संरक्षण।
सूखे की मार झेलती धरती पर,
अनवरत किया वृक्षारोपण।

इतना ही नहीं वे तत्पर थे,
करने को जल संरक्षण।
प्रबल थी उनकी इच्छाशक्ति,
कार्य सोचते प्रति पल क्षण।

उनके ही प्रयास से आज भी,
धवर्रा और आसपास की,
धरती दिखती हरी-भरी।
हर मनुष्य प्रेरित था,
जिसने भी गणेशजी की संगति थी करी।

आई.टी.आई. की स्थापना कर,
तकनीकी का ज्ञान दिया।
ऐसी संस्था स्थापित की,
नौकरी और शिक्षा का आह्वान किया।

रोजगार पर जोर था,
उनका पिछड़े वर्ग से हाथ मिलाया।
सामाजिक कार्यों में उनके,
चारों बेटियों ने साथ निभाया।
अपने इकलौते बेटे को,
स्वयंसेवक बना दिया।
एकजुटता करने समाज की,
विद्यार्थी परिषद् में लगा दिया।
बेटी को स्कूल भेजना,

गलत था उनके जमाने में।
अपनी चारों कन्याओं को फिर भी,
आगे रहे पढ़ाने में।

उनके बेटे डॉ. राकेश मिश्रजी,
संगठन कला में माहिर हैं।
संपूर्ण देश के संगठनों की,
जिम्मेवारी उन पर है।

अपनी संस्कृति और परंपरा को,
ऊपर रखते थे दद्दाजी।
डॉ. मुरली मनोहरजी के साथ,
कश्मीर गए थे दद्दाजी।

मुगल गुलामी के दाग और धब्बे,
उनके मन को कचोटते-से थे।
बाबरी मसजिद का ढाँचा तोड़ने के विषय में,
सदा ही वह सोचते थे।

सन् 1992,
6 दिसंबर का दिन था।
राष्ट्रभक्तों का जत्था,
अयोध्या जा पहुँचा था।
एक धक्का और दो,
बाबरी मसजिद तोड़ दो।

कण-कण चीख के बोल रहा था,
राम जन्मभूमि छोड़ दो।
ढाँचा ध्वस्त होने के पश्चात्,
जब घर वापस आए थे।
किया अमर था इस स्मृति को,
कुछ ईंटें घर ले आए थे।

पुत्र डॉ. राकेश ने न्यास बनाया,
नाम रखा पं. गणेश प्रसाद।
ध्येय था कैसे जनमानस का,
कुछ कम हो मन का अवसाद।
संपूर्ण स्वास्थ्य की जाँच की सुविधा,
मल्टी स्पेशियल्टी हेल्थ चेकअप।
कुष्ठ रोगियों की सेवा करना,
और बढ़ाना खेती जैविक।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,
को जनजागरण अभियान बनाया।
युवाओं का कौशल विकास कर,
स्वच्छ भारत अभियान चलाया।
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग था,
उनको सरकारी योजना का लाभ दिलाया।
सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अलख जलाई,
सेवावृत्ति का कर्तव्य निभाया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

विविध कार्यक्रमों का विवरण (2021-22)

क्र.सं.	माह	दिनांक एवं दिन	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम स्थल	कार्यक्रम स्वरूप
1	अप्रैल-2021	18.04.2021 (रविवार)	दसवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोरोना की दूसरी लहर से बचाव के उपचार डॉ. संदीप मित्तल, प्रसिद्ध पल्मोलॉजिस्ट, मेदांता मल्टी सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल गुरुग्राम (हरियाणा)	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 380 संख्या : 1768 लाभार्थी : 5214
2		22.04.2021 (गुरुवार)	ग्यारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोविड-19 की द्वितीय खतरनाक लहर में हृदय रोग, डायबिटीज व लंग्स संबंधी समस्याओं का समाधान डॉ. राकेश वर्मा, प्रोफेसर कार्डियोलॉजी, अपर महानिदेशक स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, प्रधानमंत्री के पूर्व चिकित्सक कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 382 संख्या : 2874 लाभार्थी : 6712
3		25.04.2021 (रविवार)	बारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोविड-19 महामारी काल में किडनी (गुर्दे) की बीमारियों का उपचार। प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार, प्रोफेसर कार्डियोलॉजी, विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, रोबोटिक्स, रेनल ट्रांसप्लांट सफदरजंग अस्पताल एवं वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 312 संख्या : 2903 लाभार्थी : 6822
4		30.04.2021 (शुक्रवार)	13वीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : हड्डी, जोड़, स्पाइन व मोटापा आदि का कोरोना काल में कैसे उपचार करें। जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वेद प्रकाश चतुर्वेदीजी विभागाध्यक्ष, रूमोटोलॉजी, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 427 संख्या : 3824 लाभार्थी : 8465
5		30.04.2021 (शुक्रवार)	प्रेरणामूर्ति श्रीमती शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्यतिथि श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम प्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती (डॉ.) अनुराधा पौडवालजी	मुंबई से लाइव 'श्रद्धांजलि'	सार्वजनिक कार्यक्रम
6		30.04.2021 (शुक्रवार)	श्रीमती शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्यतिथि श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम	नीलकंठ धाम, ग्राम-धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	संख्याी : 200 सामग्री वितरण : 500
7	मई-2021	07.05.2021 (शुक्रवार)	चौदहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोविड महामारी काल में आयुर्वेद के घरेलू उपायों से उपचार पं. लक्ष्मण दास रतन भारद्वाजजी (गुरुजी) वैद्य	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 452 संख्या : 3972 लाभार्थी : 8521

8	मई-2021	15.05.2021 (शनिवार)	पंद्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोविड महामारी काल में मानसिक बीमारी व डिप्रेशन का उपचार : घरेलू सावधानियों द्वारा तनाव से बचें ? डॉ. अमित गर्ग, एम.डी., पूर्व सहायक प्राध्यापक (इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एपलाइड साइंस, IBHAS नई दिल्ली)	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 389 संख्या : 3165 लाभार्थी : 6217
9		22.05.2021 (शनिवार)	सोलहवीं स्वारस्य्या परिचर्चा : विषय : कोविड काल में तीसरी लहर की चर्चा व बच्चोंद हेतु सावधानियाँ। प्रोफेसर (डॉ.) आलोक हेमल डायरेक्टर एवं प्रोफेसर-बाल रोग विभाग, पं. अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्साल विज्ञान संस्था न एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 324 संख्या : 3024 लाभार्थी : 6217
10		26.05.2021 (बुधवार)	बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर संस्कृत पाठशाला में सामग्री वितरण	श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड, छतरपुर (म.प्र.)	संख्या : 200
11		29.05.2021 (शनिवार)	सत्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोविड-19 महामारी : फेफड़ों से संबंधित तकलीफें, ब्लैक व व्हाइट फंगस की समस्या, भय और बचाव के उपाय। डॉ. सौरभ मंदिलवार, टी.बी., अस्थमा, नींद और छाती से संबंधित रोगों के विशेषज्ञ बीम्सा मल्टीस्पेशियलटी हॉस्पिटल, खार, मुंबई (महाराष्ट्र)	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 389 संख्या : 3456 लाभार्थी : 7438
12	जून-2021	05.06.2021 (शनिवार)	सामूहिक वृक्षारोपण अभियान (विश्व पर्यावरण दिवस)	राजेंद्र नगर, गली नं. 9, सतना (म.प्र.)	संख्या : 20 वृक्ष : 10
13		12.06.2021 (शनिवार)	अठारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : विषय : कोविड-19 महामारी : कैंसर की समस्या, भय और बचाव के उपाय डॉ. राजेश जैन, (एम.बी.बी.एस.) सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एक्शएन कैंसर अस्पताल, नई दिल्ली	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली माध्यम : माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर	प्रश्न संख्या : 154 संख्या : 3832 लाभार्थी : 6487
14		13.06.2021 (रविवार)	सामूहिक वृक्षारोपण अभियान	शासकीय विद्यालय टिकुरिया टोला, कश्यप चौक, सतना (म.प्र.)	संख्या : 25 वृक्ष : 25
15		20.06.2021 (रविवार)	गंगा दशहरा के पावन पर्व पर सामूहिक वृक्षारोपण	हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शारदा नगर घूरडांग, सतना (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह वृक्ष : 10
16	जुलाई-2021	02.07.2021 (शुक्रवार)	चतुर्थ पुष्प : (सत्र : 2020-2021) पुस्तक विमोचन	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	सार्वजनिक समारोह
17		02.07.2021 (शुक्रवार)	"द्वारचार एवं परिणय संस्कार" एवं सामग्री वितरण समारोह	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	सार्वजनिक समारोह

18	जुलाई-2021	04.07.2021 (रविवार)	दद्दा बाई स्मृति में 19 जोड़ों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम "द्वारे-द्वारे परिणय यज्ञ"	19 अलग-अलग गाँवों में कार्यक्रम	सार्वजनिक समारोह
19		17 से 24 जुलाई, 2021	पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्राजी की पुण्य स्मृति में श्रीमद्भागवत सप्ताह एवं सामग्री वितरण	श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड, छतरपुर (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह
20		25.07.22 (रविवार)	सुंदरकांड, श्रद्धांजलि सभा, सामूहिक वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण	'नेह निकुंज', बम्हमनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)	संख्या : 300 वृक्ष वितरण : 500
21		26.07.2021 (सोमवार)	"कृषक प्रशिक्षण, कृषि सामग्री एवं बीज वितरण कार्यक्रम"	श्री गणेश आई.टी.आई., नौगाँव, जिला-सतना (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह
22	अगस्त-2021	10.08.2021 (मंगलवार)	ओरछा के राजा राम की लीला आयोजन हेतु सोशल मीडिया का शुभारंभ	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली	संख्या : 150
23		12.08.2021 (वीरवार)	सामूहिक वृक्षारोपण अभियान	पं. गणेश प्रसाद स्मृति हाई स्कूल, नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)	संख्या : 300 वृक्ष : 25
24		14.08.2021 (शनिवार)	सामूहिक वृक्षारोपण अभियान	ग्राम-कैलाशपुर, जिला-सतना (म.प्र.)	संख्या : 150 वृक्ष : 200
25		26.08.2021 (गुरुवार)	ओरछा के राजा राम की लीला का पोस्टर लॉन्च	नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली	संख्या : 300
26		29.08.2021 (शनिवार)	राष्ट्रीय खेल दिवस	धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	संख्या : 150
27	सितंबर- 2021	16.09.2021 (गुरुवार)	ओरछा के राजा राम की लीला का भूमि पूजन	कंचना घाट, ओरछा, जिला-निवाड़ी (म.प्र.)	संख्या : 1286
28		25 सितंबर, 2021 (शनिवार)	नि:शुल्क चौदहवाँ "मल्टी-स्पेश्यिल्टी हैल्थ चैक-अप कैंप" मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम (हरियाणा)	सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना-485001 (म.प्र.)	मरीज : 1400 जाँच : 14 प्रकार की
29		25.09.2021 (शनिवार), सायं : 5:00 बजे	"उन्नीसवीं स्वास्थ्य व्याख्यान-माला" विषय : कोविड उपरांत घातक प्रभाव एवं समाधान	सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना-485001 (म.प्र.)	संख्या : 500
30		26.09.2021 (रविवार)	स्वास्थ्य शिविर समापन	सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना-485001 (म.प्र.)	संख्या : 1400
31	अक्टू.-2021	06 से 15 अक्टूबर, 2021	ओरछा के राजा राम की लीला शुभारंभ (10 दिनों तक सायंकाल 7 से 10 बजे तक सीधा प्रसारण)	कंचना घाट, ओरछा, जिला-निवाड़ी (म.प्र.)	सार्वजनिक समारोह जी न्यूज व साधना चैनल पर लाइव प्रसारण
32	नवंबर-2021	05-06 नवंबर, 2021 (शुक्रवार एवं शनिवार)	पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की पंचम पुण्य तिथि पर श्री रामचरित मानस अखंड पाठ, श्रद्धांजलि सभा एवं सामग्री वितरण	नीलकंठ धाम, ग्राम-धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	संख्या : 1500 सामग्री : 280
33		16.11.2021 (मंगलवार)	सतना हाफ मैराथन : 2021 हेतु तैयारी बैठक **(आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत)**	'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम

34	दिसंबर-2021	05.12.2021 (रविवार)	सतना हाफ मैराथन : 2021 **(आजादी का अमृत महोत्सव एवं फिट इंडिया के अतर्गत)**	दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम, सतना (म.प्र.) (सीधा प्रसारण जी. न्यूज)	18 राज्य, 94 जिले एवं 675 स्थानों से 2875 संख्या
35		26.12.2021 (रविवार)	पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यान माला (पंचम पुष्प) विषय : बदलते परिवेश में संयुक्त परिवार की आवश्यकता	न्यू बॉटनी लैब, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)	संख्या : 600
36		30.12.2021 (गुरुवार)	कंबल बैंक का शुभारंभ	भगवान व्यंकटेश मंदिर, मुख्तयार गंज, सतना (म.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम लाभार्थी : 40
37	जनवरी-2022	18.01.2022 (मंगलवार)	ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट समापन (2 से 18 जनवरी, 2022 प्रतिदिन)	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	संख्या : 200 प्रतिदिन लाभार्थी : 6500
38		18.01.22 (मंगलवार) से 16.02.22 (बुधवार) तक	माघ माहात्म्य, कथा : 18.01.22 (मंगलवार) से 16.02.22 (बुधवार) प्रवक्ता : श्री घनश्याम पांडेयजी, भीमकुंड	रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम 500 कल्पवासी
39		21.01.22 (शुक्रवार)	तिलवा चौथ पर्व पर वृक्षारोपण, मास्क एवं सेनेटरी पैड वितरण	स्मार्ट सिटी सतना-मैहर बायपास, दुर्गा मंदिर वार्ड क्र. 37, सतना (म.प्र.)	संख्या : 300 कार्यकर्ता : 25
40		21.01.22 (शुक्रवार) से 29.01.22 (शनिवार) तक	**श्री राम कथा :** 21.01.22 (शुक्रवार) से 29.01.22 (शनिवार) तक प्रवक्ता : श्री राहुल कृष्ण महाराज (श्रीधाम वृंदावन)	रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टमर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम
41		24.01.22 (शनिवार)	राष्ट्रीय बालिका दिवस पर : सेनेट्री पैड एवं मास्क वितरण	जवाहर नगर स्टेडियम एवं नई बस्ती, सतना (म.प्र.)	संख्या : 400 कार्यकर्ता : 75
42		26.01.22 (बुधवार)	गणतंत्र दिवस समारोह, सतना	'नेह निकुंज', बम्हपनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)	संख्या : 40
43		26.01.22 (बुधवार)	गणतंत्र दिवस समारोह, धवर्रा	पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)	संख्या : 100
44		28.01.22 (शुक्रवार)	मास्क एवं कंबल वितरण	नई बस्ती, सतना (म.प्र.)	मास्क संख्या : 200 कंबल संख्या : 10
45		30.01.22 (रविवार)	15वाँ स्वास्थ्य शिविर, प्रयागराज	रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	आंख के मरीज संख्या : 2329 कान के मरीज संख्या : 722 वितरित मशीनें संख्या : 240
46		30.01.22 (रविवार)	भजन संध्या एवं संत समागम	रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	संख्या : 630 संत : 20

47		30.01.22 (रविवार) से 05.02.22 (शनिवार) तक	श्रीमद् भागवत कथा : 30.01.22 (रविवार) से 05.02.22 (शनिवार) तक प्रवक्ता : श्री राहुल कृष्ण महाराज (श्रीधाम वृंदावन)	रामानुज मार्ग, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	संख्या : 600
48	फरवरी-2022	04.02.22 (शुक्रवार)	सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण	रामना टोला एवं डाली बाबा चौक, सतना (म.प्र.)	संख्या : 250 कार्यकर्ता : 40
49		04.02.22 (शुक्रवार)	कंबल बैंक शुभारंभ	श्री गणेश आई.टी.आई., नौगाँव, जिला-छतरपुर (म.प्र.)	संख्या : 70 कार्यकर्ता : 20
50		04.02.22 (शुक्रवार)	मास्क वितरण	कोलान बस्ती, पतेरी, सतना (मध्यत प्रदेश)	संख्या : 200 कार्यकर्ता : 30
51		05.02.22 (शनिवार)	यज्ञोपवीत कार्यक्रम	रामानुज मार्ग, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	संख्या : 14 अन्य : 1576
52		06.02.22 (रविवार)	सेनेटरी पैड वितरण	घूरडांग, नई बस्ती, सतना (म.प्र.)	संख्या : 300 कार्यकर्ता : 15
53		10.02.22 (गुरुवार)	स्व. बाल आपटे स्मृति वाचनालय शुभारंभ	'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)	सार्वजनिक कार्यक्रम संख्या : 225
54		12.02.22 (शनिवार)	16वाँ स्वास्थ्य शिविर, प्रयागराज नि:शुल्क नेत्र शिविर	रामानुज मार्ग, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	संख्या : 1274 जिला : 19
55		12.02.22 (शनिवार)	17वाँ स्वास्थ्य शिविर, प्रयागराज नि:शुल्क, कान शिविर	रामानुज मार्ग, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	संख्या : 350 मशीन : 119 जिला : 24
56		20.02.22 (रविवार)	वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं पूर्व में लगाए गए वृक्षों का भौतिक सत्यापन	प्रेम नगर, सतना (म.प्र.)	संख्या : 160 वृक्ष : 10
57		25.02.22 (शुक्रवार)	यज्ञोपवीत संस्कार	श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड, छतरपुर (म.प्र.)	संख्या : 16 अन्य : 339
58	मार्च-2022	05.03.22 (शनिवार)	अंकुर अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण	मुक्तिधाम, बगहा, सतना (म.प्र.)	संख्या : 50 वृक्ष : 4
59		06.03.22 (रविवार)	श्री व्यंकटेश मंदिर में स्वच्छता अभियान	श्री व्यंकटेश मंदिर, मुख्तयार गंज, सतना (म.प्र.)	संख्या : 100
60		08.03.22 (मंगलवार)	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित स्वास्थ्य परिचर्चा : 'महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर : बचाव एवं उपाय'	'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)	संख्या : 142 अन्य : 50
61		12-13 मार्च, 22	जिला स्तरीय वालीबॉल टूर्नामेंट : 2022	श्री व्यंकटेश मंदिर, मुख्तयार गंज, सतना (म.प्र.)	संख्या : 3242 पुरस्कार : 70
62	मार्च-2022	31.03.22 (गुरुवार)	स्वास्थ्य जागरूकता अभियान	नजीराबाद, सतना (म.प्र.)	संख्या : 200 कार्यकर्ता : 27
63		31.03.22 (गुरुवार)	फीचर फिल्म-कश्मीर द फाइनल रिजोल्यूशन की प्रथम स्क्रीनिंग निर्देशक : युवराज कुमार (मुंबई)	फिल्म डिवीजन ऑडिटोरियम, महादेव रोड, नई दिल्ली	संख्या : 210 कार्यकर्ता : 19

कार्यक्रम : दसवीं स्वास्थ्य परिचर्चा
विषय : कोरोना की दूसरी लहर से बचाव के उपाय

डॉ. संदीप मित्तल

प्रसिद्ध पल्मोलॉजिस्ट, मेदांता मल्टी सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल गुरुग्राम (हरियाणा)
दिनांक : 18 अप्रैल, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कोरोना की दूसरी लहर के बीच 18 अप्रैल रविवार को स्वास्थ्य जागरूकता के लिए दसवीं स्वास्थ्य परिचर्चा (हेल्थ वेबिनार) का आयोजन किया। द्वितीय कोरोना लहर से कैसे बचें तथा श्वसन संबंधी चुनौतियों के समाधान विषय पर देश-विदेश से 380 प्रश्न न्यास को प्राप्त हुए, जिसमें लगभग सभी का डॉ. संदीप मित्तलजी ने सरल शब्दों में जवाब दिया। कोविड की दूसरी लहर को लेकर डॉ. संदीप मित्तलजी ने सारगर्भित रूप से न सिर्फ जानकारी दी बल्कि उन्होंने कई अफवाहों के बारे में भी बताया, जिससे सभी को जागरूक रहना है। उन्होंने कहा कि दूसरी लहर में कोविड वायरस में विभिन्न प्रकार के म्यूटेशन देखने को मिले हैं। इस बार वायरस में यू.के., ब्राजील और साउथ अफ्रीकन स्ट्रेन पाए गए हैं। भारत में जो वायरस है, उसकी संरचना में बहुत जल्दी ट्रांसमिट होने की क्षमता है। यह एक साथ सात-आठ लोगों को संक्रमित कर सकता है। एक तरह से इसमें डबल म्यूटेशन है। 45 साल से कम उम्र के लोग अधिक प्रभावित हो रहे हैं। एक नई चीज यह भी सामने आई है कि कोरोना की दूसरी लहर में बच्चे भी बहुत संक्रमित हो रहे हैं। हालाँकि बच्चों में इसके गंभीर लक्षण नहीं हैं। ध्यान रखनेवाली बात यह भी है कि इस बार की लहर में लक्षण थोड़ा अलग हैं। बलगम ज्यादा आ रहा हैं। दस्त भी हो रहे है। बुखार काफी तेज होता है। इसी तरह यह एक जगह पर ही व्यापक दायरे में या कहें बड़ी संख्या में लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। ताजा मामलों में देखा जा रहा है कि मरीज का पहला सप्ताह तो काफी आसानी से निकल जाता है, लेकिन 8-10 दिन बाद साँस की दिक्कत या बीमारी की तीव्रता बढ़ जाती है। पहले ट्रेंड में 5-10 दिन में ही लोग ठीक हो जाते थे, लेकिन अब लोगों को

ठीक होने में अधिक समय लग रहा है। लेकिन लोग अभी भी ठीक हो रहे हैं। लोगों के स्वस्थ होने की दर भी काफी अच्छी है। इस बार इलाज में हमें स्ट्रॉयड ज्यादा इस्तेमाल करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हालाँकि अच्छी बात यह है कि सरकार ने टीकाकरण अभियान को तेज गति से शुरू किया है। स्वास्थ्य परिचर्चा में लोगों को हिदायत देते हुए कहा कि दूसरी लहर में लोग कोरोना के प्रति अधिक लापरवाह हो गए हैं। इससे लोग अपनी जान को खतरे में डाल रहे हैं।

दसवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश विदेश में लगभग 1768 मोबाइल, लैपटॉप, आईपैड व टी.वी. पर ऑनलाइन जुड़े रहे। जिससे कुल 5214 संख्या लाभान्वितों की रही। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि टीकाकरण अभियान में सहयोग करें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अन्य लोगों को भी जागरूक करें। इस अवसर पर डॉ. राकेश मिश्र ने लोगों को आश्वस्त किया कि न्यास इस बार भी प्रवासी श्रमिकों और जरूरतमंदों की हर संभव सहयोग करेगा।

न्यास को लगातार सहयोग करते रहे हैं डॉ. संदीप मित्तल

मेदांता मल्टी सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल गुरुग्राम के प्रसिद्ध पल्मोलॉजिस्ट डॉ. संदीप मित्तलजी पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित बहुउद्देशीय स्वास्थ्य समाधान शिविरों में सक्रिय रूप से सहभागिता दर्ज कराते रहे हैं। नौगाँव एवं सतना में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में उपस्थित होकर उन्होंने हजारों मरीजों का उपचार किया था। यही नहीं समय-समय पर न्यास की ओर से भेजे गए वंचित व जरूरतमंद मरीजों को मेदांता अस्पताल में यथासंभव सहयोग करते रहते हैं।



परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र एवं डॉ. संदीप मित्तल प्रश्न सुनते व उसका उत्तर देते हुए।

कार्यक्रम : ग्यारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा

विषय : कोविड-19 की द्वितीय खतरनाक लहर में हृदय रोग, डायबिटीज व लंग्स संबंधी समस्याओं का समाधान

डॉ. (प्रो.) राकेश कुमार वर्मा

(विभागाध्यक्ष, हृदय रोग विभाग एवं पूर्व प्रधानमंत्री के चिकित्सक)
सफदरजंग हॉस्पिटल, नई दिल्ली

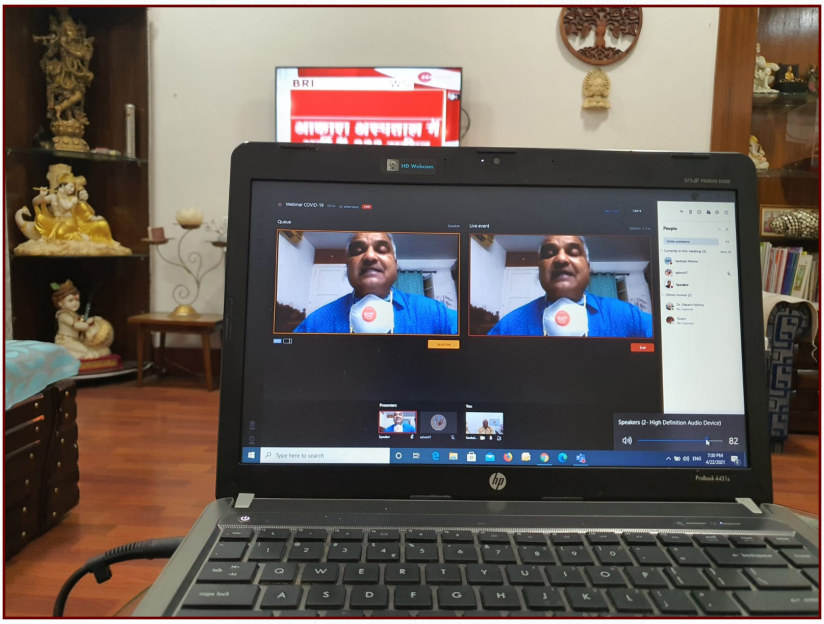
दिनांक : 22 अप्रैल, (गुरुवार) **सायं :** 7 बजे
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा ग्यारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। हेल्थ वेबिनार में देश के प्रख्यात सफदरजंग हॉस्पिटल नई दिल्ली के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. (प्रो.) राकेश कुमार वर्मा (विभागाध्यक्ष, हृदय रोग विभाग एवं पूर्व प्रधानमंत्री के चिकित्सक) ने कोविड की दूसरी लहर में हृदय रोग, डायबिटीज और लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचाव व उपचार के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दी। माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के जरिए हुए हेल्थ वेबिनार में डॉ. राकेश वर्माजी ने बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से लोगों के प्रश्न का उत्तर दिया। डेढ़ घंटे तक चली इस परिचर्चा में हृदय रोग, कोरोना, दवाइयों, टीकाकरण पर सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। आज की इस परिचर्चा में 382 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. वर्माजी ने सरलता व समझाइस के साथ दिए। कुल 2874 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6712 लोगों ने इसका लाभ उठाया। देश-विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव के छोर पर रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

डॉ. राकेश वर्मा ने चर्चा की शुरुआत करते हुए बताया कि कोविड एक इतना सूक्ष्म विषाणु है, जो आंखों से ही नहीं साधारण माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखा जा सकता, इसे देखने के लिए आपको इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप की आवश्यकता पड़ती है। यह माइक्रोस्कोप किसी भी सूक्ष्म वस्तु को दस लाख गुना बड़े आकार में देखने योग्य

बनाता है। कोविड-19 या किसी भी वायरस को समझने के लिए उसकी संरचना को समझना होगा। किसी भी वायरस के केंद्र में प्रोटीन और उस प्रोटीन के चारों तरफ वसा का कवच होता है। इसी वसा की परत को हमारा शरीर या कहें शरीर की कोशिकाएँ भेद नहीं पाती हैं। लेकिन जैसे ही अल्कोहल या साबुन का आप इस्तेमाल करते हैं तो कोविड वायरस हाथ के माध्यम से यदि आ रहा है तो धुलते ही नष्ट हो जाता है। एक कहावत आपने सुनी होगी। गिरगिट की तरह रंग बदलना। कोविड-19 जो कि विदेश से भारत में आया, वह भी बहुत जल्द अपनी संरचना बदल लेता है।



कार्यक्रम : बारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा
विषय : कोविड-19 महामारी काल में किडनी (गुर्दे) की बीमारियों का उपचार

प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार

प्रोफेसर कार्डियोलॉजी, विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, रोबोटिक्स, रेनल ट्रांसप्लांट सफदरजंग अस्पताल एवं वर्धमान महावीर मेडीकल कॉलेज, नई दिल्ली

दिनांक : 25 अप्रैल, (रविवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक

कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



बारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश के प्रख्यात सफदरजंग हॉस्पिटल नई दिल्ली के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. (प्रो.) अनूप कुमार (विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, रोबोटिक्स रेनल ट्रॉंसप्लांट) माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। डेढ़ घंटे तक चली परिचर्चा में किडनी रोग, पथरी, किडनी कैंसर, यूरिन इंफेक्शन, डायलिसिस, रोबोटिक सर्जरी, किडनी ट्रांस्प्लॉट, कोरोना, दवाइयों, टीकाकरण पर सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। आज की इस परिचर्चा में 312 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. अनूपजी ने सरलता व विशेषज्ञता के साथ दिए। कुल 2903 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6822 लोगों ने इसका लाभ उठाया। देश-विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव के छोर से रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित इस परिचर्चा की लोगों में बड़ी उत्सुकता रहती है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कुशल संचालन करते हुए सब बातों को समाहित किया। इस हेल्थ वेबिनार में डॉ. अनूप कुमार ने लोगों को गुर्दे से जुड़ी बीमारियों तथा कोविड की दूसरी लहर के बीच गुर्दों को विकार से बचाने के लिए अत्यंत उपयोगी परामर्श दिया। स्वास्थ्य परिचर्चा को संबोधित करते हुए डॉ. अनूप कुमार ने कहा कि हमारे शरीर में दो किडनियाँ होती हैं। गुर्दे शरीर में प्रोटीन के मेटाबॉलिज्म के जो प्रॉडक्ट होते हैं, उन्हें बाहर निकालने का कार्य करता है। किडनी

से जुड़ी मुख्य रूप से पाँच-छह बीमारियाँ होती हैं। इनमें गुर्दों का संक्रमण, स्टोन, कैंसर, ट्रॉमा, क्रॉनिक डिजीज (किडनी फेल होना) आदि अहम हैं।

उन्होंने कहा कि हर दिन दो से तीन लीटर पानी सामान्य रूप से पीना चाहिए। इससे कम पानी पीने से स्टोन (पथरी) की आशंका बढ़ जाती है। खानपान की आदतें भी कई बार पथरी की वजह बनती हैं। मांसाहार अधिक करने वालों को भी स्टोन का खतरा अधिक होता है। हम कह सकते हैं कि हर प्रकार के स्टोन के अलग-अलग कारक होते हैं। पथरी में दर्द, बुखार और उल्टी जैसे लक्षण होते हैं। इसे नजरअंदाज करना उचित नहीं है। एक सेंटीमीटर से कम की पथरी को लेजर ऑपरेशन से निकाल दिया जाता है। पी.सी.एन.एल. तकनीक में एक छेद से पथरी को निकाल दिया जाता है। ओपन सर्जरी आजकल बिल्कुल बंद हो चुकी है। अधिकांश मामलों में हम दूरबीन से ही किडनी का इलाज करते हैं।

डॉ. अनूप कुमार ने माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। डेढ़ घंटे तक चली परिचर्चा में किडनी रोग, पथरी, किडनी कैंसर, यूरिन इंफेक्शन, डायलिसिस, रोबोटिक सर्जरी, किडनी ट्रांस्प्लांट, कोरोना, दवाइयों, टीकाकरण पर सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। आज की इस परिचर्चा में 312 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. अनूपजी ने सरलता व विशेषज्ञता के साथ दिए। कुल 2903 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6822 लोगों ने इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव के छोर पर रहनेवालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित इस परिचर्चा की लोगों में बड़ी उत्सुकता रहती है।न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कुशल संचालन करते हुए सब बातों को समाहित किया। न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

कैसे होता है किडनी का इलाज

किडनी फेल होने के पाँच स्टेज होते हैं। जी.एफ.आर. एक मानक होता है जो किडनी के खराब होने की स्थिति को इंगित करता है। हमारे देश में डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के कारण किडनी की समस्या गंभीर रूप ले रही है। कई मरीज शरीर में किसी दर्द के कारण लगातार पेन किलर खाते हैं, उससे भी किडनी पर बुरा असर

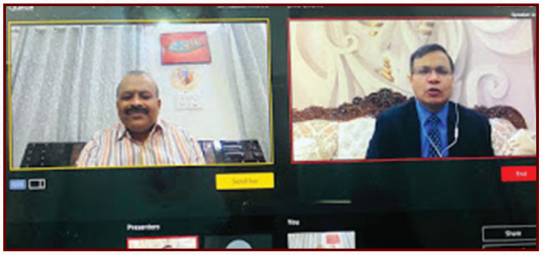
पड़ता है। कुछ युवा बॉडी बनाने के लिए स्टीरॉयड अधिक लेते हैं, उन्हें भी किडनी की समस्या से जूझना पड़ता है। शरीर में सूजन होना, पेशाब की मात्रा कम होना, वजन कम होना, हीमोग्लोबिन कम होना, सांस की दिक्कत इसके प्रमुख लक्षण हैं। सर्वप्रथम पर किडनी के फंक्शनल टेस्ट होता है। अल्ट्रासाउंड, प्रोटीन लॉस, ब्लड टेस्ट, डी.टी.पी. स्कैन आदि प्रमुख जाँच होती है। आधा घंटा हर दिन व्यायाम करें। नमक अधिक न खाएँ। पेन किलर बिना डॉक्टर की सलाह के न खाएँ।

छोटी सी लापरवाही भी किडनी कैंसर की वजह बन सकती है

देश में किडनी कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बहुत छोटे लक्षण होते हैं। मोटापे से भी किडनी कैंसर की आशंका रहती है। किडनी कैंसर का इलाज करने के लिए अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन किया जाता है। किडनी कैंसर के तीन स्टेज होते हैं। पहले चरण में किडनी कैंसर किडनी तक ही सीमित होता है। अगले चरणों में यह अन्य अंगों को प्रभावित करता है। 4 सेमी से छोटे मामलों में हम कैंसर को निकाल देते हैं। आजकल आधुनिक तकनीक से रोबोटिक्स तकनीक से इसका ईलाज संभव है। 7-8 सेमी के कैंसर में पूरी किडनी निकालने की स्थिति बनती है। स्वास्थ्य परिचर्चा का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ. अनूप कुमार जी का हमें न्यास की स्थापना के समय से ही लगातार गरीब व जरूरतमंद के इलाज हेतु सहयोग प्राप्त होता रहा है।



परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र



प्रो. (डॉ.) अनूप कुमार, उत्तर देते हुए

कार्यक्रम : तेरहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा

विषय : हड्डी, जोड़, स्पाइन व मोटापा आदि का कोरोना काल में कैसे उपचार करें

जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वेद प्रकाश चतुर्वेदीजी

विभागाध्यक्ष, रूमोटोलॉजी, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

दिनांक : 30 अप्रैल, (शुक्रवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक

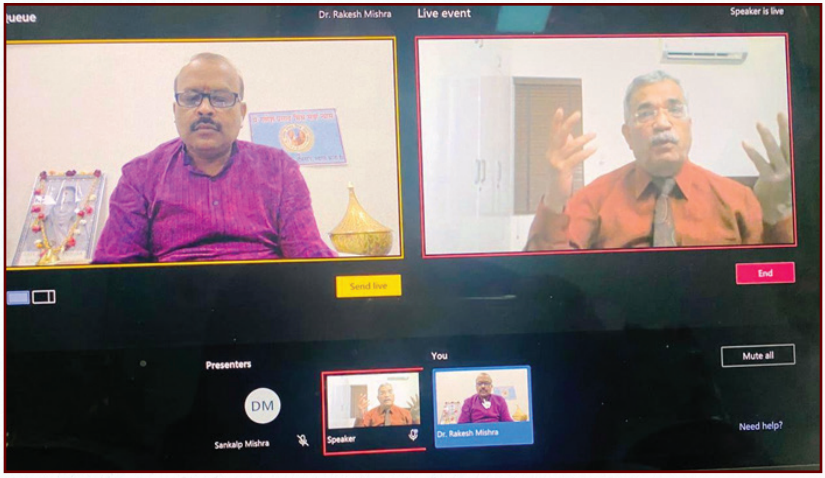
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

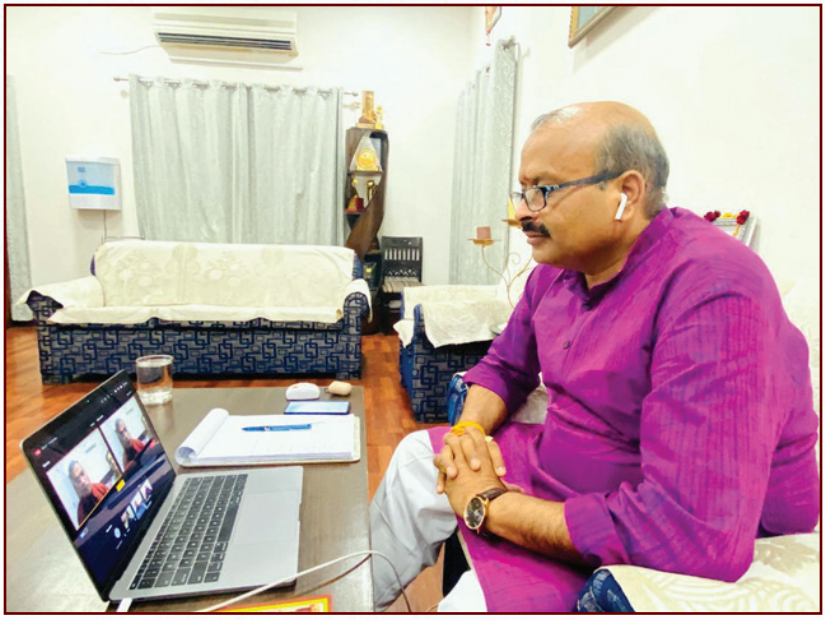
तेरहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश के प्रख्यात डॉ. वेद प्रकाश चतुर्वेदीजी ने माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। ढाई घंटे तक चली परिचर्चा में कोरोना, दवाइयों, टीकाकरण एवं आर्थराइट्स जैसे सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। आज की इस परिचर्चा में 427 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. चतुर्वेदी जी ने सरलता व समझाइस के साथ दिए। कुल 3824 मोबाइल, फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 8465 लोगों ने इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।



डॉ. वेदप्रकाश चतुर्वेदीजी ने इस अवसर पर कहा कि जुकाम/फ्लू भी वायरस है। सौ में 90% प्रतिशत को किसी प्रकार की चिंता की जरुरत नहीं है। कोई भी दवा न लें व्यक्ति तब भी ठीक हो जाएगा। 100 में 1 प्रतिशत लोगों को आई.सी.यू. की जरुरत पड़ती है। जबकि 9 प्रतिशत लोगों को डॉक्टर की देखरेख की आवश्यकता पड़ती है। कोरोना की संक्रमण दर सामान्य जुकाम से कहीं अधिक होती है, इसलिए यह खतरनाक है। उन्होंने कहा कि घर में भी अब मास्क पहनने की जरुरत है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोग धैर्य बनाकर रहें, देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है।

आर्थराइट्स के बारे में बोलते हुए डॉ. वेदप्रकाश चतुर्वेदीजी ने कहा कि यह मुख्य रूप से तीन प्रकार का होता है। कमर, गर्दन और घुटनों की आर्थराइट्स। इसे ऑस्टियो आर्थराइट्स भी कहते हैं। सियाटिका, सिमिट्रिकल आर्थराइट्स, रुमिटो आर्थराइट्स भी अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों में होता है।





परिचर्चा में डॉ. वेद प्रकाश चतुर्वेदी एवं डॉ. राकेश मिश्र।

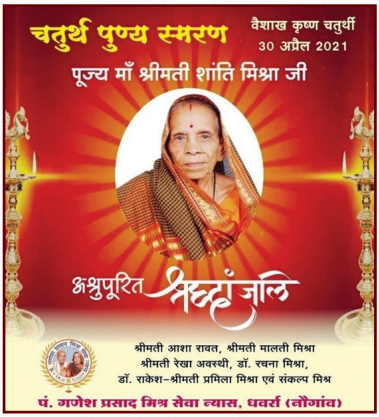
कार्यक्रम : श्रीमती शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्यतिथि

श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम

प्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती (डॉ.) अनुराधा पौडवालजी

दिनांक : 30 अप्रैल, (शुक्रवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक

कार्यक्रम स्थल : नीलकंठ धाम, ग्राम-धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की संस्थापक एवं प्रेरणामूर्ति श्रीमती शांति मिश्रा की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर वर्चुअल भजन संध्या एवं स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन किया गया। 30 अप्रैल को सुप्रसिद्ध भजन गायिका डॉ. अनुराधा पौडवाल ने भजन प्रस्तुत कर श्रीमती शांति मिश्रा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में सुप्रसिद्ध भजन गायिका पद्मश्री डॉ. अनुराधा पौडवाल ने भजनों की आकर्षक प्रस्तुति के साथ अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्रीमती पौडवाल ने लोगों के समक्ष प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए कहा कि आज के दौर में लोगों में सहनशीलता की बहुत कमी है। आवश्यकता है लोग अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा आज लाइफ नहीं लाइफस्टाइल महंगी हो गई है। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि लोग डॉ. अनुराधा पौडवाल के भजन गायिका वाले व्यक्तित्व से परिचित हैं, लेकिन समाजसेविका के रूप में वह जो कार्य कर रही हैं, उससे बहुत कम लोग परिचित हैं। उल्लेखनीय है कि श्रीमती पौडवाल द्वारा महाराष्ट्र में जल संरक्षण के अनुकरणीय प्रयास किए जा रहे हैं। नांदेड़ के माहुर में अपने सूर्योदय फाउंडेशन के जरिए उन्होंने 10 गाँव जल संरक्षण हेतु गोद लिए हैं। सूर्योदय फाउंडेशन द्वारा किए गए जल संरक्षण प्रयासों का नांदेड़ यूनिवर्सिटी में अध्ययन भी हो रहा है। पद्मश्री से सम्मानित श्रीमती पौडवाल ने

लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना काल का संकट समाप्त होते ही वह पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के सहयोग से बुंदेलखंड में जल संरक्षण के प्रयासों को गति देंगी।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की संस्थापक एवं प्रेरणा मूर्ति पूजनीय श्रीमती शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पैतृक ग्राम धवर्रा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। नीलकंठ धाम स्थित डॉ. राकेश मिश्रजी के निवास पर न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत एवं श्रीमती डॉक्टर रचना मिश्रा ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दयाराम मिश्र ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आज युवा वर्ग को सरकारी नियमों का पालन करना चाहिए एवं दो गज की दूरी मास्क है जरूरी तथा स्वच्छता का पालन करने से ही कोविड दूर होगा। आज इस अवसर पर सभी ग्रामवासियों ने श्रीमती शांति मिश्राजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कर्मयोगी श्री संतोष गंगेलेजी ने न्यास की तारीफ करते हुए कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के माध्यम से धवर्रा गाँव का संपूर्ण विकास हो चुका है। अब वह समय नहीं रहा जब पुत्र और पुत्रियों में अंतर किया जा सके, आवश्यकता है उनको संपूर्ण शिक्षा प्रदान करने की एवं सही संस्कार देने की। पुत्रियाँ भी अपने माता-पिता का नाम रोशन करती हैं एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों से समाज में अपना एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन करती हैं। ऐसा ही एक अनुपम उदाहरण पं. श्री गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्राजी की चारों पुत्रियाँ आशा, मालती, रेखा तथा रचना का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह चारों उच्च शिक्षा पाकर शासकीय सेवाओं में रहते हुए संघ के संस्कारों में रहकर आज भी सेवा का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत कर रहीं हैं व अपनी जन्मभूमि धवर्रा से निजी सरोकार रखतीं हैं।

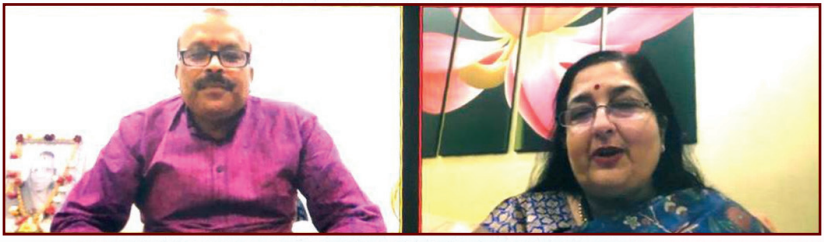
इस अवसर पर श्री अनूप मिश्र, श्री प्रवीण दुबे, श्रीराम रिछारिया, श्री योगेंद्र सिंह परिहार, श्री मनोज तिवारी, श्री संजय, श्री शीतल कुशवाहा, श्री जयप्रकाश द्विवेदी, श्री राम कुमार रिछारिया, श्री राहुल दुबे, श्री नारायण अनुरागी, श्री मुन्नीलाल अनुरागी, श्री देवेंद्र अहिरवार, श्री छोटे अहिरवार, श्री नीरज रैकवार, श्री गोपाल राजपूत, श्री राम कुमार राजपूत, श्री राघवेंद्र प्रजापति, श्री मोनू प्रजापति, श्री राघवेंद्र राजपूत, श्री बंटी राजा, श्री भोले अहिरवार, श्री परसू कुशवाहा, श्री कैलाश कुशवाहा, श्री माधव सिंह, श्री शीलू सिंह, श्री कल्लू कुशवाहा, श्री विनोद राजपूत, श्री भूरे अनुरागी सहित बड़ी

संख्या में ग्रामीणों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इसके पूर्व खेल परिसर में पूज्य दद्दाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं वहाँ उपस्थित खिलाड़ियों एवं नागरिकों को प्रसाद वितरित किया गया। कोविड से बचाव हेतु सेनेटाइजर एवं मास्क बड़ी संख्या में ग्रामीणों को दिए गए। श्री गंगेलेजी ने स्वच्छता व साफ रखने का संदेश भी दिया। श्रीमती शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर दिल्ली स्थित उनके आवास पर उनके पुत्र एवं न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।



श्रीमती शांति मिश्राजी की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए



पद्मश्री डॉ. अनुराधा पौडवालजी ने भजन प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की



स्व. शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि व्यिक्त करते हुए परिवार जन



नीलकंठ धाम धवर्रा में श्रद्धांजलि समारोह।



स्व. शांति मिश्राजी की चतुर्थ पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि के साथ मास्क व सेनेटाइजर वितरण किया गया

कार्यक्रम : चौदहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा
विषय : कोविड महामारी काल में आयुर्वेद के घरेलू उपायों से उपचार
पं. लक्ष्मण दास रतन भारद्वाजजी (गुरुजी)

वैद्य, जन्म 1927, आयु 94 वर्ष, **स्थाान :** बिलासपुर (हि.प्र.)
दिनांक : 07 मई, 2021 (शुक्रवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



कोरोना नामक अदृश्य महामारी ने भारत में वर्षों से चल रही प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति और स्वदेशी जीवनशैली की ताकत को पुनर्स्थापित किया है। कोरोना संक्रमित व्यक्ति जहाँ आयुर्वेदिक और घरेलू उपचार से स्वस्थ हो रहे हैं। वहीं यह रोग के पूर्व निदान की संकल्पना पर कार्य करता है। स्थिति यह है कि बड़े-बड़े चिकित्सा संस्थानों के एलोपैथिक चिकित्सक भी आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों की ओर लौटने का आह्वान कर रहे हैं। **पं. गणेश प्रसाद मिश्र उपाख्य दद्दाजी (वैद्यजी)** ने स्वदेशी और आयुर्वेद को जन-जन के जीवन का हिस्सा बनाने के लिए कार्य किया। यही वजह है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास निरंतर अपने प्रेरणापुंज के बताए मार्ग पर चलते हुए आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति, नाड़ी ज्ञान को अपनाने पर बल दे रहा है। इसी क्रम में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चौदहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा : **कोविड महामारी काल में आयुर्वेद के घरेलू उपायों से उपचार** पर आयोजित की गई। स्वास्थ्य परिचर्चा में आयुर्वेद के घरेलू उपाय से 94 वर्षीय वैद्य पं. लक्ष्मण दास रत्न भारद्वाजजी ने कोविड काल में किडनी, फेंफडों, अल्सर, पाइल्स, नजर, मोटापा, सुगर, बी.पी., हार्निया एवं चर्म रोगों जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव हेतु परामर्श दिया।

माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर आयोजित स्वास्थ्य परिचर्चा में वैद्य पं. लक्ष्मण दास रत्न भरद्वाजजी ने लोगों के प्रश्नों का बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। दो घंटे तक चली परिचर्चा में जीवनचर्या, दवाइयों, खानपान, जड़ी बूटियों

जैसे सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। आज की इस परिचर्चा में 452 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर 94 वर्षीय वैद्यजी ने सरलता व सहजता के साथ दिए। कुल 3972 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 8521 लोगों ने सपरिवार इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

स्वास्थ्य परिचर्चा में लोगों को संबोधित करते हुए पं. लक्ष्मणदास रतन भारद्वाज ने कहा कि नाड़ी परीक्षण के जरिए तमाम बीमारियों का पता चल जाता है। आज लोगों को नाड़ी परीक्षण से उपचार का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है। इससे हम भारतीय संस्कृति की एक बड़ी धरोहर से वंचित हो रहे हैं। खाना खाते समय पानी न पीने की बात कहने वाली धारणा बिल्कुल गलत है। प्याज और लहसुन का सेवन बहुत अच्छा है। रोगों से मुक्ति दिलाने वाले सभी पदार्थ छिलके युक्त होते हैं। आज पूरे संसार में कोरोना की बीमारी चल रही है जबकि हमारे घर की रसोई में ही हर दवाई उपलब्ध है। लहसुन, प्याज और अदरक दवाओं की त्रिवेणी है। रात में शहद के साथ इनका सेवन करना अत्यंत लाभकारी है। यह सभी रोगों का पूर्व में ही निदान कर देता है।

आज कैंसर, हृदय और किडनी से जुड़ी बीमारियाँ भी घर की रसोई में उपलब्ध चीजों से ठीक हो जाती हैं। वात, पित्त और कफ शरीर को चलाने वाले तीन तत्त्व हैं। नाड़ी परीक्षण में हम इनके मध्य संतुलन बनाते हैं। आँवले के मुरब्बे से वात, पित्त और कफ का संतुलन बनाया जा सकता है, बेल के जरिए पाचन तंत्र ठीक हो जाता है। गाजर का मुरब्बा खाइए। गौमूत्र हर प्राणी के लिए अमृत है। किडनी के मरीजों के लिए यह रामबाण संजीवनी है। पानी को यदि आप थोड़ा चुस्की लेकर पिएँगे तो यह आपको स्वस्थ रखेगा। उन्होंने कहा कि मैंने किसी विश्वविद्यालय में यह ज्ञान अर्जित नहीं किया है। मैंने तो घने जंगलों में रहने वाले तपस्वी, संतों और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले वैद्य और हकीम से घरेलू विधि से चिकित्सा सीखी है। 24 साल औषधियों की खोज करने में लगाए हैं। ए.सी., फ्रिज और कूलर आज अधिकांश बीमारियों की जड़ है। कूलर की हवा में नमी होती है, यह फेफड़ें और साँस की नली में नमी जमा कर देता है। फ्रिज के जरिए अमोनियम गैस हमारे पोषण तंत्र में आ जाती है। एअर कंडीशनर में काम करने से ट्यूमर और माइग्रेन हो रहा है। आज कपड़ों से बहुत सी बीमारियाँ पैदा हो रही हैं। सूती कपड़े पहनें, ढीले पहनें।

कृत्रिम कपड़ों से बहुत से रोग हो रहे हैं। कोरोना से बचने के लिए पके नीबू का रस नाक में डालें, इससे दस्त भी लग सकता है। लेकिन सर्दी और जुकाम या कोरोना सब ठीक हो जाएगा।



परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र एवं पं. लक्ष्मण दास रतन भारद्वाजजी (गुरुजी) प्रश्न सुनते व उसका उत्तर देते हुए



परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र नई दिल्ली से।

कार्यक्रम : पंद्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा
विषय : कोविड महामारी काल में मानसिक बीमारी व डिप्रेशन का उपचार : घरेलू सावधानियों द्वारा तनाव से बचें ?

डॉ. अमित गर्ग

एम.डी., पूर्व सहायक प्राध्यापक (इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एपलाइड साइंस, IBHAS नई दिल्ली)

दिनांक : 15 मई, 2021 (शनिवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक

कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



पंद्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश के प्रख्यात युवा मनोचिकित्सक डॉ. अमित गर्ग, एम. डी., पूर्व सहायक प्राध्यापक (इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एपलाइड साइंस, IBHAS नई दिल्ली) ने माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। डेढ घंटे तक चली परिचर्चा में मानसिक तनाव, जीवनचर्या, दवाइयों, खानपान, तनाव जैसे सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए।आज की इस परिचर्चा में 389 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. अमित गर्गजी ने सरलता व समझाइस के साथ दिए। कुल 3165 मोबाइल फोन, लैपटॉप्र आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6217 लोगों ने सपरिवार इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कुशल संचालन करते हुए सभी प्रश्नों को श्रेणीबद्ध करते हुए डिप्रेशन, बच्चों में नकारात्मक विचार, अनिद्रा, थकान, नशा, परस्पर-व्याप्त अविश्वास जैसी गंभीर बातों को समाहित किया।

कोरोना महामारी का असर अब लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ने लगा है। घरों में कैद रहते हुए सेहत से लेकर आजीविका की चिंता लोगों के दिमाग पर असर डाल रही है। लोग एक अजीब तरह के भय, तनाव और अवसाद से ग्रसित हो रहे हैं। इसकी एक बड़ी वजह जरूरत से अधिक मिलने वाली गैर जरूरी सूचनाएँ

भी हैं। कोरोना की जंग में जीत के लिए लोगों का मानसिक रूप से स्वस्थ होना बेहद जरुरी है।

इस परिचर्चा में देश के प्रसिद्ध युवा मनोचिकित्सक डॉ. अमित गर्ग (एम.डी.) पूर्व सहायक प्राध्यापक (इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एपलाइड साइंस नई दिल्ली) ने लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड-19 नई सदी की नई बीमारी है। इसने हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। लेकिन इसने हमें जीना भी सिखाया है। यह बात सही है कि कोरोना काल में घबराहट और बेचैनी इस कदर बढ़ गई है कि इसका सबसे बुरा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। आज देश का शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसको प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसने प्रभावित न किया हो। एक स्वस्थ मन ही एक स्वस्थ शरीर में वास करता है, लेकिन मन ही इतना ज्यादा भयभीत हो गया है कि इससे हमारे शारीरिक सेहत पर नुकसान पहुँच रहा है।

यदि विज्ञान की बात की जाए तो कई तरह की मानसिक बीमारियाँ चरम पर हैं। इनमें प्रमुख है नींद न आना और अनचाहा डर (एनजाइटी डिसऑर्डर)। ये मन में नकारात्मकता को जन्म देती हैं। समस्या यह है कि यदि हमने समय रहते मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो कोरोना काल के बाद भी मानसिक रूप से बीमार हो सकते हैं, अक्सर इसे पोस्ट डिसऑर्डर कहा जाता है। आज यह भी देखने में मिल रहा है कि जिन लोगों को पहले से बीमारी रही है, उनके लक्षणों में इजाफा हो रहा है। एक तरह से बहुत से लोगों में मानसिक बीमारियों की आशंका बढ़ी है। दिल का धड़कना, मुँह का सूखना, हर समय अनजाने डर का सताना, इसके प्रमुख लक्षण हैं। हम सभी को इस समय सबसे पहले यदि कुछ करना हो तो सरकार के हर निर्देश का पालन करना चाहिए। प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग कोई भी निर्देश बड़े सोच-विचार और अध्ययन के बाद ही जारी करता है। उनका पालन करते हुए हमें डरना नहीं है। यदि आप सरकार की जानकारियों का अनुसरण करेंगे तो बेवजह की सूचनाओं से दूर रहेंगे। आज सूचनाओं की अधिकता से परेशानी खड़ी हो रही है। आप समय का सदुपयोग करें। आध्यात्मिकता की ओर लौटना चाहिए। मोबाइल और टीवी से अधिक परिवार को समय दें।

15 मई 2021 शनिवार को माइक्रोसॉफ्ट टीम एप के जरिए आयोजित परिचर्चा में 3165 मोबाइल, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6217 लोग सपरिवार जुड़े।

हेल्थ वेबिनार में विदेशों से भी कई लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर लाभ उठाया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया।



परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र



परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र एवं डॉ. अमित गर्ग प्रश्न सुनते व उसका उत्तर देते हुए।

कार्यक्रम : सोलहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा
विषय : कोविड काल में तीसरी लहर की चर्चा एवं बच्चों हेतु सावधानियाँ।

प्रोफेसर (डॉ.) आलोक हेमल

पं. अटलबिहारी वाजपेयी चिकित्सा विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली

दिनांक : 22 मई, 2021 (शनिवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक

कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



सोलहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश के प्रख्यात चिकित्सक निदेशक एवं प्रोफेसर (डॉ.) आलोक हेमलजी का सानिध्य रहा। माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। डेढ घंटे तक चली परिचर्चा में कोरोना की तीसरी लहर, ब्लैक फंगस, श्वांस रोग, घर में रहने से उत्पन्न तनाव, वैक्सीन व इसके प्रभाव जैसे सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। आज की इस परिचर्चा में 324 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. आलोक हेमलजी ने सरलता व समझाइस के साथ दिए। कुल 3024 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6217 लोगों ने सपरिवार इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

स्वास्थ्य परिचर्चा को संबोधित करते हुए डॉ. आलोक हेमल ने कहा कि कोरोना से पहले कॉलरा, प्लेग, इंन्फ्लुएंजा बीमारियाँ महामारी के रूप में चुनौतियाँ खड़ी कर चुकी हैं। लेकिन हर बार धैर्य और संयम के साथ हमने इन पर विजय प्राप्त की है। यदि हम बात करें कोविड-19 और इस वायरस से बच्चों पर पड़ने वाले प्रभाव की तो इसकी पहली लहर में भी बच्चे प्रभावित हुए थे, लेकिन यह संख्या बहुत कम थी। इसके प्रारंभिक लक्षणों में यही देखा गया कि बच्चों को भोजन में स्वाद नहीं मिलता था। 2021 में दूसरी लहर के दौरान हल्की सर्दी के मामले सामने आए थे, कुल मिलाकर बहुत हल्के लक्षण इस दौरान देखने को मिले हैं।

तीसरी लहर को लेकर इस समय जो बातें कही जा रही हैं, वह अपरिपक्व हैं। इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। यह आ भी सकती है और नहीं भी। ऐसा भी हो सकता है कि पिछली लहरों की तरह ही बच्चों को यह अधिक प्रभावित न करे। बच्चे जिन्हें पूर्व में किसी तरह की बीमारी है, उनके संक्रमित होने की आशंका अधिक होती है। माइल्ड लक्षणों में बुखार, गले में खरास, सर्दी-जुकाम और कमजोरी जैसे लक्षण सामने आते हैं। स्वाद और सुगंध भी चली जाती है, डायरिया भी एक प्रमुख लक्षण होता है। ध्यान रखिए, संक्रमित होने के 2 से 14 दिन में लक्षण सामने आते हैं। ऐसे मामलों में होम आइसोलेशन का सुझाव दिया जाता है। इस दौरान बुखार आदि की सामान्य दवाएँ दी जाती हैं। माइल्ड में पल्स रेट सेचुरेशन 94 से ऊपर होता है। मॉडरेट में ऑक्सीजन सेचुरेशन 90 से 94 होती है। श्वास की दरें दो महीने से छोटा है तो 60 प्रति मिनट से ज्यादा, 2 माह से 1 साल का बच्चा है तो प्रतिमिनट 50 से ज्यादा, 1 से 5 साल के बच्चे में प्रतिमिनट 40 से ज्यादा, 5 साल से बड़े बच्चों में प्रतिमिनट 30 से ज्यादा श्वास दर है तो इसे हम मॉडरेट कटेगरी में रखते हैं। ऐसे बच्चों को जरुरत पड़ने पर ही अस्पताल में भर्ती किया जाता है। मॉडरेट में रेमडेसिविर, स्टीरॉयड, एंटीबायोटिक दवाएँ प्रयोग में लाई जाती हैं।सीवियर कोविड-19 इंफेक्शन मामलों में बच्चे के गले से आवाज आने लगती है। सीने में संक्रमण के लक्षण दिखते हैं। बहुत कमजोरी आ जाती है। उल्टी-दस्त की शिकायत हो सकती है। ऐसे बच्चों को आई.सी.यू. में भर्ती करना पड़ता है।

आजकल ब्लैक फंगस की एक नई चुनौती सामने आ गई है। यह ब्लैक म्यूकर माइसोसिस के कारण होता है। यह गंदी सतह पर अधिक होता है। बच्चों में इसके लक्षण अभी नहीं आए हैं। एड्स, कोविड-19, किडनी, कैंसर जैसी बीमारियों से ग्रसित बच्चों में इसकी आशंका अधिक होती है। ब्लैक म्यूकरमाइसोसि और व्हाइटम्यूकर माइसोसिस के प्रमुख लक्षण में बुखार, सिरदर्द, आंख में सूजन, धुंधला दिखाई देना, डबल विजन, दांतों का हिलना, आंख और नाक में कालापन इसके प्रमुख लक्षण होते हैं। इसका इलाज और दवाएँ उपलब्ध हैं।बचाव के लिए यदि कोई बच्चा कोविड-19 से संक्रमित होता है, तो सर्वप्रथम उसे होम आइसोलेशन में रखें। हाथ धुलकर ही नाक, कान मुंह को स्पर्श करें। बच्चों की निगरानी रखें। अच्छे पोषक तत्वों से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का प्रयास करें। बच्चों के लिए

भी जल्द ही वैक्सीनेशन प्रारंभ हो रहा है। वायरस के म्यूटेशन को लेकर तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं। धीरे-धीरे यह बीमारी भी खत्म हो जाएगी।

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने स्वास्थ्य परिचर्चा का कुशल संचालन किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि कोरोना की इस महामारी से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे कारगर हथियार है।





परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र एवं डॉ. आलोक हेमल प्रश्न सुनते व उसका उत्तर देते हुए।

कार्यक्रम :बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सामग्री वितरण

दिनांक : 26 मई, 2021 (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड, छतरपुर (म.प्र.)

बुद्ध पूर्णिमा को पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी के जन्मदिन के अवसर पर संस्कृत पाठशाला के छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल के लिए एक आर.ओ. प्रदान किया गया। इसी प्रकार समय बताने हेतु दीवार घड़ी प्रदान की गई। सभी छात्रों को टी-शर्ट, लेखन कापी व पेन पेंसिल एवं अन्य सामग्री दी गई। शिक्षकों को शहद में बने हुए मुरब्बा एवं भगवान धन्वंतरि का चित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर सभी काम करने वाले लोगों को जूते प्रदान किए गए। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इसलिए दसवीं कक्षा में सर्वोच्च अच्छे अंक पाने वाले को दस हजार रुपए नगद पुरस्कार देता है। आज इस जन्म दिवस के समारोह को सादगी पूर्वक मनाया गया और एक शुभ संकल्प लिया गया कि आनेवाले समय में भी इस पाठशाला का संपूर्ण विकास करेंगे। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र और न्यास के सभी साथियों के साथ श्री पी.एल. तंतुवाय, (विधायक हटा) जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. शर्मा मौजूद रहे। श्रीमती रेखा अवस्थी कोषाध्यक्ष, श्री नरेंद्र मिश्रा, ब्रजेश अग्रवाल, बॉबी असारी, श्री नीरज भार्गव, श्री प्रखर भट्ट आश्रम वासियों के साथ सहभोज किया। जन्मदिन मनाने का अनोखा तरीका है कि जरूरत मंदों के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम करने वाले लोगों को मदद पहुँचे, यही न्यास का उद्देश्य है।

अबार माता मंदिर (रामटौरिया के निकट) के पावन स्थान पर सर्व कल्याणार्थ पूजा आरती की। यह स्थान पांडव कालीन है। बहुत ऊँची शिला पर देवी माँ विराजमान हैं। इस स्थान का विकास आल्हा ऊदल ने किया था। इस स्थान पर वैशाख मास की पूर्णिमा को बड़ा ही भव्य मेला लगता है। भक्त गण जवारों का विसर्जन करने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि है फसल अच्छी आने के बाद जवारे निकाले जाते हैं।

भीमकुंड दर्शनीय तीर्थ स्थल पर, नीले पानी का अथाह जलस्रोत है। यहाँ पर चलने वाली श्री नारायण संस्कृत पाठशाला का अवलोकन किया। जिसमें 76

विद्यार्थी पढ़ते हैं। श्री श्री 1008 श्री शंकर्षणाचार्यजी महाराज के साथ पूरे परिसर का अवलोकन किया।



बुद्ध पूर्णिमा एवं डॉ. राकेश मिश्रजी के जन्मदिन के अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ माताजी व दद्दाजी का चित्र भेंट व सामग्री वितरण करते डॉ. राकेश मिश्र, श्रीमती रेखा अवस्थी (कोषाध्यक्ष) व स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज।



संस्कृत पाठशाला के छात्रों को पुस्तकें, घड़ी, लेखन सामग्री प्रदान करते हुए।



संस्कृत पाठशाला के छात्रों को शुद्ध पेयजल हेतु आर.ओ. प्रदान करते हुए।

कार्यक्रम : सत्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा

विषय : कोविड-19 महामारी : फेफड़ों से संबंधित तकलीफें, ब्लैक एवं व्हाइट फंगस की समस्या, भय और बचाव के उपाय।

डॉ. सौरभ मंदिलवार

टी.बी., अस्थनमा, नींद और छाती से संबंधित रोगों के विशेषज्ञ
बीम्सक मल्टीस्पेशियलटी हॉस्पिटल, खार, मुंबई (महाराष्ट्र)
दिनांक : 29 मई, 2021 (शनिवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



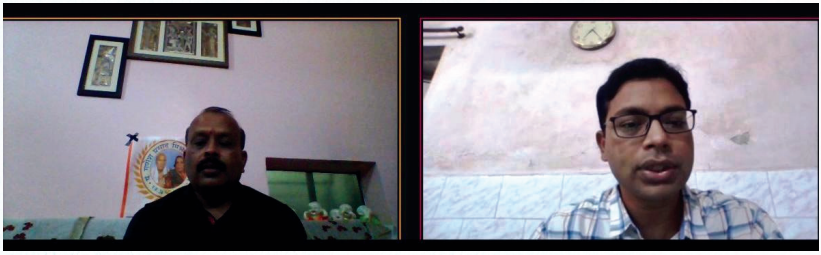
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने सत्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन कोविड काल में फेंफडों से संबंधित तकलीफें, ब्लैक व व्हाइट फंगस की समस्या, भय और बचाव के उपाय विषय पर किया। इस परिचर्चा में देश के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. सौरभ मंदिलवार ने लोगों को संबोधित करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ. मंदिलवार ने विगत 12 वर्षों का क्लिनिकल अनुभव अर्जित किया है। लीलावती हॉस्पिटल मुंबई से छाती रोग और साँस से संबंधित बीमारियों विषय में चिकित्सा कर रहे हैं। शनिवार सायंकाल आयोजित सत्रहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में डॉ. सौरभ मंदिलवार जी ने माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से उत्तर दिए। डेढ घंटे तक चली परिचर्चा में कोरोना काल में फेंफडों की बीमारी, ब्लैक व व्हाइट फंगस, श्वांस रोग, अस्थमा, वैक्सीन व इसके प्रभाव जैसे सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए। इस परिचर्चा में 389 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. सौरभ जी ने सरलता के साथ दिए। कुल 3456 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 7438 लोगों ने सपरिवार इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

स्वास्थ्य परिचर्चा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर हमारी रोग

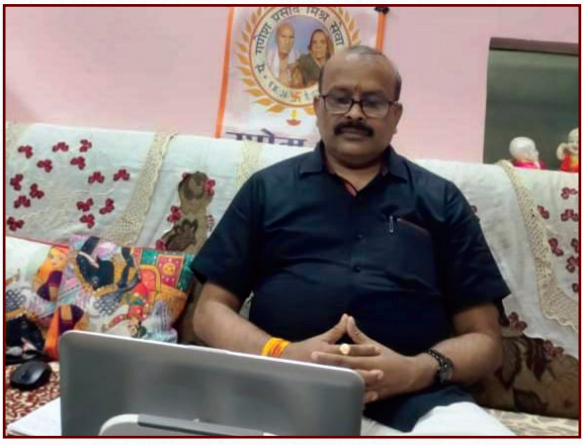
प्रतिरोधक क्षमता कम हो तभी कोविड 19 वायरस हमें प्रभावित करता है। जिसको किडनी, कैंसर, मधुमेह या कोई अन्य गंभीर बीमारी होती है, उन्हें अधिक प्रभावित करती है। ब्लैक फंगस को लेकर उन्होंने कहा कि चूंकि इंडस्ट्रियल ऑक्सीजन को मेडिकल ऑक्सीजन में तब्दील करने की प्रक्रिया में कुछ अशुद्धता की आशंका रहती है। ऐसे में मरीजों को दी जाने वाली मेडिकल ऑक्सीजन की अशुद्धता भी कई बार ब्लैक फंगस को जन्म देती है। भारत में यह संख्या अधिक इसलिए देखने को मिल रही है क्योंकि कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमितों की संख्या हमारे यहाँ अधिक रही है। हमारे यहाँ स्टीरॉयड का लोग बेतहाशा उपयोग करते हैं। एक अन्य वजह यह भी है कि हमारे यहाँ एक तिहाई आबादी मधुमेह का शिकार है। कोविड ठीक होने के एक माह तक आपको इस बीमारी का रिस्क ज्यादा होता है। सुगर लेवल 180 या 160 से कम है तो आपको ब्लैक फंगस का खतरा कम रहता है। हाईडोज स्टीरॉयड तो बहुत ही अधिक नुकसानदेह साबित हुआ है। दुर्भाग्य से कोरोना संक्रमितों के इलाज में जरुरत से ज्यादा स्टीरॉयड दिया गया है। इम्यूनो सप्रेशन और इम्यूनो मॉड्यूलेशन दोनों में संतुलन बनाना होगा।

ब्लैक फंगस शरीर के जिस हिस्से में भी पहुँचता है, वहाँ के ऊतकों को नष्ट कर देता है। नाक से काले रंग का पानी आना, आंख से पानी आना, आंख के चारों ओर सूजन, आधे चेहरे का दर्द करना, आधे सिर में दर्द होना इसके प्रमुख लक्षण हैं। इस बीमारी के दिमाग में पहुँचते ही सबसे अधिक खतरा होता है। तत्काल संदेह होने पर ई.एन.टी. डॉक्टर को दिखाना चाहिए। ब्लैक फंगस का इलाज ग्रामीण इलाकों या कस्बाई क्षेत्र में फिलहाल नहीं हो रहा है। सीबीसी में ल्यूकोसाइट कम होने पर भी यह फंगस आपके शरीर में आता है। श्वेत रक्त कणिकाएं यदि कम हैं, और सात दिन में भी यह नहीं बढ़ रही हैं तो सावधान रहना चाहिए। ब्लैक फंगस के टेस्ट कम हैं, एंन्डोस्कोपी प्रक्रिया से आधे घंटे में ही पता चल जाता है। एंटी फंगल दवाएँ अपने मन से न लें।

परिचर्चा का संचालन न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने किया।



परिचर्चा में डॉ. सौरभ मंदिलवार एवं डॉ. राकेश मिश्र





परिचर्चा में डॉ. राकेश मिश्र एवं डॉ. पुरुषोत्तम दास गंगेले सपरिवार ढ़डारी, छतरपुर (म.प्र.)

कार्यक्रम : सामूहिक वृक्षारोपण अभियान (विश्व पर्यावरण दिवस)

दिनांक : 05 जून, 2021 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : राजेंद्र नगर, गली नं. 9, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा राजेंद्र नगर गली नंबर 9 सतना में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें नीम, पीपल, सागौन, महोगनी, और तुलसी के पेड़ों को लगाया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा जहाँ पेड़ सूख गए हैं उस जगह भी नए पौधे को लगाया गया। सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य है कि अपना सपना हरा भरा सतना के अभियान को लेकर सतना को हरा भरा बनाना। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कहा कि अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छा जीवन यापन करना चाहते हैं तो अधिक-से-अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। इस महामारी काल में आक्सीजन की कीमत सबको पता चल गई। ऑक्सीजन देने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने के अलावा पेड़ पर्यावरण से अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं, जिससे वायु शुद्ध और ताजी बनती है। जितने हरे-भरे पेड़ होंगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा और अधिक विषैली गैसों को यह अवशोषित करेंगे। श्री मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण का स्तर इन दिनों बहुत अधिक बढ़ रहा है। इससे लड़ने का एकमात्र तरीका अधिक-से-अधिक पेड़ लगाना है। उदाहरण के लिए पेड़ों से घिरे क्षेत्र, गाँव और जंगल शुद्ध पर्यावरण को बढ़ावा देते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कम प्रदूषण से प्रभावित क्षेत्र हैं। दूसरी ओर शहरी आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों में खराब प्रदूषण और कम पेड़ों की संख्या के कारण खराब गुणवत्ता की वायु है। वृक्षारोपण का महत्त्व इतना स्पष्ट है तब भी कुछ ही मुट्ठी भर लोग हैं जो वास्तव में इस गतिविधि में शामिल होने का प्रण लेते हैं। बाकी अपने जीवन में इतने तल्लीन हो चुके हैं कि वे यह नहीं समझते कि बिना पर्याप्त पेड़ों के हम लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाएँगे। यह सही समय है जब हमें वृक्षारोपण के महत्त्व को पहचानना चाहिए और उसकी ओर अपना योगदान देना चाहिए। इस संदर्भ में डॉ. राकेश मिश्र का आलेख आज देश विदेश समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ है। जिसमें पर्यावरण का महत्त्वपूर्ण स्थान बताया गया है। इस दौरान शहर के कार्यकर्ता अशोक गुप्ता, सुभाष शर्मा डोली, कृष्णा पांडेय, विजय

तिवारी, कामता पांडेय, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, अभिनव त्रिपाठी, बालकृष्ण शुक्ला, आदित्य यादव, महेंद्र तिवारी, वर्षा त्रिपाठी, संध्या उर्मलिया, मनीष जैसवाल, विजय दुबे, निशा, कुंज शुक्ला, अभिषेक सिंह, निकुल वर्मा, उपस्थित रहे।



श्री कृष्णा पांडेय, श्री अभिनव त्रिपाठी, महेंद्र तिवारी, बालकृष्ण बेटा शुक्ला, संध्या उर्मलिया, विजय दुबे।





श्री अभिषेक सिंह, श्रीमती वर्षा तिवारी एवं अन्य।

कार्यक्रम : अठारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा
विषय : कोविड-19 महामारी, कैंसर की समस्या, भय और बचाव के उपाय

डॉ. राजेश जैन
(एम.बी.बी.एस., एम.एस.)

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एक्शन कैंसर अस्पताल, नई दिल्ली
दिनांक : 12 जून, 2021 (शनिवार) **सायं :** 7 बजे से 8.30 बजे तक
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली



अठारहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. राजेश जैन जी का सानिध्य रहा माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ्टवेयर क माध्यम से बड़ी बेबाकी से सरल सहज भावों से विषय का प्रतिपादन किया। डेढ घंटे तक चली इस परिचर्चा में कोरोना काल में कैंसर की समस्या, बचाव, टीका, इलाज की पद्धतियों के बारे में सविस्तार बताया। इसके प्रभाव व इलाज की सुविधाओं व सरकारी योजनाओं संबंधी सभी प्रश्नों के उत्तर दिए।

आज की इस परिचर्चा में 154 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिनके उत्तर डॉ. राजेशजी ने सरलता के साथ दिए कुल 3832 मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, टी.वी. स्क्रीन पर 6487 लोगों ने सपरिवार इसका लाभ उठाया। देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गाँव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

स्वास्थ्य परिचर्चा को संबोधित करते हुए डॉ. राजेश जैन ने कहा कि हमारा शरीर एक इमारत की तरह है। जिस तरह एक बिल्डिंग ईंटों से बनी होती है, वैसे ही हमारा शरीर असंख्य कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। यह कोशिकाएँ पुनर्जीवित होती रहती हैं। एक से दो, दो से चार और फिर अनगिनत संख्या में तैयार होती हैं। पुरानी कोशिकाएँ मर जाती हैं, नई बन जाती हैं। यह बहुत ही अद्‌भुत प्रक्रिया होती है। जरा सोचिए यदि यह प्रक्रिया रुक जाए तो क्या होगा।

लेकिन जब यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है और असीमित मात्रा में बढ़ जाती है तो कैंसर हो जाता है।

आँकड़े कहते हैं कि हर साल 12 लाख नए कैंसर मरीज सामने आते हैं। यह तो वह संख्या है जो दर्ज है। इससे भी बड़ी संख्या दर्ज ही नहीं हो पाती है। एक अनुमान के मुताबिक 18 लाख नए कैंसर मरीज हर साल सामने आते हैं।

शहरी क्षेत्र की महिलाओं में स्तन कैंसर अधिक हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में गर्भाशय या सर्वाइकल कैंसर अधिक सामने आ रहा है। पुरुषों में गुटखा व तंबाकू जनित उत्पादों के कारण मुख का कैंसर विकराल रूप लेता जा रहा है। यह गाल, जबड़ों और आंत को भी ग्रस्त करता है। यानी तरह-तरह के कैंसर हमारे देश में मौजूद हैं। डॉ. राजेश जैन ने कहा कि कैंसर के मूल कारणों में 70 फीसदी मामलों में हमें पता होता है, उसका बचाव किया जा सकता है। बावजूद इसके लोग लापरवाही करते हैं। कैंसर का सबसे प्रमुख कारण तंबाकू है। तंबाकू के दो रूप होते हैं। पहला धूम्रसहित जिसमें बीड़ी, सिगरेट, हुक्का आदि का सेवन शामिल है। दूसरा-धूम्ररहित जिसमें तंबाकू, पान-मसाला और गुटखा का सेवन प्रमुख है। यह और भी अधिक खतरनाक है। तंबाकू जनित कैंसर मुख, गाल, जबड़े, गर्दन, फेफड़े, यूट्रस, यूरिन ब्लैडर के कैंसर के रूप में सामने आता है। तंबाकू के बाद मदिरापान कैंसर का एक और बड़ा कारण है। मदिरापान के भी अलग-अलग रूप हैं। अल्कोहल (शराब) लीवर, आंत और स्तन तथा यूट्रस का कैंसर अधिक करता है।

कैंसर का तीसरा प्रमुख कारण संक्रमण है। कई वायरस और बैक्टेरिया भी कैंसर को जन्म देते हैं। हेपेटाइटिस का वायरस जो कि जॉइंडिस का भी कारक होता है, वह भी कैंसर का कारण बनता है। ऐसे ही कुछ और भी वायरस होते हैं जो कि आहारनाल से लेकर गुप्तांगों को भी प्रभावित करते हैं।

डॉ. राजेश जैन ने कहा कि कैंसर का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण जीवनशैली भी है। आज कोई भी व्यक्ति काम करना नहीं चाहता। श्रमसेवी की जगह लोग परजीवी होते जा रहे हैं। चर्बी व वसायुक्त चीजें ही लोग ज्यादा सेवन करते हैं। इसी तरह आजकल पेस्टिसाइड्स अधिक इस्तेमाल हो रहा है। यह अनाज के जरिए हमारे पेट में पहुँचता है। यह भी कैंसर को जन्म देता है।

मुख्य रूप से कैंसर की चार स्टेज होती हैं। पहली स्टेज में उदाहरण के लिए

स्तन कैंसर की स्थिति में स्तन में गाँठ हो जाती है। वह गाँठ 2 सेमी या उससे हल्की है तो उसे पहली स्टेज की स्थिति कहेंगे। वह गाँठ यदि 2 सेमी से और बड़ी हो गई तो दूसरी स्टेज मानी जाती है। यदि वही गाँठ फुट गई या रक्त का स्राव होने लगा तो यह तीसरी स्टेज कहलाएगी। इस स्टेज में मवाद निकलना, घाव हो जाना भी पहचान है। अब यदि यही कैंसर स्तन से निकलकर लंग्स या अन्य अंगों में पहुँच जाए तो चौथी स्टेज मानी जाएगी।

हमें स्टेज को जानना इसलिए भी जरूरी है कि उसके आधार पर ही उपचार शुरू किया जाता है। जितनी प्रारंभिक स्टेज में कैंसर का पता चलेगा, उतना ही ठीक रहेगा।

डॉ. राजेश जैन ने कहा कि समाज में कैंसर को लेकर तरह तरह की भ्राँतियाँ हैं। लोग कैंसर मरीजों और उनके परिवार जनों से दूरी बना लेते हैं, जबकि यह उचित नहीं है। कैंसर एक दूसरे से नहीं फैलता है। कैंसर मरीजों के साथ किसी प्रकार की अस्पृश्यता का व्यवहार न करें।

कैंसर का सबसे प्रभावी उपचार सर्जरी है। इसमें जिस अंग में कैंसर होता है, उसके प्रभावित हिस्से को निकाल दिया जाता है।

दूसरी उपचार विधि रेडियो थैरेपी है। इसमें प्रभावित अंग को रेडियो थैरेपी दी जाती है। यह उस समय की जाती है जब किसी अंग को निकालना संभव न हो।

तीसरी विधि है-दवाओं के जरिए उपचार। इसके अंतर्गत गोली, दवाओं और इंजेक्शन से ब्लड सर्कुलेशन के जरिए कैंसर को ठीक किया जाता है। इसे कीमो थैरेपी भी कहते हैं। लेकिन कीमो थैरेपी के कुछ साइड इफेक्ट भी हैं। दरअसल दवाएँ कई बार स्वस्थ कोशिकाओं को भी मार देती हैं। सौभाग्य से हमारे देश ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। इसलिए बिना संकोच समय पर कैंसर के उपचार की दिशा में आगे बढ़ें।

पहला—महिलाओं के स्तन में कोई गाँठ हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएँ।

दूसरा—45-50 वर्ष उम्र की महिलाओं में माहवारी बंद हो जाती है। लेकिन कुछ सालों बाद अचानक वह फिर शुरू हो जाती है। यह कैंसर का सूचक है।

तीसरा—अचानक बिल्कुल भूख का बन्द हो जाना। इसी तरह अचानक वजन कम हो जाना।

चौथा—खाँसी, मल-मूत्र त्याग के समय रक्त स्राव होना। लोग अक्सर मल

के रास्ते होनेवाले रक्त स्राव को सिर्फ बवासीर न समझें।

पाँचवाँ—कोई ऐसा बुखार या खाँसी जो पाँच-छह माह से जारी है तो कैंसर की जाँच अवश्य करवा लें।

साल में हर व्यक्ति को एक बार मेडिकल चेकअप कराना चाहिए। खासतौर पर 40 की उम्र के बाद कैंसर से जुड़े टेस्ट करा लेना चाहिए। महिलाओं को मेमोग्राफी अवश्य करवा लेना चाहिए। स्तन में गाँठ बनने से तीन साल पहले इस जाँच से उसका पता चल जाता है। यह जाँच बहुत ही सस्ती है। इसी तरह पैपस्मियर जाँच के जरिए गर्भाशय के मुख के कैंसर का आठ साल पहले पता चल जाता है। आज देश में हर घण्टे एक महिला सर्वाइकल कैंसर से मर रही है। इसलिए समय पर इसकी जाँच करवाना ठीक रहेगा।

50 की उम्र के बाद हर व्यक्ति को साल में एक बार पीएसए टेस्ट करवाना चाहिए। 200 रुपए में यह जाँच हो जाती है। यदि यह भी नहीं कर सकते हैं तो किसी भी डॉक्टर को जाकर अपना मुख दिखाएं तुरन्त वह बता देगा कि आपको मुख, गले या जबड़े का कैंसर है या नहीं। कुछ बेसिक जाँच के जरिए कैंसर का समय पर पता लगा लेने की प्रक्रिया को ही कैंसर स्क्रीनिंग कहते हैं। डॉ. राजेश जैन ने कहा कि अभी सिर्फ सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन उपलब्ध है। इसलिए उस वैक्सीन को लगवाना चाहिए। इस वैक्सीन की तीन डोज होती हैं। विवाह से पूर्व यह लगती है। डॉ. राजेश जैन ने कहा कि दहेज में आर्थिक आदान प्रदान की जगह लड़कियों को यह वैक्सीन देना चाहिए।





परिचर्चा में भाग लेता श्री विनीत रावत का परिवार दिल्ली में।

कार्यक्रम : सामूहिक वृक्षारोपण अभियान

दिनांक : 13 जून, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : शासकीय माध्यमिक विद्यालय टिकुरिया टोला, कश्यप चौक, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कश्यप चौक शासकीय विद्यालय टिकुरिया टोला में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें अमरूद, महोगनी, जामुन, बरगद, नीम, पीपल, सागौन और बरगद के पेड़ों को लगाया गया। पंम् गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा जहाँ पेड़ सूख गए हैं उस जगह भी नए पौधे को लगाया गया।सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य है कि अपना सपना हरा भरा सतना के अभियान को लेकर सतना को हरा भरा बनाना। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कहा कि अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छा जीवन यापन करना चाहते हैं तो अधिक-से-अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। इस महामारी काल में आक्सीजन की कीमत सबको पता चल गई। ऑक्सीजन देने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने के अलावा पेड़ पर्यावरण से अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं, जिससे वायु शुद्ध और ताज़ी बनती है। जितने हरे-भरे पेड़ होंगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा और अधिक विषैली गैसों को यह अवशोषित करेंगे। श्री मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण का स्तर इन दिनों बहुत अधिक बढ़ रहा है। इससे लड़ने का एकमात्र तरीका अधिक-से-अधिक पेड़ लगाना है। हमें वृक्षारोपण के महत्त्व को पहचानना चाहिए और उसकी ओर अपना योगदान देना चाहिए। योगेश ताम्रकार भाजपा जिला अध्यक्ष, नरेंद्र त्रिपाठी, अशोक गुप्ता, विजय तिवारी, कामता पांडेय, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, अभिनव त्रिपाठी, कृष्णा पांडेय, आदित्य यादव मंटू, किरण गुप्ता, संध्या उर्मलिया, विजय दुबे, राजेश त्रिपाठी योगेंद्र प्रताप सिंह योगी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



श्री योगेश ताम्रकार, नरेंद्र त्रिपाठी, विजय तिवारी, अशोक गुप्ता, बालकृष्ण पांडेय, किरण गुप्ता, संध्या उर्मलिया, अभिनव त्रिपाठी, विजय दुबे, श्याम लाल गुप्ता आदि।



कार्यक्रम : गंगा दशहरा के पावन पर्व पर सामूहिक वृक्षारोपण

दिनांक : 20 जून, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शारदा नगर घूरडांग, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी शारदा नगर घूरडांग महेंद्र तिवारी के सामने वाले मैदान में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें जामुन, बरगद, नीम, पीपल और बरगद के पेड़ों को लगाया गया। सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य है कि अपना सपना हरा भरा सतना के अभियान को लेकर सतना को हरा भरा बनाना है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि गंगा दशहरा के पावन पर्व पर आज वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया है। जहाँ पूरे देश में गंगा की स्वच्छता पर ध्यान दिया जा रहा है वहीं पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना शहर को हरा-भरा करने का कार्य किया जा रहा है। जिस तरह माँ बच्चे को पालने का काम करती है, उसी प्रकार हम न्यास के कार्यकर्ता पेड़ को बचाने का काम करेंगे। अगर हम वास्तव में जीवित रहना चाहते हैं और अच्छा जीवन यापन करना चाहते हैं तो अधिक-से-अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। इस महामारी काल में आक्सीजन की कमी सबने देखी है। ऑक्सीजन देने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने के अलावा पेड़ पर्यावरण से अन्य हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं, जिससे वायु शुद्ध और ताजी बनती है। जितने हरे-भरे पेड़ होंगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा और अधिक विषैली गैसों को यह अवशोषित करेंगे। डॉ. मिश्र ने कहा कि प्रदूषण का स्तर इन दिनों बहुत अधिक बढ़ रहा है। इससे लड़ने का एकमात्र तरीका अधिक-से-अधिक पेड़ लगाना है। इस दौरान न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र, श्री कृष्णा पांडेय, श्री सतीश शर्मा, श्री विजय तिवारी, श्री बाबूलाल सिंह, श्री श्याम लाल गुप्ता, श्री श्यामू, श्री जाह्नवी त्रिपाठी, श्री बालकृष्ण शुक्ला, श्री अभिनव त्रिपाठी, श्री आदित्य यादव मंटू, श्री महेंद्र तिवारी, श्री विजय दुबे, श्री योगेंद्र प्रताप सिंह राजू, श्री सूर्यपाल सिंह, श्री लवकुश सिंह, श्री अरविंद सिंह पप्पू, श्री नागेंद्र तिवारी, श्री राजेंद्र सिंह, श्री इंदु सिंह, श्री मान सिंह बागरी, श्री राजकुमार सिंह भदौरिया, श्री शिव कुमार तिवारी, श्री अनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्र वासियों ने अपना सपना हरा भरा सतना का जयघोष कर उपस्थित रहे।



डॉ. राकेश मिश्र, बेटा शुक्ला, कृष्णा पांडेय, महेंद्र तिवारी, जाह्नवी त्रिपाठी, श्याम लाल गुप्ता, अरविंद सिंह 'पप्पू', विजय दुबे, अभिनव त्रिपाठी, कामता पांडेय।



श्री बाबूलाल सिंह सहित घूरडांग के कार्यकर्ता।



घूरडांग बस्ती के नागरिकों द्वारा वृक्षारोपण।

कार्यक्रम : चतुर्थ पुष्प : (सत्र : 2020-2021)
पुस्तक विमोचन

दिनांक : 02 जुलाई, 2021 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव), जिला-महोबा (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए स्थापित पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से वार्षिक गतिविधियों को संकलित करके प्रकाशित पुस्तक चतुर्थ पुष्प 2020-2021 का लोकार्पण पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.) में किया गया। इस मौके पर सांसद, टीकमगढ़ डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि पं. गणेश प्रसाद सेवा न्यास की ओर से किए जानेवाले कार्यों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए न्यास की ओर जो कार्य किए जा रहे हैं वह सराहनीय हैं। उन्होंने न्यास के अध्यक्ष एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र के पुत्र डॉ. राकेश मिश्र द्वारा हमेशा सक्रिय रहकर समाज सेवा की दिशा में निरंतर कार्य करते रहने के लिए सराहना की। इस मौके पर विधायक, श्री राकेश गोस्वामी ने भी न्यास के कार्यों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक (विधायक), पूर्व सांसद, श्री शीलेंद्र सिंह, जिलाधिकारी (छतरपुर), डॉ. रचना मिश्रा (प्राचार्या), एस.डी.एम., पुलिस अधीक्षक महोबा भी उपस्थित रहे।



न्यास की स्मारिका चतुर्थ पुष्प का विमोचन करते डॉ. वीरेंद्र कुमार (सांसद), श्री राकेश गोस्वामी (विधायक महोबा), श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक (पूर्व विधायक), श्री शीलेंद्र सिंह (कलेक्टर), डॉ. रचना मिश्रा एवं डॉ. राकेश मिश्र (अध्यक्ष)

कार्यक्रम : द्वारचार एवं परिणय संस्कार सामग्री वितरण

दिनांक : 02 जुलाई, 2021 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव), जिला-महोबा (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्त्वाधान में अनेकों कार्यक्रमों की श्रृंखला में 51 सामूहिक विवाह का संकल्प न्यास के द्वारा लिया गया था, लेकिन कोरोना वायरस की दूसरी लहर आने पर अप्रैल माह में होने वाला कार्यक्रम स्थगित करने के बाद बैठक में निर्णय लिया गया कि अलग-अलग दौर में सभी विवाह संपन्न किए जाएँ जिसके चलते 4 जुलाई को 19 सामूहिक विवाह कार्यक्रम के तहत द्वारे द्वारे पाणिग्रहण संस्कार न्यास के द्वारा किए जाएँगे। इसके पूर्व सभी वर-वधू को सामग्री भेंट की गई। जिसमें एक जोड़े पूजा अहिरवार हरपालपुर का विनोद अहिरवार राजनगर के साथ विवाह संपन्न कर उन्हें आशीर्वाद दिया गया।

सामग्री की गई वितरित

विवाह सामग्री के तहत पलंग, अलमारी, कूलर, सोफासेट, बक्सा, सिलाई मशीन, लेडीज पर्स, श्रृंगार दानी, साड़ी-ब्लाउज, बर्तन सेट, सहित घरेलू उपयोग की सभी सामग्री भेंट की गई। इसके साथ ही दूल्हा के लिए थ्री पीस सूट एवं दुल्हन के लिए लहँगा की व्यवस्था भी पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा की गई। दुल्हन के लिए सोने का मंगलसूत्र, सोने की नाक की कील एवं चाँदी की पायलें बिछिया भेंट की गई। जिसकी राशि लगभग एक लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान टीकमगढ़ सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक, महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, पूर्व विधायक पुष्पेंद्र नाथ पाठक, छतरपुर कलेक्टर शीलेंद्र सिंह, सूरज देव मिश्रा, सन्नो सक्सेना, धीरेंद्र रेजा, धीरेंद्र गौर, सुशील पटैरिया, अंजुल जायसवाल, हरिश्चंद्र द्विवेदी, ललित नायक सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रतीक सक्सेना ने किया। इसके अलावा शासकीय पदाधिकारी पत्रकार बंधु एवं ग्रामीण मौजूद रहे।



संबोधित करते हुए सांसद डॉ. वीरेंद्र कुमारजी।



डॉ. रचना मिश्रा, प्रमिला मिश्रा, उमाशंकरजी, जितेंद्र सिंह सैंगर जिलाध्यक्ष महोबा आशीर्वाद देते।



श्री रवि रिछारिया, नीरज भार्गव, प्रखर भट्ट, सुनील रावत, मोनू शर्मा, रमाकांत त्रिवेदी एवं आशा रावत ने वर-बधू को आशीर्वाद प्रदान करते हुए।

कार्यक्रम : द्वारे-द्वारे परिणय यज्ञ

दिनांक : 04 जुलाई, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : 19 विभिन्न ग्रामों में समारोह

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा धवर्रा में सामूहिक विवाह संस्कार सामग्री का वितरण किया गया था। उसके बाद रविवार को द्वारे-द्वारे विवाह समारोह का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत 19 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बँधकर जीवन भर एक-दूसरे का साथ निभाने का संकल्प लिया। न्यास के 126 कार्यकर्ताओं की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर सौंपे गए दायित्वों के अनुसार विवाह समारोहों में शामिल होकर विवाह की रस्में पूरी कराईं। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए उनका आभार जताते हुए सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रेषित किया।

इन जोड़ों ने लिए सात फेरे

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने बताया कि सौ.कां. पूनम और ग्वालियर निवासी सोनू जाटव का विवाह जाटव मोहल्ला, नौगाँव में न्यास के कार्यकर्ता धीरेंद्र गौर, दिनेश अग्निहोत्री व प्रवीण दुबे की देख-रेख में संपन्न हुआ। इसी तरह अलीपुरा निवासी अनीता का विवाह लहेरापुरा, ग्राम-कलानी, बड़ामलहरा निवासी बृजकिशोर के साथ धीरेंद्र रेजा, जुगल सचान, रिंकू राजा के सानिध्य में, पूनम और अखिलेश की शादी हरसू महाराज, सूरजदेव मिश्रा के सानिध्य में, ऊषा सौंर और सोनू सौंर की शादी सिलापरी, हटा में विधायक पी.एल. तंतुवाय के नेतृत्व में, रूचि और पवनेश का विवाह, मुढ़ारी कुलपहाड़ में उमाशंकर मिश्रा व अनूप मिश्रा के सानिध्य में, आरती-मोहनलाल का विवाह, ग्राम-महेबा, जिला छतरपुर में रवि रिछारिया, आशु मिश्रा, श्रीराम रिछारिया, पूजा और दृगपाल का विवाह धरमपुरा जिला छतरपुर में बिजावर के पूर्व विधायक पुष्पेंद्र नाथ (गुड्डन पाठक) की देख-रेख में, तेली पहाड़ी, पनवाड़ी निवासी राजकुमारी का विवाह जीतू रैकवार के साथ लल्लन महाराज एवं अनिल खरे की देख-रेख में, पिंकी राजपूत और धीरेंद्र का विवाह, पनवाड़ी में अनिल खरे की देख-रेख में, मानसी-अनिल का विवाह नौगाँव में सन्नो सक्सेना, सुशील द्विवेदी, पूनम-सुरेश का विवाह पन्ना में

संजय नगायच, अंकित पाठक, रम्बा-अशोक कुमार का ग्राम नगारा डांग में नरेश वर्मा, अनिल त्रिपाठी, राजकुमारी-पवन का ग्राम बिजौरी में सुनील रावत, प्रभात टेलर, अंजना सेन-उत्कर्ष सेन का खजुराहो में सुशील पटैरिया, एकता-केदार सेन का छतरपुर में नरेंद्र मिश्रा, आरती-सूरज सिंह का ग्राम नगारा डांग, उत्तरप्रदेश का वीरेंद्र खरे, अनूप मिश्रा, पूजा-विनोद का विवाह हरपालपुर में, सोनिया-महेंद्र का विवाह राधे शुक्ला, नीरज भार्गव, नीलम सुल्लेरे-नीतेश शुक्ला, बलचोर, महोबा में नरेश वर्मा की देख-रेख में संपन्न हुआ। न्यास के कार्यकर्ताओं ने सभी कार्यक्रम विधि-विधान से संपन्न कराने में सहयोग किया और बेटियों को न्यास की ओर से कन्या के नाम से 51 सौ रुपए की चैक भेंट की।

इस कार्यक्रम में पुष्पेंद्र पाठकजी, न्यास की पदाधिकारी आशा रावत, रेखा अवस्थी, डॉ. रचना मिश्रा, डॉ. राकेश मिश्र व प्रमिला मिश्रा ने अनेक द्वारों पर जाकर विवाह कार्यक्रमों में पहुँचकर कन्या पक्ष की व्यवस्थाओं का व्यक्तिगत रूप से जायजा लिया व उनको आवश्यक सहायता भी पहुँचाई।



श्री पुष्पेंद्र पाठक, श्रीमती भुवनेश्वरी पाठक, अमृतांश पाठक चैक प्रदान करते हुए।



श्री सुनील रावत, श्रीराम रिछारिया, अनूप मिश्रा सामग्री प्रदान करते।



श्री रवि रिछारिया चैक देते हुए



श्री जुगल सचान, रिकू राठौर, रवि मिश्रा धीरेंद्र गुप्ता वर-वधू को चैक देते हुए।



डॉ. रचना एवं प्रमिला मिश्रा बरा कीरतपुरा में चैक सौंपते हुए।



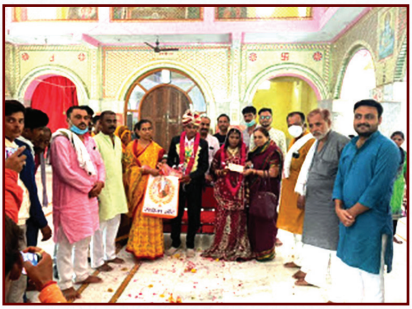
श्री पी.एल. तंतुवाय (विधायक) चैक देते हुए।



श्री उमाशंकर मिश्र एवं अनूप मिश्रा चैक प्रदान करते हुए।



श्री अनिल कुमार (झाँसी), डॉ. राकेश मिश्र, प्रमिला मिश्रा, रचना मिश्रा एवं गुड्डन पाठक।



श्री सूरज देव मिश्रा, रेखा अवस्थी, आशा रावत, अमृतांश पाठक, धीरेंद्र गौर, धीरेंद्र गुप्ता, रामसनेही चतुर्वेदी सामग्री प्रदान करते हुए।



श्री अनिल खरे एवं लल्लन महाराज आशीर्वाद स्वरूप चैक देते हुए।



श्री हरिशचंद्र द्विवेदी (हरसू महाराज) गुड्डन पाठक, डॉ. रचना मिश्रा चैक प्रदान करते हुए।

"द्वारे-द्वारे परिणय यज्ञ"—"द्वारचार एवं परिणय संस्कार"
"विवाह सूची"

स्थान : बुंदेलखंड के छतरपुर, पन्ना, दमोह, महोबा जिले के 19 स्थानों पर

1	सौ. कां. पूनम जाटव (आत्मजा श्री लखन लाल जाटव) **परिणय** चि. सोनू जाटव (आत्मज श्री रामदास) **विवाह स्थल : जाटव मोहल्ला, नौगाँव**	2	सौ. कां. अनीता अहिरवार (आत्मजा श्री मैयादीन अहिरवार) **परिणय** चि. बृजकिशोर (आत्मज श्री हरि अहिरवार) **विवाह स्थल : लवेरा पुरा, कलानी बडामलहरा, जिला-छतरपुर**
3	सौ. कां. पूनम रैकवार (आत्मजा श्री प्यारेलाल रैकवार) **परिणय** चि. अखिलेश रैकवार (आत्मज स्व. बालमकुंद, रैकवार) **विवाह स्थल : ढीमर मोहल्ला बिलहरी (नौगाँव)**	4	सौ. कां. ऊषा सौर (आत्मजा श्री हल्के सौर) **परिणय** चि. सोनू (आत्मज श्री सरमन सौर) **विवाह स्थल : ग्राम सिलापरी हटा, दमोह**
5	सौ. कां. रूचि तिवारी (आत्मजा श्री संतोष कुमार तिवारी) **परिणय** चि. पवनेश रिछारिया (आत्मज श्री लखनलाल रिछारिया) **विवाह स्थल : मुढ़ारी, कुलपहाड, महोबा**	6	सौ. कां. आरती अहिरवार (आत्मजा श्री जियालाल अहिरवार) **परिणय** चि. मोहन लाल अहिरवार (आत्मज श्री हल्का अहिरवार) **विवाह स्थल : महेबा, छतरपुर (म.प्र.)**
7	सौ. कां. पूजा कुशवाहा (आत्मजा श्री गजराज कुशवाहा) **परिणय** चि. दृगपाल कुशवाह (आत्मज श्री मुन्ना लाल कुशवाह) **विवाह स्थल : धरमपुरा (नौगाँव)**	8	सौ. कां. राजकुमारी रैकवार (आत्मजा श्री गणेश रैकवार) **परिणय** चि. जीतू रैकवार (आत्मज स्व. बालमकुंद रैकवार) **विवाह स्थल : तेली पहाडी, पनवाडी, जि. महोबा**
9	सौ. कां. पिंकी राजपूत (आत्मजा श्री बड़पाल राजपूत) **परिणय** चि. धीरेंद्र राजपूत (आत्मज श्री छवलाल राजपूत) **विवाह स्थल : ग्राम धवार, पनवाडी, जि. महोबा**	10	सौ. कां. मानसी अहिरवार (आत्मजा श्री अशोक अहिरवार) **परिणय** चि. अनिल अहिरवार (आत्मज श्री सरमन) **विवाह स्थल : वार्ड नं. 11, नौगाँव (म.प्र.)**

	सौ. कां. पूनम अहिरवार (आत्मजा श्री गोपाल अहिरवार) **परिणय**		सौ. कां. रम्बा रैकवार (आत्मजा श्री चुन्नीलाल) **परिणय**
11	चि. सुरेश अहिरवार (आत्मज श्री सरजू अहिरवार) **विवाह स्थल** ग्राम नयापुरा, जिला-पन्ना (म.प्र.)	12	चि. अशोक (आत्मज श्री महेंद्र राजपूत) **विवाह स्थल : नगारा डांग, अजनर, जि. महोबा (उ.प्र.)**
	सौ. कां. राजकुमारी (आत्मजा श्री हीरा लाल) **परिणय**		सौ. कां. अंजना सेन (आत्मजा श्री राम लाल सेन) **परिणय**
13	चि. पवन (आत्मज श्री हरचरण) **विवाह स्थल : ग्राम-बिजौरी, महोबा (उ.प्र.)**	14	चि. उत्कर्ष सेन (आत्मज श्री भगवती प्रसाद सेन) **विवाह स्थल : खजुराहो, जिला छतरपुर (म.प्र.)**
	सौ. कां. एकता सेन (आत्मजा श्री सुनील कुमार सेन) **परिणय**		सौ. कां. आरती राजपूत (आत्मजा श्री संतोष राजपूत) **परिणय**
15	चि. केदार सेन (आत्मज श्री कल्लू सेन) **विवाह स्थल : कृष्णा कॉलोनी, छतरपुर**	16	चि. सूरज राजपूत (आत्मज श्री भान सिंह) **विवाह स्थल : नगारा डांग, महोबा (उ.प्र.)**
	सौ. कां. पूजा अहिरवार (आत्मजा श्री वीरेंद्र अहिरवार) **परिणय**		सौ. कां. सोनिया अहिरवार (आत्मजा श्री हल्कू अहिरवार) **परिणय**
17	चि. विनोद (आत्मज श्री लक्ष्मी प्रसाद) **विवाह स्थल : वार्ड नं. 13, हरपालपुर (म.प्र.)**	18	चि. महेंद्र (आत्मज श्री बालादीन अहिरवार) **विवाह स्थल : फूला देवी कॉलोनी, नौगाँव, छतरपुर**
	सौ. कां. नीलम सुल्लेरे (आत्मजा श्री चंद्रभान सुल्लेरे) **परिणय**		
19	चि. नीतेश शुक्ला (आत्मज श्री नर्मदा प्रसाद) **विवाह स्थल : बलचौर, महोबा (उ.प्र.)**		

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में 04 जुलाई 2021 को संपूर्ण बुंदेलखण्ड में आयोजित द्वारे-द्वारे विवाह कार्यक्रम की झलकियां



कार्यक्रम : पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्राजी की जन्म जयंती में श्रीमद्भागवत सप्ताह एवं सामग्री वितरण

दिनांक : 17 से 24 जुलाई, 2021 तक
कार्यक्रम स्थल : श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड, जिला-छतरपुर (म.प्र.)

ध्यान मूलम् गुरुमूर्ति, पूजा मूलम् गुरुपदम्, मंत्र मूलम् गुर्रुवाक्यं, मोक्ष मूलम् गुरुकृपा। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर। जीवन में सद्विचार और अच्छे भाव से जी सकें और लोगों को अच्छी प्रेरणा मिल सके ऐसा ज्ञान हमें गुरु द्वारा प्राप्त होता है। उक्त विचार नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष व बड़ामलहरा विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी ने श्री श्री 1008 श्री स्वामी विष्णु प्रपन्नाचार्यजी की मूर्ति अनावरण समारोह में व्यक्त किए। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हटा विधायक श्री पी.एल. तंतुवाय, बिजावर के पूर्व विधायक पुष्पेंद्र नाथ पाठक, बड़ामहलहरा पूर्व विधायक श्रीमती रेखा यादव, न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र, बिजावर नगर परिषद अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. शर्मा, नरेंद्र मिश्रा, संजय नगायच सहित इलाहाबाद, दमोह, सागर, नौगाँव, टीकमगढ़, छतरपुर, बाँदा, हरपालपुर, महोबा, वाराणसी से आए हुए हजारों लोग उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता स्वामी श्री शंकर्षणाचार्यजी ने की। कार्यक्रम के शुभारंभ में वाराणसी से पधारे आचार्यों ने स्वस्ति वाचन किया।

श्री लोधी ने कहा कि अभी बकस्वाहा में आई.टी.आई. कॉलेज स्वीकृत हुआ है। साथ ही साथ 29 पद भी स्वीकृत हुए हैं। सौर ऊर्जा का बहुत बड़ा प्लांट भी हमारे छतरपुर जिले में स्वीकृत हुआ है। बकस्वाहा में केंद्रीय विद्यालय भी स्वीकृत किया जा चुका है तथा भूमि भी आवंटित हो गई है। भीमकुंड के विकास के लिए उन्होंने कहा कि मैं प्रयासरत हूँ कि इसे पर्यटन स्थल घोषित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि हमने कोशिश की है कि एक टूरिस्ट सर्किट बनाया जाए जिसमें खजुराहो, भीमकुंड, जटाशंकर, बाँदकपुर आदि शामिल हों।

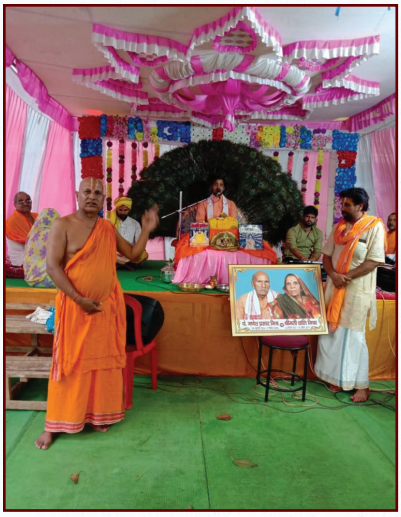
बिजावर के पूर्व विधायक गुड्डन पाठक ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज हमें जो सत्संग का अवसर मिला है, वह प्रभु

श्रीराम की कृपा है। उन्होंने कहा कि हम इन्द्रियों के वश में रहकर उनकी संतुष्टि के लिए कार्य कर रहे हैं। इसलिए हम सत्संग तो कर सकते हैं, पर भजन करने में मन नहीं लगा पाते।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग कार्यवाह श्री असाटीजी ने भीमकुंड के विकास के लिए सभी का आह्वान किया। हटा विधायक ने इस कार्यक्रम में भागीदारी करने के लिए अपने आप को धन्य मानते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक क्षेत्र के विकास के लिए मुझसे जो बन पड़ेगा करने का प्रयास करूँगा। श्री नारायण आचार्यजी ने संस्कृत विद्यालय को महाविद्यालय में उन्नयन करने की बात रखी।

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के यहाँ आने का कारण बताते हुए कहा कि पूज्य दद्दाजी की संस्कृत भाषा में विशेष रुचि थी। जब प्रयागराज माघ मेले में श्री नारायण आचार्यजी और स्वामी शंकर्षणाचार्यजी ने बताया कि यहाँ एक संस्कृत पाठशाला है उसकी स्थिति जर्जर हो चुकी है। व्यवस्थाओं की कमी है। तो मैंने कहा कि टूरिस्ट प्लेस का विकास तो यहाँ के विधायक आदि करेंगे; परंतु मैं संस्कृत पाठशाला हेतु सहयोग करूँगा। यहाँ से पढ़कर जो बच्चे वेदपाठी ब्राह्मण बनकर निकलेंगे, यही हमारी उपलब्धि होगी। तभी मैंने प्रण कर लिया था कि पूज्य द्ददाजी के मुख्य भाव को दृष्टिगत रखते हुए इस विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को कोई कमी नहीं होने दूँगा। इस अवसर पर परिसर वृक्षारोपण किया गया एवं सब्जी के बीजों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में विनय द्विवेदी एस.डी.एम. नौगाँव, पीयूष दीक्षित तहसीलदार नौगाँव, पन्ना के पूर्व सहकारी बैंक अध्यक्ष संजय नगायच, सागर भाजपा जिला महामंत्री श्याम तिवारी, रमेश राय, श्याम शिवहरे, संजय सेन, दमोह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मालती असाटी, कविता राय, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. विज्ञान देव मिश्रा, महोबा से शशांक गुप्ता, प्रवीण गुप्त, नरेंद्र मिश्रा टिबलू, प्रदीप खरे मंटू, मोनू शर्मा, सन्नो सक्सेना, आलोक जायसवाल, विनायक श्रीवास्तव, संतोष यादव, कन्हैया अग्रवाल, गुड्डा त्रिवेदी सहित हजारों श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत सभी ने भोजन प्रसाद का रसास्वादन किया।



स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज के सानिध्य में श्रीमद्भागवत कथा करते श्री राहुल शास्त्रीजी।



श्रीमती रेखा यादव (पूर्व विधायक बड़ामलहरा) डॉ. राकेश मिश्र वृक्षारोपण करते हुए।



श्रीमती आशा रावत एवं रेखा अवस्थीजी भागवत की आरती करते हुए।



स्वामी विष्णु प्रपन्नाचार्यजी की मूर्ति अनावरण करते अतिथिगण



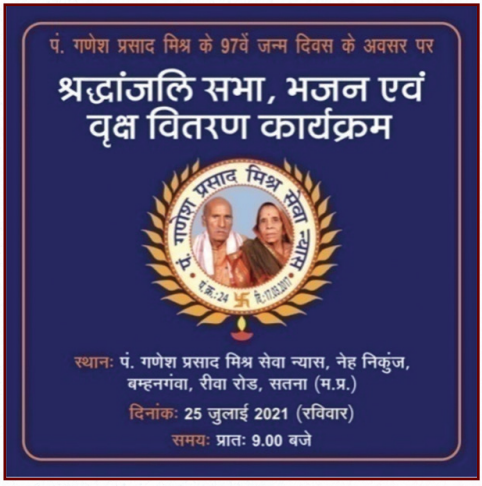
श्री नारायण संस्कृसत पाठशाला भीमकुंड में संबोधित करते डॉ. राकेश मिश्र।



श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड में मंचासीन अतिथि श्री प्रद्युन लोधी (विधायक), श्री पुष्पेंद्र पाठक, श्री संतोष शर्मा (जिला शिक्षा अधिकारी), श्री पी.एल. तंतुवाय (विधायक), श्री नारायण आचार्य, श्री बद्री असाटीजी, डॉ. विज्ञान देव मिश्र एवं संबोधित करते डॉ. राकेश मिश्र।

कार्यक्रम : सुंदरकांड, श्रद्धांजलि सभा, सामूहिक वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण

दिनांक : 25 जुलाई, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : 'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)



पं. गणेश प्रसाद मिश्र की 97वीं जयंती के उपलक्ष्य में नेह निकुंज बम्हनगवाँ, रीवा रोड सतना में भजन, सुंदरकांड पाठ एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम के साथ उनका पुण्य स्मरण किया गया। इसके साथ ही प्रातः 10 बजे फलदार वृक्षों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि 2020 का साल हम सबके लिए बहुत कठिनाइयों से भरा था और आक्सीजन की कमी थी। कोरोना के लेकर हर व्यक्ति में दहशत में थी। हम सभी को अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण करना हैं। जिससे ऑक्सीजन की कमी न होने पाएँ। इस अवसर पर श्री जी.पी. रिछारिया, राजीव व्यास, विभाष बनर्जी, अनंत सोनी, अवधेश शुक्ला, सुभाष शर्मा डोली, विजय तिवारी, ब्रजविलास मिश्रा, पद्मेश गौतम रीवा, कृष्णा पांडे, अशोक गुप्ता, सीमा सिंह यादव, बालकृष्ण शुक्ला, विजय यादव, प्रतिमा बागरी, संपतजी धूत, शंकर दयाल त्रिपाठी, बालेंदु गौतम, श्यामलाल गुप्ता श्यामू, कामता पांडेय, विजय दुबे, अभिनव त्रिपाठी, संध्या उर्मलिया, जान्हवी त्रिपाठी, कमलेश्वर अग्रवाल, वर्षा तिवारी, रमाकांत गौतम, गुड्डा अग्रवाल, प्रह्लाद कुशवाहा, श्री राम मिश्रा, रमेश मिश्रा, बालेंद्र गौतम, अरविंद सिंह पप्पू, विनय श्रीवास्तव, अनुराग गौतम, राजेश अग्रवाल, गुड्डा अग्रवाल, मोरध्वज मिश्रा उपस्थित रहे। श्रीमती मालती मिश्रा उपाध्यक्ष सेवा न्यास ने सभी का आभार व्यक्त किया।





सतना में सुंदरकांड करते सुभाष शर्मा डौली, श्री अशोक गुप्ता, रमाकांत गौतम, श्यामलाल गुप्ता, नरेंद्र शर्मा, अरविंद सिंह पप्पू, श्रीमती संध्या उर्मलिया, ब्रजविलास मिश्रा, विजय तिवारी, अशोक गुप्ता, कामता पांडेय, छोटू रिछारिया, नीरज पांडेय व कमलेश्वर अग्रवाल आदि।



श्रद्धांजलि अर्पित करते सतना के कार्यकर्ता।



कार्यक्रम : कृषक प्रशिक्षण, कृषि सामग्री एवं बीज वितरण

दिनांक : 26.07.2021 (सोमवार), **प्रात :** 8:00 बजे
(श्रावण कृष्ण द्वितीया, विक्रम संवत 2078)
स्थान : श्री गणेश आई.टी.आई., नौगाँव, जिला-सतना (म.प्र.)



श्री गणेश आई.टी.आई. नौगाँव के सभागार में पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के प्रेरणा-स्रोत पं. गणेश प्रसाद मिश्र दद्दाजी की 97वीं जयंती के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास एवं धानुका एग्रीटेक लिमिटेड के तत्वावधान में कृषक प्रशिक्षण एवं कृषि सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्राजी एवं पूर्व विधायक पुष्पेंद्र नाथ पाठकजी, डॉ. रचना मिश्रा प्राचार्या एवं धानुका एग्रीटेक लिमिटेड की ओर से राहुल सिंह बघेलजी कृषि वैज्ञानिक सागर के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्राजी के द्वारा कृषि में कम लागत में अधिक मुनाफा प्राप्त हो एवं किसानों की आय दोगुनी कैसे की जाए इस विषय पर प्रकाश डाला गया। गुड्डन पाठकजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए इसके पश्चात श्री राहुल बघेलजी ने कृषि से संबंधित अनेक तरह की समस्याएँ एवं कृषि से संबंधित अनेक विषयों पर किसानों को जानकारी दी। किसानों के द्वारा अनेक विषयों पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर कृषि वैज्ञानिक बघेलजी के द्वारा दिए गए। किसानों की सारी समस्याओं का समाधान किया। बघेलजी ने खाद एवं बीज का सही मात्रा एवं सही तरीके से उपयोग करने के बारे में भी जानकारी दी एवं दवा की मात्रा एवं समय पर किस तरीके से उसका उपयोग किया जाए, ताकि किसानों को कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त हो सके। किसानों ने संबंधित विषय जैसे बीज उपचारित करने के तरीके एवं खरपतवार नियंत्रण एवं रोग व्याधि पर नियंत्रण एवं अपनी फसलों को अन्य तरह के कीटों से बचाने के लिए किस

दवा का उपयोग और कितनी मात्रा में कब छिड़काव करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा किसानों की सारी जानकारी दी गई।इस कार्यक्रम में धानुका एग्रीटेक लिमिटेड की ओर से राहुल सिंह बघेल, कृषि वैज्ञानिक सागर एवं दीपक तिवारी एरिया सेल्स मैनेजर छतरपुर एवं भरत लाल पांडेजी कृषि डॉक्टर धानुका एवं आसपास के लगभग 25 गाँवों से किसान पधारे। धवर्रा, गढिया, घिसल्ली, रावतपुरा, गंज, नरवारा, चमरूआ, खमा, पठारी, नौगाँव, बिलहरी, मऊ सहनिया, सुकवाँ, ठठेवरा, बिजौरी, इंद्रहटा, देवपुर ,चंद्रपुरा, लुहेडी, हिलुवा आदि जगह से किसान पधारे। जिसमें अनेक किसानों ने अपने प्रश्नों को कृषि वैज्ञानिक से पूछा। उसमें श्री सुरेंद्र कुमार द्विवेदी, श्री हरसू महाराज, श्रीराम रिछारिया, नारायण दास पाल, बबलू पाल, मुकेश राजपूत, जयपाल राजपूत, मुन्ना राजपूत, पूरन विश्वकर्मा, धीरेंद्र रावत, मनोज राजपूत, रिंकू राजा, प्रवीण दुबे, नारायण अनुरागी, रिंकू अहिरवार, देवेंद्र राजपूत, विनोद अग्रवाल, संतोष शर्मा, मणिलाल रैकवार, राम लाल साहू आदि किसानों ने अपने प्रश्न कृषि वैज्ञानिक से पूछे एवं अपनी शंकाएँ व्यक्त कीं। जिसको कृषि वैज्ञानिक श्री बघेलजी ने उनके उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन धीरेंद्र गौरजी के द्वारा किया गया एवं न्यास के अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। जिनमें हरसू महाराज, विनायक श्रीवास्तव, अनूप मिश्रा, श्रीराम रिछारिया, मोनू शर्मा, सन्नो सक्सेना, सुशील कुमार द्विवेदी, सुनील रावत, साहित्य मिश्रा, बीजी अहिरवार, रामसनेही चतुर्वेदी, रमाशंकर त्रिवेदी एवं अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकों ने इस कार्यक्रम की उपस्थिति रही।

इसी क्रम में दिल्ली, सतना सहित अनेक स्थानों पर गरीबों को भोजन का वितरण भी किया गया। न्यास के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पं. मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए राष्ट्रसेवा में सतत् कार्य करते रहने का संकल्प लिया। आभार व्यक्त श्रीमती रेखा अवस्थी कोषाध्यक्ष ने किया।

कालजयी व्यक्तित्व पं. गणेश प्रसाद मिश्र का 97वाँ जन्मदिन जहाँ एक और धवर्रा में खेल परिसर स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पण से हुआ। वहीं दूसरी ओर न्यास के कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। उनकी जन्मभूमि पर आयोजित कार्यक्रम में युवाओं ने भजन कीर्तन किए व उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नौगाँव हरपालपुर महोबा बांदा चित्रकूट आदि दूर-दूर से आए लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी सेवाओं को याद किया।



वृक्षारोपण करते हुए श्रीमती आशा रावत (सचिव) एवं श्रीमती रचना मिश्रा व श्री श्रीराम रिछारिया, शीतल कुशवाहा सहयोगीगण।



खेल परिसर में श्रंद्धांजलि सभा करते ऋषि तिवारी, मनोज, रिंकू राठौर व अन्य।





प्रशिक्षण कार्यशाला में अतिथि एवं किसान।



वैज्ञानिक श्री राहुल सिंह को किसान प्रशिक्षण में ध्यान से सुनते किसान।



श्री धीरेंद्र गौर, राहुल बघेल, डॉ. रचना, डॉ. राकेश एवं पुष्पेंद्र नाथ पाठक।



डॉ. राकेश मिश्र का प्रास्ताविक उद्‌बोधन।



किसानों को बीज व सामग्री किट वितरण करते धीरेंद्र गौर, डॉ. रचना मिश्रा एवं राहुल सिंह बघेल।

कार्यक्रम : ओरछा के राजा राम की लीला हेतु सोशल मीडिया का शुभारंभ

दिनांक : 10 अगस्त, 2021 (मंगलवार)
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

पूज्य संत श्री त्रिलोचन दर्शन दासजी महाराज के सानिध्य एवं भारत सरकार के अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन श्री विजय सांपलाजी की उपस्थिति में रामलीला का लोगो एवं वेबसाइट का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर ओरछा के राजा राम की लीला के लिए सभी 25 पदाधिकारी उपस्थित थे। संत त्रिलोचन दास जी का लीला समिति के अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश टंडन एवं चेयरमैन श्री सत्य भूषण जैन ने अंग वस्त्र, गदा, स्मृति चिह्न भेंट किया। संत श्री ने अपने कर कमलों से रामलीला की वेबसाइट का उद्घाटन किया। लीला निर्देशक श्री नितिन बत्रा ने अपनी प्रस्तुति में 10 दिनों तक चलने वाले समारोह की रूपरेखा रखी। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी श्री आदित्य अग्रवाल, श्री विष्णु कुमार सुरेखा, श्री नवरत्न अग्रवाल, श्री दयानंद अग्रवाल, श्री राजीव मित्तल, श्री राजेश कुमार वर्मा, श्री राहुल राजपाल, श्री संजीव कुमार, श्री अनिल कुमार, श्रीमती वंदना टंडन, श्रीमती प्रमिला मिश्रा, सोशल मीडिया के प्रमुख श्री शशि कांत मिश्रा भी उपस्थित रहे। कोरोना काल में घर पर बैठकर रामलीला के देखने हेतु यह आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश विदेश के ख्याति लब्ध कलाकार उपस्थित रहेंगे। 6 से 15 अक्टूबर, 2021 तक ओरछा में होने वाली इस रामलीला में बुंदेलखंड के धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को दिखाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के सहयोगी एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने पूरे आयोजन की रूपरेखा रखते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम, राजा के रूप में ओरछा में विराजमान हैं और उनकी पूजा करना हम सबका धर्म है। कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियाँ प्रारंभ हो चुकी है। आज इस अवसर पर श्री विजय सांपलाजी ने ओरछा के राजा की लीला हेतु अपनी शुभकामनाएँ व्यक्ति की तथा कहा कि मैं स्वयं परिवार सहित इस आयोजन में सम्मिलित रहूँगा।



श्री सत्य भूषण जैन, श्री त्रिलोचन दर्शन दासजी महाराज, डॉ. राकेश मिश्र, श्री एस.एस. अग्रवाल, प्रमिला मिश्रा गदा भेंट करते हुए।





श्री वी.पी. टंडन (अध्यक्ष), श्रीमती वंदना टंडन





श्री विष्णु कुमार सुरेखा, श्री नितिन बत्रा (लीला निर्देशक), संजीव कुमार, राजीव मित्तल, नवरतन अग्रवाल, अनिल कुमार आदि।

कार्यक्रम : सामूहिक वृक्षारोपण अभियान

दिनांक : 12, अगस्त, 2021 (गुरुवार)
कार्यक्रम स्थल : स्व. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति हाई स्कूल, मानपुरा, जिला-छतरपुर (म.प्र.)

स्व. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति शासकीय हाई स्कूल मानपुरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उपयोगी एवं फलदार वृक्ष लगाये गए। इन वृक्षों को जमीन से 5 फीट की गहराई में रोपा गया। इस अवसर पर श्री संतोष शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी छतरपुर, श्री विनय द्विवेदी एस.डी.एम. नौगाँव, श्री पीयूष दीक्षित तहसीलदार नौगाँव, डॉ. श्रीमती रचना मिश्रा (प्राचार्य कन्या उ.मा. विद्यालय, नौगाँव), श्रीमती प्रतिमा सिंह चौहान (प्राचार्या आदर्श उ.मा.वि. नौगाँव), श्री बी.जी. अहिरवार (प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय, नौगाँव), श्री आलोक जायसवाल (उपयंत्री), श्री आर.के. पाठक (बी.ई.ओ. नौगाँव), श्री एस.पी. शर्मा (बी.आर.सी. नौगाँव), श्री आर.के. त्रिवेदी एवं श्री शंभूदयाल गुप्ता (हाई स्कूल मानपुरा) उपस्थित थे। सभी लोगों ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाने एवं लगे हुए पेड़-पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया।



श्रीमती डॉ. रचना मिश्रा (प्राचार्या) एवं श्रीमती डॉ. प्रतिमा चौहान (प्राचार्या)



स्व. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति हाईस्कूल मानपुरा में वृक्षारोपण समारोह और सरस्वती माता पर पुष्पांजलि अर्पित करते अतिथि।



वृक्षारोपण करते श्री विनय द्विवेदी एस.डी.एम., मोनू शर्मा, हरिनारायण शर्मा, हरसू महाराज जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. शर्मा, एवं शिक्षकगण।



वृक्षारोपण करते रमाकांत त्रिवेदी, बी.जी. अहिरवार व अन्य।

कार्यक्रम : वृक्षारोपण अभियान

दिनांक : 14, अगस्त, 2021 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : ग्राम-कैलाशपुर, जिला-सतना (म.प्र.)

आजादी के 75 वर्ष के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास वर्ष भर पेड़ लगाने का अभियान चला रहा है। सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं के द्वारा सतना जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र कैलाशपुर पहुँचकर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बृहद वृक्षारोपण करते हुए 200 पौधे रोपे गए। इस कार्य को देखते हुए ग्रामवासियों ने मुक्त कंठ से न्यास के इस कार्य की प्रशंसा की और न्यास के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने की इच्छा जाहिर की। वहीं न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी दिल्ली से वर्चुअल जुड़कर कार्यक्रम में शामिल हुए और ग्राम वासियों से बात की। साथ ही कार्यक्रम में शामिल बच्चों को पैन, कॉपी, कंपास बाक्स देने की बात कही। वहीं विद्यालय को न्यास की तरफ से पानी के लिए पाँच सौ लीटर सिंटैक्स टंकी प्रदान की जाएगी। जिसमें बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ जल उपलब्ध हो सके तथा विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों की सेवा भी की जा सके। डॉ. मिश्र ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण अंग हैं। इनके बिना जीवन संभव नहीं है। इन वृक्षों की उपयोगिता इस कोरोना काल में देखने को मिली है जिसमें न जाने कितने लोगों ने परिवार जनों को बिना ऑक्सीजन के खो दिया है। इसलिए हमें हमेशा ही पौधा रोपण करते रहना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत मे न्यास के कार्यकर्ताओं के द्वारा आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव के अवसर पर सामूहिक राष्ट्र गान गाकर देश को एक श्रृंखला में जोड़ने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कृष्णा पांडेयजी, अभिनव त्रिपाठीजी, अर्जुन तिवारीजी, श्याम लाल गुप्ताजी, सहेंद्र सिंहजी, चंद्रपाल सिंहजी, मैयादीन यादवजी, सुखेंद्र सिंहजी, अमरकांत गुप्ताजी, बाबूलाल सेनजी, राकेश गुप्ताजी, जित्तू सिंहजी, आशु सिंहजी, शिवनारायण सेन सहित गाँव के छोटे-छोटे बच्चे स्व प्रेरणा से पौधारोपण में लगे रहे। जिसमें साहिल गुप्ता, शिवानी गुप्ता, भूपेश यादव, संदीप सेन, राहुल त्रिपाठी, विज्जू आदिवासी मौजूद रहे।



श्री कृष्णा पांडेय एवं कैलाशपुर विद्यालय की छात्राओं एवं ग्रामीणों ने सामूहिक वृक्षारोपण किया।



श्री अभिनव त्रिपाठी, श्याम लाल गुप्ता, अर्जुन तिवारीजी व अन्य।

कार्यक्रम : ओरछा के राजा राम की लीला का पोस्टर लॉञ्च

दिनांक : 26 अगस्त, 2021 (गुरुवार)
कार्यक्रम स्थल : नॉर्थ एवेन्यू, नई दिल्ली

डॉ. राकेश मिश्र के निवास स्थान नार्थ एवेन्यू दिल्ली पर विश्व प्रसिद्ध भजन गायिका पद्मश्री डॉ. अनुराधा पौडवालजी पधारीं। इस अवसर पर ओरछा के राजा राम की लीला के चेयरमैन श्री सत्यभूषण जैन एवं अध्यक्ष श्री वी.पी. टंडनजी ने उनका परंपरागत ढंग से स्वागत किया। आगामी छह से 15 अक्टूबर, 2021 तक होने वाली भव्य वर्चुअल रामलीला की विस्तृत जानकारी डॉ. राकेश मिश्र द्वारा दी गई। श्रीमती पौडवाल ने समिति को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वह इस रामलीला में अवश्य सम्मिलित होंगीं। इस कार्यक्रम में रामलीला समिति के पदाधिकारी उपाध्यक्ष नवरत्न गुप्ता (बीकानेर वाले), अनूप नारंग (एल्प्स इंटरनेशनल), डॉ. राकेश वर्मा (सफदरजंग हास्पिटल), डॉ. सी.के. दुर्गा (वरिष्ठ सर्जन, डॉ. राममनोहर लोहिया हॉस्पिटल) डॉ. अनूप कुमार (विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी), डॉ . राजेश सर्वज्ञ (मुंबई), प्रभात कुमारजी (प्रभात प्रकाशन) राहुल राजपाल, ऋषभ जैन, शशिकांत मिश्रा सहित न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र उपस्थित रहे। श्रीमती प्रमिला मिश्रा ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से अतिथियों का स्वागत किया व स्मृति चिह्न भेंट किए। इस अवसर पर ओरछा रामलीला का पोस्टर अनुराधा पौडवाल के कर कमलों से जारी किया गया। 10 दिनों तक चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय रामलीला की विस्तृत जानकारियाँ दी गईं व सबका आभार व्यक्त किया।



पोस्टर लॉच करती डॉ. अनुराधा पौडवालजी



श्रीमती अनुराधा पौडवालजी को गदा भेंट करते
श्री वेद प्रकाश टंडन, श्री सत्य भूषण जैन



पद्मश्री श्रीमती अनुराधा पौडवाल, डॉ. वी.पी. टंडन, श्री सत्यभूषण जैन, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. सी.के. दुर्गो, डॉ. अनूप कुमार, श्री राहुल राजपाल, श्री ऋषभ जैन।



बैठक में चर्चा करते ओरछा के राजा राम की लीला के पदाधिकारी।

कार्यक्रम : राष्ट्रीय खेल दिवस, खेल प्रतियोगिताएँ मेजर ध्यानचंद श्रद्धांजलि सभा

दिनांक : 29 अगस्त, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)

राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें जैवलिन थ्रो, गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, दौड़ एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। श्री राम रिछारिया के द्वारा बच्चों को इन खेल गतिविधियों से संबंधित जानकारी दी गई। बच्चों को राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद नाम से मनाया जाता है इसकी भी जानकारी दी गई। सभी खिलाड़ियों ने हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंदजी को उनकी जयंती पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। ज्ञातव्य हो कि खेल परिसर इन दिनों नौजवानों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन सैंकड़ों बच्चों को खेल खिलाकर ट्रेनिंग दी जाती है। धवर्रा जैसे गांव में श्रद्धांजलि देना एक विशेष महत्त्व की बात होती है।



विभिन्न खेलों का अभ्यास करते ग्राम के बच्चे।





ओपन जिम का आनंद लेते ग्रामीण।

कार्यक्रम : ओरछा के राजा राम की लीला के मंचन की तैयारी

दिनांक : 05 सितंबर, 2021 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : ली-मेरिडियन होटल, नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में ओरछा के राजा राम की लीला समिति की वर्चुअल रूप से दो अंतर्राष्ट्रीय बैठकों का आयोजन किया गया। इन बैठकों में 40 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठकों के बारे में जानकारी देते हुए लीला समिति के चेयरमैन सत्य भूषण जैन व अध्यक्ष डॉ. वी.पी. टंडन ने बताया कि इस दौरान रामलीला के मंचन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर.) के अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि वह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ओरछा के राजा राम की लीला का प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि ओरछा के राजा राम की लीला भारत की सौम्य संपदा के जरिए सांस्कृतिक आयामों को पेश करने का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सौम्य संपदा का एक महत्त्वपूर्ण आयाम सांस्कृतिक पक्ष है और ओरछा के राजा राम की लीला इसे मजबूती के साथ आगे बढ़ा रही है। विनय सहस्त्रबुद्धे ने इस अवसर पर भगवान राम के विश्व व्यापी प्रभावों की चर्चा करते हुए भारत सरकार की संस्था आई.सी.सी.आर. द्वारा हर वर्ष वैश्विक रामलीला में विश्व के अनेक देशों द्वारा भाग लेने का संस्मरण सुनाया। उधर,



आयोजक समिति के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. टंडन ने बताया कि प्रात: आयोजन समिति के पदाधिकारियों की बैठक में तैयारियों की समीक्षा के पश्चात दिल्ली और एन.सी.आर. के प्रबुद्ध नागरिकों की एक विशेष बैठक हुई। संस्था के संरक्षक एस.एस. अग्रवाल, आर.जी. अग्रवाल (धानुका), विष्णु कुमार सुरेखा, विष्णु मित्तल और राकेश बिंदल ने मंचासीन अतिथियों को गदा और विशेष अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। समिति के चेयरमैन सत्यभूषण जैन द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत के पश्चात ओरछा के राजा राम की लीला के स्थानीय संयोजक अमित राय ने मध्य प्रदेश शासन की अनुमति प्राप्त होने तथा अन्य तैयारियों की जानकारी देते हुए बुंदेलखंड की परम्परा के अनुरूप पीले चावल भेंट करते हुए सभी को ओरछा में होने वाले इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर आयोजन में सहयोगी पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बुंदेलखंड की समृद्ध परंपराओं और वहाँ की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहर से परिचय कराते हुए सभी उपस्थित महानुभवों से इस आयोजन से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अनूप नारंग ने किया।



डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, श्री विष्णु मित्तल, डॉ. राकेश मिश्र, श्री सत्यभूषण जैन एवं डॉ. वी.पी. टंडन दीप प्रज्जवलन करते हुए।





श्री एस.एस. अग्रवाल श्री विष्णु कुमार सुरेखा, श्री अमित राय, श्री विष्णु मित्तल, डॉ. राकेश मिश्र एवं आमंत्रित अतिथि गण।



कार्यक्रम : "ओरछा के राजा राम की लीला" भूमि पूजन समारोह

दिनांक : 16 सितंबर, 2021 (गुरुवार)
कार्यक्रम स्थल : कंचना घाट, ओरछा, जिला-निवाड़ी (म.प्र.)

विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी ओरछा में आयोजित होने वाली 6 से 15 अक्टूबर, 2021 को ओरछा के राजा राम की लीला का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। ओरछा के राजा राम की लीला के भूमि पूजन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री अखिलेश अयाचीजी, मुख्य अतिथि श्री अनिल जैन विधायक निवाड़ी रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि आज ओरछा में इस कार्यक्रम को करने से हमारा भाव है कि विश्व पटल पर बुंदेलखंड की चमक तीर्थ स्थल के रूप में पूरी दुनिया समझे। यही इस रामलीला का उद्देश्य है। भगवान राम का राजा के रूप में पूजा ओरछा में होती है और यह स्थान विश्व पटल पर स्थापित हो इसलिए हमारी समिति ने ओरछा में रामलीला का सोची है। यह प्रसारण प्रतिदिन शाम को 7:00 से 10:00 बजे तक होगा, जो कि दूरदर्शन सहित अन्य चैनलों पर प्रसारित होगा। पूरी दुनिया में वर्चुअल माध्यम से इस प्रसारण को दिखाया जाएगा। राकेश मिश्र ने बताया कि यह रामलीला अद्वितीय होगी, क्योंकि रामलीला के निर्देशक श्री नितिन बत्रा अपनी कला का परिचय बत्तीस वर्षों से कर रहे हैं।

रामलीला के चेयरमैन श्री सत्य भूषण जैन ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि भारत के महामहिम राष्ट्रपति एवं अनेक केंद्रीय मंत्रियों ने ओरछा में आने के लिए अपनी सहमति प्रदान की है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहानजी उपस्थित रहेंगे। रामलीला में प्रतिदिन दिल्ली एवं देश के अनेक स्थानों से 300 दर्शक उपस्थित रहेंगे। झाँसी के विधायक श्री रवि शर्मा ने कहा कि बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार झांसी अतिथियों के स्वागत के लिए तैयार है। 6 से 15 अक्टूबर तक हम सबकी जिम्मेवारी है कि कंधे से कंधा मिलाकर तैयारियाँ करें और आनेवाले मेहमानों को कोई असुविधा न हो, यह मैं विश्वास दिलाता हूँ। जिलाध्यक्ष अखिलेश अयाची ने कहा कि भगवान राम के दो निवास हैं खास, दिवस रहत हैं ओरछा, शयन अयोध्या वास कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. बी.पी. टंडन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ओरछा के गणमान्य नागरिक

उपस्थित रहे। पंडितों के मंत्रोच्चार के बीच ध्वज स्थापना का कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्य यजमान श्री सत्य भूषण जैन एवं वेद प्रकाश टंडन अध्यक्ष ने पूजन पाठ किया।

मंचीय कार्यक्रम में निवाडी विधायक अनिल जैन जी एवं रवि शर्मा ने बताया कि यह रामलीला पूरी तरह वर्चुअल होगी। यह रामलीला संचार के विभिन्न माध्यमों से विश्व के कोने कोने में लोगों को दिखाया जाएगा। इस बार इस रामलीला का प्रसारण ऑनलाइन विश्व के 142 देशों में किया जाएगा।

अयोध्या और ओरछा में भगवान राम का निवास है। इसी वजह से इस साल यह कार्यक्रम नवदुर्गा के उपलक्ष्य में ओरछा में किया जा रहा है। इस रामलीला का मंचन भारत के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा किया जाएगा। जिसमें कई गणमान्य नागरिको के दशहरा महोत्सव में पहुँचने की संभावना है।

कार्यक्रम में अतिथि डॉ. राकेश मिश्र अध्यक्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, सत्य भूषण जैन चेयरमेन रामलीला समिति, बी.पी. टंडन अध्यक्ष रामलीला समिति, अनिल जैन विधायक निवाड़ी, अध्यक्षता अखिलेश अयाची जिलाध्यक्ष भाजपा निवाड़ी, रवि शर्मा विधायक झाँसी, श्री राकेश गोस्वामी विधायक महोबा, मेयर झाँसी श्री रामतीर्थ सिंघल, नवरत्न अग्रवाल, दयानंद गर्ग, अनूप नारंग, राजेश वर्मा, राहुल राजपाल, संजीव कुमार, सिद्धार्थ दहिया, कार्यक्रम संयोजक अमित राय, जय कुमार सिंह, सुधीर सिंह, जी.एस.टी. कमिश्नर संजय शर्मा, डॉ. नंदकिशोर नापित, प्रमोद तिवारी, सुमित मिश्रा, लीला निर्देशक नितिन बत्रा, तहसीलदार संदीप शर्मा, थाना प्रभारी अभय यादव, विवेक तोमर, अनिल पांडेय, प्रदीप खरे मंटू, गुड्डा त्रिवेदी, कमलेश सिंह, उमाशंकर मिश्रा, अनूप मिश्रा, बॉबी असाटी एवं स्थानीय गणमान्य लोग प्रशासनिक अधिकारी, गाइड हेमंत गोस्वामी उपस्थित रहे।



श्री सत्य भूषण जैन (चेयरमैन), श्री वेद प्रकाश टंडन (अध्यक्ष), डॉ. राकेश मिश्र, श्री अनूप नारंगे, अखिलेश अयाची, अमित राय (संयोजक) प्रदीप खरे (मंटू), राहुल राजपाल, राजेश वर्मा भूमि पूजन करते हुए।





कंचना घाट ओरछा में मंचासीन अतिथि श्री अनिल जैन (विधायक-निवाडी), श्री रवि शर्मा (विधायक झाँसी)





श्री नितिन बत्रा (निर्देशक रामलीला) एवं कलाकारों की टीम ने पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम : निःशुल्क चौदहवाँ मल्टी-स्पेशियल्टी हैल्थ चैक-अप कैंप

मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम (हरियाणा)

दिनांक : 25 एवं 26 सितंबर, 2021 (शनिवार-रविवार) **प्रातः** 9:00 से 4:00 बजे सायं तक
कार्यक्रम स्थल : सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना-485001 (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 14वाँ मल्टी स्पेशलिंटी हैल्थ चेक अप कैंप का आयोजन सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर में आयोजित किया गया, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम, विशिष्ट अतिथि श्री कृष्ण माहेश्वरी पूर्व क्षेत्र संघचालक, सतना सांसद गणेश सिंह और कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने कहा की सर्वप्रथम डॉ. राकेशजी की पूज्य माताजी एवं पं. दीनदयाल उपाध्यायजी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के डॉ. राकेश मिश्रजी को धन्यवाद दिया और दिल्ली से आए हुए डॉक्टरों का अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि आपने अपनी माता स्व. शांति मिश्रा की इच्छा को पूरा करने के लिए इतने बड़े सेवा न्यास का गठन किया है और यह कार्यक्रम आपने सतना नगर वासियों के लिए उपलब्ध कराया है, जिसमें यहाँ के लोग स्वास्थ्य लाभ उठा सकेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आज कुछ हॉस्पिटल व्यवसाय के स्वरूप में चल रहे हैं जिनका संदेश समाज में गलत जाता है।

डॉ. राकेश मिश्रजी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। उन्होंने मेदांता दी मेडिसिटी से आई टीम का आभार जताया। उन्होंने बताया कि इसमें 14 प्रकार की जाँचे पूर्ण रूप से नि:शुल्क होंगी, जिसमें हमारी बहिनें माताएँ जो कैंसर से पीड़ित रहती हैं जिनकी जानकारी नहीं हो पाती उनका प्राथमिक उपचार होगा और साथ ही निशुल्क जाँचें होंगी। जिसके लिए एक विशेष बस तथा उसमें पूरी पैरामेडिकल स्टाफ की टीम इन जाँचों को सफलतापूर्वक करेगी। सतना शहर एक प्रेम का शहर है। आज मेरी माताजी की पुण्यतिथि है, साथ ही पंडित दीनदयालजी की भी जयंती है। मैं उन सभी को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। पं. दीनदयाल उपाध्यायजी कहते थे कि भूख लगना

प्रकृति है, छीन कर खाना विकृति है और बाँटकर खाना संस्कृति है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए सतना नगर वासियों को स्वास्थ्य लाभ मिल सके, इसी उद्देश्य से इस शहर में यह आयोजन की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि लक्ष्य को हमेशा बड़ा रखना चाहिए। सभी संकल्प करें कि हर घर में एक पेड़ अवश्य लगाएँगे, जिससे ऑक्सीजन की दिक्कत नहीं होगी और इस तरह कार्य करके हम डाक्टरों और समाज की सेवा करेंगे। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा लगभग 900 पेड़ सतना में लगाए जा चुके हैं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा लगातार समाज के लिए इसी तरह के विभिन्न कार्य आयोजित किए जाते हैं। उसमें बालिका शिक्षा, वृक्षारोपण, कपड़ों से बने थैलों का वितरण, गरीब पिछड़ों और आवश्यकता वाले व्यक्तियों की मदद के लिए यह न्यास हमेशा आगे रहता है।

सतना सांसद श्री गणेश सिंहजी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहाँ कि आज का दिन महान है, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा इस दिन इस कार्य का आयोजन किया गया। इसी दिन इनकी पूज्य माताजी की पुण्यतिथि भी है, साथ ही पंडित दीनदयालजी उपाध्याय की जयंती है, जो अंत्योदय के जनक हैं। मैं इस अवसर पर इनकी पूज्य माताजी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी को श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ।

उन्होंने मेदांता टीम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टर और नर्स में भगवान का अंश होता है राकेशजी मेदांता जैसे एक मशहूर अस्पताल लेकर सतना में आए हैं। जहाँ दिखाने के लिए लोग सिफारिश करते हैं। यह हमारे सतना वासियों का सौभाग्य है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा एक अवसर उपलब्ध कराया गया है जिससे इस शिविर में वह स्वास्थ्य लाभ उठा सकें। मैं राकेशजी को यहाँ के लोगों को यह सुविधा देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

श्री कृष्ण माहेश्वरीजी ने अपने उद्बोधन में दिल्ली से पधारे हुए डॉक्टरों की टीम को एवं पैरामेडिकल स्टाफ को इस ईश्वरीय कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि भारत की संस्कृति पूरे विश्व की संस्कृतियों से महान् है। यह केवल एक संस्कृति नहीं है। यह हमारे जीवन को दिशा देनेवाली होती है। सभी परंपराओं का एक विशेष महत्त्व होता है, यह जो 15 दिन का पित्रपक्ष का समय है इसमें पूर्वजों के सम्मान के लिए कार्य किए जाते हैं। लोग भोजन कराते हैं अन्य तरह की सेवा करते हैं। इस महीने में न्यास के द्वारा यह कार्य माता-पिता की श्रद्धा के लिए किया गया है, जिससे समाज

के कई लोगों को मेदांता हॉस्पिटल जैसे मशहूर डॉक्टरों से लाभ प्राप्त होगा।

मंचासीन अतिथियों के द्वारा पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा अब तक किए गए कार्यों के ऊपर चतुर्थ पुष्प का वितरण भी किया गया। डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि देश के सुप्रसिद्ध मेदांता गुरुग्राम के वरिष्ठ चिकित्सकों और अत्याधुनिक मशीनों के द्वारा विशेष मेडिकल सुविधाओं से युक्त चलित चिकित्सालय बस में बी.पी., शुगर, ई.सी.जी., मैमोग्राफी, x-ray, एच.बी.ए., 1सी. जैसी सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। वहाँ पर डॉ. एस.के. तनेजा कार्डियोलॉजी, डॉ. निखिल न्यूरोलॉजी डॉ. श्रीमती एम.आर. मजूमदार ओंकोलॉजी, डॉ. ईशान नेफ्रोलॉजी, डॉ. नवजीवन ऑर्थोपेडिक्स, डॉ. श्रीमती अर्शदीप कौर गैस्ट्रोलॉजी एवं डॉ. संदीप मित्तल रेस्पिरेट्री की डाक्टरी सेवाएँ दे रहे हैं।

कार्यक्रम के अंत में विश्व प्रसिद्ध वर्चुअल रामलीला 6-15 अक्टूबर के लिए सभी अतिथियों को निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री स्नेह लता वर्मा एवं आभार संकल्प मिश्रा के द्वारा किया गया।



श्री गिरीष गौतमजी, श्री कृष्ण माहेश्वरी, श्री गणेश सिंह सांसद, श्री कश्यप घोष, कृष्णा पांडेय एवं डॉ. राकेश मिश्र उद्घाटन करते हुए।





श्री गणेश सिंह (सांसद) का उद्बोधन एवं
बस का अवलोकन करते विधान सभा अध्यक्ष श्री गिरीष गौतम।





विधानसभा अध्यक्ष मा. गिरीष गौतमजी ने चलित चिकित्सा बस का अवलोकन किया एवं उनकी जाँच करते डॉ. एस.के. तनेजाजी।



इलाज की प्रतीक्षा करते मरीज

कार्यक्रम : स्वास्थ्य व्याख्यान-माला

विषय : कोविड उपरांत घातक प्रभाव एवं समाधान

दिनांक : 25 सितंबर, 2021 (शनिवार) **सायं :** 5:00 बजे

कार्यक्रम स्थल : सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना-485001 (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णनगर सतना के सभागार में आयोजित पंचम व्याख्यानमाला सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. संदीप मित्तलजी के द्वारा कोविड-19 के उपरांत घातक प्रभाव एवं समाधान विषय पर बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। कार्यक्रम का संचालन मनमोहन माहेश्वरी जी के द्वारा किया गया. साथ ही कार्यक्रम के संयोजक जितेंद्र जैन एवं मंच में विराजमान अतिथियों का स्वागत किया गया। डॉक्टर संदीप मित्तलजी ने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इस कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ. मित्तलजी ने इस कार्यक्रम के लिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की सराहना करते हुए डॉ. राकेश मिश्रजी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि अपनी जन्मभूमि के लिए जो कार्य इन्होंने पूर्ण मनोयोग से समाज के लिए किया है, वह सराहनीय है। यह कोरोना काल में भी समाज के लोगों की सेवा भाव से सेवा करते रहे हैं। इन्होंने समाज में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को भी सहारा देने का कार्य किया है।

उन्होंने भारत और दुनिया का कोविड-19 का डाटा प्रजेंट करते हुए बताया कि करीब 4500000 लोगों की मृत्यु हुई हैं। कोविड-19 होने के बाद भी लोगों में कई प्रकार की बीमारियाँ उत्पन्न हुई है। विश्व में यू.एस.ए. में कोविड-19 से प्रभावित लोगों की संख्या सर्वाधिक है, जबकि भारत उसमें दूसरे स्थान पर है। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में 300000 लोगों में से मात्र 319 लोगों की भारत में मृत्यु हुई है, यह अन्य देशों से कम है।यह हमारी आयुर्वेद, एलोपैथिक चिकित्सा एवं समाज सेवा तथा राजनीतिक इच्छाशक्ति, अच्छा नेतृत्व एवं वैक्सीनेशन की मदद से ही यह संभव हो सका है। हमारा भारत वैक्सीन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है साथ ही अन्य दूसरे देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई है। इस क्षेत्र में भारत का नाम दुनिया के इतिहास में लिखा जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में बहुत कम केस मिल रहे हैं, इसके लिए लोगों का धैर्य और एलोपैथी आयुर्वेद एवं लोगों की सेवा भावना देखने को मिलती है।

कोविड-19 के बाद कई बीमारियाँ उत्पन्न हुई हैं जैसे थकावट, भूलने की बीमारी, चेस्ट पेन, नींद की समस्या, घबराहट, बालों का झड़ना, खून का थक्का जमना तथा अन्य प्रकार की मानसिक बीमारियाँ उत्पन्न हुई है। डॉ. मित्तलजी ने कोविड-19 से उत्पन्न डर से बचाव में बताया कि हमें कम न्यूज चैनल देखना चाहिए, परिवारों से लगातार संपर्क में रहना चाहिए। अपने अच्छे अनुभव समाज को शेयर करना चाहिए, गर्म पानी का सेवन करना चाहिए। ह्यूमैनिटी बूस्टर बढ़ाने वाली दवाएँ लेना चाहिए, स्मोकिंग और अल्कोहल का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा आपके कोविड-19 के दौरान जो भी अच्छे अनुभव रहे हों, उसको समाज को बता कर जागरूक करना चाहिए।

डॉ. राकेश मिश्रजी ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए कहा कि 'पूत कपूत तो क्यों धन संचय और पूत सपूत तो क्यों धन संचय' की बातें मैंने अपने माता-पिता जी से सीखी थीं और उन्हीं की बातों का अनुसरण कर मैं समाज सेवा का कार्य कर रहा हूँ। धवर्रा मेरी जन्मभूमि है किंतु सतना मेरी कर्म भूमि है। इसके लिए जितना भी मैं करूँ वह कम है। उन्होंने बताया कि आज की जो व्याख्यानमाला है उसके डॉक्टर संदीप मित्तलजी भी सरस्वती विद्यालय में पड़े विद्यार्थी हैं। जो कि हरियाणा से हैं। इनके पास 12 वर्षों का श्वसन संबंधी चिकत्सा का अनुभव है।

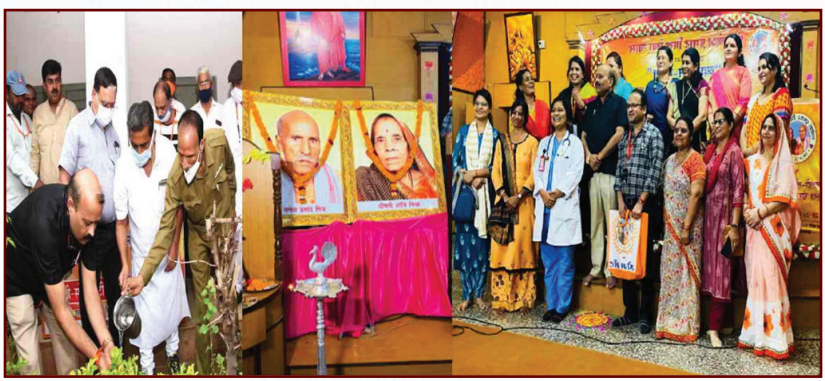
हमारे सहज निवेदन से ऐसे डॉ. संदीप मित्तलजी सतना नगर वासियों को सही सलाह देने के लिए उपलब्ध हुए हैं। इन्होंने कोरोना काल में केवल इलाज ही नहीं किया, बल्कि गहन अध्ययन करके जानकारियों को समाज के सामने रखा है। मुख्य अतिथि के रूप में रामखेलावन पटेलजी ने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास इतना भव्य आयोजन कर रहा है, जिससे सतना और उसके आस पास के क्षेत्रों को नि:शुल्क सुविधाएँ मिल रही हैं। मैं डॉ. राकेश मिश्र का हृदय से धन्यवाद करता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराते रहेंगे। श्री रामखेलावन पटेल (मंत्री) ने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी एवं शांति मिश्रा ने ऐसे होनहार पुत्र को जन्म दिया है जो अपने मातृ एवं पितृ ऋण को अदाकर समाज को बहुत कुछ दे रहा है। भगवान सेवा न्यास को और भी उन्नति दें, जिससे सतना क्षेत्र में इसी प्रकार वे काम करते रहें।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी वर्ग एवं माता बहिनें उपस्थित रहे। सबके प्रश्नों का समाधान डॉ. संदीप मित्तल एवं अर्शदीप कौर ने किया। इसके

पूर्व श्रीमती शांति मिश्रा की पुण्यतिथि के अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें लक्ष्मी यादव, उत्तम बनर्जी, विनोद यादव, विकास पांडेय, संध्या उर्मिलया, अंजना तिवारी, कृष्णा पांडेय, प्रमिला मिश्रा, राधा श्रीवास्तव, मनीषा सिंह अनुराग गौतम उपस्थित रहे।



स्वास्थ्य शिविर में श्री राम खिलावन पटेल (राज्यमंत्री) संबोधित करते हुए।



सरस्वती विद्यालय में वृक्षारोपण करते श्री लक्ष्मी यादव, श्री उत्तम बनर्जी, डॉ. राकेश मिश्र, विनोद यादव एवं चिकित्सक टीम।

कार्यक्रम : निःशुल्क हैल्थ चैक-अप कैंप समापन एवं सामग्री वितरण

मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम (हरियाणा)

दिनांक : 26 सितंबर, 2021 (रविवार)

कार्यक्रम स्थल : सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना-485001 (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर में दो दिवसीय मेदांता मेडिसिटी हेल्थ चेक अप कैंप आयोजित किया गया। जिसमें मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के मरीजों ने सतना मेडिकल हेल्थ कैंप में पहुँचकर अपना इलाज निशुल्क कराया। कैंप परिसर में मास्क सैनीटाइजर स्वच्छता और आए हुए मरीजों को चाय-पानी और भोजन की व्यवस्था परिसर में नि:शुल्क थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तम बनर्जी सह प्रांत कार्यवाह, विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ताम्रकार, भाजपा प्रदेश महामंत्री शरदेंदु तिवारी, वन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री कुँवर विजय शाह, मणिकांत माहेश्वरी, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने की। श्री गणेश प्रसादजी एवं शांति मिश्रा के चित्र पर माल्यार्पण करने के उपरांत स्वागत उद्‌बोधन देते हुए डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि वह माता-पिता की प्रेरणा से शिक्षा के क्षेत्र में पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति हाई स्कूल मानपुरा जिसका चयन राइस स्कूल के लिए हुआ है। इस स्कूल में सभी को मुक्त कॉपी, किताबें, पेन-पेंसिल, बैग दिए जाते हैं। साथ ही अन्य स्कूलों में पेयजल के लिए 114 आर.ओ. उपलब्ध कराए गए। उन्होंने कहा कि अच्छी इच्छा शक्ति के साथ कार्य किया जाए, तो वह कार्य सफल होता है। उनके गाँव में खेल का स्टेडियम व 24 प्रकार की सुविधाएँ न्यास की तरफ से की गई हैं।वे अपने गाँव अपने शहर से हमेशा जुड़े रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस कैंप में मेदांता से आए हुए 7 डॉक्टर, 11 पैरामेडिकल स्टाफ 14 प्रकार की जाँचों की व्यवस्था की गई थी। इस कैंप में कुल 1400 लोगों का इलाज किया गया, जिसमें कार्डियोलॉजी के सर्वाधिक 380 मरीजों, आर्थोपैडिक्स के 280, श्वसन के 200, गैस्ट्रो के 190, ओंकोलॉजी के-135, न्यूरोलॉजी के-110, नैफ्रो के-105 मरीजों का चैकअप किया गया। 40 मेमोग्राफी की मँहगी जाँचें बस में की गईं। 80 मरीजों की एक्स रे जाँच की गई। उन्होंने कहा इस कार्य के लिए डॉक्टरों को धन्यवाद

एवं सहयोग के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रयागराज में लगने वाले कुंभ में भी उन्होंने आँखों के चश्मे कान की मशीनें और कई जरूरत के सामान वितरित किए। कोविड-19 काल में लगभग 657 से ज्यादा लोगों के लिए न्यास ने देश के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया। उन्होंने सतना में लगे सभी कार्यकर्ताओं का हृदय से स्वागत किया। उन्होंने घोषणा की सतना में एक वाचनालय खोला जाएगा, जिसका लाभ सतना वासी ले सकेंगे। साथ ही उन्होंने संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए दसवीं कक्षा में अच्छे अंक लाने वालों को ग्यारह हजार रुपए पुरस्कार की भी घोषणा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय उत्तम बनर्जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राकेश जी लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। यह सभी तरह के लोगों को आकर्षित करते हैं। इनके ऊपर माता-पिता का आशीर्वाद है। यह बड़े गंभीर हैं, साथ ही इनके परिवार के लोग भी गंभीर और समाज में सेवा भाव रखने वाले हैं। इनकी पत्नी प्रमिलाजी व चारों बहिनों के स्वभाव में ही सेवा भाव है। मेदांता जैसे अस्पताल में डाक्टरों में सेवा भाव जगाने का कार्य डॉ. राकेश मिश्र ने ही किया। यह कैंप बहुत सफल रहा।साथ ही इनके बालक संकल्प का जन्मदिन भी है। इस कार्यक्रम का उद्‌देश्य सेवा परमो धर्म: की शिक्षा लेकर किया गया है, साथ ही उन्होंने इस कैंप को सफल बनाने में लगे कार्यकर्ताओं का भी उत्साहवर्धन किया।

प्रभारी मंत्री कुँवर विजय शाह ने कहा कि आज हम लोग याद कर रहे हैं पं. गणेश मिश्रजी को उन्होंने कहा कि डॉ. राकेश मिश्र के क्रियाकलापों से उनके पूत सपूत तो क्यों धन संचय-पूत कपूत तो क्यों धन संचय? के भाव से समाज में जो कार्य कर रहे हैं उनसे उनके पिताजी की महानता झलकती है। हम सब लोग दीनदयालजी की विचारधारा को लेकर आगे बढ़ने वाले हैं। इन्होंने अपने माता-पिता, गाँव, जिला को याद रखा और वह यहाँ ऐसा योगदान दे रहे हैं। जैसे पिता-माता वैसे बेटे के भाव दिख रहे हैं। यह दूसरों के लिए जीनेवाले व्यक्तियों में से हैं। गरीबों की मदद करने वाले हैं। इनके धन्यवाद के लिए मेरे पास शब्द नहीं है, इनकी मंजिल बहुत ऊँची है। साथ ही उन्होंने कहा दीनदयालजी के विचार से हम सब समाज में सेवा भाव के माध्यम से राजनीति का कार्य करते हैं साथ ही उन्होंने पंडित दीनदयालजी के जीवन और श्रेष्ठ कार्यों के बारे में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह न्यास एक दिन दुनिया में भी अपना नाम करेगा। ऐसी आशा और विश्वास

है। उद्‌बोधन के अंत में उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं राकेशजी के माता-पिताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा प्रदेश महामंत्री चुरहट विधायक शरदेंदु तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि डॉ. राकेश मिश्रजी के पिता महान् हैं जिन्होंने इनको ऐसे विचार दिए। उन्हीं की वजह से यह समाज में इतने सारे कार्य कर पा रहे हैं। समाज सेवा का भाव लेकर यह समाज के कई कार्य कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने निवेदन किया कि हमारे विधान सभा क्षेत्र में भी इस तरह का कैंप लगे, जिससे हमारे क्षेत्र के लोग इस तरह का लाभ ले सकें।

कार्यक्रम के अंत में मेंदांता हॉस्पिटल से आए हुए सभी डॉक्टर एवं पैरामेडिकल टीम का अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न, घड़ी व कपड़े का बड़ा थैला एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मान किया गया। साथ ही कार्य में लगे सभी कार्यकर्ताओं को भी सम्मान किया गया। संचालन अनुराधा पांडेय ने किया एवं कृष्णा पांडेय ने आभार व्यक्त किया। वंदेमातरम् के साथ कार्यक्रम समापन हुआ।

25-26 सितंबर को उपचारित मरीजों का विवरण

(मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के 13 जिलों से 1400 मरीज)

कुल ओ.पी.डी./विशेषज्ञ परामर्श :		
क्र.	**विशेषज्ञ/विभाग**	**मरीज**
1	कार्डियोलॉजी	380
2	न्यूरोलॉजी	110
3	ओंकोलॉजी	135
4	नेफ्रोलॉजी	105
5	ऑर्थोपेडिक्स	280
6	गैस्ट्रोलॉजी	190
7	रेस्पिरेट्री	200
	कुल योग	**1400**

कुल परीक्षण किए गए :		
क्र.	**परीक्षण**	**मरीज**
1	ई.सी.जी.	254
2	एक्स-रे	350
3	एचबीए 1 सी	972
4	बी.पी.	1219
5	सूगर	708
6	मैमोग्राफी	87
	कुल योग	**3590**

जिला चिकित्सालय के डाक्टरों द्वारा 482 मरीज 1400+482=1882 दवाईयाँ नि:शुल्क वितरित की गई।





वन एवं पर्यावरण मंत्री कुँवर विजय शाह, श्री उत्तम बनर्जी (सहप्रांत कार्यवाह), श्री योगेश ताम्रकार, श्री मणिकांत माहेश्वरी, श्री शरदेंदु तिवारी, डाक्टरों नर्सों का सम्मान करते हुए।





समापन कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण श्री मणिकांत माहेश्वरी, श्री योगेश ताम्रकार, कुँवर विजय शाह, श्री शरदेंदु तिवारी, श्री नरेंद्र त्रिपाठी।





कार्यकर्ताओं को घड़ी, स्मृति चिह्न, दवाई किट, मास्क एवं कपड़े का थैला प्रदान करते हुए अतिथि गण।

कार्यक्रम : ओरछा के राजा राम की लीला

(10 दिनों तक सायंकाल 7 से 10 बजे तक सीधा प्रसारण)

दिनांक : 06 से 15 अक्टूबर, 2021

कार्यक्रम स्थल : कंचना घाट, ओरछा, जिला-निवाड़ी (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास सतना के सहयोग से ओरछा के राजा राम की लीला समिति की ओर से दस दिनों तक रामलीला का अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल मंचन किया गया। कंचनाघाट पर रावण का पुतला दहन किया गया। इसमें 156 देशों से करोड़ों श्रद्धालुओं ने ओरछा की रामलीला का सीधा प्रसारण देखा। रामलीला का वर्चुअल प्रसारण विश्व के 156 से अधिक देशों में प्रतिदिन किया गया। जिससे देश और विदेश के हजारों श्रद्धालुओ ने घर बैठे रामलीला का व ओरछा नगर का आनंद उठाया। ओरछा में राजा राम की लीला आयोजन समिति के चेयरमेन सत्यभूषण जैन एवं अध्यक्ष वेदप्रकाश टंडन और पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि रामलीला के शानदार मंचन के लिए विदेशों से बधाई संदेश मिले हैं। यू.एस., ऑस्ट्रेलिया, दुबई सहित कई देशों में रह रहे भारतीय लोगों ने अपनी शुभकामनाएँ भेजी हैं।

रामलीला के समापन में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, बिजावर के पूर्व विधायक पुष्पेंद्र नाथ गुड्डन पाठक, झांसी कलेक्टर आंद्रे बामसी, शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत दयानिधि उर्मलिया, नरेंद्र मिश्र टिबलू उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर लीला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ओरछा के राजा राम की लीला के चेयरमैन सत्य भूषण जैन, समिति के अध्यक्ष डा. वेदप्रकाश टंडन, कार्यक्रम के संयोजक अमित राय, रामलीला के डायरेक्टर नितिन बत्रा मौजूद रहे। लीला के अंतिम दिन समापन के अवसर पर समस्त लीला में विभिन्न पात्रों का अभिनय करने वाले समस्त कलाकारों का सम्मान किया गया।

ओरछा के राजा राम की लीला का मंचन बड़े ही सुंदर रुप में किया गया। सेट की आकर्षक साज-सज्जा के साथ ही विभिन्न तकनीकों के प्रयोग ने मंचन को सुंदर बनाने में सहयोग किया। एल.ई.डी. स्क्रीन, लाईट इफेक्ट के साथ ही ग्राफिक्स का इस्तेमाल बखूबी किया गया। माँ बेतवा के कंचना घाट पर सांस्कृतिक समृद्ध

धरोहरों और इमारतों ने रामलीला के आयोजन को एक अलग ही भव्य स्वरुप प्रदान किया गया।

रामलीला में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, उ.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद जगदंबिका पाल, उ.प्र. विधान परिषद के सभापति कुँवर मानवेंद्र सिंह, श्री मन्नू लाल कोरी (मंत्री) पूर्व मंत्री व अध्यक्ष व्यापारी कल्याण बोर्ड रविकांत गर्ग मथुरा , संस्कार भारती मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रमोद झा, राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष जगदीश मित्तल, कथाकार श्री अजय भाई, राजीव शर्मा, झाँसी मेयर रामतीर्थ सिंहल उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर नौंवे दिन की लीला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ओरछा के राजा राम की लीला के चेयरमैन सत्य भूषण जैन, समिति के अध्यक्ष डा. वेदप्रकाश टंडन, कार्यक्रम संयोजक अमित राय, रामलीला के डायरेक्टर नितिन बत्रा, कापरेटिव बैंक टीकमगढ़ के पूर्व अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी, सांसद प्रतिनिधि अनुराग वर्मा, कवि सुमित मिश्रा, अनिल पांडे, सुखसागर मिश्रा मौजूद रहे। इस दौरान छतरपुर, सतना, रायपुर, बिलासपुर, दिल्ली सहित बुंदेलखंड भर के स्थानों से आयोजन में शिरकत करने पहुँचे। इस अवसर पर रामलीला समिति के चेयरमैन व अध्यक्ष ने श्री हरी अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, ब्रजेश अग्रवाल, संटू सेठ सहित सभी समाचार पत्रों के संपादकों का सम्मान किया।

रामलीला में अंतिम दिन 15 अक्टूबर को दशहरा महोत्सव, पुतला दहन और भव्य आतिशबाजी का नजारा देखने को मिला। इसके साथ ही 10 दिवसीय भव्य रामलीला का समापन हो गया। रामलीला का सीधा प्रसारण जी न्यूज मध्य प्रदेश, छत्तीशगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं साधना टी.वी. ने प्रसारित किया। जिसे दस दिनों में दस करोड दर्शकों ने देखा।



उद्घाटन समारोह को डॉ. राकेश मिश्र ने संबोधित किया व श्रीमती प्रमिला मिश्रा ने मंच संचालन किया।



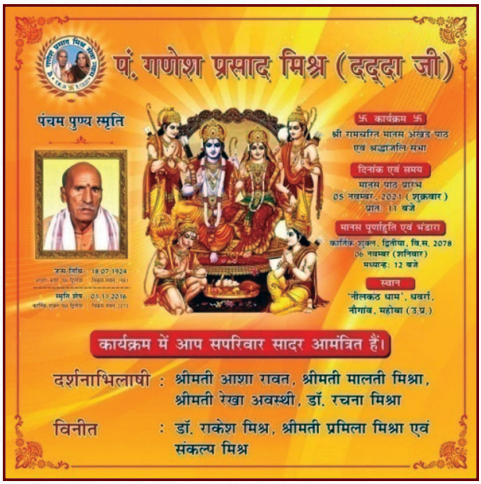
श्री वी.पी. टंडन, रवि शर्मा (विधायक), श्री मन्नूलाल कोरी (मंत्री), श्री सत्य भूषण जैन, अमित राय।



मंचासीन अतिथि

कार्यक्रम : पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) की पंचम पुण्यतिथि पर श्री रामचरित मानस अखंड पाठ, श्रद्धांजलि सभा एवं सामग्री वितरण

दिनांक : 05-06 नवंबर, 2021 (शुक्रवार एवं शनिवार) **प्रात :** 11:00 बजे
कार्यक्रम स्थल : नीलकंठ धाम, ग्राम-धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)



नौगाँव के सीमावर्ती ग्राम-धवर्रा, जनपद महोबा की पावन पवित्र भूमि पर स्वर्गीय गणेश प्रसाद मिश्र की पाँचवी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा व सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा संपूर्ण भारत में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्य निरंतर किए जाते हैं। सामाजिक, आध्यात्मिक एवं लोक भलाई की योजनाओं को लेकर न्यास काम कर रहा है। न्यास का उद्देश्य प्रतिभावान, गरीब विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है।खेल और खिलाड़ियों को आगे लाने हेतु मैराथन का आयोजन तथा भारतीय संस्कृति एवं सनातन धर्म को बचाना, बच्चों में शिक्षा, संस्कार व संस्कृति जागरण करना मुख्य उद्देश्य है। पूरे देश की प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें उचित स्थान पर सम्मान दिलाना हमारा पहला कर्तव्य बनता है। उपरोक्त विचार सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी द्वारा समारोह के मंच पर व्यक्त किए गए। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास बुंदेलखंड के गरीबों की स्वास्थ्य सेवाओं में सदैव मदद करता है। डॉ. राकेश मिश्र ने कहा हमारे पूज्य पिताजी पं. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) आज से पाँच वर्ष पूर्व इस लोक से विदा होकर परम पिता परमेश्वर के चरणों में लीन हो गए हैं। उनकी पंचम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में विभिन्न आयोजन किए गए।

इसके पूर्व पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर में सभी क्षेत्रवासियों द्वारा दद्दाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, पूर्व विधायक श्री पुष्पेंद्र नाथ पाठक, वरिष्ठ अधिवक्ता दयाराम मिश्र, कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के उपाध्यक्ष सुधीर सिंह, पूर्व विधायक श्री उमेश शुक्ला छतरपुर, स्वामी शंकर्षणाचार्यजी भीमकुंड, संत-महात्मा, भाजपा छतरपुर जिला के पूर्व अध्यक्ष श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह 'गुड्डू सिंह' भाजपा नेता मोनू यादव, बुंदेलखंड के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी मंचासीन रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन नौगाँव के अधिवक्ता श्री प्रतीक सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्र में काम करने वाली बेटियों, महिलाओं एवं सामाजिक व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

भीमकुंड स्थित संस्कृत विद्यालय के पचास छात्रों को कंबल प्रदान किए गए। श्री कमल नयन अवस्थी खजुराहो ने यह भेंट स्वीकार की। छतरपुर के वरिष्ठ पत्रकार कल्याण सिंहजी, मनीष खरया, समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। आपातकाल में दद्दाजी के सहयोगी ब्रजगोपाल अग्रवाल, अनूप तिवारी, प्रो. लक्ष्मी नारायण रावत व दयाराम मिश्रजी को घड़ी व बैग देकर सम्मानित किया गया। धवर्रा स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों श्री विनोद रावत, सनातन रावत, आंगनबाड़ी की कार्यकर्ताओं रेखा दीक्षित व तीन साथियों, टीकाकरण करने वाली ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी बैग व घडियाँ देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दद्दाजी व बाई का तैल चित्र बनाने वाले राजेश खरे ने न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र व आशा रावत सचिव को चित्र भेंट किया। श्रीरामचरितमानस अखंड पाठ करने वाली टोलियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सूरज देव मिश्र, मंटू खरे, हरसू महाराज, श्री अंजुल सक्सेना, धीरेंद्र गौर, सुशील द्विवेदी, धीरेंद्र गुप्ता, रमाशंकर मनीषी, ललित नायक, संजीव तिवारी, विनायक श्रीवास्तव, कमलेश सिंह, रवि रिछारिया, नीरज भार्गव, नीरज रावत, सतना से अरविंद सिंह पप्पू, नगर पालिका सी.एम.ओ. निरंकार पाठक, नरेंद्र मिश्रा टिबलू, राधे शुक्ला, कन्हैया अग्रवाल, दिनेश अग्निहोत्री, सन्नो सक्सेना, डॉ. पुरुषोत्तम गंगेले, राकेश पाठक मुखर्रा, मोनू शर्मा, आर के त्रिवेदी, बीजी अहिरवार, गोपाल मिश्र, सौरभ मिश्रा, मनोज तिवारी, सहित बुंदेलखंड क्षेत्र के विभिन्न महानुभावों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर धवर्रा एवं नौगाँव के न्यास के कार्यकर्ताओं को बैग प्रदान किए गए।

श्री अनूप मिश्रा, श्रीराम रिछारिया, प्रवीण दुबे, बृजेश बाजपेई, रिंकू राजा रामकुमार रिछारिया, साहित्य मिश्रा, मोहित मिश्रा, बबलू पाल, गौरव मिश्रा, नारायण अनुरागी, देवी पाल, मुकेश राजपूत आदि कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।



श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ करते श्रद्धालु।



बच्चों को सामग्री वितरण करते अतिथि।

कार्यक्रम : सतना हाफ मैराथन 2021 की तैयारी बैठक

(आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत)

दिनांक : 16 नवंबर, 2021 (मंगलवार)
कार्यक्रम स्थल : 'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित सतना हाफ मैराथन: को लेकर सतना में बृहद बैठकें आयोजित की गईं। उक्त बैठकों में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र की उपस्थिति में तीन बैठकें हुई। यह मैराथन फिट इंडिया के अंतर्गत आजादी का अमृत महोत्सव में आयोजित हो रही है। इस मैराथन में 21 किलोमीटर की दौड़, 10 किलोमीटर की दौड़ और 5 किलोमीटर की दौड़, तीन श्रेणियों में आयोजित हो रही है। स्थानीय प्रतिभाएँ राष्ट्रीय स्तर पर उभर सकें, उसके लिए न्यास संकल्पित है। सभी भाग लेने वाले खिलाड़ी न्यास की वेबसाइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

कार्यक्रम के संयोजक राजीव व्यास सह संयोजक कृष्णा पांडे बुंदेलखंड मैराथन के संयोजक श्री नरेंद्र मिश्रा (टिबलू) छतरपुर, श्री बॉबी असाटी छतरपुर, अवधेश मिश्रा छतरपुर, श्री अमित तिवारी छतरपुर, श्री राजेंद्र तिवारी छतरपुर, अनुराग पाठक पन्ना, बिंदादीन अनुरागी, रामाधार साहू, सत्येंद्र यादव, हरप्रसाद आदिवासी, कामता पांडे, अभिनव त्रिपाठी सतना, अजय कुमार मिश्रा सतना सहित बड़ी संख्या में विविध विद्यालय महाविद्यालयों के पी.टी.आई. एवं खेल अधिकारियों ने भाग लिया और अपने अपने विचार रखे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह सतना के लिए गौरव का विषय है कि पहली बार इतनी विशाल दौड़ सतना में हो रही है। इसलिए हमें अपने यहाँ ज्यादा से ज्यादा संख्या में सहभाग कराना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रचार प्रमुख श्री अभिषेक तिवारी अंशू के नेतृत्व में मोटरसाइकिल की वाहन रैली, जन जागरूकता के लिए युवा खिलाड़ियों की रैली प्रारंभ की गई। आज दिन भर प्रवास में डॉ. राकेश मिश्रजी ने अनेक बैठकें लीं। जिसमें व्यवस्थाओं के अलावा विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ सतना हाफ मैराथन 2021 को सफल बनाने हेतु चर्चाएं की गई। इस मैराथन की ब्रांड एंबेसडर डॉ. सुनीता गोदारा के बारे में बताया कि वह हमारी इस मैराथन के

एक दिन पूर्व सतना में बाइक रैली करेंगी। इस मैराथन में दिल्ली, मुंबई, राजस्थान हरियाणा, पंजाब के अनेक पुरुष एवं महिला धावकों ने पंजीयन किया है। ऐसा लगता है कि आनेवाले समय में हमारी अनुमानित संख्या पूरी होगी।

इससे पूर्व सतना में सदभावना दौड में डॉ. राकेश मिश्र ने आगामी 5 दिसंबर को होने वाले संपूर्ण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गत वर्ष जानकी बाई अहिरवार नाम की महिला ने 7 किलोमीटर की दौड़ में अपना स्थान बनाया था, तो हममें से कोई और लोग भी ऐसे पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं। इस मैराथन में 3 लाख 50 हजार से अधिक के नगद पुरस्कार व स्मृति चिन्ह एवं फिट इंडिया के डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएँगे। जो विभिन्न खिलाड़ियों के कैरियर में काम आएँगे। कार्यक्रम के अंत में श्री कृष्णा पांडे ने सबका आभार व्यक्त किया।

सतना हाफ मैराथन : 2021 के लिए महिलाओं के द्वारा निकाली गई स्कूटी रैली

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा होनेवाली सतना हाफ मैराथन : 2021 के आयोजन में महिलाओं और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु महिला स्कूटी रैली का आयोजन शहर में किया गया। सतना शहर के प्रमुख मार्गों सेमरिया चौराहे से सभी बाजारों, जय स्तंभ चौक, स्टेशन रोड, पन्नीलाल चौक, सर्किट हाउस चौराहा होते हुए नेह निकुंज बम्हनगवाँ में समाप्त हुई। इस रैली में प्रमुख रूप से मनीषा सिंह, राधा श्रीवास्तव, शिखा सिंह तिवारी, रेणु सिंहजी, रागिनी सिंह, नीलम गुप्ता, विद्या सिंह, नेहा सिंह, सीमा सिंह, खुशबू सिंह, मुस्कान गुप्ता, नीलम तिवारी, अनिता दहायत, आरती सिंह, जूली पीटर, प्रिया त्रिपाठी, अर्चना कुशवाहा, प्रिया सिंह, सहित न्यास के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। रैली को रवाना करते समय कार्यक्रम संयोजक राजीव व्यास, अजय मिश्रा, कमलेश्वर अग्रवाल, कृष्णा पांडेय, कामता पांडेय, अभिनव त्रिपाठी, अभिषेक तिवारी, अरविंद सिंह, भूपेंद्र केवट आदि उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश के सतना शहर में हाफ मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट से मान्यता प्राप्त एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत यह दौड़ अंतरराष्ट्रीय नियमानुसार की जा रही है। सतना में आयोजन समिति इसकी व्यापक तैयारियाँ कर रही है। यह तैयारी पूर्णता की ओर हैं। तीन प्रकार की श्रेणियों में होनेवाली इस दौड़

में पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के अलग-अलग समूह बनाए गए हैं। दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम से यह दौड़ प्रात: छह बजे एक साथ प्रारंभ होगी। सभी प्रतिभागियों को 25 नवंबर तक पंजीयन कराना अनिवार्य हैं। पंजीयन उपरांत छात्रों को अपनी आयुवर्ग मैं दौड़ने के लिए सतना समय पर पहुँचना होगा। इस मैराथन को भव्य दिव्य बनाने हेतु निरंतर खिलाड़ियों पर प्रयास चल रहे हैं। इसी शृंखला में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने 14 जिलों का प्रवास किया। सभी स्थानों के कार्यकर्ता बैठक में खेल से जुड़े हुए मंडलों, NCC, NSS के छात्रों की बैठकों में उपस्थिति रही।



मोटर साईकिल रैली



स्वागत द्वार सतना हाफ मैराथन 2021



सतना हाफ मैराथन 2021 हेतु मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को न्यास के प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहानजी से मिलकर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के प्रतिनिधि मंडल में योगेश ताम्रकार, राजीव व्यास (संयोजक), कृष्णा पांडेय (सह संयोजक), अभिनव त्रिपाठी रंजन, कमलेश्वर अग्रवाल, अजय मिश्रा (सह संयोजक) ने मिलकर पूरी कार्ययोजना का पत्र दिया। जिसे मुख्य मंत्रीजी ने स्वीकार कर लिया।

आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 05 दिसंबर, 2021 (रविवार) को प्रात: 6 बजे इस मैराथन दौड़ में सम्मिलित होकर इसे गौरवशाली बनाने हेतु रीवा संभाग के खेल प्रेमियों की अनेक तैयारी बैठकें न्यास के कार्यालय नेह निकुंज बम्हनगंवा में संपन्न हुईं।





श्रीमती मनीषा सिंह, अरविंद सिंह 'पप्पू' श्री राजीव व्यास, डॉ. राकेश मिश्र, श्री कृष्णा पांडेय, श्री अजय मिश्रा व श्री अभिनव त्रिपाठी 'रंजन' प्रचार सामग्री जारी करते हुए।

कार्यक्रम : सतना हाफ मैराथन 2021

दिनांक : 05 दिसंबर, 2021 (रविवार) **प्रात :** 6:00 बजे
कार्यक्रम स्थल : दादा सुखेंद्रड सिंह स्टेडियम, सतना-485001 (म.प्र.)



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार रविवार को आयोजित सतना हाफ मैराथन 2021 में 21 किलोमीटर की मैराथन दौड़ में महिला वर्ग से झालावाड़ राजस्थान से आई 27 साल की खिलाड़ी पूजा हरिजन ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश के राजगढ़ से आए 25 साल के खिलाड़ी विष्णु ने प्रथम स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में द्वितीय स्थान पर उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर से आई खिलाड़ी नीतू कुमारी रहीं, वहीं महिला वर्ग में ही तीसरा स्थान दिल्ली की खिलाड़ी नूतन ने हासिल किया। पुरुष वर्ग में द्वितीय स्थान पर उत्तर प्रदेश वाराणसी के 23 साल के खिलाड़ी धर्मेंद्र कुमार यादव ने हासिल किया तो पुरुष वर्ग में तीसरे स्थान पर होशियारपुर पंजाब से आए 22 साल के खिलाड़ी हरजोधवीर सिंह रहे।

45 साल और उससे ऊपर के आयु वर्ग में

महिला वर्ग से सोनम कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं रंजना राजपूत द्वितीय स्थान पर रही तीसरे स्थान पर पूनम कुमारी रही। इसी आयु वर्ग में पुरुषों में मैराथन खिलाड़ी प्रथम स्थान पर ओमकार विष्णु बैंकर रहे, द्वितीय स्थान पर विशाल पांडेय, वही तीसरा स्थान शिडखेरा पांडुरंगा ने हासिल किया।

12 से 18 आयु वर्ग दौड़ में महिलाओं में सोनम कुमारी प्रथम स्थान पर रही

द्वितीय स्थान पर रंजना राजपूत, तृतीय स्थान पर पूनम कुमारी रहीं। इसी आयु वर्ग में पुरुषों में से प्रथम स्थान शैलेश कुशवाहा ने हासिल किया द्वितीय स्थान स्वराज संदीप जोशी और तृतीय स्थान पर अर्जुन कुशवाहा रहे।

भगवा ध्वज दिखाकर हुई मैराथन प्रारंभ

सतना हाफ मैराथन 2021 रविवार को जवाहर नगर स्थित दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम से प्रातः 7 बजे अतिथियों द्वारा ध्वज दिखाकर प्रारंभ हुई। अतिथि के तौर पर मैराथन की एशियन चैंपियन रही डॉ. सुनीता गोदरा, बिग बॉस फेम फिल्म अभिनेत्री सोनाली फोगाट, मध्य प्रदेश शासन के मंत्री रामखेलावन पटेल, सतना के सांसद गणेश सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह कार्यवाह उत्तम बनर्जी, फिल्म कश्मीर दा रिज्यूलेशन के अभिनेता युवराज कुमार, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ताम्रकार, संजीव कुमार गुड़गाँव, डॉ. राजेश सर्वज्ञ, न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा, भाजपा के जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी एवं अन्य अतिथियों ने मैराथन को झंडी दिखाकर शुभारंभ किया

तीन आयु वर्ग के प्रतिभागी हुए शामिल

सतना हाफ मैराथन 2021 में तीन आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें 12 से 18 वर्ष तक के 18 से 45 वर्ष तक के और 45 से ऊपर आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

छोड़े गए रंग बिरंगे गुब्बारे

मैराथन को शुभारंभ करते हुए अतिथियों ने आसमान में रंग बिरंगे गुब्बारे छोड़े और एयर पिस्टल से खेल अधिकारियों ने फायर कर मैराथन प्रारंभ की।

कार्यक्रम स्थल और लोगों के घरों में हुआ लाइव प्रसारण

सतना हाफ मैराथन 2021 की इस दौड़ को देखने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पूरे रूट के लाइव प्रसारण की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल जवाहर नगर स्टेडियम में की गई थी। इसी तरह लोगों ने अपने घरों में टी.वी. के माध्यम से इस समूची दौड़ का लाइव प्रसारण देखा।

अत्याधुनिक तकनीक का किया गया उपयोग

इस मैराथन में कौन प्रतिभागी विजेता हुए यह जानने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार तकनीक का पूरा उपयोग किया गया था जिसमें फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के निर्णायक मंडल की टीम डॉ. पीयूष जैन और

उनके सहयोगियों के द्वारा खिलाड़ियों को प्रदान किए गए वेब नंबर की व्यापक पड़ताल और टाइम मशीन के द्वारा पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्णय किए गए।

मैराथन में दौड़े हटा विधायक ने जीता इनाम

दमोह जिले के हटा विधानसभा से विधायक पुरुषोत्तम तंतुवाय ने खिलाड़ी के तौर पर शिरकत करते हुए मैराथन दौड़ में हिस्सा लिया व पुरस्कार प्राप्त किया।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाएगा न्यास : डॉ. राकेश मिश्रा

पं. गणेश प्रसाद सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने पुरस्कार वितरण समारोह में पहुँचे जिले के नागरिकों और उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सतना हमारी कर्मभूमि रही है इसलिए विंध्य क्षेत्र के खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मापदंड के अनुसार नियमों का पालन करते हुए सतना हाफ मैराथन का यह आयोजन किया गया है न्यास ऐसे आयोजनों के माध्यम से खेल के क्षेत्र में छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को आगे लाने का निरंतर काम करेगा।

शहर के नागरिकों ने किया खिलाड़ियों का स्वागत

सतना हाफ मैराथन 2021 इस प्रतियोगिता में देश भर से हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों का शहर के नागरिकों ने 23 स्थानों पर स्टाल लगाकर एनर्जी ड्रिंक देकर और पेयजल देकर करतल ध्वनि से उनकी हौसला अफजाई करते हुए स्वागत अभिनंदन किया।

बना इंटरनेशनल रिकॉर्ड

मैराथन विशेषज्ञ डॉ. सुनीता गोदारा ने बताया कि सतना हाफ मैराथन 2021 के इस आयोजन में 21 किलोमीटर की दौड़ को 1 घंटा 4 मिनट में प्रतिभागी ने पूर्ण किया है यह अपनी तरह का अंतर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।

सतना हाफ मैराथन 2021 हेतु महत्त्वपूर्ण संदेश

एशियन मैराथन विजेता डॉ. सुनीता गोदारा, फिल्म अभिनेत्री सोनाली फोगाट समेत कई हस्तियाँ पहुँचीं सतना में। दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर सतना में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार सतना शहर में पहली बार होने वाली हाफ मैराथन दौड़ में शामिल होने के लिए पूरे देश

से महिला पुरुष धावक पहुँच चुके हैं। जिसे देश की जानी–मानी धावक एवं एशियन चैंपियन डॉ. सुनीता गोदारा नई दिल्ली, फिल्म अभिनेत्री हरियाणा सरकार की ब्रांड एंबेसडर सोनाली फोगाट, मध्य प्रदेश शासन में मंत्री श्री रामखेलावन पटेल, सतना जिले के सांसद श्री गणेश सिंह, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री योगेश ताम्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह श्री उत्तम बनर्जी, कश्मीर द फाइनल रिजोल्यूशन फिल्म के अभिनेता श्री युवराज कुमार एवं अभिनेत्री रिप्पी कौल (कश्मीरी पंडित) संजीव कुमार हरियाणा योग आयोग के सदस्य ने ध्वज प्रदान किया एवं झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारंभ किया।

अनेक हस्तियों ने दिया मैराथन को शुभकामना संदेश

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित सतना हाफ मैराथन 2021 की सफलता के लिए ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी सुश्री पी.वी. सिंधु, सुप्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी श्री प्रकाश पादुकोण, संगीत निर्देशक एवं गायिका अनु मलिक, सुप्रसिद्ध भजन गायक पद्म विभूषण श्री अनूप जलोटा, भजन गायक पद्मभूषण श्रीमती अनुराधा पौडवाल, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पंकज बेरी, गायिका लक्ष्मी दुबे, समेत अनेक हस्तियों ने अपने शुभकामना संदेश भेजे हैं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के फिट इंडिया एवं आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्रीय युवाओं में जोश व देशभक्ति का जज्बा पैदा कर रहा है।



सतना हाफ मैराथन 2021 पुरस्कार विजेता

I : 18 से 45 वर्ष आयु

महिला (18 से 45 वर्ष आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	पूजा हरिजन	21155	1:14:46	21,000/-
द्वितीय	नीतू कुमारी	21142	1:16:00	11,000/-
तृतीय	नूतन	21122	1:28:21	5,100/-
सांत्वना	वर्षा टेकाम	21101	1:30:02	2,100/-
सांत्वना	वर्षा दशरथ पैकराव	21127	1:30:04	2,100/-

पुरुष (18 से 45 वर्ष आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	श्री विष्णु	21140	1:04:53	21,000/-
द्वितीय	श्री धर्मेन्द्र कुमार यादव	21121	1:05:01	11,000/-
तृतीय	श्री हरजोधवीर सिंह	21108	1:05:04	5,100/-
सांत्वना	श्री उत्तम चन्द्र	21117	1:07:44	2,100/-
सांत्वना	श्री लीला राम	21131	1:12:13	2,100/-
सांत्वना	श्री श्याम बाबू बिंद	21163	1:14:36	2,100/-

II : 45 वर्ष से अधिक आयु

महिला (45 वर्ष से अधिक आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	विद्या	21200	1:58:51	21,000/-
द्वितीय	विनीता शर्मा	21197	2:22:31	11,000/-

पुरुष (45 वर्ष से अधिक आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	श्री घनश्याम पाण्डुरंगजी	21203	1:27:57	21,000/-
द्वितीय	श्री नवीन पटैरिया	21199	1:29:47	11,000/-
तृतीय	डॉ. घनश्याम गुप्ता	21209	1:40:17	5,100/-
सांत्वना	श्री राजेश साहू	21206	1:45:27	2,100/-
सांत्वना	श्री चेतराम	21212	1:55:15	2,100/-
सांत्वना	श्री विजेन्द्र सिंह पनवर	21211	2:03:23	2,100/-

2. पुरस्कार वितरण :युवा दौड़ : 10 किमी : पुरुष एवं महिला :

I : (12 से 18 वर्ष आयु)

महिला (12 से 18 वर्ष आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	सोनम कुमारी	10150	37:32	11,000/-
द्वितीय	रजता राजपूत	10149	41:54	5,100/-
तृतीय	पूनम कुमारी	10283	44:10	2,100/-
सांत्वना	रीनू केवट	10376	44:52	1,100/-
सांत्वना	आँचल साकेत	10350	46:05	1,100/-
सांत्वना	संजना केवट	10372	47:14	1,100/-

- पुरुष (12 से 18 वर्ष आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	श्री शैलेज कुशवाहा	10060	32:01	11,000/-
द्वितीय	श्री स्वराज संदीप जोशी	10116	33:01	5,100/-
तृतीय	श्री अर्जुन कुशवाहा	10153	33:50	2,100/-
सांत्वना	श्री मोहन कुर्मी	10277	35:14	1,100/-
सांत्वना	श्री पीयूष तिवारी	10222	35:52	1,100/-
सांत्वना	श्री ज्ञात्री कुशवाहा	10115	49:08	1,100/-

II : 18 से 45 वर्ष आयु

महिला (18 से 45 वर्ष आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	नैना पटेल	10510	39:47	11,000/-
द्वितीय	रोशनी पुसम	10685	44:56	5,100/-
तृतीय	सपना रघुवंशी	10595	47:21	2,100/-
सांत्वना	योगिता ढोबू	10532	48:21	1,100/-
सांत्वना	आरती यादव	10623	49:29	1,100/-

पुरुष (18 से 45 वर्ष आयु)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	श्री ओंकार विष्णु बैकर	10590	32:23	11,000/-
द्वितीय	श्री विशाल पांडे	10399	32:40	5,100/-
तृतीय	श्री सिद्देश पांडुरंग बारजे	10580	32:43	2,100/-
सांत्वना	श्री अंकित सिंह परिहार	10583	33:08	1,100/-
सांत्वना	श्री पंकज कुमार साकेत	10690	34:18	1,100/-
सांत्वना	श्री सागर सुदपुरे	10502	34:26	1,100/-

III : 45 वर्ष से अधिक

पुरुष (45 वर्ष से अधिक)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
प्रथम	श्री राम मोहन वर्मा	10743	40:12	11,000/-
द्वितीय	श्री संजय कुमार	10739	41:53	5,100/-
तृतीय	श्री दिनेश कुमार ठाकुर	10744	45:49	2,100/-
सांत्वना	श्री नरेन्द्र कुमार शुक्ला	10731	52:55	1,100/-
सांत्वना	श्री मुकेश त्रिपाठी	10741	1:11:22	1,100/-
सांत्वना	श्री पुरुषोत्तम लाल कौरी	10760	1:30:00	1,100/-

3. पुरस्कार वितरण समारोह :05 किमी (सभी आयु वर्ग) : पुरुष एवं महिला :

महिला (सभी आयु वर्ग)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
सांत्वना	साक्षी संजय जड़ियाल	50854	18:57	2,100/-
सांत्वना	आरती सरतकर	50196	21:08	2,100/-
सांत्वना	ज्योत्सना सिंह	50415	21:24	2,100/-

- पुरुष (सभी आयु वर्ग)

स्थान	विजेता का नाम	बिब नं.	समय	पुरस्कार राशि
सांत्वना	श्री चक्रेश कुमार यादव	50275	16:42	2,100/-
सांत्वना	श्री कृष्ण कुमार पटेल	50472	16:50	2,100/-
सांत्वना	श्री हंसराज सिंह दीक्षित	50358	17:07	2,100/-



श्रेष्ठ भारत, समर्थ भारत, आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना में हाफ मैराथन 2021 का आयोजन किया जा रहा है। मैं तो इतना ही कहूँगा कि हमारे देश में जो खेल जगत की जो प्रतिभाएँ हैं वो कमाल की हैं। उनको सही समर्थन देना, सही जरूरत की चीजें देना, जब ये सब होता है तो वो अपना काम दिखाते हैं। हमारा देश खेल जगत में अपने को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध कर देगा। मैं अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ कि यह मैराथन बहुत सफल हो और इसका लोग बहुत आनंद उठाएँ।

अनूप जलोटा
प्रसिद्ध गायक



श्रेष्ठ भारत, समर्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने के पवित्र उद्देश्य से आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना हाफ मैराथन 2021 का आयोजन एक सराहनीय और सार्थक प्रयास है। यह मैराथन संपूर्ण क्षेत्र के खिलाड़ियों, युवाओं एवं आम जनता को निरंतर आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा प्रदान करें और स्वस्थ जीवन का आधार बने, ऐसी मेरी आकांक्षा है। श्रेष्ठ आयोजन की सफलता हेतु मेरी ओर से हार्दिक मंगलकामनाएँ, नमस्कार।

अनुराधा पौड़वाल
प्रसिद्ध गायिका



आजादी के अमृत महोत्सव पर सतना हाफ मैराथन होने जा रहा है। आप सब इसमें भाग लीजिए। चलना ही ये जिंदगानी, मरना ही मौत की निशानी, सर पर लाल टोपी रूसी फिर भी दिल है हिंदुस्तानी। बहुत बड़ी बात है, चलते रहोगे, दौड़ते रहोगे, स्वस्थ रहोगे। इंडिया फिट रहेगा। मैं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास को नमन करता हूँ और हमारे प्यारे डॉ. राकेश मिश्रजी को नमन करता हूँ कि वह यह आयोजन कर रहे हैं।

अनु मलिक
प्रसिद्ध गायक



Hello, everyone. I am glad to know that Satna Half Marathon is being organized on the 5th December, 2021. So, I wished good luck and all the best to all the participants.

P.V. Sindhu
Badminton Player

"सतना हाफ मैराथन : 2021 हेतु प्राप्त वीडियो शुभकामना संदेश"
दिनाँक : 05.12.2021 (रविवार) ; समय : प्रातः 06:00 बजे
स्थान: दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम, सतना (म.प्र.)

शनिवार, 18 दिसम्बर, 2021

क्रमांक	महान शख्सियत	दायित्व/पदनाम	वीडियो	लिंक
1	श्री अनूप जलोटा जी	प्रसिद्ध गायक	✓	ANUP JALOTA JI INDIAN SINGER.mp4
2	श्रीमती अनुराधा पौड़वाल जी	प्रसिद्ध गायिका	✓	ANURADHA PAUDWAL JI INDIAN PLAYBACK SINGER.mp4
3	श्री राहुल त्रिपाठी जी	गायक, नौगांव	✓	Rahul Tripathi.mp4
4	श्री सचिन रुस्तगी जी	टाइमिंग सिस्टम का संचालन करना	✓	Sachin Rustagi.mp4
5	सुश्री राजलक्ष्मी मांडा तमिलनाडु	भाजपा प्रचारक, बाइक शक्ति यात्रा, चेन्नई (तमिलनाडु)	✓	Smt. Rajalakshmi Manda.mp4
6	सुश्री पी.वी. सिंधु जी	वर्ल्ड चैम्पियन बैडमिंटन खिलाड़ी	✓	PV SINDHU.mp4
7	श्री विमल कुमार जी	पूर्व -फ्रेंच ओपन बैडमिंटन चैम्पियन व पूर्व मुख्य कोच भारत	✓	VIMAL KUMAR.mp4
8	श्रीमती सोनाली फोगाट जी	राजनीतिज्ञ और टीवी अभिनेत्री वॉलीवुड	✓	Sonali Phogat Ji.mp4
9	सुश्री लक्ष्मी दुबे जी	राष्ट्र भवन गायिका	✓	Laxmi Dubey.mp4
10	गायत्री सिद्ध पंडित लक्ष्मण दास रतन भारद्वाज जी	असाध्य रोग निवारक	✓	गायत्री सिद्ध पंडित लक्ष्मण दास रतन भारद्वाज जी.mp4
11	श्री हितेन तेजवानी जी	भारतीय टेलीविजन अभिनेता	✓	HITEN TEJWANI.mp4
12	श्रीमती सुनीता गोदारा जी	ब्रांड एम्बेसडर, सतना हाफ मैराथन-2021	✓	Ms. Sunita Godara.mp4 Ms. Sunita Godara (2).mp4
13	श्री प्रकाश पादुकोण जी	पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन बैडमिंटन खिलाड़ी एवं पद्मश्री पुरस्कार और वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित	✓	Prakash Padukone ji.mp4
14	श्री पंकज बैरी जी	टीवी अभिनेता	✓	Pankaj Berry Ji.mp4
15	श्रीमती मंदाकिनी जी	अभिनेत्री	✓	Smt. Mandakini Ji.mp4
16	श्री अनु मलिक जी	भारतीय संगीत निर्देशक एवं गायक	✓	Mr. Anu Malik.mp4
17	महिला स्कूटी रैली आयोजन		✓	महिला स्कूटी रैली आयोजन.mp4
18	अनादि न्यूज		✓	अनादि न्यूज.mp4
15	चित्रमय झलकियाँ	द्वारा श्री विराज तिवारी जी	✓	चित्रमय झलकियाँ द्वारा श्री विराज तिवारी जी.mp4
16	मैराथन विज्ञापन जी न्यूज	जी न्यूज	✓	जी न्यूज -2.mp4
17	ACN News		✓	ACN News.mp4
18	संस्कृति न्यूज		✓	संस्कृति न्यूज.mp4
19	मैराथन विज्ञापन-1	मैराथन विज्ञापन-1	✓	मैराथन विज्ञापन-1.mp4
20	मैराथन विज्ञापन-2	मैराथन विज्ञापन-2	✓	मैराथन विज्ञापन-2.mp4
21	मैराथन विज्ञापन-3	जी न्यूज	✓	मैराथन विज्ञापन-3.mp4



श्री रामखेलावन पटेल, श्री योगेश ताम्रकार, श्री गणेश सिंह (सांसद), डॉ. सुनीता गोदारा, सोनाली फोगाट्र विनोद तोमर, ए.के. सोनी, श्री दिलीप चौरसिया।



श्री राम खेलावन पटेल, श्री नरेंद्र त्रिपाठी, श्री अनंत सोनी, डॉ. राकेश मिश्र, श्री सुभाष शर्मा एवं सिद्धार्थ रिछारिया (छोटू)।



कार्यकर्ताओं का सम्मान करते डॉ. राकेश मिश्र, श्री राकेश प्रताप सिंह, राकेश त्रिपाठी 'नीलू', बालकृष्ण शुक्ला 'बेटा', श्रीमती मनीषा सिंह, विजय दुबे, अर्जुन गुप्ता, राजीव व्यास, श्यामलाल गुप्ता, नीलम गुप्ता, शिखा सिंह तिवारी, अर्जुन तिवारी, अभिनव त्रिपाठी।



मंचासीन अतिथि यात्रा को प्रारंभ करते हुए।





शहर के गणमान्य नागरिक।



युवराज कुमार, पं. रमाकांत पटैरिया, स्वामी शंकर्षणाचार्यजी, अनंत सोनी, श्री रामखेलावन पअैल, नरेंद्र त्रिपाठी, श्री शिवशंकर सिंह।



दौड़ को ध्वज दिखकर रवाना करती सुनीता गोदारा, सोनाली फोगाट।







धावकों का जोश।



न्यास की कोषाध्यक्ष रेखा अवस्थी, आशा रावत, मालती मिश्रा, प्रमिला मिश्रा।



नकद पुरस्कार ग्रहण करते धावक।



10 किमी दौड़ के धावक।



देश भर से आए खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए।

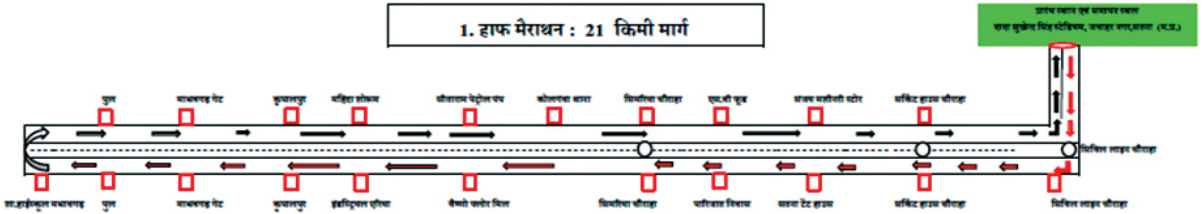
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

सतना हाफ मैराथन : 2021

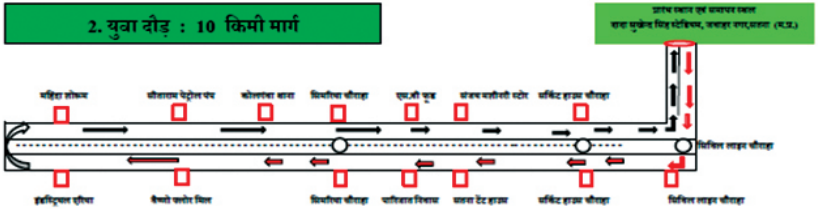
05 दिसम्बर, 2021

मार्ग मानचित्र

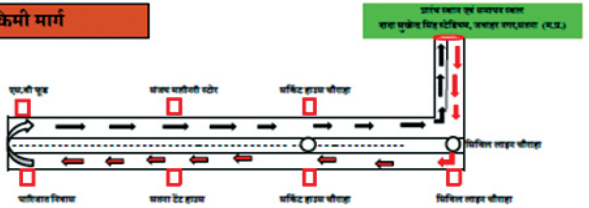
1. हाफ मैराथन : 21 किमी मार्ग



2. युवा दौड़ : 10 किमी मार्ग



3. अमृत दौड़ : 5 किमी मार्ग



कार्यक्रम : पं. गणेश प्रसाद मिश्र स्मृति व्याख्यान माला (पंचम पुष्प)

विषय : 'बदलते परिवेश में संयुक्त परिवार की आवश्यकता'

दिनांक : 26 दिसंबर, 2021 (रविवार) **अपराह्न :** 2:00 बजे
कार्यक्रम स्थल : न्यू बॉटनी हाल, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

मन, वचन, कर्म और समय की धारा में गुंथे हुए पुराने संस्कारों की वजह से जीव किसी परिवार में जन्म पाकर उसका अभिन्न हिस्सा बनता है। ऐसे में जीव परिवार के अन्य सदस्यों के योग और सहयोग से ही अपना संपूर्ण विकास पा सकता है। लिहाजा परिवार और फिर संयुक्त परिवार आर्थिक उदारीकरण के इस युग में निजी स्वार्थवश बेतरतीब ढंग से फैलते जा रहे मनुष्य समाज के लिए एक संजीवनी का कार्य कर सकते हैं। लेकिन इससे उलट आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं। उनकी जगह एकल परिवार बहुतायत में पाए जा रहे हैं। पैसों की अंधी दौड़ की वजह से वर्तमान आधुनिक समाज में संयुक्त परिवारों की संख्या बड़ी तेजी से कम हो रही है। जो मनुष्य के लिए एक मृग मरीचिका की स्थिति पैदा कर रही है। मतलब मनुष्य ऐसी स्थिति में अपने विकास के भ्रम में पूरी दुनिया को भूलने के फेर में है, जिससे आज नहीं लेकिन भविष्य में यह उसके लिए बहुत निराशाजनक होने वाला है।यह अंत में उसे एकाकीपन की एक गहरी उदासी में धकेलने वाली स्थिति है। वर्तमान दौर में युवा बहुत व्यस्त, तनावपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं ऐसे में उन्हें अपनों के प्यार, स्नेह एवं अपनेपन की आवश्यकता है जोकि उन्हें उनके व्यस्त, चुनौतीपूर्ण एवं तनाव से परिपूर्ण जीवन का सामना करने में सहयोग कर सकते हैं। ऐसा माहौल सिर्फ एक संयुक्त परिवार में ही प्राप्त हो सकता है। परिवारों में अन्य लोगों की उपस्थिति से सहयोग प्राप्त होने के साथ-साथ अकेलापन भी खत्म हो जाता है।

संयुक्त परिवार शक्ति के संधान के लिए बहुत आवश्यक है।आर्थिक उदारीकरण के इस युग में एक ही घर के एक ही संस्कारों से जनित पारिवारिक सदस्यों का मनसा, वाचा, कर्मणा एक मतैक्य होना अति आवश्यक है। ऐसा होने से जीवन चक्र में बुरे समय के झंझावात से सकुशल निपटने में हर सदस्य मजबूत होगा। देश के जनमानस में लोकप्रिय रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है।

जहाँ सुमति तहां सम्पत्ति नाना,
जहाँ कुमति तह विपत्ति निदाना।।

मतलब जहाँ परिवार में एक मन यानी सहयोग और सुमति होगी वहाँ कम पैसों में भी खुशहाली ही खुशहाली होगी और जहाँ अहंकार की वजह से परिवार में सदस्यों के बीच नेतृत्व की टकराहट रहेगी, वहाँ हज़ारों संकट आएँगे। रामचरितमानस की इस अनुपम चौपाई को ध्यान में रखते हुए हमें आधुनिक दुनिया की चकाचौंध पर वशीभूत होने की बजाय भावों और संस्कारों के एकीकरण पर संज्ञान लेना चाहिए। इससे घर परिवार की फुलवारी में सुरिभत पुष्पों की सुगंध जीवन की बगिया में सभी को महकाते हुए हमेशा तरोताजा रखेगी। ऐसा गुलशन सिर्फ और सिर्फ संयुक्त परिवार से ही संभव है। धर्म और भाव प्रधान अपने देश में तो संयुक्त परिवार ही मनुष्य के मन में असीम शक्ति का संचार हर पल कर सकते हैं।

हमारी युवा पीढ़ी को रिश्तों की समझ संयुक्त परिवार में ही हो सकती है। जहाँ बच्चों का लालन-पालन और मानसिक विकास अच्छे संस्कारों से हो सकता है। वहीं परिवार के सम्मानित वृद्धजनों का अंतिम समय भी शांति और खुशी से गुजर सकता है। परिवार के बड़े बूढ़े अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति कर सकते हैं। हमारे बच्चे संयुक्त परिवार में दादा-दादी, काका-काकी, बुआ आदि के प्यार की छाँव में खेलते-कूदते और संस्कारों को सीखते हुए बड़े हो सकते हैं। संयुक्त परिवार से ही मनुष्य के संपूर्ण संस्कारों का जन्म हो सकता है।

मिल जुल कर प्रेम भाव से रहने की भावना-निजी स्वार्थवश अनेक मजबूरियों के चलते वर्तमान दौर में संयुक्त परिवारों का लगातार बिखराव हो रहा है। विकास की इस अंधी बयार के बीच भी संयुक्त परिवारों के महत्त्व को मनुष्य के जीवन में कदापि नकारा नहीं जा सकता है। ऐसे लोग जो एकल परिवारों में रहते हैं उन्हें संयुक्त परिवार के फायदे नजर नहीं आते हैं। किसी विपत्ति के समय परिवार के किसी सदस्य के गंभीर रूप से बीमार होने पर संयुक्त परिवार के सहयोग से सदस्यों के आत्मिक बल से प्रेम से आसानी से निपटा जा सकता है। कहते हैं कि प्रेम में बड़ी ताकत होती है और यह प्रेम अगर पारिवारिक हो तो सोने पर सुहागा हो जाता है, जिससे बड़ी से बड़ी मुश्किलें आसान हो जाती हैं।

संयुक्त परिवार को दरकिनार करके एकल परिवार में रहने वाले लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। संयुक्त परिवार में रहने वाले लोगों के

सामने कभी भी आर्थिक समस्या या रोजगार चले जाने की समस्या उत्पन्न नहीं होती क्योंकि एक सदस्य की अनुपस्थिति में अन्य परिजन कारोबार को देख लेते हैं और परिवार के सभी सदस्यों का जीवन सुचारू रूप से चलते रहता है। अच्छे संस्कारों का ग्रहण व अकेलेपन से मुक्ति-संयुक्त परिवार में बच्चों के लिए सुरक्षित और उचित शारीरिक एवं चारित्रिक विकास का अवसर होता है। माता-पिता के साथ-साथ अन्य परिजन विशेष तौर पर दादा-दादी का प्यार भी उन्हें मिलता है, जबकि एकल परिवार में अकसर माता-पिता या दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चे दोनों के प्यार से वंचित हो जाते हैं और अकेलापन महसूस करने लगते हैं। एक संयुक्त परिवार में दादा-दादी से प्यार के साथ ज्ञान तथा भरपूर अनुभव मिलता है। बच्चों को संस्कारवान, चरित्रवान एवं हृष्ट-पुष्ट बनाने तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को यथावत् बनाए रखने में संयुक्त परिवार का विशेष योगदान है।

परिवार में बुजुर्गों की उपस्थिति से संयुक्त परिवार में प्रत्येक सदस्य चरित्रवान बना रहता है। किसी समस्या के समय सभी परिजन उसका साथ देते हैं और कोई भी सदस्य बड़े बुजुर्गों के भय से असामाजिक गतिविधियों में लिप्त होने से डरता है और अकसर इस प्रकार के गलत कार्यों में भाग नहीं लेता है। साथ ही वह बुजुर्गों के भय के कारण शराब, जुआ या अन्य कोई नशा जैसी बुराइयों से भी बचे रहता है। उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि संयुक्त परिवार की अपनी एक अलग गरिमा और महत्त्व है जो युवा पीढ़ी को अच्छे संस्कार व चरित्रवान बनाने में पूरा-पूरा सहयोग प्रदान कर सकता है। उनको मिलजुल कर रहना सिखा सकता है। इस प्रकार संयुक्त परिवार हर तरह से उपयोगी, लाभकारी एवं आवश्यक हैं।

मनुष्य केवल अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहकर अपना जीवन सुखमय बनाना चाहता है।लेकिन उसे आज फिर से संयुक्त परिवार की आवश्यकता महसूस होने लगी है, ताकि उसके बच्चों के सुदृढ़ भविष्य का निर्माण हो सके। उनमें मिल-जुलकर रहने की भावना का विकास हो तथा उम्रदराज उनके माता-पिता भी अपने अकेलेपन से मुक्ति पा सकें। आधुनिक समय की इस चमकीली अंधाधुंध दौड़ में भागते हुए इस अनजान मनुष्य को अब अपने दिमाग के झंझावातों की बजाय अपने मायूस दिल की धड़कनों का एहसास हौले-हौले होने लगा है। देर सबेर उसे साथी हाथ बढ़ाना, एक अकेला थक जाएगा मिलकर साथ निभाना...ये बंधन तो प्यार का बंधन है, जन्मों का बंधन है...जैसी पंक्तियों से लगाव अवश्य होने लगेगा।



प्रो. टी.आर. थापक (कुलपति), श्री युवराज कुमार, श्री राधेशुक्ला, श्री नरेंद्र मिश्रा।



व्याख्यान सुनते श्री रमाशंकर मिश्र 'मनीषी', युवराज कुमार मुंबई, दीप्ती पयासी, डॉ. रचना, रेखा अवस्थी उमा गंगेले, संजय शाह, कुसुम शर्मा, अशोक खरे आदि प्राध्यापकगण।



प्रो. लक्ष्मीनारायण रावत एवं अन्य प्राध्यापक गण।



कार्यक्रम में श्रोतागण।



कार्यक्रम : कंबल बैंक का शुभारंभ

दिनांक : 30 दिसंबर, 2021 (गुरुवार) **अपराह्न :** 2:00 बजे
कार्यक्रम स्थल : भगवान व्यंकटेश मंदिर, मुख्तयार गंज, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यालय नेह निकुंज में कंबल बैंक के शुभारंभ के अवसर पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने दिल्ली से ऑनलाइन वर्चुली जुड़कर कार्य कर्ताओं से आवश्यक विचार विमर्श किया एवं योजना की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. राकेश मिश्रजी ने कहा कि आज पूरे देश में जबरदस्त ठंड व शीत लहर का समय चल रहा है। अपने पिता श्री गणेश प्रसाद मिश्रजी के सपनों को साकार करने के लिए गरीबों असहाय लोगों की मदद करने के लिए ठंड से बचाव के लिए कंबल बैंक का शुभारंभ सेवा न्यास द्वारा किया जा रहा है।

शुभ कार्य की शुरुआत भगवान वेंकटेश को मंदिर में कंबल भेंट कर गरीब असहायों, जरूरतमंदों को न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा कंबल दिए गए। कंबल बैंक का मतलब है कि शहर में जिस किसी भी जरूरत मंद को कंबल की आवश्यकता लगती हो तो वह सेवा न्यास के कार्यालय नेह निकुंज बम्हनगवाँ रीवा रोड में प्रतिदिन सायं चार से छह बजे तक अपना पहचान पत्र देकर प्राप्त कर सकता है। दूसरे दिन 31 दिसंबर को पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के मार्गदर्शन में सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा जवाहर नगर स्टेडियम के सामने झोपड़ी बस्ती में, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं रैन बसेरा में जाकर ठंड से ठिठुरते हुए जरूरतमंदों को कंबल उड़ा कर ठंड से बचाने का कार्य सक्रियता के साथ किया गया।

सभी आगंतुक माताओं, बहिनों, बुजुर्गों को कंबल उपलब्ध करा दिए गए हैं। और निश्चित रूप पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास आज धन्य है कि वह ऐसे ही लोगों की सेवा कर पा रहा है। कार्यकर्ताओं ने रात्रि के समय सतना रेलवे स्टेशन पर पहुँचकर वहाँ बिना कपड़ों के जो भी लोग थे, उनको कंबल वितरित किए। अँधेरी पुलिया के पास में अनेक महिलाएँ बुजुर्गो माता एवं असहाय पुरुष पड़े हुए थे, जो सर्दी से बेहाल भी थे। न्यास के कार्यकर्ताओं ने उनको भोजन कराया एवं उन्हें गरम कंबल प्रदान किए। आज की सेवा के काम में श्री अभिनव त्रिपाठी रंजन, मनीषा सिंह, महेंद्र तिवारी, नीलम गुप्ता, प्रिया सिंह, कमलेश्वर अग्रवाल, अरविंद

सिंह पप्पू, नितिन मिश्रा, प्रकाश त्रिपाठी, अर्जुन तिवारी, रघुवीर मोदी, रवि द्विवेदी, जय प्रताप गुप्ता, सोना सिंह, विजय दुबे, आनंद कुशवाहा, संजय सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। न्यास के कार्यक्रम में सभी महानुभावों से अपील है कि वह भी कार्यालय आयें व इस कंबल वितरण में सहयोग करें।



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा कंबल बैंक से जरूरतमंदों को मिल रहा है लाभ।



श्री जी.पी. रिछारिया, रवि द्विवेदी, सचिन त्रिपाठी, जूली पीटर, विजय दुबे, राजेश त्रिपाठी 'नीलू', श्रीमती मनीषा सिंह, महेंद्र तिवारीजी कंबल वितरण करते हुए।



श्री राजेश त्रिपाठी 'नीलू', विजय दुबे, मनीषा सिंह, अरविंद सिंह पप्पू शीतलहर में कंबल वितरित करते हुए।



कार्यक्रम : ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट समापन

दिनांक : 18 जनवरी, 2022 (मंगलवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवर्रा में आयोजित ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन समारोह सानंद संपन्न हो गया। दो जनवरी से प्रारंभ इस समारोह में 24 गाँवों की टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम श्यावरी (मऊरानीपुर) एवं उपविजेता टीम नयागाँव (मऊ सहानियाँ) रही। पूरे क्षेत्र से भारी जन सैलाब ने क्रिकेट का आनंद उठाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत रहीं एवं उमाशंकर मिश्र (क्षेत्रीय समाजसेवी मुढारी) रहे।

सभी खिलाड़ियों को पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की ओर से एक एक टी-शर्ट, कंबल देकर पुरस्कृत किया गया। विजेता टीम व कप्तान को स्मृति चिह्न में गणेश जी की मूर्ति प्रदान की गईं।

इस पंद्रह दिवसीय समारोह से खेल परिसर धवर्रा में हलचल रही। स्थानीय खेल प्रतिभाओं का निखार हुआ व अनुशासन देखने मिला। सभी खिलाड़ियों ने दद्दाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया व आशीर्वाद ग्रहण किया। पहली बार इस खेल परिसर में स्व. रामकृष्ण मिश्र स्मृति टूर्नामेंट का आयोजन हुआ।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को भी अपनी प्रतिभा निखारने के मौके और प्लेग्राउंड मिलना चाहिए। उन्हीं के प्रयास से महोबा जिले का यह सबसे बड़ा अनेक सुविधाओं से सुसज्जित स्टेडियम निर्मित हो सका है। जिसमें अब समय-समय पर ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन होने लगा है। फाइनल मैच में अमित गुर्जर मैन ऑफ दा सीरीज व मैन ऑफ दा मैच भूपेंद्र रहे। विजेता टीम को ग्राम के पंचायत कर्मी रविंद्र खरे द्वारा 10000 रुपए नगद व ट्रॉफी दी गई। उप विजेता को ट्रॉफी और 5000 रुपए नगद दिए गए एवं प्रत्येक खिलाड़ी को मेडल दिए गए। अंपायर, मनोज तिवारी व गौरव मिश्र रहे। कमेंट्री की भूमिका में आशीष राजा, संतोष तिवारी, श्री राम रिछारिया रहे। स्कोरर की भूमिका राहुल राजपूत ने निभाईं।

ग्राम के अन्य अतिथि श्री अनूप मिश्र, श्री हाकिम सिंह राठौर, महेंद्र सिंह राठौर, प्रवीण दुबे, रामकुमार रिछारिया, बालकदास बाबाजी, श्यामकुमार रिछारिया, सौरभ

मिश्र, रिंकू राजा, श्रीराम रिछारिया, अंकू मिश्र, मोहित मिश्र, केशव मिश्र, गणेश शंकर तिवारी उपस्थित रहे। इस आयोजन टीम के सदस्य रहे गोपेंद्र राठौर, हैप्पी राठौर, मंगल राजपूत, अभिलाष तिवारी, फूल सिंह राजपूत शिब्बू राठौर, अजय राजपूत। इन सभी का न्यास की तरफ से बहुत-बहुत आभार मनोज तिवारी ने व्यक्त किया।



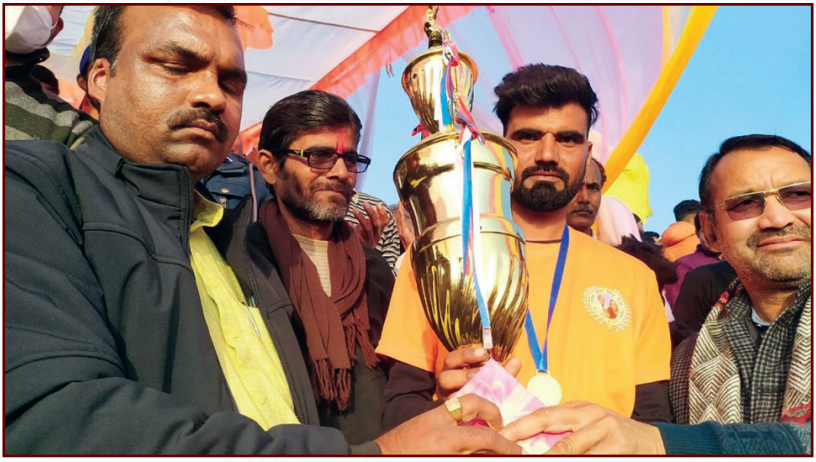
विजेता टीम ने माल्यार्पण कर आशीर्वाद ग्रहण किया।



प्रसन्न मुद्रा में क्रिकेट टीमें व स्वागत करते श्री उमाशंकर मिश्र (मुढ़ारी)



स्मृति चिह्न देतीं श्रीमती आशा रावत, प्रवीण दुबे एवं श्रीराम रिछारिया तथा ग्रामीणजन।



श्री रविंद्र खरे, श्री श्याम रिछारिया, श्री उमाशंकर मिश्रा शील्ड प्रदान करते हुए।

कार्यक्रम : माघ माहात्म्य कथा
प्रवक्ता : श्री घनश्याम पांडेयजी महाराज, भीमकुंड

दिनांक : 18 जनवरी, 2022 (मंगलवार) से 16 फरवरी, 2022 (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)



माघ महात्म्य कथा, श्री घनश्याम पांडेयजी महाराज भीमकुंड द्वारा तीर्थराज प्रयाग में माघ मेले के अवसर पर प्रारंभ हुई। पं. गणेश मिश्र सेवा न्यास की ओर से माघ माहात्म्य कथा का आयोजन किया गया। श्री श्री 1008 श्री शंकर्षणाचार्यजी महाराज भीमकुंड आश्रम की देख-रेख में इसका आयोजन किया गया। कथा वाचक श्री घनश्याम पांडेयजी महाराज ने प्रयाग राज एवं माघ महीने का महत्त्व बताया। उन्होंने कहा कि प्रयाग की भूमि सनातन धर्म में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। इस मौके पर कथा सुनने वालों की भारी भीड़ पूरे एक माह तक रहती थी।



कार्यक्रम : तिलवा चौथ पर्व पर वृक्षारोपण, मास्क एवं सेनेटरी पैड वितरण

दिनांक : 21 जनवरी, 2022 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : स्मार्ट सिटी सतना-मैहर बायपास, दुर्गा मंदिर वार्ड क्र. 37, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा हरा भरा सतना लक्ष्य है अपना कार्यक्रम अंतर्गत पौधारोपण स्मार्ट सिटी सतना मैहर बायपास, दुर्गा मंदिर, वार्ड क्र. 37 में किया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की भगिनी कार्यकर्ता श्रीमती नीलम गुप्ताजी ने बेटे के जन्मदिन पर पौधारोपण अभियान चलाकर नागरिकों को पौधों के महत्त्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही हमारा जीवन है इसलिए अपने बच्चों की तरह वृक्षों का पालन पोषण करें। न्यास की महिला स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि हम सबके योगदान से ही हमारी धरती हरी-भरी और जीवनदायी रहेगी। आइये, पौधरोपण कर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास बच्चों की शिक्षा, युवाओं और वयस्कों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रही है। आगे उन्होंने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य नर सेवा ही नारायण सेवा है, को सार्थक बनाना है। यह सेवा न्यास लोगों की सभी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, भौतिक व धार्मिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

सेनेटरी पैड व मास्क वितरण से स्वच्छता का संदेश

महिला स्वच्छता प्रभारी श्रीमती मनीषा सिंह एवं श्रीमती जान्ह्वी त्रिपाठी ने सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर के पीछे सेवा बस्ती में शुक्रवार को बच्चियों, माताओं एवं बहनों को सैनेटरी पैड वितरण करते हुए स्वच्छता का महत्त्व बताया। महिलाओं एवं बच्चियों को सेवा न्यास द्वारा यह सेनेटरी पैड पूरी तरह मुफ्त दिए गए। इस दौरान इन लोगों को मासिक धर्म के बारे में जानकारी भी दी गई एवं लापरवाही से होने वाली समस्याओं को भी बताया गया। महिलाएँ थोड़ा सावधानी बरतकर मासिक चक्र के दौरान खुद को स्वच्छ रखकर गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। इस दौरान गंदे कपड़े का प्रयोग करने से गंभीर बीमारी भी हो सकती है। इससे हमेशा संक्रमण का खतरा बना रहता है। इस दौरान महिलाओं को महिला जन्य

बीमारी उपचार एवं इसमें सैनिटरी पैड की उपयोगिता के बारे में बताया गया एवं एक पत्रक बनाकर घर-घर दिया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से न्यास की महिला स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंह, कार्यालय प्रमुख महेंद्र तिवारी, न्यास के प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी, नीलू, मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा, अर्जुन तिवारी, मनीष जायसवाल, नंदकिशोर मिश्रा, विकास मिश्रा, शैलेश शास्त्री, नितिन मिश्रा, लोकेश गर्ग, देशपाल बागरी, उमा पांडे, कृष्णा कुशवाहा, श्यामकली गुप्ता, राधा कुशवाहा, सुषमा गुप्ता, छोटू कुशवाहा, कुणाल गुप्ता, बिट्टी गुप्ता आदि सहित पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ता मौजूद रहे।





सामग्री वितरण करती न्यास की टीमें एवं लाभार्थी माताएँ, बहनें।







नीलम गुप्ता के बेटे के जन्मदिन पर वृक्षारोपण करतीं जाह्नवी त्रिपाठी, मनीषा सिंह, सीलम सैनी व अन्य कार्यकर्तागण।



कार्यक्रम : श्रीराम कथा

प्रवक्ता : श्री राहुल कृष्ण महाराज (श्रीधाम वृंदावन)

दिनांक : 21 जनवरी, 2022 (शुक्रवार) से 29 जनवरी, 2022 (शनिवार) तक
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)



श्री राहुल कृष्ण शास्त्री (श्रीधाम वृंदावन) द्वारा तीर्थराज प्रयाग में माघ मेले के अवसर पर श्रीराम कथा का व्याख्यात किया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा की स्मृति में उनके पुत्र डॉ. राकेश मिश्र एवं पुत्रवधू श्रीमती प्रमिला मिश्रा ने संकल्प लेकर कथा प्रारंभ कराई। यह कथा श्री राहुल कृष्ण महाराज के मुखारबिंद सात दिन तक चलती रही। उपस्थित श्रद्धालुओं ने भाव विभोर होकर सम्मिलित हुए। कथा वाचन करते हुए उन्होंने भगवान श्रीराम के चरित्र की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रयागराज की महत्ता पर भी विस्तार से बताया। पूरे कथा वाचन के दौरान श्रीराम रस वर्षा पंडाल में सात दिन तक चलती होती रही। इस मौके पर कथा सुनने वालों की भीड़ रही। संगीतमय आरती एवं प्रसाद वितरण प्रतिदिन चलता रहा।

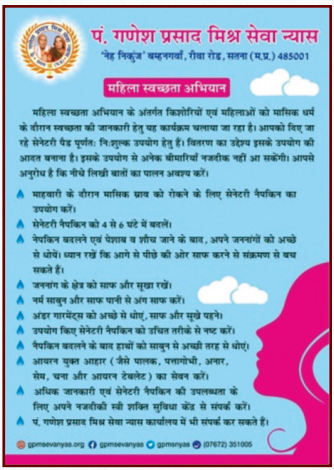




श्रीराम कथा का श्रवण करते श्रद्धालु।

कार्यक्रम : राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण

दिनांक : 24 जनवरी, 2022 (सोमवार)
कार्यक्रम स्थल : जवाहर नगर स्टेडियम, नई बस्ती, सतना (म.प्र.)



राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा बालिकाओं को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य जन जागरूकता अभियान चलाकर 'बेटी बचाओ, बेटी बढ़ाओ' के महत्त्व के बारे में विस्तार से बालिकाओं को जानकारी दी गई। बालिकाओं को सेनेटरी पैड वितरण करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने एवं कोरोना महामारी से बचाव का संदेश देते हुए मास्क वितरण किया गया। साथ ही न्यास की स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंह एवं न्यास की महिला कार्यकर्ताओं ने नई बस्ती में महिला स्वच्छता हेतु जन जागरूकता अभियान चलाकर माताओं बहिनों को साफ सफाई का महत्त्व बताया। महिलाओं को सेनेटरी पैड, मास्क एवं पत्रक वितरण कर महिलाओं को स्वच्छता का संदेश दिया।

श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि साफ सफाई रखें क्योंकि जहाँ साफ-सफाई होती है वहाँ ईश्वर का वास होता है। न्यास द्वारा गरीब, असहाय, जरूरतमंद माताओं बहिनों को सेनेटरी पैड, मास्क वितरण का कार्य किया जा रहा है।

बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ का दिया संदेश

कोरोना महामारी को रोकने के लिए सभी माताएँ-बहनें टीकाकरण अवश्य करवाएँ। बुजुर्ग महिलाएँ बूस्टर डोज लगवाकर अपने परिवार, गाँव गली-मोहल्ले को सुरक्षित करें। जिनका टीकाकरण हो गया हो, वह दूसरों को भी टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।

स्वच्छता की शपथ दिलायी गई

आज सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण कर स्वच्छता जन जागरूकता अभियान में उत्साहित होकर क्षेत्र की माताओं बहनों ने स्वच्छता की शपथ ली। शपथ दिलाने में जूली पीटर ने न्यास द्वारा बनाये गए पर्चों का संदेश पढकर सुनाया व सबको पंपलेट वितरण किए।

इनकी रही उपस्थिति

न्यास की स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंह, कृष्णा पांडे, प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी 'नीलू', मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला, अर्जुन तिवारी, शैलेश शास्त्री, राशि सिंह, मुस्कान सिंह, महिमा सिंह, आकांक्षा चौधरी, लवली सिंह, नंदनी चौधरी, रजनी चौधरी, नंदू चौधरी, सबीना चौधरी, संगीता सोनी, रेनू सिंह, प्रिया सिंह, नीलम गुप्ता, जूली पीटर, अनुराधा बनाफर, सीलम सैनी, वसुंधरा शुक्ला, राकेश दहिया, लवकुश सिंह बघेल, कुषमेंद्र बागरी, नंदकिशोर मिश्रा, देशराज बागरी, विनोद चुटकुलेकर एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ता भी नई बस्ती में उपस्थित रहे।

मास्क वितरण समय की जरूरत : बेटा शुक्ला

मातृशक्ति को स्वच्छता का संदेश देते हुए मास्क वितरण कर कोरोना महामारी से बचाव के लिए भारत सरकार द्वारा जारी प्रोटोकाल का पालन करने का संदेश देकर जन जागरूकता अभियान चलाया।



सीलम सैनी, जूली पीटर, नीलम गुप्ता पत्रक बाँटते हुए।



दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम में सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण करते न्यास के कार्यकर्ता।





मास्क वितरण करते बेटा शुक्लाजी, कृष्णा पांडेय, राजीव व्यास,
अजय मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारी

कार्यक्रम : गणतंत्र दिवस समारोह, सतना

दिनांक : 26 जनवरी, 2022 (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : 'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास कार्यालय नेह कुंज रीवा रोड में न्यास के संयोजक अभिनव रंजन त्रिपाठी ने झंडा फहराकर सभी ने राष्ट्रगान गाया।

न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने दिल्ली से ऑनलाइन जुड़कर संदेश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदीजी के आवाह्न पर 75वाँ आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। न्यास के कार्यकर्ताओं को राष्ट्र-प्रेम, देश-सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की।

मूल कर्तव्यों को स्मरण कराया

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों का वाचन करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को मूल कर्तव्यों के 11 बिंदुओं को सदैव याद रखना चाहिए। उन्होंने न्यास के कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन वर्चुअल संबोधित भी किया। मूल कर्तव्यों की चर्चा करते हुए डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि हम सभी संविधान का पालन करें, उनके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान का आदर करें।

स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को अपने हृदय में संजोएँ रखें और उनका पालन करें। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्य बनाए रखें, देश की रक्षा करें और आवाह्न किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करें। भारत के सभी लोगों में समरसता, समानता और प्रभुता की भावना का निर्माण करें। जो धर्म, भाषा, प्रदेश एवं वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।

हमारी सामाजिक गौरवशाली परंपराओं को समझें और उसका परीक्षण करें। प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन जीव उनकी रक्षा करें, उनका संवर्धन करें और प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखें।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा रखें और हिंसा से दूर रहें।व्यक्तिगत और सामूहिक

गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और नई ऊँचाइयों को छू ले। यदि माता पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष की आयु वाले अपने यथा स्थिति बालक या प्रतिपालक के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

रंगोली बनाकर दिया अमृत संदेश

न्यास की स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंह की टीम ने रंगोली बनाकर कार्यक्रम में सभी को मिष्ठान वितरण किया। गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज में शामिल तीनों रंगों एवं चक्र के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि केसरिया त्याग का प्रतीक है, सफेद शांति का प्रतीक है और हरा रंग खुशहाली का प्रतीक है। आज के झंडा वंदन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बच्चों को तिरंगा का बैच भेंट कर मिष्ठान वितरण किया गया। गणतंत्र दिवस अमर रहे, अमर रहे, के नारों के साथ गरिमा पूर्ण ढंग से समारोह संपन्न हुआ।

बगहा सेवा बस्ती में हुआ मास्क वितरण

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा जी ने कार्यकर्ताओं के साथ सेवा बस्तियों में जाकर कोरोना महामारी से बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया। टीकाकरण के लिए आम जनमानस को जागरूक किया। गरीब असहाय लोगों को मास्क एवं कंबल वितरण किया गया। न्यास द्वारा 31 दिसंबर से हरेक दिन जरूरतमंदों को शहर भर में कंबल बाँटे जा रहे हैं। हमारे कार्यालय से कोई भी व्यक्ति कंबल प्राप्त कर सकता है।

स्वच्छता अभियान में नारी शक्ति को कंबल, मास्क एवं सेनेटरी पैड बाँटकर किया जागरूक

गणतंत्र दिवस के पुनीत पर्व पर सतना के नई बस्ती क्षेत्र में महिला कार्यकर्ताओं ने गरीब असहाय जरूरतमंदों को मास्क व कंबल वितरण करते हुए कोरोना महामारी से बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया। न्यास की बहनों द्वारा महिला स्वच्छता अभियान चलाकर निशुल्क सेनेटरी पैड वितरण कर आनेवाली बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए। न्यास की स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंहजी ने महिलाओं को जागरूक करते हुए महिला स्वच्छता अभियान अंतर्गत किशोरियों

और महिलाओं को स्वच्छता की जानकारी देते हुए निशुल्क सेनेटरी पैड, मास्क एवं पंपलेट वितरण किए।

श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि स्वथ्य शरीर ही पहली माया है। हम स्वस्थ रहेंगे तो हमारे बच्चे, हमारा परिवार भी स्वस्थ रहेगा। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की महिलाओं ने बीते दिनों में मुख्तियार गंज, मारुति नगर की निचली बस्तियों में भी जाकर मास्क और पैड का वितरण किया।

इनकी रही उपस्थिति

न्यास के संयोजक अभिनव रंजन त्रिपाठी, स्वच्छता प्रमुख श्रीमती मनीषा सिंह, प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू, मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा, अर्जुन तिवारी, राजीव व्यास, न्यास के खेल प्रमुख अजय मिश्रा, न्यास के वाचनालय प्रमुख अरविंद सिंह पप्पू, रमाकांत गौतम, शैलेश शास्त्री, राकेश दहिया, कुष्मेंद्र बागरी, बी.के. शुक्ला, नंदकिशोर मिश्रा, देशराज बागरी, सविता मलैया, निशा त्रिपाठी, सुनीता चौरसिया, विमला सिंह, आकांक्षा गुप्ता, अंजना गहरवार, नेहा गहरवार, गायत्री गहरवार, नीलम गुप्ता, सीलम सैनी एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।





ध्वजारोहण उपरांत मास्क एवं पैड वितरण कार्यक्रम



ध्वजारोहण में उपस्थित कार्यकर्ता।

श्री रमाकांत गौतम, बालकृष्ण शुक्ला, श्री नितिन मिश्रा, शिवम बडोलिया, राजीव व्यास, अर्जुन तिवारी, नीलू त्रिपाठी, अजय मिश्रा, अभिनव त्रिपाठी, नीलम गुप्ता, मनीषा सिंह, जूली पीटर आदि।





रंगोली बनाती न्यास की कार्यकर्ता नीलम गुप्ता, सीलम सैनी, जूली पीटर, मनीषा सिंह, प्रिया सिंह आदि

कार्यक्रम : गणतंत्र दिवस समारोह, धवर्रा

दिनांक : 26 जनवरी, 2022 (बुधवार)
कार्यक्रम स्थल : पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर, धवर्रा (नौगाँव) जिला-महोबा (उ.प्र.)

खेल परिसर के पवेलियन पर शान से तिरंगा फहराया गया एवं गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में उपस्थित सम्माननीय ग्राम वासियों ने पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्राप्त अधिकारों एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। आज के इस 73वें गणतंत्र दिवस का ध्वजारोहण खेल एवं युवा दल मंडल अध्यक्ष श्रीराम रिछारिया के द्वारा किया गया।

गाँव के अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। श्री अनूप मिश्रा, श्याम कुमार रिछारिया, यादवेंद्र परिहार, बृजेश बाजपेई, राहुल दुबे, पूरन रविंद्र मिश्रा, शिवम गोस्वामी, दीपक, नारायण अनुरागी, प्रवेंद्र, कैलाश आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे। इसके पश्चात् पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा पधारे हुए समस्त अतिथियों को मिष्ठान वितरण किया गया। सभी को वृक्ष वितरित किए गए। सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई। जय हिंद! जय भारत!!



ध्वजारोहण करते ग्रामीणजन।

कार्यक्रम : मास्क एवं कंबल वितरण

दिनांक : 28 जनवरी, 2022 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : नई बस्ती, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी के मार्गदर्शन में न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा दिव्यांगों एवं जरूरतमंदों को पतेरी कोलान बस्ती में गरीब, असहाय, बेसहारा लोगों को मास्क वितरण किया गया। सेवा न्यास द्वारा लगातार एक जनवरी से प्रतिदिन जन जागरूकता अभियान चलाकर कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं। इस दौरान न्यास के मास्क वितरण प्रमुख श्री बालकृष्ण शुक्ला बेटा भैया ने कहा कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर से बचाव हेतु मास्क अवश्य पहनें औरों को भी मास्क पहनने के लिए प्रेरित करें।

अपने नजदीकी टीकाकरण केंद्र में पहुँच कर वैक्सीन अवश्य लगवाएँ और पहला टीका लगवा चुके लोग दूसरा टीका लगवाएँ। सीनियर सिटीजन बूस्टर डोज लगवाएँ।

आम जनमानस को जागरूक करते हुए उन्हें योग, प्राणायाम, गरम पानी का सेवन करने का संदेश दिया गया।

न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह ने कहा कि अपने आसपास साफ सफाई का ध्यान रखें, जिससे कि आप स्वस्थ रहें। आपका गाँव, मोहल्ला भी स्वस्थ रहे। महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड वितरण भी नियमित चल रहा है। देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदीजी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहानजी द्वारा नि:शुल्क टीकाकरण कराया जा रहा है।अधिक-से-अधिक संख्या में अपने नजदीकी वैक्सीनेसन सेंटर पहुँचकर वैक्सीन कराएँ।

न्यास के प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू ने कहा कि दो गज की दूरी मास्क है जरूरी का संदेश सबको पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवा न्यास सभी को कंबल, मास्क व वृक्षारोपण करके सतना नगर को सजाने संवारने में लगे हैं। यह मास्क जो दिए जा रहे हैं वह उच्च गुणवत्ता के हैं। सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने दिल्ली से नगर वालियों के लिए भिजवाए हैं। न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा सतना की हरेक बस्तियों में यह अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्य नर सेवा नारायण सेवा का काम है जिससे पुण्य लाभ अर्जित किया जा सकता है।

प्रमुख रूप से न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह, न्यास के प्रचार प्रमुख

राजेश त्रिपाठी नीलू, न्यास के मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा, नीलम गुप्ता, लवकुश सिंह बघेल, नंदकिशोर मिश्रा, कुष्मेंद्र बागरी, देशराज बागरी, एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



श्री बालकृष्ण शुक्लाजी, श्री राजेश त्रिपाठी नीलू, श्रीमती मनीषा सिंह, नीलम गुप्ता, कामता पांडेय मास्क वितरण करते हुए।



कार्यक्रम : पंद्रहवाँ स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 30 जनवरी, 2022 (रविवार) **दोपहर :** 2 से 5 बजे तक
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5,
माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)



गत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी माघ मेला में यह पंद्रहवाँ शिविर आयोजित किया गया। यह सुविधाएँ तारा नेत्र संस्थान उदयपुर राजस्थान द्वारा विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा 2329 आँखों की जाँच की गई एवं विश्व प्रसिद्ध कानों की मशीन बनाने वाली एल्पस इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा कानों के बहरेपन की 722 मरीजों की जाँचें की गईं एवं जरुरतमंदों को 240 कान की मशीनें निशुल्क प्रदान की गईं। 30 जनवरी को ही श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ श्री राहुल कृष्णजी महाराज (श्रीधाम वृंदावन) के मुखारविंद से किया गया।

जगतगुरु राघवाचार्यजी ने 15वाँ स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि माघ मेला में इस प्रकार के सेवा कार्यों के लिए न्यास की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'लोचनाभ्याँ विहीनस्य दर्पण: किं करिष्यिति' अर्थात् आँखों में रोशनी देना व सुनने की मशीन से श्रवण शक्ति देना। यह परम पुण्य का कार्य है। पं. गणेश प्रसाद मिश्र 'दद्दाजी' के सुपुत्र डॉ. राकेश मिश्र और उनकी बहिनें आशा, मालती, रेखा, रचना व पुत्रवधू प्रमिला एवं पौत्र संकल्प इस कार्य को बखूबी कर रहे हैं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा माघ मेला प्रयागराज में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। जिसमें लगभग तीन हजार मरीजों को, जिनको देखने व सुनने में दिक्कत होती थी वह सभी लाभान्वित हुए हैं। इस शिविर में एक माह तक कल्पवासियों को निवास एवं भोजन की व्यवस्था की गई है। मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के कई शहरों एवं ग्रामों से आकर तीर्थयात्री कल्पवास कर रहे हैं। शिविर में श्री राहुल कृष्ण शास्त्रीजी के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का, श्रीराम कथा एवं

माघ महात्म्य कथा का आयोजन श्री घनश्याम पांडेजी कर रहे हैं। श्रीश्री 1008 स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज भीमकुंड धाम के तत्वावधान में कार्यक्रम हो रहे हैं। श्रीराम कथा समापन में श्रीमती नीलम करवरिया विधायक मेजा, लालबहादुर विधायक मंजनपुर, श्री पुरुषोत्तम लाल तंतुवाय विधायक हटा (मध्य प्रदेश) सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



संगम तट पर न्यास की सचिव आशा रावत, मालती मिश्रा, रेखा अवस्थी, मनीषा सिंह प्रमिला मिश्रा, नीलम गुप्ता।



श्री नारायण आचार्यजी को श्री जाह्नवी त्रिपाठी ने सम्मानित किया।



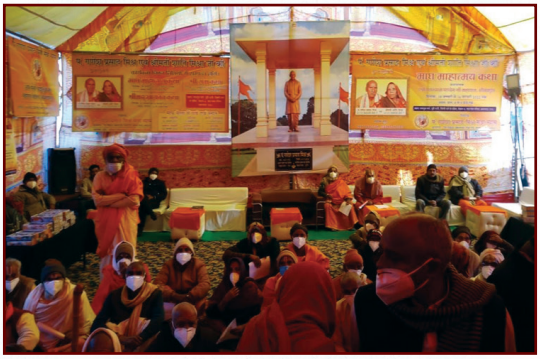
तारा नेत्र संस्थान की टीम मरीजों का जाँच करते हुए।



कान की मशीन साधु को लगाते हुए डॉ. राकेश मिश्र।



माह भर चलनेवाले भंडारे का दृश्य।



चश्मे की प्रतीक्षा करते मरीज महिला व पुरुष।

कार्यक्रम : भजन संध्या एवं संत समागम

दिनांक : 30 जनवरी, 2022 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

भजन संध्या एवं नृत्य नाटिका की मनोहारी प्रस्तुतियाँ

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आध्यात्मिक जागरण भी इस शिविर में किया गया। जिसमें प्रख्यात गायक श्री गणेश श्रीवास्तव एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा नृत्य नाटिका की मनमोहक प्रस्तुतियाँ संपन्न हुई। कल्पवास शिविर में प्रयागराज, कौशांबी, सागर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, शहडोल, सीधी, छतरपुर, टीकमगढ़ (झाँसी) सतना, चित्रकूट, प्रतापगढ़, महोबा आदि अनेको जगहों से श्रद्धालुओं ने पहुचकर गंगा स्नान व शिविर में आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य शिविर के मुख्य अतिथि श्री सत्य भूषण जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा, चेयरमैन ओरछा के राजा राम की लीला रहे।

इस अवसर पर माघ मेला प्रयागराज में उपस्थित संत महन्तों का सम्मान समारोह शिविर स्थल पर आयोजित किया गया। जिसमें वरिष्ठ साधु महात्मा श्री श्री 1008 श्री जगतगुरु रामचंद्राचार्यजी (गया व पुष्कर पीठाधीश्वर) श्री श्री 1008 श्री जगतगुरु द्वादश जी महाराज (बक्सर, बिहार-पीठाधीश्वर) श्री श्री 1008 श्री जगतगुरु घनश्यामाचार्य (प्रयागराज), श्री श्री 1008 श्री जगतगुरु वासुदेवाचार्य (अयोध्या धाम), श्री श्री 1008 श्री जगतगुरु राघवाचार्यजी महाराज (अयोध्या धाम) श्री श्री 1008 श्री पुरुषोत्तमाचार्य (रामदेशिक-प्रयागराज) स्वामी श्री परांगकुशाचार्यजी (अयोध्या धाम) स्वामी श्री अखलेश्वराचार्य जी महाराज (कौशांबी) व तीस अन्य संतों का आशीर्वाद मिला। सभी संतों को शाल, दक्षिणा स्मृति चिह्न एवं सेवा न्यास गतिविधियों की चतुर्थ पुष्प पुस्तक भेंट की गई।

साथ ही शिविरार्थियों के साथ संगम तट पर गंगा स्नान कर श्री भगवान अक्षय वट के दर्शन किए व लेटे हुए हनुमानजी के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

इसके बाद शिविर में विशाल भंडारा एवं वस्त्र वितरण किया गया। सभी कामगारों को कंबल, टी शर्ट, साड़ी वितरित की गई। विधि विधान से सामूहिक यज्ञ (हवन) का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य यजमान के रूप में पं. गणेश प्रसाद

मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी व उनकी धर्म पत्नी श्रीमती प्रमिला मिश्राजी व श्रीमती आशा रावत (सचिव), श्रीमती मालती मिश्रा (उपाध्यक्ष), श्रीमती रेखा अवस्थी (कोषाध्यक्ष), डॉ. रचना मिश्रा, श्री सत्यभूषण जैन उपध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा व अन्य गणमान्य लोगों के साथ पूजन किया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 16 जिलों से लोग उपस्थित रहे। श्री राकेश कुमार गुप्ताजी अलीगढ़, श्री रमाकांत पटैरिया (महोबा) श्री सतीश चंद्र रावत (नौगाँव) श्री ब्रजविलास मिश्र रीवा, जय प्रकाश अवस्थी छतरपुर, श्री राजेश वर्मा, श्रीमती कविता वर्मा (गाजियाबाद) दिल्ली, श्री विवेक श्रीवास्तव (के.पी. ट्रस्ट), श्री दिलीप चौरसिया, श्री पुष्पराज सिंह पटेल, सुश्री रीता सिंह पासवान, स्वाती गुप्ता, श्री विजय द्विवेदी, श्री पुष्पेंद्र सिंह, श्री पवन पांडेय, श्री रमेश चंद ओझा, शाश्वत शुक्ला प्रतापगढ़, श्री राजेश पांडेय, श्री संकटा द्विवेदी, श्री कुलदीप पांडेय (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष) श्री रंगनारायनाचार्य (महंत प्रयागराज), श्री कौशलेंद्र तिवारी (चाकघाट) व न्यास के सक्रिय सदस्य सतना जिला से श्री कृष्णा पांडेय सपरिवार, श्री अरविंद सिंह पप्पू (वाचनालय प्रभारी), श्रीमती मनीषा सिंह स्वच्छता अभियान प्रभारी सतना (सपरिवार), श्रीमती जान्हवी त्रिपाठी (सपरिवार), श्री भगवती पांडेय, श्री प्रह्लाद कुशवाहा, श्रीमती नीलम गुप्ता, श्री जय प्रताप गुप्ता (सपरिवार) श्री राकेश प्रताप सिंह , श्री श्रीराम रिछारिया (धवर्रा), श्री अनूप मिश्रा, प्रवीण दुबे धवर्रा, श्री गंगा सिंहजी, श्री अतुल सिंह, श्री रवि द्विवेदी, श्रीमती अनीता खरेजी हटा (दमोह) आदि का विशेष सहयोग रहा।



अतिथियों का प्रवेश द्वार पर स्वागत



कुटिया में विराजमान लड्डू गोपालजी

संत-महंत सम्मेवलन में पधारे जगतगुरु एवं संतों की सूची

क्र.	संत का नाम	स्थान	मोबाइल नं.
1	श्री श्री 1008 श्री स्वामी जगतगुरु राघवाचार्यजी	अयोध्या	9415370651
2	श्री श्री 1008 श्री जगतगुरु शेषमणि दासाचार्यजी	अमरकंटक	9893250051
3	श्री श्री 1008 श्री स्वामी महंत पराकुशाचार्यजी	अयोध्या	7379957172
4	श्री श्री 1008 श्री स्वामी सारंग धराचार्यजी महाराज	प्रयागराज	9452905536
5	श्री श्री 1008 श्री स्वामी विष्णु विक्रमाचार्यजी	हरिद्वार	9557006265
6	श्री श्री 1008 श्री स्वामी रामानुजाचार्यजी महाराज	भागवत आश्रम, वृंदावन	7017195924
7	श्री श्री 1008 श्री स्वामी विष्णु प्रपन्नाचार्यजी महाराज	प्रयागराज	7607908979
8	श्री श्री 1008 श्री स्वामी कुलशेखराचार्यजी महाराज	प्रयागराज	7355477873
9	श्री श्री 1008 श्री स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्यजी महाराज	बिहार	9934432016
10	श्री श्री 1008 श्री ब्रम्हर्षि देवरहा बाबाजी महाराज	वृद्धाश्रम सेवा ट्रस्ट, रीवा	9754794692
11	श्री श्री 1008 श्री स्वामी पुरुषोत्तमाचार्यजी महाराज	प्रयाग रामदैशिक	
12	श्री श्री 1008 श्री स्वामी रामेश्वराचार्यजी महाराज	वृंदावन, कडा कटला	
13	श्री श्री 1008 श्री जगदगुरु स्वामी श्री धराचार्यजी	प्रयागराज	
14	श्री श्री 1008 श्री स्वामी जगदगुरु घनश्यामाचार्यजी	प्रयागराज	
15	श्री श्री 1008 श्री स्वामी महंत श्री निवासाचार्यजी	अयोध्या	
16	श्री श्री 1008 श्री स्वामी राजारामाचार्यजी महाराज	जबलपुर	
17	श्री श्री 1008 श्री स्वामी अखिलेश्वराचार्यजी	कौशांबी	
18	श्री स्वामी रंगनारायणाचार्यजी	श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, प्रयागराज	
19	श्री श्री 1008 श्री स्वामी रामानुजाचार्यजी महाराज	जौनपुर	

20	श्री श्री 1008 श्री संकठाचार्य जी महाराज	प्रयागराज	9335108390
21	श्री अतुल मिश्र महाराज	माँ काली शक्ति साधना केंद्र	9838848771
22	श्री श्री 1008 श्री महंत बलवीर गिरि महाराजजी	श्रीमठ बाघंबरी गद्दी, प्रयागराज	7900708702
23	श्री श्री मनोज महाराज	सच्चा आश्रम, प्रतापगढ़	
24	श्री श्री 1008 स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज	भीमकुंड	

कार्यक्रम : श्रीमद्भागवत कथा

दिनांक : 30 जनवरी, 2022 (रविवार) से 05 फरवरी, 2022 (शनिवार) तक
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

श्री राहुल कृष्ण महाराज (श्रीधाम वृंदावन) द्वारा तीर्थराज प्रयाग में माघ मेले के अवसर पर श्री श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा की स्मृति में उनके पुत्र डॉ. राकेश मिश्र एवं पुत्रवधू श्रीमती प्रमिला मिश्रा ने संकल्प लेकर कथा प्रारंभ कराई। जब यह कथा श्री राहुल कृष्ण महाराज के मुखारबिंद से हो रही थी तो उपस्थित श्रद्धालु भाव विभोर हो रहे थे। कथा वाचन करते हुए उन्होंने भागवतजी की कथा की महत्ता की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृष्णचरित का महत्त्व एवं जीवन में सीखने पर भी विस्तार से बताया। पूरे कथा वाचन के दौरान श्रीमद्भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की, तो आध्यात्मिनक एवं भक्ति रस वर्षा पंडाल में होती रही। इस मौके पर कथा सुनने वालों की भारी संख्या सातों दिन उमडती रही।





श्रीमद्भागवत कथा करते हुए श्री राहुल कृष्ण शास्त्रीजी।

कार्यक्रम : कंबल वितरण समारोह

दिनांक : 04 फरवरी, 2022 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : श्री गणेश आई.टी.आई., नौगाँव, जिला-सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आज श्रीगणेश आई.टी.आई. नौगाँव में इसकी शुरुआत हुई। कंबल बैंक की शुरूआत करते हुए न्यास की सचिव आशा रावत ने इस अवसर पर कहा कि नर सेवा नारायण सेवा ही हमारा संकल्प है। हमारे पूज्य पिताजी सदैव कहते थे कि सर्दियों में बचाव हेतु कपड़े दान करना चाहिए। श्री सतीश चंद्र रावतजी के जन्मदिन पर न्यास के कार्यकर्ताओं ने 11 गरीबों को कंबल प्रदान किए। नौगाँव नगर में सर्वाधिक ठंड पड़ रही है इसलिए अनेक लोग सड़क किनारे पड़े हुए हैं। ऐसे में सेवा न्यास के कार्यकर्ता प्रतीक सन्नो सक्सेना, अमृतांश पाठक बेटू, मोनू शर्मा ने कंबल प्रदान किए। उन्होंने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास दीन दुखियों एवं समाज के सभी वर्गों को विभिन्न कार्यों के माध्यम से सेवा में लगा रहता है। अभी हमारे क्षेत्र में बहुत अधिक सर्दी हो रही है। देखने में आया है कि अनेक स्थानों पर लोगों को सिर पर ओढने के लिए गर्म कपडों की कमी है। इसका अनुभव करते हुए सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं ने समाज के सहयोग से 500 कंबलों की व्यवस्था की है। सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं ने सर्दियों के लिए जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान की है। कंबल वितरण के लिए एक समिति का गठन किया गया है। अभियान का शुभारंभ नौगाँव में 06 जनवरी, 2022 से प्रारंभ किया गया।



श्री प्रतीक सक्सेना (सन्नो), श्री मोनू शर्मा, श्रीमती आशा रावत एवं अमृतोश पाठक कंबल भेंट करते हुए।



श्री सतीश चंद्र रावत, प्रतीक सक्सेना, बेटू पाठक, मोनू शर्मा,
आशा रावत कंबल ओढ़ाते हुए।







श्री अनूप मिश्रा कंबल घर-घर ओढ़ाते हुए।

कार्यक्रम : सेनेटरी पैड एवं मास्क वितरण

दिनांक : 04 फरवरी, 2022 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : रामना टोला एवं डाली बाबा चौक, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा दिव्यांगों एवं जरूरतमंदों को रामना टोला डाली बाबा क्षेत्र में गरीब, असहाय, बेसहारा लोगों को मास्क वितरण किया गया। सेवा न्यास द्वारा लगातार प्रतिदिन जन जागरूकता अभियान चलाकर कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं।

इस दौरान न्यास के मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा ने कहा कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर से बचाव हेतु मास्क अवश्य पहनें औरों को भी मास्क पहनने के लिए प्रेरित करें।

न्यास के प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू ने कहा कि दो गज की दूरी मास्क है जरूरी का संदेश सबको पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवा न्यास सभी को मास्क व वृक्षारोपण करके सतना नगर को सजाने संवारने में लगे हैं। यह मास्क जो दिए जा रहे हैं वह उच्च गुणवत्ता के हैं। सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने दिल्ली से नगर वासियों के लिए भिजवाए हैं। न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा सतना की सभी बस्तियों में यह अभियान चलाया जा रहा है। सभी को भाग लेना चाहिए, जिससे पुण्य लाभ अर्जित किया जा सकता है।

न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह, प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू , न्यास के मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा, नीलम गुप्ता, लवकुश सिंह बघेल, नंदकिशोर मिश्रा, कुष्मेंद्र बागरी, देशराज बागरी, एवं पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



कार्यक्रम : मास्क वितरण

दिनांक : 04 फरवरी, 2022 (शुक्रवार)
कार्यक्रम स्थल : पतेरी कोलान बस्ती, सतना (मध्य प्रदेश)

सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा दिव्यांगों एवं जरूरतमंदों को पतेरी कोलान बस्ती में गरीब, बेसहारा लोगों को मास्क वितरण किया गया। सेवा न्यास द्वारा लगातार एक जनवरी से प्रतिदिन जन जागरूकता अभियान चलाकर कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं।

आम जनमानस को जागरूक करते हुए उन्हें योग, प्राणायाम, गरम पानी का सेवन करने का संदेश दिया गया। स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह ने कहा कि अपने आसपास साफ सफाई का ध्यान रखें, जिससे कि आप स्वस्थ रहें।आपका गाँव, मोहल्ला भी स्वस्थ रहेगा।

राजेश त्रिपाठी नीलू ने कहा कि दो गज की दूरी मास्क है जरूरी का संदेश सबको पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवा न्यास सभी को कंबल, मास्क, सैनेटरी पैड वितरित कर रहा है। यह मास्क जो बाँटे जा रहे हैं, वह उच्च गुणवत्ता के हैं। न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा सतना की सभी बस्तियों में यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। यह कार्य करके पुण्य लाभ अर्जित किया जा सकता है।

न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह, न्यास के प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू, न्यास के मास्क वितरण प्रमुख बालकृष्ण शुक्ला बेटा, कामता पांडे, नीलम गुप्ता, लवकुश सिंह बघेल, नंदकिशोर मिश्रा, कुष्मेंद्र बागरी, देशराज बागरी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



श्रीमती मनीषा सिंह, नीलम गुप्ता, कामता पांडेय, बालकृष्ण शुक्ला 'बेटा' राजेश त्रिपाठी 'नीलू', नंदकिशोरजी सामग्री वितरण करते हुए।

कार्यक्रम : यज्ञोपवीत कार्यक्रम

दिनांक : 05 फरवरी, 2022 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

माघ मेला प्रयागराज तीर्थ में 16 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार पूर्ण

श्री श्री 1008 स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज के मुख्य आतिथ्य में वैदिक रीति-रिवाज से समारोह संपन्न

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास धर्म व सांस्कृतिक जागरण के लिए कार्य करता है। हमारा उद्देश्य भूले हुए संस्कारों को पुन: स्थापित करने के लिए कार्य चल रहा है। इसी कड़ी में प्रयागराज माघ मेला में वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर श्री श्री 1008 स्वामी संकर्षणाचार्यजी महाराज के आशीर्वाद से 16 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि यह बटुक भीमकुंड स्थित नारायण संस्कृत पाठशाला एवं अन्य विद्यालयों के विद्यार्थी हैं। आज हुए संस्कार में यज्ञ के उपरांत सभी को जनेऊ धारण एवं भिक्षाटन किया गया और उन्हें ज्ञान चक्षुओं से दीक्षित किया गया।

यज्ञोपवीत संस्कार का महत्त्व एवं आवश्यकता

सनातन धर्म में जीवन में सोलह संस्कार होते हैं। नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध और विवाह मुख्य हैं। उससे पहले एक संस्कार होता है यज्ञोपवीत संस्कार। यज्ञोपवीत पहले इतिहास में भी किया जाता है। रामचंद्रजी का भी यज्ञोपवीत भी गुरुकुल भेजने से पहले हुआ था और कृष्ण का भी यज्ञोपवीत संस्कार हुआ है। यज्ञोपवीत संस्कार का महत्त्व प्राचीनकाल से चला आया था। वैदिक आर्यानों का भी यज्ञोपवीत संस्कार हुआ था और तभी आर्यन गुरुकुल आ गए थे। उसके बाद उन्होंने शिक्षा ग्रहण की। दीक्षा देने के बाद यज्ञोपवीत संस्कार पूर्ण माना जाता है।

स्वामीजी महाराज ने यज्ञोपवीत का वर्णन करते हुए कहा कि यज्ञोपवीत की सात लड़ें और सात व्याहतियाँ होती हैं और उन सात लड़ों में गायत्री मंत्र की शक्तियाँ होती हैं, तभी यज्ञोपवीत का द्विजत्व सिद्ध होता है। यज्ञोपवीत की जो लड़ें होती हैं और उसमें जाप की शक्तियाँ समाहित होती हैं और सारी शक्तियाँ यज्ञोपवीत में समां

जाती हैं। उसके बाद जाप करने के बाद सारी शक्तियाँ उसमें प्राप्त हो जाती हैं। इस यज्ञोपवीत में सारे जाप की शक्तियाँ समाहित होती हैं और यज्ञोपवीत जीवन में सबसे बड़ा संस्कार होता है। इससे बढ़िया संस्कार और कुछ नहीं हैं।

इस अवसर पर पं. राहुल कृष्ण शास्त्रीजी, पं. नारायणाचार्यजी, घनश्यामजी शास्त्री एवं कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, भदोही, सागर, पन्ना, छतरपुर व दमोह जिले के बच्चों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया व इनके परिवार जन बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।



श्री नारायण आचार्यजी व गुरुजी के साथ नव बटुक।





यज्ञ करते नव बटुक।



भिक्षाटन संस्कार में नव बटुक।

कार्यक्रम : सेनेटरी पैड वितरण

दिनांक : 06 फरवरी, 2022 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : धूरडांग, नई बस्ती, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा सतना जिले के धूरडांग, नई बस्ती में सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। इस दौरान 300 लाभार्थियों को पैड दिया गया। न्यास की ओर से महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड एवं जागरुकता पर्चा वितरण कार्य नियमित चल रहा है।

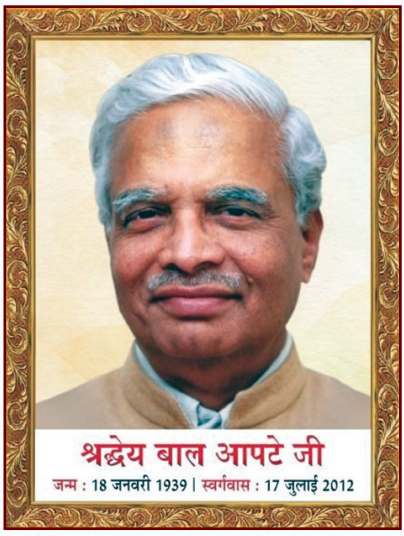
इस दौरान न्यास के पदाधिकारियों ने सेनेटरी पैड के महत्त्व और स्वच्छता पर प्रकाश डाला। न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा सतना की सभी बस्तियों में यह अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्य नर सेवा नारायण सेवा का काम है जिससे पुण्य लाभ अर्जित किया जा सकता है। ग्रामीण महिलाओं को यह जानकारी दिए जाने से वह अत्यंत प्रसन्न हैं व इसका उपयोग करना शुरू कर दिया है।



पैड वितरण करती मनीषा सिंह, महेंद्र तिवारी व अन्य महिलाएँ।

कार्यक्रम : स्व. बाल आपटे स्मृति वाचनालय का शुभारंभ

दिनांक : 10 फरवरी, 2022 (गुरुवार)
कार्यक्रम स्थल : 'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना (म.प्र.)



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रेरणा स्रोत व संगठन शिल्पी प्रो. बाल आपटेजी की पुण्य स्मृति में सतना नगर में वाचनालय का उद्घाटन गुरुवार प्रात: किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उत्तम बनर्जी (सह प्रांत कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकोशल प्रांत) एवं अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी व मार्गदर्शक श्रीकृष्ण माहेश्वरीजी (पूर्व क्षेत्र संघचालक रा. स्वयंसेवक संघ) ने किया। यह समारोह सेवा न्यास के कार्यालय, नेह निकुंज, बम्हनगवाँ, रीवा रोड सतना में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पं. गणेश प्रसाद मिश्रजी एवं श्रीमती शांति मिश्राजी तथा स्वर्गीय बाल आपटेजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।

डॉ. राकेश मिश्र ने आगे कहा कि आज का युग सूचना क्रांति का युग है। इस वाचनालय के माध्यम से विश्व की प्रतिष्ठित ई-लाईब्रेरी से नौजवान युवा पीढ़ी को जोड़ने का संकल्प पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा वाचनालय के माध्यम से किया जाएगा। वाचनालय में प्रतिदिन सायंकाल 4 से 6 बजे तक आकर अपनी मनचाही रूचि के अनुसार कवियों, साहित्यकारों के साहित्य को पढ़ें। उन्होंने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगठन की रीढ़ की भूमिका निभाने वाले प्रो. बलवंत परशुराम उपाख्य बाल आपटेजी (मुंबई) विद्यार्थी परिषद के संगठन कर्ता, प्राध्यापक, वरिष्ठ अधिवक्ता, राज्य सभा सदस्य और समाजसेवी रहे। उनकी पुण्य स्मृति में वाचनालय शुभारंभ किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने बताया है कि बहुत लंबे समय से राष्ट्रवादी साहित्य हेतु वाचनालय की माँग शहरवासियों व न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए यह वाचनालय प्रारंभ किया गया है, जो निशुल्क रूप से सायं 4 बजे से 6 बजे तक प्रतिदिन खुलेगा। जिसका लाभ नगर के नागरिक और विद्यार्थी ले सकेंगे। डॉ. मिश्रा ने स्व. आपटेजी के जीवन वृत्त पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह श्री उत्तम बनर्जी ने कहा कि पुस्तकों का अध्ययन करने की आदत हमारी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि समाज में आज वैचारिक तैयारी होना बहुत आवश्यक है। श्री बनर्जी ने कहा कि यह लाइब्रेरी जिले के नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यहाँ पर विमर्श केंद्र के तौर पर भी कई कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली से पार्टी के केंद्रीय लाइब्रेरी प्रमुख डॉ. आशीर्वादम आचारीजी जुड़े। उन्होंने सतना में खुले स्वर्गीय बाल आपटेजी की स्मृति में लाइब्रेरी व ई-लाइब्रेरी से जोड़ने की घोषणा भी की। सात हजार पुस्तकें डिजिटल ई स्वरूप में प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि इस लाइब्रेरी में अनेक पुस्तकें ऐसी भी होंगी जिसमें आई.ए.एस., आई.पी.एस. की तैयारी कर रहे छात्रों को भी लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व क्षेत्र संघ चालक श्री कृष्ण माहेश्वरी जी ने कहा कि स्व बाल आपटेजी अधिवक्ता, प्रोफेसर और शिक्षाविद थे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

न्यास के कार्यकर्ता कामता पांडेय ने स्वागत उद्‌बोधन के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मनीषा सिंह ने किया। आभार प्रदर्शन अभिनव रंजन त्रिपाठी ने किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ताम्रकार, ए के एस यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनंत सोनी, समाजसेवी मणिकांत माहेश्वरी, कृष्णा पांडेय, श्री राम मिश्रा, शासकीय स्वशासी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.एस. गुप्ता, कमलेश्वर अग्रवाल, कामता पांडे, स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह, अरविंद सिंह, बलराम गुप्ता, लवकुश सिंह बघेल, श्रीमती नीलम गुप्ता, सुभाष बनर्जी, विभाष बनर्जी, संजय अग्रवाल, संजय नेमा, एडवोकेट रमेश मिश्रा, बाबूलाल सिंह, बालकृष्ण शुक्ला, सीमा यादव, प्रतिमा बागरी, अशोक यादव, शंकर दयाल त्रिपाठी, निरंजन शर्मा, डॉ. राजीव व्यास, अजय मिश्रा, महेंद्र तिवारी, रमाकांत गौतम, शिवम बढोलिया, संजीता सैनी, श्रीमती राधा श्रीवास्तव, जान्हवी त्रिपाठी, नीता सोनी, बृजेश सिंह, अरविंद सिंह पप्पू, गिरीश अग्रवाल, जी.पी. गुप्ता, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, राज नारायण तिवारी राजा, नीलम गुप्ता, उपेंद्र तिवारी, अनुराग गौतम, विनय श्रीवास्तव, सीलम सैनी आदि उपस्थित रहे।



श्री उत्तम बनर्जी, श्री श्रीकृष्ण माहेश्वरी, डॉ. राकेश मिश्र,
स्व. बाल आपटेजी की पुस्तकों को प्रदर्शित करते हुए।





पुस्तकालय में कामता पांडेय एवं अभिनव त्रिपाठी के साथ अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र।



श्री योगेश ताम्रकार, रमेश मिश्र एडवोकेट नीता सोनी, सीमा यादव, प्रतिमा बागरी व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम : सोलहवाँ स्वास्थ्य शिविर
नि:शुल्क नेत्र शिविर

दिनांक : 12 फरवरी, 2022 (शनिवार) **प्रात :** 9 से 3 बजे दोपहर तक
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित 16वाँ स्वास्थ्य शिविर प्रयागराज में विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवा न्यास के शिविर में माघ मेला प्रयागराज के कमिश्नर संजय गोयल के मुख्य आतिथ्य एव न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में अनिल कुमार डायरेक्टर वस्त्र मंत्रालय, संजीव कुमार सदस्य योग आयोग हरियाणा, शिव शंकर सिंह महोबा सहित कई प्रमुख व्यक्ति शामिल रहे।

चिकित्सा शिविर में सद्गुरु सेवा संघ नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति में मरीजों को इलाज कर चश्मे वितरित किए। इस शिविर में प्रयागराज, कौशांबी, रीवा, सतना, पन्ना, प्रतापगढ़ सहित 19 जिलों के मरीजों को लाभ मिला। शिविर में जिन मरीजों को ऑपरेशन की आवश्यकता थी उन मरीजों के समुचित इलाज हेतु बस द्वारा चित्रकूट ले जाया गया। वहीं जो मरीज सुनने में असमर्थ थे। उनका इलाज करते हुए एल्प्स संस्था द्वारा सुनने की मशीनें प्रदान की गई। कार्यक्रम का संबोधित करते हुए न्यास के अध्य्क्ष डॉ. राकेश मिश्रजी ने बताया कि न्यास 'नर सेवा नारायण सेवा' के सिद्धांत में चलते हुए लगतार हर स्तर पर सेवा कार्य करते हुए यह सोलहवाँ चिकित्सा शिविर आयोजित कर रहा है। इसके पूर्व 30 जनवरी को भी एक बड़ा चिकित्सा शिविर लगाया था, जिसमें 2338 मरीजों को लाभ मिला था। उन्होंने कहा कि इस शिविर में 1274 मरीजों को आँख के चश्मे, 820 लोगों को दवाइयाँ, 119 लोगों को कान की मशीनें प्रदान की गईं। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री संजय गोयलजी ने कहा कि न्यास के कार्य अत्यंत ही सराहनीय हैं। जो हर वर्ग हर समाज में बिना भेदभाव के सेवा कार्य में लगे हैं। हम न्यास के प्रत्येक कार्यक्रम की सराहना करते है और न्यास इसी तरह से सेवा कार्य करता रहे।

सफाई कर्मियों का शाल से सम्मान

माघ मेला परिसर में शिविर के दौरान जिन सफाई कर्मियों ने अपनी सेवाएँ दी हैं, उनका न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र एवं प्रमिला मिश्रा और अतिथियों ने शाल, श्रीफल व दक्षिणा से अभिनंदन और स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से शंकर्षणाचार्यजी प्रयागराज, मेला अधिकारी श्री अरविंद चौहान, पुष्पराज सिंह पटेल, पुष्पेंद्र मौर्य, दिलीप चौरसिया, नरेंद्र मिश्राजी, मनीषा सिंहजी, जय प्रताप गुप्ताजी, ब्रजेश सिंह, कृष्ण मोहन पांडेयजी, सुधीर मौर्य, नारायण आचार्यजी, रमेश ओझाजी, एस.के. शर्माजी, विराज तिवारी रहे। इस आयोजन में सतना, छतरपुर, पन्ना, बाँदा, प्रयागराज, लखनऊ से आए अतिथि भी शामिल हुए। समारोह के उपरांत न्यास के सदस्यों के साथ डॉ. राकेश मिश्रजी ने संगम स्नान, अक्षय वट दर्शन, लेटे हुए हनुमानजी के दर्शन के उपरांत, हवन एवं भंडारे में शामिल हुए। जिसमें साधु संतों ने भी भोजन प्रसाद ग्रहण किया।



कमिश्नर श्री संजय गोयल (प्रयागराज) कान की मशीन वितरण करते हुए।



विधायक संजय गुप्ता (चायल) चश्मा वितरित करते हुए।



शिविर का उद्घाटन करते श्री दिलीप चौरसियाजी, श्री संजय गोयलजी, श्री शंकर्षणाचार्यजी, पुष्पराज सिंह व अन्य अतिथिगण।



कार्यक्रम : सत्रहवाँ स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 12 फरवरी, 2022 (शनिवार) **प्रात :** 9 से 3 बजे दोपहर तक
कार्यक्रम स्थल : रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित 17वाँ स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ सेवा न्यास के माघ मेला पंडाल में प्रयागराज के कमिश्नर संजय गोयल के मुख्य आतिथ्य एव न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रजी की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में अनिल कुमार, संजीव कुमार सदस्य योग आयोग हरियाणा, शिव शंकर सिंह महोबा, दिलीप चौरसिया उपस्थित रहे।

इस शिविर में कान के मरीजों की नि:शुक्ल जाँच की गई। इस दौरान 24 जिलों से आए 350 लोगों का परीक्षण किया गया। इसमें 119 लोगों को श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया गया। शिविर में आए लाभार्थियों ने इस तरह के आयोजन के लिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की प्रशंसा की एवं आभार जताया।



श्री पुष्पराज सिंह, शंकर्षणाचार्य, दिलीप चौरसिया, नारायण आचार्य व डॉ. राकेश मिश्र।



श्री पुष्पराज सिंह, संजीव कुमार (गुरुग्राम), कान की मशीनें साधु महात्माओं के देते हुए।



संबोधित करते श्री संजय गोयल (कमिश्नर), श्री शिवशंकर सिंह (महोबा), श्री अनिल कुमार, श्री संजीव कुमारजी (गुरुग्राम)।



कान की जाँच कराने हेतु प्रतीक्षारत तीर्थयात्री एवं साधु संत।

कार्यक्रम : वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं पूर्व में लगाए गए वृक्षों का भौतिक सत्यापन
(अपना सपना-हरा भरा सतना)

दिनांक : 20 फरवरी, 2022 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : प्रेम नगर, सतना (म.प्र.)

आज सतना नगर में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की वृक्षारोपण अभियान समिति के कार्यकर्ताओं ने शहर में अपना सपना-हरा भरा सतना अभियान के तहत पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के पदाधिकारियों द्वारा जो पेड़ लगाए गए थे, उनकी देखभाल करने के लिए शहर में निकली टीम ने पेड़ों में खाद, पानी और जालियों को सुरक्षित करते हुए उन पेड़ों को पोषित किया गया। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि पेड़ लगाने से महत्त्वपूर्ण है उन्हें संरक्षित करना, उन्हें जीवन देना, खाद पानी देकर उन्हें विशाल वृक्ष बनाना चाहिए। इससे पर्यावरण की रक्षा होती है, शुद्ध ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है, जिससे हमारा जीवन सुरक्षित रहता है।

आगे उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने विगत वर्षों में जो भी वृक्षारोपण किया है आज वे सभी पौधे धीरे-धीरे बड़े होकर दस फीट के पेड हो रहे हैं। फलदार आम के पेड़ जो रोपण किया गया था उनमें बौर आना शुरू हो गया है। जामुन, नीम, पीपल के वृक्ष को देखकर मन प्रफुल्लित हो रहा है। एक वृक्ष की सेवा का संकल्प सभी पर्यावरण प्रेमियों को लेना चाहिए, जिससे कि वायुमंडल शुद्ध हो सके और आने वाली पीढ़ी को हम स्वच्छ वातावरण की सौगात दे सकें। भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम सिविल लाइन, भरहुत होटल के सामने विगत वर्ष लगाए गए तीनों पौधों का निरीक्षण किया गया, जो सभी जीवित अवस्था में है। उनमें खर पतवार को दूर करके पानी से सींचा गया। तदुपरांत मंदाकिनी विहार कॉलोनी पार्क में सभी छह वृक्षों की देखभाल की गई। सभी वृक्ष हरे-भरे लहरा रहे हैं।

पूर्व माध्यमिक शाला प्रेम नगर में नक्षत्र वाटिका का भी निरीक्षण किया गया। वहाँ की हरियाली देखकर न्यास अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र द्वारा वृक्षारोपण किया गया। भाजपा मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी श्री लोकेंद्र पाराशर जी एवं श्रीमती अंबिका पाराशर के 27वें वैवाहिक वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में प्रेम विहार कॉलोनी में इमली के पेड़ का रोपण किया गया।

इस दौरान डॉ. एस.सी. राय, राजीव व्यास, अजय मिश्रा, बालकृष्ण शुक्ला, जान्हवी त्रिपाठी, अभिनव त्रिपाठी रंजन, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, श्रीमती राधा श्रीवास्तव, निधि दुबे, कमलेश प्रसाद तिवारी, विजय दुबे, विजय कुमार गुप्ता, अमन दुबे, दिलीप तिवारी, नीलम गुप्ता, अरविंद सिंह पप्पू, मणिराज विश्वकर्मा, आकाश कुमार तिवारी, सचिन त्रिपाठी, पी.सी. श्रीवास्तव, जयप्रताप गुप्ता, बलराम गुप्ता, कुशवेंद्र बागरी, कल्लू मल्लाह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।





अजय मिश्रा, बेटा शुक्ला, राधा श्रीवास्तव, विजय दुबे, निधि दुबे, मणिराज विश्वकर्मा।



श्री श्यामलाल गुप्ता, बलरामजी, राजीव व्यास, अभिनव त्रिपाठी ने वृक्षों का अवलोकन कर इमली का पेड़ लगाया।

कार्यक्रम : यज्ञोपवीत संस्कार

दिनांक : 25 फरवरी, 2022 (शुक्रवार)

कार्यक्रम स्थल : श्री नारायण संस्कृत पाठशाला, भीमकुंड, छतरपुर (म.प्र.)

यज्ञोपवीत सोडष संस्कारों में विशेष महत्त्वपूर्ण : श्री 1008 स्वामी शंकर्षणाचार्यजी महाराज संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए हर संभव मदद करेंगे : ओमप्रकाश सकलेचा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास धर्म व सांस्कृतिक पुनरुद्धार के लिए कार्य करता है। हमारा उद्देश्य नर सेवा नारायण सेवा है जो संस्कारों को पुन: स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में फाल्गुन कृष्ण अष्टमी के शुभ अवसर पर श्री श्री 1008 स्वामी संकर्षणाचार्यजी महाराज के आशीर्वाद से 16 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि यह बटुक भीम कुंड स्थित नारायण संस्कृत पाठशाला के विद्यार्थी हैं। यह पाठशाला संस्कृत भाषा के उत्थान में लगी हुई है।आज हुए संस्कार समारोह में यज्ञ के उपरांत सभी को जनेऊ धारण एवं भिक्षाटन किया गया और उन्हें ज्ञान चक्षुओं से दीक्षित किया गया।

यज्ञोपवीत संस्कार शिक्षा ग्रहण का महत्त्व एवं आवश्यकता

सनातन धर्म में सोलह संस्कार होते हैं। सनातन हिंदू धर्म एक शाश्वत और प्राचीन धर्म है। यह एक वैज्ञानिक और विज्ञान आधारित धर्म होने के कारण निरंतर विकास कर रहा है। माना जाता है कि इसकी स्थापना ऋषियों और मुनियों ने की है। इसका मूल पूर्णत: वैज्ञानिक होने के कारण सदियाँ बीत जाने के बाद भी इसका महत्त्व कम नहीं हुआ है। प्रारंभिक काल में हिंदू समाज में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के अनुसार शिक्षा दी जाती थी, जो वैज्ञानिक होने के कारण विकासोन्मुख थी। सोलह संस्कारों को हिंदू धर्म की जड़ कहें तो गलत नहीं होगा। इन्हीं सोलह संस्कारों में इस धर्म की संस्कृति और परंपराएँ निहित हैं जो निम्न हैं—

(1) गर्भाधान संस्कार, (2) पुंसवन संस्कार, (3) सीमन्तोन्नयन संस्कार,

(4) जातकर्म संस्कार, (5) नामकरण संस्कार, (6) निष्क्रमण संस्कार, (7) अन्नप्राशन संस्कार, (8) चूड़ाकर्म संस्कार, (9) विद्यारंभ संस्कार, (10) कर्णवेध संस्कार, (11) यज्ञोपवीत संस्कार, (12) वेदारंभ संस्कार, (13) केशांत संस्कार, (14) समावर्तन संस्कार, (15) विवाह संस्कार, (16) अंत्येष्टि संस्कार।

यज्ञोपवीतं परमं पवित्रम्

स्वामी जी महाराज ने यज्ञोपवीत का वर्णन करते हुए कहा कि यज्ञोपवीत जीवन में सबसे बड़ा संस्कार होता है। यज्ञोपवीत संस्कार का महत्त्व प्राचीनकाल से चला आ रहा है।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचाजी प्रभारी मंत्री छतरपुर जिला, श्री प्रद्युम्न सिंह लोधी क्षेत्रीय विधायक ने भीमकुंड का भ्रमण कर नारायण संस्कृत पाठशाला के शिक्षकों व विद्यार्थियों से मुलाकात की। इस अवसर पर पं. नारायणाचार्यजी, घनश्यामजी शास्त्री, नीरज आचार्य, सुरेंद्र शास्त्रीजी, राघव दासजी, कमल नयन अवस्थी, धन प्रसाद असाटीजी सहित प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, भदोही, सतना, रीवा, ललितपुर, प्रयागराज, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, जौनपुर, बाँदा, महोबा, चित्रकूट जिलों के 16 विद्यार्थियों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया। विद्यार्थियों के परिवार जन बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।





कैबिनेट मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचाजी। श्री नारायण संस्कृत पाठशाला भीमकुंड के बटुक।

कार्यक्रम : अंकुर अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण

दिनांक : 05 मार्च, 2022 (शनिवार)
कार्यक्रम स्थल : मुक्तिधाम, बगहा, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे 'अपना सपना-हरा भरा सतना' अभियान के तत्वावधान में आज प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के जन्मदिन के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने दिल्ली से ऑनलाइन वर्चुअल जुड़कर वृक्षों के महत्त्व के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। न्यास द्वारा पूर्व में लगाए गए वृक्षों की देखभाल के लिए न्यास कार्यकर्ताओं से संपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर श्री कामता पांडे ने कहा कि वृक्ष है तो कल है। हमें जहाँ भी खाली स्थान दिखे वहाँ वृक्षारोपण करना चाहिए। जिससे कि वातावरण शुद्ध हो सके।

श्री विजय तिवारी ने कहा कि आज हम लोगों ने पीपल का वृक्षरोपित किया है। उन्होंने आगे कहा कि वनस्पतियों में पीपल का वृक्ष ही एक ऐसा वृक्ष है जो कि सबसे ज्यादा ऑक्सीजन देता है। इसलिए हम सबका कर्तव्य है कि अधिक-से-अधिक पीपल के पौधों का रोपण किया जाना चाहिए। पीपल में सभी देवी देवताओं का वास भी होता है। बालकृष्ण शुक्ला बेटा ने कहा कि वृक्ष हमारा जीवन है। वृक्ष लगाने से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है उनकी रक्षा करना, उनका पालन पोषण करना।

न्यास के संयोजक अभिनव रंजन त्रिपाठी ने कहा कि हरा-भरा सतना लक्ष्य है अपना के माध्यम से हमारा लक्ष्य है की पूरे शहर को हम एक व्यवस्थित तरीके से वृक्षारोपण करके हरा बनाएँ।

उपस्थित जन समुदाय को अपने घरों के आसपास व अपने जन्म दिवस, वैवाहिक वर्षगाँठ के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण करने का संकल्प दिलाया गया।

इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमुख रुप से न्यास के संयोजक अभिनव रंजन त्रिपाठी, मनीषा सिंह, कामता पांडे, विजय तिवारी, बालकृष्ण शुक्ला बेटा, संध्या उरमलिया, श्याम लाल गुप्ता, महेंद्र तिवारी, अरविंद सिंह पप्पू, राकेश प्रताप सिंह, नीलम गुप्ता, रश्मि सैनी, सीलम सैनी, संजीता सैनी, प्रिया त्रिपाठी, माधवी विश्वकर्मा, ऊषा कृष्णा, दीपक खरे, प्रशांत पयासी, संतोष कुमार गर्ग, डॉ. ललित सिंह केवट, अफसर सकरिया, राज किशोर सेन, संतोष सेन, बृजेश सिंह, रवि द्विवेदी, लवकुश सिंह,

शिवम बढोलिया, शीलू यादव बघेल, न्यास के प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू एवं सैकड़ों की संख्या में पर्यावरण प्रेमी, स्थानीय जन समुदाय उपस्थित होकर भाग लिया।



श्रीमती संध्या उरमलिया, राकेश प्रताप सिंह, विजय तिवारी, मनीषा सिंह, अभिनव त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, बेटा शुक्ला, कामता पांडेय, अफसर सकारिया एवं नीलम गुप्ता वृक्षारोपण करते हुए।



वृक्षारोपण करती मातृशक्ति।

कार्यक्रम : श्री व्यंकटेश मंदिर में स्वच्छता अभियान

दिनांक : 06 मार्च, 2022 (रविवार)
कार्यक्रम स्थल : श्री व्यंकटेश मंदिर, मुख्तयार गंज, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह व व्यंकटेश क्लब के प्रमुख रवि द्विवेदी ने आज प्रात: अपने कार्यकर्ताओं की टीम एवं वॉलीबॉल खिलाड़ियों को साथ लेकर श्री वेंकटेश भगवान के मंदिर परिसर में साफ सफाई अभियान चलाया। जिसमें मंदिर के ऊपरी हिस्से पर चढ़कर पूरे मंदिर को साफ किया गया। जहाँ पर कई वर्षों से झाड़, झँकार व गंदगी अपना डेरा जमाए हुए थे। उन सबको काट छाँट करते हुए विधिवत पूरी छत का हिस्सा व नीचे के हिस्से में पूरे परिसर को साफ-सुथरा किया गया। इस अभियान की प्रेरणा प. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने प्रदान की।

वॉलीबॉल टीम के खिलाड़ियों के साथ गत दिनों व्यंकटेश क्लब में जब डॉ. राकेश मिश्र ने मुलाकात की थी तो उनका ध्यान मंदिर में मुँडेर पर उगी हुई घास व पौधों की ओर गया था। जिसको उन्होंने साफ करने की बात कही थी। सभी खिलाड़ियों ने डॉ. मिश्र को आश्वासन दिया कि जिला स्तरीय टूर्नामेंट के पहले पूरा मंदिर परिसर साफ कर लिया जाएगा। आज यह अभियान उसी बात को पूर्ण करने के लिए किया गया।

श्रीमती मनीषा सिंह ने स्वयं महिला स्वच्छता अभियान के कार्यकर्ताओं के साथ वेंकटेश्वर मंदिर की दुर्गम छत पर चढ़कर सफाई की। उन्होंने कहा कि साफ सफाई बहुत ही महत्त्वपूर्ण विषय है। इस विषय को हल्के में लेने की जरूरत नहीं है। हम सब नागरिकों का यह पहला कर्तव्य है हम स्वयं भी साफ-सुथरे रहें व अपने घरों के आसपास भी साफ सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए। गंदगी में दरिद्रता का वास होता है। साफ सफाई में भगवान का वास होता है। इसलिए हम आज सब संकल्प लें की हम स्वयं साफ रहेंगे व अपने घरों के आसपास भी साफ सुथरा रखेंगे। मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं तो वहाँ सफाई का ध्यान भी रखना चाहिए। प्लास्टिक एवं गंदगी न फैलाने का संकल्प सभी को करना चाहिए।

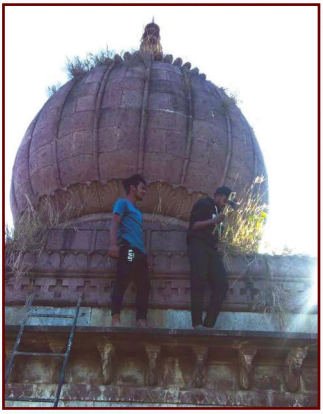


व्यंकटेश मंदिर पर सफाई करती श्रीमती मनीषा सिंह, रवि द्विवेदी व अन्य खिलाड़ी।



वालाबॉल टीम एवं अन्य खिलाड़ी मंदिर के ऊपर छत पर सफाई करते हुए।





कार्यक्रम : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वास्थ्य परिचर्चा

'महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर : बचाव एवं उपाय'

दिनांक : 08 मार्च, 2022 (मंगलवार), दोपहर 3 बजे
कार्यक्रम स्थल : 'नेह निकुंज', बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना-485001 (म.प्र.)



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर श्रीमती शांति मिश्रा एवं दद्दाजी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महिला स्वास्थ्य परिचर्चा में दिल्ली से डॉ. राकेश मिश्र ने वर्चुअल जुड़कर बताया कि आजकल महिलाओं में बढ़ते हुए सर्वाइकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर की समस्या, हर उम्र की महिलाओं में फैलती जा रही है। इस अभियान को सेवा न्यास गति देगा।

सही समय पर इसके बचाव से ही मातृशक्ति को सुरक्षित रख सकते हैं। सेवा न्यास कार्यालय नेह निकुंज बम्हनगवाँ, रीवा रोड में अनेक बड़े डाक्टरों व शहर की प्रतिष्ठित महिलाओं ने प्रत्यक्ष उपस्थित रहकर भाग लिया।

वर्चुअल संबोधन में देश विदेश से हजारों लोग जुड़े

महिलाओं के बीच जागरुकता के लिए आज इस परिचर्चा में देश के जानेमाने सर्वाइकल कैंसर विशेषज्ञ डॉ. राजेश जैन (वरिष्ठ कैंसर सर्जन एक्शन कैंसर हास्पिटल, नई दिल्ली) माइक्रोसॉफ्ट टीम पर संबोधित करते हुए कहा कि आज के

जमाने में कैंसर अब लाइलाज नहीं रह गया है।इसका इलाज मुमकिन है। बहुत सी माताएं बहनें इस रोग से पूर्णत: मुक्ति पा चुकी हैं। बस हमें जरूरत है जागरूकता की। सही समय पर इस बीमारी की पहचान हो और अच्छे डॉक्टरों का परामर्श लेकर इसका इलाज करवाएँ। इस ज्ञानवर्द्धक परिचर्चा का उद्देश्य हमारे क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक करना है।पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने इस संबंध में एक छोटा सा पत्रक बनाया है, जो बहुत ही उपयोगी है।

विंध्य क्षेत्र की जानी मानी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. शैलबाला श्रीवास्तव (रीवा) ने कहा कि कैंसर को जागरूकता के माध्यम से ही बचा जा सकता है। हमें एक बात विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि हम इसकी पहचान करें, पहचान के लिए हमारे परिवार में अगर किसी को कैंसर पहले रहा होगा तो हमें थोड़ा सा सावधान रहने की जरूरत है। किसी भी तरह की परेशानी आने पर हमें एक अच्छे स्पेशलिस्ट डॉक्टर से परामर्श के बाद ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर का इलाज कराना चाहिए। बहुत सी माताएँ, बहिनें अपना इलाज कराके पूर्णतया स्वस्थ हो चुकीं हैं। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि सेवा न्यास की संस्थापिका शांति मिश्रा की आत्मा धन्य हो गई होगी कि उनके पुत्र व पुत्रियाँ इतनी बड़ी सेवा कर रहे हैं। सेवा न्यास पहले भी बड़े अस्पतालों की टीम सतना जैसी जगह लाकर मैमोग्राफी टेस्ट फ्री करा रहे है, यह कोई नहीं कर सकता है। इस बीमारी के इलाज में जागरूकता से समझें। सभी महिलाओं से अनुरोध है कि सेवा न्यास द्वारा वितरित पर्चा को गौर से पढ़ें, तो सही ज्ञान मिल सकेगा। महिलाएँ पर्चे पर लिखी बातें समझें व दूसरे लोगों को भी यह पर्चा दीजिए।

आगे की परिचर्चा में डॉक्टर पद्मा शुक्ला (एसोसियेट प्रोफेसर) श्याम शाह मेडीकल कालेज रीवा ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन लगवाए जा रहे हैं और सर्वाइकल कैंसर के ऊपर जागरूक रहें। आज की परिचर्चा में डॉ. मनीषा अग्रवाल (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, बिरला हॉस्पिटल सतना) ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि एच.पी.वी. वैक्सीनेशन के लिए हम अपने स्तर पर महिलाओं को जागरूक करेंगे व न्यास को हर संभव सहयोग करेंगे। डॉ. सुमन जैन (स्त्री रोग विशेषज्ञ सतना) ने सर्वाइकल कैंसर के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगवाए जाएँगे टीके

सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि सतना जिले में टीकाकरण अभियान के अंतर्गत किशोरियों में यह टीका लगाया जाएगा।

इस अभियान की आगामी रूपरेखा इस अवसर पर बनाई गई। पहले चरण में जनजागरण के लिए पर्चे वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी के सक्रिय सहयोग से ही यह अभियान संभव हो सकेगा। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास इस संबंध में आपके विचारों का आदान-प्रदान करके पूरी योजना को लागू करने हेतु प्रतिबद्ध है। सतना जिले में एक्शन कैंसर हास्पिटल, नई दिल्ली के सहयोग से कैंसर जॉच शिविर लगाकर HPV टीकाकरण अभियान चलाने की योजना जून माह में कर रहा है। जिससे आने वाली पीढ़ी की माताओं बहिनों को इस जानलेवा बीमारी से बचाया जा सके।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती रेनू सिंह ने सभी अतिथियों व उपस्थित माताओं बहनों का आभार व्यक्त किया। न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह ने सफल संचालन करते हुए कहा कि मैं खुद में पूरी, जननी हूँ, जीवन भी मैं, जज्बातों पर मेरा जोर नहीं, सशक्त हूँ व साकार भी, मैं नारी हूँ, कमजोर नहीं... नहीं समझना आधी अधूरी नहीं अधूरी मैं। खुद में पूरी साथ चलना हो तो हाथ बढ़ाओ, पीछे हटना मुझे मंजूर नहीं। ज्योति तिवारी ने सबका स्वागत करते हुए न्यास की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सेनेटरी पैड, मास्क एवं कंबल वितरण का विस्तार से बताया।

उत्कृष्ट महिलाओं का पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने किया सम्मान

सिविल लाइन टी.आई. श्रीमती अर्चना द्विवेदी, शासकीय महाविद्यालय की प्रोफेसर श्रीमती क्रांति मिश्रा, आशा कार्यकर्ता श्रीमती द्रौपदी तिवारी, सफाई कर्मी रन्नो, ऑटो चालक श्रीमती शांति देवी का अतिथियों ने स्मृति चिह्न, अंग वस्त्र और पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम के दौरान महापौर ममता पांडे, रिटायर्ड इनकम टैक्स सुपरिटेंडेंट श्रीमती इंदिरा देवी सिंह, प्रियांशा उरमलिया, जाह्नवी त्रिपाठी, शुभा दत्ता, ज्योति

तिवारी, बलजीत मान, अलका सिंह, सविता उरमलिया, प्रेमवती, रामदुलारी, संजीता सैनी, नीलम गुप्ता, प्रिया तिवारी, कृष्णा, रश्मि सैनी, शीलम सैनी, दीक्षा सैनी, आरती, सुषमा, सरला, कला द्विवेदी, वाणी, आकांक्षा, रूबी, साबिया, सोनू रानी, नाहिद, चाँद बीबी, रोशनी, सोफिया खातून, गुड्डन, आभा, सीमा, अंजू, सोनिया, रजनी, नंदिनी सविता,आरती, सुषमा सहित, न्यास के संयोजक अभिनव रंजन त्रिपाठी, कामता पांडे, कमलेश्वर अग्रवाल, ब्रजेश सिंह, महेंद्र तिवारी, अरविंद सिंह पप्पू, राकेश प्रताप सिंह, लाला राम सिंहजी, नितिन मिश्रा, राकेश प्रताप सिंह, शिवम बडोलिया, राजेश त्रिपाठी नीलू एवं सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।





मंचासिन डॉ. शैलबाला श्रीवास्तव, डॉ. पद्मा शुक्ला, डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. सुमन जैन, श्रीमती मनीषा सिंह।





विभिन्न क्षेत्रों की पाँच महिलाओं को सम्मानित करते अतिथि।

कार्यक्रम : जिला स्तरीय वालीबॉल टूर्नामेंट

दिनांक : 12-13 मार्च, 2022
कार्यक्रम स्थल : श्री व्यंकटेश मंदिर, मुख्तयार गंज, सतना (म.प्र.)

भगवान व्यंकटेश की कृपा से मंदिर के उत्तराधिकारी श्रीनिवासाचार्य पप्पू महाराज के मुख्य अतिथि में वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। तदुपरांत मुख्य अतिथि ने वॉलीबॉल क्लब खुटहा एवं बिट्स महाविद्यालय सतना टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर वालीबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पहला मैच खुटहा क्लब एवं बिट्स महाविद्यालय सतना के बीच खेला गया।

व्यंकटेश क्लब एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पहला मैच मेहुती क्लब एवं चूंद क्लब के बीच खेला गया जिसमें पहला सेट 25-22 से एवं दूसरा सेट मेहुती क्लब ने ही 25-17 से जीत लिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश मिश्र ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा ही परम धर्म है। न्यास ने स्वच्छता अभियान, हरा भरा सतना अभियान, महिलाओं के स्वास्थ्य विषय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से जुड़ने का आह्वान किया। सभी विजेताओं एवं क्रीड़ा अधिकारियों को सम्मानित किया गया ।

पुरस्कार वितरण समारोह में भगवान व्यंकटेश मंदिर की प्रतिकृति दी गई। समारोह के दौरान विजेता उप विजेता को बडी ट्रॉफी, बैग एवं वेंकटेश भगवान का स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

जिला स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट में प्रमुख रूप से ए.के. सोनी प्रेसीडेंट ए.के. एस. विश्वविद्यालय, कृष्णा पांडे, दैनिक भास्कर के डायरेक्टर अजय अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी संजय अग्रवाल, कामता पांडे, न्यास के संयोजक अभिनव रंजन त्रिपाठी, स्वच्छता प्रभारी मनीषा सिंह, जान्हवी त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी नीलू, राजीव व्यास, अजय मिश्रा, महेंद्र तिवारी, अतुल सिंह, अरविंद सिंह पप्पू, राकेश प्रताप सिंह, अफ़सर सकरिया, संचिता सैनी, रवि द्विवेदी, कमलेश मिश्रा, शिव त्रिपाठी, नितिन मिश्रा, हिमांशु त्रिपाठी, लोकेश गर्ग, के.डी. गौतम, शिव मोहन सिंह एवं बहुत बड़ी संख्या में रीवा संभाग भर के खेल प्रेमी उपस्थित रहे।



जिला स्तरीय पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास वॉलीबॉल टूर्नामेंट शुभारंभ।



खिलाड़ियों को पुरस्कार देते श्री राजीव व्यास, अजय मिश्रा,
श्री अनंत सोनी एवं डॉ. राकेश मिश्र।

कार्यक्रम : स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

दिनांक : 31 मार्च, 2022
कार्यक्रम स्थल : नजीराबाद, सतना (म.प्र.)

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा नजीराबाद में चलाया गया स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में बड़ी संख्या में स्कूल कॉलेज की छात्राओं, महिलाओं ने भाग लिया।



पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह के नेतृत्व में नजीराबाद मे सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपाय बताए गए। स्वास्थ्य जन जागरूकता अभियान चलाते हुए उन्होंने कहा कि 10 वर्ष से 45 वर्ष की माताओं बहिनों को इस बीमारी से बचाव के लिए सजग रहना होगा। एच.पी.वी. के टीके किशोरियों को लगवाना चाहिए। एक समय था जब यह लाइलाज बीमारी थी। लेकिन अब इसका इलाज मुमकिन है। इसलिए अब इस बीमारी से डरने की जरूरत नहीं है। समय रहते इसके लक्षणों को पहचानने व इसका इलाज करवाएँ। इससे बचाव के लिए एच.पी.वी. टीका भी बाजार में उपलब्ध हैं।

स्कूल कॉलेज की छात्राएँ व महिलाएँ इसका प्रचार-प्रसार कर बच्चियों में इसे लगवाएँ। सर्वाइकल कैंसर के बारे में आज के जन जागरूकता अभियान में आगामी आने वाले दिनों में एच.पी.वी. के टीके न्यास द्वारा लगाए जाएँगे। जिसका लाभ अधिक-से-अधिक संख्या में नारी शक्ति उठाएँ।

एच.पी.वी. के टीके के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस टीके को लगवा लेने के बाद सर्वाइकल कैंसर की बीमारी से बचा जा सकता है। इस अवसर पर सेनेटरी-पैड एवं पंपलेट वितरण किया गया। नीलम गुप्ता, प्रिया त्रिपाठी, शीलम सैनी, माधवी विश्वकर्मा, रश्मि सैनी, शमीम बानो, बेगम फरीदा एवं न्यास की स्वच्छता कार्यकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य जन जागरूकता अभियान में सम्मिलित हुई।

कार्यक्रम : फीचर फिल्म-कश्मीर द फाइनल रिजोल्यूशन की प्रथम स्क्रीनिंग
निर्देशक : युवराज कुमार (मुंबई)

दिनांक : 31 मार्च, 2022
कार्यक्रम स्थल : फिल्म डिवीजन ऑडिटोरियम, महादेव रोड, नई दिल्ली-110001

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता युवराज कुमार मुंबई द्वारा निर्देशित फिल्म का प्रीमियर शो गुरुवार को पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा नई दिल्ली में आयोजित किया गया। भारत सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद, कश्मीर को युद्ध क्षेत्र से दुनिया के सबसे विकसित क्षेत्रों में से अब एक विकास पर केंद्रित यह फीचर फिल्म है।

इस फिल्म में कश्मीर द फाइनल रिजोल्यूशन को सेंसर बोर्ड (सी.बी.एफ. सी.) से यू/ए सर्टिफिकेट प्राप्त है। कश्मीरी पंडितों के दर्द और पीड़ा को फिल्म के पात्रों द्वारा सजीव दर्शाया गया है, जिसे पूरे देश के लिए जानना व समझना इतना महत्त्वपूर्ण है कि इतिहास खुद को दोबारा न दोहराए। दिवंगत प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कश्मीरियत की अवधारणा का समर्थन किया था, यह फिल्म कश्मीरियत के इतिहास और महत्त्व को बहुत विस्तार से बताती है।

यह फिल्म कश्मीर के विकास में योगदान देने के लिए दर्शकों को सही दिशा में कदम दर कदम आगे बढ़ाती है। फिल्म इतनी अच्छी तरह से शोध करके बनाई गई है कि कश्मीरियों को बस फिल्म का पालन करना होगा और कश्मीर दुनिया का सबसे विकसित और शांतिपूर्ण क्षेत्र होगा, जैसा कि भाजपा सरकार ने कल्पना की थी।

डॉ. राकेश मिश्र, अध्यक्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कश्मीरी पंडित रिप्पी कौल व अभिनेता युवराज कुमार का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। श्री सत्य भूषण जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स, श्री संगमलाल गुप्ता सांसद (प्रतापगढ़), श्री एस.एस. अग्रवाल वरिष्ठ समाज सेवी, डॉ. वी.पी. टंडन अध्यक्ष कमल वंदना स्कूल समूह, संजीव कुमार सदस्य योग आयोग हरियाणा, अनिल कुमार, सहित कई बड़ी हस्तियों ने बताया कि यह फिल्म दर्शकों को अवश्य देखना चाहिए।

'कश्मीर द फाइनल रिजोल्यूशन' फिल्म में दिखाई गई दुर्दांत स्थिति के आगे के

सच को धारा 370 हटने के बाद और अच्छे ढंग से वर्णित करने वाली इस फिल्म में कश्मीर की बेहतरी के लिए उठाये जा सकने वाले सभी संभावित कदमों का कुशल निर्देशन के साथ शिद्दत से वर्णन किया गया है। भारत माँ की धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, शिक्षा और औद्योगिक विकास के साथ साथ संभावित संपन्नता-खुशहाली का संजीदगी से वर्णन किया गया है। फिल्म में भाजपा के राष्ट्रवाद पर गहन मनन और चिंतन की सृजनशील सोच को भविष्य के स्वप्नों के साथ सिंचित किया गया है।

इस फिल्म-कश्मीर द फाइनल रिजॉल्यूशन की पहली बार स्क्रीनिंग के लिए फिल्म डिवीजन ऑडिटोरियम नई दिल्ली में यह शो रखा गया था। भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, व्यवसायी व उद्योगपतियों ने पहला शो परिवार के साथ देखा।

नितिन बत्रा ने सफल संचालन किया, प्रमिला मिश्रा, विनीत रावत ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर गोविंद अरजरिया, राकेश वर्मा, शशिकांत मिश्र, साकेत कुमार, आशीष मेहरोत्रा, पीयूष जैन, जगदीश धनेरिया, नेहा शालिनी दुआ, सुधीर ढींगरा, नीति वर्मा, मुकेश वर्मा, वंदना टंडन, प्रवीण नायक, पंकज जैन, आदित्य जैन, रोहित भसीन, संकल्प मिश्र, मनोज कौशिक, संजीव शर्मा, दिनेश चंद्र पोखरियाल सहित सभी महानुभावों ने फिल्म निर्देशक युवराज कुमार एवं पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।



फिल्म डिवीजन ऑडीटोरियम में दर्शक आत्ममुग्ध होकर शो देखते हुए।



सांसद श्री संगमलाल गुप्ता, श्री सत्यभूषण जैन, डॉ. वेद प्रकाश टंडन, युवराज कुमार, रिप्पी कौल, उनकी माताजी व बेटी



अभिनेता युवराज कुमार व अभिनेत्री रिप्पी कौल की पुत्री को स्नहे देती प्रमिला मिश्रा।



दर्शकों को संबोधित करते डॉ. राकेश मिश्र।

स्थानीय समाचार-पत्रों में सेवा न्यास की झलकियाँ



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ गणराज्य से प्रकाशित

वर्ष 15 ● अंक 66 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें - www.hindustanexpress.online भोपाल, शुक्रवार 30 अप्रैल 2021 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com; shyamshiv303@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

श्रीमती शांति मिश्रा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर आज आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

स्वास्थ्य परिचर्चा में प्रसिद्ध आर्थराइट्स व अस्थि रोग विशेषज्ञ जिज्ञासाओं का करेंगे समाधान

धवर्रा में कोविड गाइडलाइंस के साथ आयोजित होगी श्रद्धांजलि सभा

देश की प्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती (डॉ.) अनुराधा पोडवाल वर्चुअल माध्यम से अर्पित करेंगी श्रद्धांजलि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-सतना/छतरपुर/नई दिल्ली। पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की संस्थापक एवं प्रेरणा मूर्ति श्रीमती शान्ति मिश्रा की चतुर्थ पुण्यतिथि 30 अप्रैल (शुक्रवार) को है। इस वर्ष की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व में तय किए गए गरीब वर-वधुओं के विवाह कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया कि परिस्थितियों के सामान्य होते ही यह विवाह कार्यक्रम पूरे धूमधाम से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष श्रीमती शांति मिश्रा उपाख्य बाई जी की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर स्वास्थ्य परिचर्चाओं के क्रम को आगे बढ़ाया जाएगा। इस श्रृंखला में 13 वीं स्वास्थ्य परिचर्चा में भारतीय सेना के सेवानिवृत्त महानिदेशक आर्मी मेडिकल सेवा के जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वेद प्रकाश चतुर्वेदी शुक्रवार, 30 अप्रैल को सायं 7 बजे लोगों से न्यास के माध्यम से संवाद करेंगे। इस हेल्थ वेबिनार का विषय आर्थराइट्स, हड्डी, जोड़, स्पाइन व मोटापा का कोरोना काल में उपचार रखा गया है। डॉ. वेद प्रकाश चतुर्वेदी इससे पूर्व में भी न्यास के आह्वान पर समय-समय पर लोगों को उचित परामर्श देते रहते हैं। विगत वर्ष डॉ. चतुर्वेदी की स्वास्थ्य परिचर्चा से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए थे। इस वर्ष भी यदि आपके मन में अस्थि रोग, जोड़, स्पाइन, आर्थराइटिस तथा मोटापे आदि से जुड़ा कोई प्रश्न हो तो न्यास के व्हाट्सप ग्रुप या परिचित कार्यकर्ताओं को प्रेषित कर सकते हैं।

श्रीमती (डॉ.) अनुराधा पोडवाल अर्पित करेंगी श्रद्धांजलि

देश की प्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती (डॉ.) अनुराधा पोडवाल जी भी हमारे साथ माइक्रोसॉफ्ट टीम के माध्यम से मुंबई से जुड़कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। विदित हो कि कुछ माह पूर्व श्रीमती पोडवाल जी दिल्ली स्थित डॉ. राकेश मिश्र के आवास पहुंचकर पं गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्र के कृतत्व को न सिर्फ याद किया था बल्कि बुन्देलखण्ड में न्यास के सहयोग से सेवा कार्यों में मदद का आश्वासन भी दिया है। न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत, उपाध्यक्ष मालती मिश्रा, कोषाध्यक्ष रेखा अवस्थी, सदस्य डॉ रचना मिश्रा, प्रमिला मिश्रा व संकल्प मिश्र ने सभी से अनुरोध किया है कि यह समय कोविड महामारी का चल रहा है। अतः अपने अपने घर से ही वर्चुअल समारोह में शामिल हों। इस कार्यक्रम की लिंक https://bit.ly/wQv}y®b जारी कर दी गई है। माइक्रोसॉफ्ट टीम एप पर समारोह देख सकेंगे।

राकेश जनसेवा और विकास के लिये संकल्पित हैं-सांसद डॉ. वीरेन्द्र कुमार

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित द्वारचार संस्कार सामग्री वितरण समारोह संपन्न



नौगांव, 1 जुलाई (निसं)। मैं दद्दा जी से कई बार मिला हूँ, वे एक आदर्श पिता और आदर्श सामाजिक व्यक्तित्व थे। मुझे यह कहने में कतई संकोच नहीं है कि उनके पुत्र डॉ. राकेश मिश्र एक आदर्श पुत्र हैं, जो उनकी याद में निरन्तर कार्यक्रम किये जा रहे हैं, वे अविस्मरणीय हैं। मैंने देखा है कि बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ अपने माता-पिता की याद में कार्यक्रम करते हैं लेकिन पद से विमुख होते ही ऐसे कार्यक्रम बंद हो जाते हैं क्योंकि उनकी भावनायें पवित्र नहीं होतीं। राकेश जी पवित्र भावना से कार्य कर रहे हैं इसलिए ऐसे कार्यक्रम निरंतर होते रहेंगे। यह भगवत कार्य है मेरी ओर से न्यास को और इस आयोजन में शामिल नवयुगल वर कन्याओं को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

उक्त विचार टीकमगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा धवर्रा में आयोजित द्वारचार संस्कार सामग्री वितरण समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किये। मंचासीन व्यक्तियों में महोबा विधायक राकेश गोस्वामी, छतरपुर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, न्यास अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र, सचिव डॉ. रचना मिश्रा, पूर्व विधायक पुष्पेन्द्र नाथ गुड्डन पाठक एवं कुलपहाड़ एसडीएम मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पं. गणेश प्रसाद मिश्र की आदमकद मूर्ति पर श्रद्धासुमन अर्पण एवं पूज्य दद्दा-बाई के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों का पुष्पहारों से स्वागत न्यास के कार्यकर्ताओं ने किया। संचालन सत्रो सक्सेना ने किया।

स्वागत उद्बोधन देते हुए न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने न्यास के अभी तक के कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न्यास ने सर्वसम्मति से 51 सामूहिक विवाह भव्य रूप में करने का निर्णय लिया था, परंतु कोरोना के कारण और प्रशासनिक गाईडलाईन के कारण हमारे कार्यकर्ता द्वारे-द्वारे, गाँव-गाँव जाकर विवाह संपन्न करायेंगे। आज उसी क्रम में हमने वधू पक्ष के लोगों को आमंत्रित कर उन्हें द्वारचार सामग्री सौंपने का कार्यक्रम रखा है। न्यास ने सामग्री में किचिन के पूरे बर्तन, पूजा की थाली, दीपक, घंटी, अगरबत्ती स्टैण्ड, क्लश थाली, दीपक सहित कुल 157 नग तथा सुहाग का सामान मंगलसूत्र, बिछिया, पायल, पाँच फलदार पौधे व सब्जियों के उच्च गुणवत्ता के बीज उन्हें सौंपे हैं। डॉ राकेश मिश्रा ने आगे कहा कि आज भी जरूरतमंद के लिए बेटी की शादी बहुत बड़ा काम होता है जो वह आर्थिक तंगी और अन्य कारणों से करने में अपने को अक्षम पाता है ऐसे परिवारों और वर कन्याओं को चिन्हित करके न्यास के माध्यम से करने का मेरा संकल्प था क्योंकि हमने ग्रामीण क्षेत्रों में इन सब समस्याओं को बहुत करीब से देखा था। न्यास की ओर से सभी वर कन्याओं और परिजनों की भावनाओं के अनुरूप ही इस कार्यक्रम की योजना तय की थी। सभी वर को घोड़े पर बैठाकर बेंडबाजों के साथ धूमधाम से सामूहिक विवाह आयोजित करने की योजना थी, जिसमें सभी मेहमानों, बारातियों के आतिथ्य का जिम्मा भी न्यास के द्वारा ही निभाया जाना तय किया गया था। पर कोरोना की आपदा के कारण इसका रूप बदलकर सांकेतिक रूप में करना मजबूरी हो गई। पर हमारा और न्यास का जो दान दहेज को लेकर संकल्प था उसको पूरा करते हुए मुझे खुद भी खुशी हो रही है। अब न्यास की नई योजना द्वारे-द्वारे द्वारचार कार्यक्रम की आज शुरुआत की गई है। आज न्यास के द्वारा सभी पंजीकृत जोड़ों को घर गृहस्थी, सोफा, पलँग, अलमारी, कूलर सहित कन्या को जरूरी सौभाग्य सामग्री मंगल सूत्र, पायल, बिछिया ज्वेलरी, कपडे सब कुछ उपलब्ध करवाया गया है और इन सभी वर कन्याओं के घर पर आज मण्डप का आयोजन सम्पन्न होगा। 4 जुलाई को सभी परिवारों में द्वारचार और विवाह की रस्म सम्पन्न होगी जिसमें सभी परिवारों में न्यास के प्रतिनिधि मौजूद रहकर वरवधू को न्यास की ओर से आशीर्वाद प्रदान करने हेतु शामिल होंगे।

महोबा विधायक राकेश गोस्वामी ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. मिश्र ने यह जो 51 सामूहिक विवाह करने का निर्णय लिया है यह वास्तव में प्रशंसनीय एवं पुण्य का कार्य है। आपने अपने पिता का नाम, गाँव का नाम, विकास कार्य जो भी कराया है वह साधारण नहीं है। माता पिता के दिये संस्कार ही राकेश मिश्रा जी को यह सब पुनीत काम करने की प्रेरणा देते हैं और मुझे लगभग न्यास के सभी आयोजनों में शामिल होने का मौका मिला है समाज सेवा के क्षेत्र में न्यास के द्वारा किए गए काम पीड़ित मानवता की सेवा में सराहनीय निरन्तर चलने वाले कदम हैं। मैं डॉ. मिश्र से आग्रह करता हूँ कि वे महोबा विधानसभा के विकास के लिए भी मुझे इसी तरह का सुझाव देते रहें। डॉ. मिश्र हमेशा धवर्रा और न्यास के लिये सोचते रहते हैं। बिजावर पूर्व विधायक गुड्डन पाठक ने पं. रामकिंकर को याद करते हुए कहा कि न्यास ने बीज और पौधे सौंपकर ऑक्सीजन की समस्या दूर करने का भी प्रयास किया है। कोरोना काल में हमनें बहुत अपनों को खोया है, इन पौधों के रोपण से जहाँ ऑक्सीजन की समस्या दूर होगी, वहीं बीजों से घर में ही ऑर्गेनिक सब्जियों की प्राप्ति होगी।

तदुपरांत सभी अतिथियों ने पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 2020-21 में किये गये कार्यों की जानकारी चतुर्थ पुष्प के रूप में विमोचित की गई। सर्वधर्म का भाव मन में संजोये इस कार्यक्रम में एक और प्रफुल्लता का अवसर आया जब एक वधू जिसके माता-पिता इस दुनिया में नहीं है, उसका विवाह इसी गरिमामय मंच पर संपन्न कराया गया। अतिथियों एवं न्यास ने पूरे विधिविधान से विवाह संपन्न कराया व नवयुगल को आशीर्वाद दिया । सभी अतिथियों, वधू-वर पक्ष के लोगों तथा सभी आमंत्रितों को न्यास के द्वारा डिब्बा बंद भोजन की व्यवस्था भी की गई।

कार्यक्रम में भीमकुण्ड धाम के महाराज, संयोजक प्रतीक सक्सेना, अंजुल सक्सेना, हरसू महाराज, डॉ. विनोद रावत, राधे शुक्ला, प्रवीण गुप्त, नरेन्द्र मिश्रा, बॉबी असाटी, सूरजदेव मिश्रा, प्रदीप खरे मंटू, गुड्डा त्रिवेदी, दिनेश अग्निहोत्री, धीरेन्द्र गुप्ता, धीरेन्द्र गौर, श्रीराम रिछारिया, मोनू दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण, प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। न्यास की सचिव डॉ. रचना मिश्रा ने सभी का आभार प्रदर्शित किया।



स्वदेश

सतना - नव स्वदेश

25 Sep 2021

नर सेवा ही नारायण सेवा को सार्थक बना रहा है पं. गणेश प्रसाद सेवा न्यास

कर्तव्यपरायणता की प्रतिमूर्ति माता शांति मिश्रा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र

शांति मिश्रा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा मेदांता मल्टी स्पेशिएलिटी हेल्थ चेक अप कैंप का शुभारंभ आज

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के रूप में जिले के लिये बड़ी सौगातः रामखेलावन





हेल्थ वेकअप कैंप के रजिस्ट्रेशन रजनीश के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिले के प्रभारी प्रवेश के खेल मंत्री डॉ. दुर्गा विद्यार्थ साह, कलेक्टर तालकार, उमेश सानडी, मजूरा पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंघारी एवं अन्य

डॉ राकेश मिश्र ने समाज में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को भी सहारा देने का कार्य किया है: डॉ मित्तल

सतना, मारुति एक्सप्रेस। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णनगर सतना के सभागार में आयोजित पंचम व्यायामवर्धन वर्ष में मुख्य अतिथि डॉ संदीप मित्तल के द्वारा कोविड-19 के उपचार पश्चात प्रभावित लिवर पर जहर महाजागरूक जनकारीयां दी गई। कार्यक्रम का संचालन मनमोहन पांडेयजी के द्वारा किया गया, साथ ही कार्यक्रम के सार्थकता त्रिपाठी जैन एवं संघ में विशालनगर अतिथियों का स्वागत किया गया। डॉक्टर संदीप मित्तल ने अपने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से इस कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ मित्तल ने इस कार्यक्रम के लिए पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की सराहना करते हुए डॉ राकेश मिश्र को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अपनी जन्मभूमि के लिए जो कार्य इन्होंने पूर्ण समर्पण से समाज के लिए किया है वह सराहनीय है। यह कोरोना काल में भी समाज के लोगों की सेवा भाव से सेवा करते रहे हैं इन्होंने समाज में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को भी सहारा देने का कार्य किया है।

उन्होंने भारत और दुनिया का कोविड-19 का डाटा प्रजेंट करते हुए बताया कि करीब 45000000 लोगों की मृत्यु हुई है। कोविड-19 होने के बाद भी लोगों में कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हुई है। विश्व में मृत्यु में कोविड-19 से प्रभावित लोगों की संख्या सर्वाधिक है, जबकि भारत उसी दूसरे स्थान पर है। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में 3000000 लोगों में से मात्र 310 लोगों की भारत में मृत्यु हुई है यह अन्य देशों से कम है।

यह सभी आयुर्वेद, एलोपैथिक चिकित्सा एवं समाज सेवा तथा राजनीतिक हस्तक्षेपित, अच्छा नेतृत्व एवं वैक्सीनेशन की प्रगति से ही यह संभव हो सका है।

वैक्सीन में हमारा भारत बना आत्मनिर्भर

हमारा भारत वैक्सीन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में साथ ही अन्य दूसरे देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई है हम क्षेत्र में भारत का नाम दुनिया के इतिहास में लिखा जाएगा।साथ ही उन्होंने समाज कि व्यापार और उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी राज्यों में बहुत कम केस मिल रहे हैं इसके लिए लोगों का पीयर और एसोसियो आयुर्वेद एवं लोगों को सेवा भावना देखने को मिलती है। कोविड-19 के बाद कई बीमारियां अन्य हुई है जैसे मधुमेह, मुहासे की बीमारी, पेशर पेन, जोड़ की समस्या, भयभाहट, बालों का झड़ना, सहन का पक्षा लगना तथा अन्य प्रकार की मानसिक बीमारियां उत्पन्न हुई है। डॉ मित्तल जी ने कोविड-19 के उपचार एवं रोकथाम में भारत का नाम दुनिया के इतिहास में लिखा जाएगा।साथ ही इसी कम में उन्होंने कहा कि अपनी जन्मभूमि के लिए जो कार्य इन्होंने पूर्ण समर्पण से समाज के लिए किया है वह सराहनीय है। यह कोरोना काल में भी समाज के लोगों की सेवा भाव से सेवा करते रहे हैं इन्होंने समाज में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को भी सहारा देने का कार्य किया है।

उन्होंने भारत और दुनिया का कोविड-19 का डाटा प्रजेंट करते हुए बताया कि करीब 45000000 लोगों की मृत्यु हुई है। कोविड-19 होने के बाद भी लोगों में कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हुई है। विश्व में मृत्यु में कोविड-19 से प्रभावित लोगों की संख्या सर्वाधिक है, जबकि भारत उसी दूसरे स्थान पर है। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में 3000000 लोगों में से मात्र 310 लोगों की भारत में मृत्यु हुई है यह अन्य देशों से कम है।

यह सभी आयुर्वेद, एलोपैथिक चिकित्सा एवं समाज सेवा तथा राजनीतिक हस्तक्षेपित, अच्छा नेतृत्व एवं वैक्सीनेशन की प्रगति से ही यह संभव हो सका है।

शांति मिश्रा की पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण कर श्रद्धांजलि अर्पित

इसके पूर्व श्रीमती शांति मिश्रा की पुण्यतिथि के अवसर पर विद्यालय परिसर में पुष्पारोपण किया गया। जिसमें लक्ष्मी पाटल, उत्तम कनजी, विजेंद पाटल, विकास पांडेय, संध्या उमेलम्बे, अंजना तिवारी, कृष्णा पांडेय, प्रमिला त्रिपाठी, राधा श्रीवास्तव श्याम लहान गुप्ता श्यामू, अनुपम गौतम उपस्थित रहें।







जिले के पूर्व प्रभारी एवं प्रदेश के राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल से चर्चा करते हेल्थ वेकअप कैंप के आयोजक पंडित जगदेव मिश्रा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा



सतना मेरी कर्म भूमिः डॉ. राकेश मिश्र

डॉ राकेश मिश्र ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए कहा कि पूरे कोरोना के कठिन समय पूरा समूह ने कभी भय भयभीत नहीं दिए अपने मात्र पिता जी से सीखी थी और उन्हीं की बातों का अनुसरण कर वे समाज सेवा का कार्य कर रहा हूं।सभी मेरी जन्मभूमि है किन्तु सतना मेरी कर्म भूमि है इसके लिए विशेष भी मैं कभी नहीं कम करूंगा। उन्होंने कहा कि आज जो लायनमहासभा है उसके डॉक्टर संदीप मित्तल जी भी सरस्वती विद्यालय में पढ़े विद्यार्थी है। जो कि हरियाणा में है। इसके पास 12 वर्षों का भारत सभी अनुभव है। इसी महान विभूति ने देखे हो संदीप मित्तल जी हमारे सतना नगर वासियों को सही मार्गदर्शन देने के लिए उपलब्ध हुए है इसीलिए कोरोना काल में केवल हमला ही नहीं किया, बल्कि गहन अध्ययन कर जानकारीयों को समाज के सामने रखते है। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीयकरण पीयर के कम में राष्ट्रीयकरण पीयर जी ने कहा कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा जो कार्य पांच साल पूर्व आयोजन कर रहा है जिससे सहज और उसके साथ पांच के क्षेत्रों को निःशुल्क सुविधाएं दिया रही है।

मैं डॉक्टर राकेश मिश्र का हृदय से धन्यवाद करता हूं और उम्मीद करता हूं कि यह परिवार में भी इसी प्रकार के सहायता सुविधाएं उपलब्ध कराते रहेंगे श्री पटेल ने कहा कि पंडित गणेश प्रसाद मिश्र जी एवं शांति मिश्रा ने ऐसे संस्कार पुत्र को जन्म दिया है जो अपने पालू एवं पिता श्री को आगर समाज का बहुत कुछ दे रहा है। धन्यवाद सेवा न्यास को और भी उन्नति दे जिससे सतना क्षेत्र में इसी प्रकार के काम करते रहें। इस अवसर पर नहीं समाज में दृष्टिहीनों को दृष्टि आंख महिने उपस्थित रहें। समझे प्रश्नों का समाधान डॉ संदीप मित्तल एवं अतीदेव और ने किया।



न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का केंद्र बना सतना

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सतना में दूसरी बार नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इससे पूर्व सितंबर 2019 में न्यास द्वारा सतना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था। यहां नहीं जिसमें के इस मौलिकीय सतना में आपने नर्मदापुरीय संकट के समाधान के लिए अनवरत सपना, हमा पाप सतना अधिकार के जांच न्यायक पैमाने पर पौधारोपण का कार्य किया गया। सतना में न्यास द्वारा किए जा रहे पौधारोपण अभियान को देख पा ने 'पार्क हो रही है। रजनीश पहले ही राष्ट्रीय संस्थानित की जायेगे। इसके जरिए पौधों को पेशक तल प्रदान किए जाने के साथ पौधों के उपचार व देखभाल की व्यवस्था सिक्योर की गई है। यहां उल्लेखनीय है कि पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का केंद्रीय कार्यालय सतना स्थित नेहरूनगर अवस्थापना में है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र का सार्वजनिक जीवन सतना से ही प्रारंभ हुआ है। अधिवक्ता पारंपरिक विद्यार्थी परिवार के होने संगठन परिवेश, प्रति प्रयुक्त व प्रेरित अध्यक्ष के रूप में दायित्व का निर्वहन करने के साथ समाजिक दायित्व महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में सेवाएं प्रदान करते रहे हैं।



सतना का सपना साकार कर रहा पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

श्री गणेश प्रसाद मिश्र

उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रश्चैव दक्षिणम्।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः।।

श्रीमती धाति मिश्रा

नर सेवा ही नारायण सेवा को सार्थक बना रहा पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

पं.गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धवरी

भविष्य को संवार रहा है पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

समाज के उत्थान में जुटा

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

महान साधक एवं समाज के सुधारक थे 'दद्दाजी'



पं. श्री गणेश प्रसाद मिश्र

धर्मी पुत्रियां तिलका कंवरे में हैं। वहीं एक पुत्री और पुत्र को डॉक्टर अनि निलेशभैया पढ़ा।

उनके एकमात्र पुत्र डॉ. राकेश मिश्र संघ के प्रकाशकों की क्रेणी में अकाल अक्षिका भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र अध्यक्ष, छात्र प्रमुख व छात्र संगठन मंत्री महाकौशल प्रांत के ट्रस्टियों का निर्वाचन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पार्लियन सुषमाजी की अंतिम यात्रा की कार्यकारी संस्थान के रूप में रिक्षी में कार्यरत रहे हैं। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं। पं.जिसकी ने अयोध्या आन्दोलन के दौरान 1990 में कारसेवक में महाकुम्भ डिसहा रिपब्लिक और 1992 में विवादित ढांचा विध्वंस में छतरपुर जिले के दो दो कारसेवकों में एक थे थे, जो यहां पहुंच सके। 1990 में कारसेवकों एकता यात्रा में प्रमुख भूमिका निभाई थी के नेतृत्व में यात्रा के समापन में लालकृष्ण एवं नेतृत्व यात्रा पहलाने के लिए गए थे। भाषण भूषण और संस्कृति परिचय में उनकी खास रुचि थी। लेख-लाइन में हिंदू दर्शन यात्रा रही तो उन आयामों का पढ़ा, वे उन अपने सामाजिक सांस्कृतिक कार्यों में सक्रिय रहे। अन्यायपन प्रेरणा का पत्रकुल कुंज से या कन्यकुमारी में पत्रकुमारिका तथा गोवेलगे में गौतम तक की पूजन यात्रा या गंगासागर तक पंचिम जल, हमारी दृढ़ता समर्थन एवं आम पर्वतन की सेवा उनकी यात्राएँ थीं। अपने अनुभवों का लेखन यात्रा किया। समर्थ की पुस्तिका व नीतिकता के पालन की लिख भाषा के प्रति समर्पित, दृढ़ निष्ठावी के कठोर परिश्रमी थे। जब लोग लोकहीं में समाज यात्रों, में अपने कार्य में और रम से रमे रहकर दीन-दुखियों के साथ संघ में रमे रहते थे। समाज और राष्ट्र के लिए उनमें जो सेवा और समर्पण का भाव था, उसमें वे महान साधक के रूप में सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादेने काम रहेगा। पर्यावरण से लेकर आध्यात्मिक चेतना के प्रति उनका चिंतन समाज को नई दृष्टि प्रदान करता रहेगा। संघर्षमय जीवनशैली और आहार के कारण 93 वर्ष की आयु में वे पूर्ण स्वस्थ थे। 16 अप्रैल, 2016 को अचानक हुए भीतरिक आघात में वे बोलना में पहले गए। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स/AIIMS/दिल्ली) में उन्हें समस्त्रोचित लोकेशन आयाजनन में तीन माह तक गहन चिकित्सक हुई। न्यूरो पैडोक्सी के लिए डाक्टरों उस का यह पहला केस था, जिसमें रोगी इतने दीर्घ यति से ठीक होकर पुन: पैनीके अपने घर पर ही चिकित्सा करने लगा। डॉक्टरों का मत था कि इतनी दीर्घकाल खड़ताल, दिनचर्या से ही इतना जीवन प्रेरणादायी है। 1 नवंबर, 2016 को प्रात: 6.30 बजे वे इस लोक से मुक्ति पकर पोलोक धाम को प्रस्थान कर गए।

ऐसे महान प्रेरक व्यक्तित्व को प्रणाम और विनम्र श्रद्धांजलि...!





डॉ. राकेश मिश्र
अध्यक्ष, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

स्तुत्य व स्मरणीय हैं 'माता शांति मिश्रा'



श्रीमती शांति मिश्रा

2 अगस्त, 1927 को सिंगरौली कस्बा में पुराने जमींदार परिवार में एक शक्तिसम्पन्न समाज की मूर्ति कन्यामयी, सौम्य, मृदुभाषी एवं सहज स्वभाव से संघर्ष साहित देवी का अवतरण हुआ। यथानाम तथागुण को चरितार्थ करनेवाली मां 'शांति देवी' ने हमेशा अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहते हुए समाज को एक पीढ़ी दी, जिसमें वह सदैव सत्पुरुष और समर्पण हैं। परिवार को एकसूत्र में बांधकर सास-ससुर की सेवा और अपने बच्चों को संस्कारित करते हुए पति की कठिन से कठिन मिलकर पलनेवाली यह माता जब लेकर बड़े ही सहज-सहज में पलने के बाद यात्रा तैयार वर्ष की उम्र में विन्ध्य-कंचन में बेचकर एक सामान्य परिवेश में आ गईं। लेकिन, यहां से जिंदगी में परिवारों का क्रम शुरू हुआ तो हर परिक्षा व विवर्ष पास की, बल्कि एक नवीन छोटाती गईं। तपस्वी पति सम. गणेश प्रसाद मिश्र (दद्दाजी) के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में रमने से पर-पार छोड़कर देशसेवा हेतु चले जाने के पश्चात, परिवारजन होकर दोनों कुलों की मर्यादाओं का निर्वहन किया, जो सहज है। संसृजन की अकेली बहू होकर सभी का मान-सम्मान, सभी के बीच सामंजस्य के साथ परिवार का निर्वहन करते हुए वे संसृजन में प्रेय कर गईं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबन्ध के समय पति के छह माह जेल में रहने पर उन्होंने बड़े साहस के साथ अपने कुटुंब सास-ससुर एवं ननद का सहारेन किया। उनके व्यक्तित्व में देवी विशेषता थी कि हर व्यक्ति अपनी अपनी उलझे जुड़ हुआ पाता था और इसे अपना सौभाग्य मानता था। विवाह के लगभग 10-12 वर्ष की कठिन परिस्थितियों के पश्चात उन्होंने क्रमश: चार पुत्रियों (अजय, मालती, रेखा व डॉ. रचना) तथा एक पुत्र (डॉ.राकेश) को जन्म दिया। उन परिस्थितियों में भी उन्होंने पति व ननद के सहयोग से पुत्रियों को बेटों जैसा लालन-पालन व शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। अपने पुत्र-पुत्रियों में भेद न करते हुए उन्होंने सभी का समान लालन-पालन कर उन्हें संस्कारों का धनी बनाया।

धर्म में उनकी गहन श्रद्धा रहते हुए प्रत्येक तीज-त्योहार को यथाविधान एवं पूर्ण मनोयोग से मनाती थीं। खेले समय 'सर्व भवन्तु सुखिनः' का पाठ जरूर करती थीं। उनके पास लोक-कथाओं का अथाह भंडार था, जिसका वे समय व परिस्थिति को देखते हुए उपयोग करके बच्चों का मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन कर उनका ज्ञानवर्धन भी करती थीं। शिक्षा के प्रति गहन रुचि होने के कारण उन्होंने पति के सान्निध्य में अपने आसपास पढ़ने-लिखने में पुत्रियोंएवं एवं कन्या शिक्षा पुत्रवधुं व दीक्षक समाजका-पन उन्हीं निर्मलिन दिनचर्या के हिस्सा हो गए थे। परवर्ती गौरव में चाहे मेला का चुनाव व क्षेत्रेत्र निर्धारण जीती और उपाध्यक्ष के पद पर रहते हुए उन्होंने अपने कर्तव्यों को भी बखूबी निभाया। पन-पन पर उन्होंने अपने पति का साथ दिया। आपातकाल के दौरान अज्ञात महीने तक जब दद्दाजी भूमिगत रहे, तब उन्होंने मां एवं पिता की दोनों की भूमिका बखूबी निभाई और दद्दाजी के देखरेख के कार्यों में पूर्ण सहयोग दिया। भारत-भूषण एवं संस्कृति-परिवेश में भी उनकी गहन रुचि रही। गौरवेक के प्रति उनका विशेष रुझान था। जब भी समय मिलता, वे गौरवेक में लग जाती थीं। छोटी-मोटी गोपनीय व पुजको भी उनकी ही सूझ थी। शांति में वे अनेक महिलाओं व बच्चों की देवी दुर्गाएं भी कर देती थीं। इसी प्रेरणा से 2017 में इनके पति पं.गणेश प्रसाद मिश्र की स्मृति में पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की स्थापना हुई, जो 'न्यास सेवा की नवरात्र संघ है' को सार्थक करने के लिए सतत अग्रसर है। 90 वर्ष की आयु में 15 अप्रैल, 2017 को संसार को अलविदा कहने वाली यह माता अपने अंतिम श्वास तक सक्रिय रहीं। इनकी स्मृति में 24 अप्रैल 2019 को सुरेन्द्रकार का पाठ एवं भोजनाओं के बीच भोजन एवं सुखद रात्रि का विसर्जन किया गया। दूसरी पुण्यतिथि पर 24 अप्रैल 2019 को सुरेन्द्रकार का पाठ एवं भोजनाओं के बीच भजन व दीनक उपयोग की सामग्री वितरित की गई।

- सभी को प्रेरणा प्रदान करनेवाली महान व्यक्तित्व की धनी स्व. शांति मिश्रा को शत-शत नमन..!

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के प्रयास से आदर्श गांव बना धवर्रा



2017 में स्थापित पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, समाज में सेवा के साथ ही विकास की बुनियादी संरचनाओं से लेकर मानवीय जीवन की आधारभूत सुविधाओं के लिए संघर्षशील में रहते है। न्यास के प्रयास से धवर्रा गांव ने विकास की नई कहानी लिखते हुए एक आदर्श गांव के रूप में स्थापित हो गया है। न्यास के कारण महान एक गांव का जिला नहीं, बल्कि कई गांवों की तस्वीर बदल गई है। धवर्रा गांव से शुरू यह सेवा का भीज आज उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश एवं दिल्ली के अनेक स्थानों पर पहचित-पुष्पित हो रहा है। इन स्थानों पर कार्यकर्ता सेवा कार्यों में लगे हैं। अब प्रयागराज, खरगा, छतरपुर, नौगांव, धवर्रा, रुपवन कलां (भंडा), सागर, दिल्ली में अनेक कार्यकर्ता सक्रिय हैंबहर नि-स्वार्थ भाव से इन सेवा कार्यों में लगे हैं। धीरे-धीरे यह राष्ट्रीय विचार पर स्थापित होने के लिए अग्रसर है। न्यास की सतत सक्रियता और उत्तेत पहल से धवर्रा गांव में यातायात के लिए सड़क, पीने के लिए पानी, स्कूल, चिक डिस्पेंसर, पार-पार रोशनाथ, गांव को ओडीएफ, सुलभ शौचालय, खेल का मैदान, गौशाला, पुष्पिपाल, खेल लाइटों के प्रकाश, मेधावी छात्रों को सामग्री, छात्रवृत्ति, प्रतिभा सम्मान, वर्ष में दो-तीन सफाई सुपर स्पेशियलिटी हेल्थ चैकअप कैंप जैसे अनेक प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। किसानों को सतत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए धवर्रा गांव में किया गया कार्य, आज भी देश में चर्चित है। यूपि में आत्मनिर्भर बनाने हेतु मौके पर ही खाद, बीज की जानकारी हेतु प्रशिक्षण एवं सिंचाय, उपयोगी उपकरणों का वितरण, एक हजार किसानों को फलदार वृक्षों के पौधे निशुल्क वैकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उठाया प्रयास न्यास के द्वारा किया गया। आज जिला प्रकार समाज में बेमतलब बढ़ गया है, उसे देखते हुए गौव किसान मुक्त कैसे बनें? इस दिशा में कार्य किया है। इसका परिणाम है कि गांव के लोग जिस तरह उत्साह एवं तीन लोहार सामुहिकता के साथ मनाते हैं, वह आश्चर्यजनक से कम नहीं है। इसी उत्साह के साथ गांव के लोग जिस तरह उत्साह एवं तीन लोहार सामुहिकता के साथ मनाते हैं, वह आश्चर्यजनक से कम नहीं है।

भविष्य को संवार रहा है पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास



समाज को सशक्त बनाने के लिए सक्रिय पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास लोगों को संगठन बनाने के लिए संगठित करिए है। न्यास की सोच सक्रियता और उत्तेत पहल से पिछले पांच साल में समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कई कार्यक्रम में सुख खेल परिवार का लोकरंजन पुखराजि किसी समाज और राष्ट्र की असली ताकत होती है। सुव्यवस्थित ही देश का भविष्य भी है। चाहकर समाज में पुखराजि को समस्त कलाकर ही निर्धारित और समृद्ध समाज और राष्ट्र का संगठन सबसे बड़ा हथियार है। इसी ध्यान में रखकर ही सशक्त बनाने के लिए सक्रिय पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास सुचारु रूप से संचालन करने के लिए चौबीस प्रकार के खेलों की सामग्री, छात्रवृत्ति, प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आज जिस प्रकार समाज में बेमतलब बढ़ गया है, उसे देखते हुए गौव किसान मुक्त कैसे बनें? इस दिशा में कार्य किया है। इसका परिणाम है कि गांव के लोग जिस तरह उत्साह एवं विगत पाँच वर्षों से सम्पादित किया जा रहा है। नौगांव नगर के पॉलीटेक्निक, इंजीनियरिंग व डिग्री कालेज के प्रतिभावान छात्रों को प्रति वर्ष सम्मानित किया जाता है। युवाओं में सकारात्मकता के भाव की जागृति के लिए चौबीस प्रकार के खेलों की प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं। पुरुष एवं महिला वर्ग के लोकगीत की भी प्रतियोगिताएं होती हैं। इसके अलावा आए में एक अभिनव आयोजन था। पुरुष एवं महिला वर्ग के लोकगीत की प्रतियोगिताएं होती हैं। इसके अलावा आए में एक अभिनव आयोजन था। जनवरी 2021 को फुटोरनमेंट मैराथन दौड़ 42 आयोजन किया गया, यह अपने आप में एक अभिनव आयोजन था। फुटोरनमेंट मैराथन दौड़ 42 किलोमीटर की थी। एक साथ तीन स्थानों से यह दौड़ आरम्भ हुआ। पं. मायाराम पहलवानी स्टेडियम छतरपुर से 30 किलोमीटर, महाराजा छत्रसाल स्टेडियम से एस किलोमीटर तथा नवोदय विद्यालय नौगांव से सात किलोमीटर की दौड़ आरंभ हुई थी। इस दौड़ आयोजन का समापन पं.गणेश मिश्र खेल परिसर धवर्रा (नौगांव) महोबा में हुआ था।

प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें 52 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें मध्यम प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह खेल न्यास समाज और देश के स्तर पर सेक्षमाज, सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक चेतना के साथ ही राष्ट्र की प्रगति के लिए समर्पण की भावना है, इसमें को भी प्रेरित कर रहा है। न्यास का यह अनूठा प्रयास जहां पं. गणेश प्रसाद मिश्र की कर्मठताओं का स्मरण करने की सच्ची सरकार परंपरा में पूर्णता का स्मरण कराता है। इसके साथ ही उनसे मिलने प्रेरणा से प्रेरित होकर नई पीढ़ी को अपने बड़ों का मार्ग सुलभ कर रहा है। आज आवश्यकता है कि हर नौजवान अपने-अपने गांव के विकास के लिए संकल्पवान लेकर छोटा सा प्रयास प्रारंभ करे।

नर सेवा ही नारायण सेवा को सार्थक बना रहा पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

बुंदेलखंड क्षेत्र में मानव कल्याणकारी पं.गणेश प्रसाद मिश्र जी हुए थे, जिनकी कीर्ति आज भी गूंजती है। उनके संदेश से समाज को सशक्त बनाने के लिए 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के उद्देश्य के साथ वर्ष 2017 में स्थापित पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास 'नर सेवा ही नारायण सेवा' को सार्थक बनाने हेतु सतत अग्रसर है। ममता की प्रतिमूर्ति माता श्रीमती देवी की प्रेरणा से पं.गणेश प्रसाद मिश्र दादाजी के नाम पर गठित यह सेवा न्यास नर सेवा में निरंतर कार्यरत है और एक प्रेरणा का श्रोत है। यह सेवा न्यास लोगों को सभी प्रकार की सामाजिक, आर्थिक, भौतिक व धार्मिक सेवाओं के लिए समर्पित है।



सतना का सपना साकार कर रहा न्यास....

यदि इच्छाएं प्रबल के साथ सेवाभाव हो तो हर क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है। ऐसा ही इंसानदार प्रयास के साथ पंडित गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास ने भारत के हृदयभाग में अवस्थित सतना में समाज के सभी वर्गों एवं विभिन्न वर्ग के लोगों के बीच अपना कार्य करते हुए संस्कृति से प्रकृति तक के संरक्षण और संवर्धन में जो योगदान दिया है, वह अपने आप में अविस्मरणीय और अनुकरणीय है। विविध कार्यक्रमों और सेवाकार्यों के माध्यम से सामान्य जीवन को सुखित कर रहा है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. दयेकर मिश्र के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'अपना सतना-हरा भरा सतना' कार्यक्रम के तहत पौधारोपण करते हुए धरती पर हरियाली ला दी है। इसमें सतना, छतरपुर एवं मध्यप्रदेश जिले में प्रकृति संतुलन में सहायता मिली है। इसके तहत पांच जून 2021 को सतना के राजेन्द्र नगर में, 13 जून को सतना के टिकुरिया टोला में, 20 जून को शहादतगंज में, 12 अगस्त को पं. गणेश प्रसाद स्मृति हाई स्कूल, नौगांव, छतरपुर में तथा 14 अगस्त को सतना जिले के बैरनपुरा गांव में वृक्षारोपण किया गया। इसी तरह 2020 में 6 और 7 जुलाई को पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धरहरा (नौगांव) जिला महोबा में पं. गणेश प्रसाद मिश्र शासकीय हाई स्कूल मानपुर, जिला छतरपुर एवं सिमरिहा अकबर प्रचारालय में वृक्षारोपण के साथ ही पलदार वृक्षों का वितरण किया गया। चार अक्टूबर को मंडिया टोला, सतना, 11 अक्टूबर को मंदाकिनी विहार, ऐरी रोड छतरपुर में, 22 अक्टूबर को सतना नगर के धवारी स्थित पशुग्राम पंचि उपवन में, 5 नवंबर को गोलमार्केट सतना में, 13 दिसंबर को पं. गणेश प्रसाद मिश्र खेल परिसर धरहरा (नौगांव) जिला महोबा में वृक्षारोपण और पृथ्वी वितरण किया गया। इसी तरह पर्यावरण संरक्षण के लिए -'प्लास्टिक मुक्त भारत' अभियान के तहत न्यास की ओर से अबतक 50 हजार से अधिक कपड़े के थैले वितरित किए गए हैं और यह अभियान निरंतर जारी है। न्यास के अध्यक्ष डॉ. दयेकर मिश्र ने इन आयामों पर लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए जागरूक भी किया गया। न्यास की ओर से किसानों के बीच भी सब्जियों के बीज का वितरण किया गया। धरहरे के पास के गांवों एवं हर खेत तक बिजली पहुंचाकर न्यास ने इस क्षेत्र की तस्वीर बदलने में महती भूमिका निभाई। न्यास के इस कार्य से खेतों में हरियाली और खेतिहरों में खुशहाली आई है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र किये गये कार्य



सेवा न्यास गरीब लोगों के बेटों में जाकर स्वास्थ्य शिविरों द्वारा उचित तकनीकी की हस्तांतरण मात्र प्रदान करने का काम कर रहा है। इसमें गरीब लोगों को मुफ्त उपचार, दवाइयाँ, ऑपरेशन व आवागमन की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर



मेदांता दि मेडीसिटी, गुरुग्राम (हरियाणा) अभी तक चार मल्टी स्पेशियलिटी हैल्थ कैंपों का आयोजन करके 7008 मरीजों की संपूर्ण जाँच की गई। दो वर्ष नौगांव नगर में एवं दो वर्ष सतना नगर में सफल शिविरों का आयोजन हुआ। न्यास के अनुरोध पत्र पर मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम द्वारा 1210 मरीजों को 15 ज़रिएटर फ्री किटों में दी गई है, जिससे मरीजों के रक्तों हरण की बचत हो सकी एवं जाने भी बच सकी हैं। सतना में सितंबर 2021 को मेदांता हार्मनल गुरुग्राम द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लगभग1500 एवं उत्तरप्रदेश के 10 जिलों के 1400 मरीजों की विभिन्न बीमारियों की हजारों रुपये में होने वाली जांचें पूर्णतः नि:शुल्क की गईं।

पर्यावरण संरक्षण



न्यास के अध्यक्ष डॉ. दयेकर मिश्र के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'अपना सतना-हरा भरा सतना' कार्यक्रम के तहत पौधारोपण करते हुए धरती पर हरियाली ला दी है। इसके तहत पांच जून 2021 को सतना के राजेन्द्र नगर में, 13 जून को सतना के टिकुरिया टोला में, 20 जून को शहादतगंज में, 12 अगस्त को पं.गणेश प्रसाद स्मृति हाई स्कूल, नौगांव, छतरपुर में तथा 14 अगस्त को सतना जिले के बैरनपुरा गांव में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण हेतु पाँच हजार फलदार पौधे रहटाही के 6x64 जन्म दिन पर वितरित किए गए। पॉलीथिन मुक्त भारत अभियान के तहत न्यास की ओर से अबतक 50 हजार से अधिक कपड़े के थैले वितरित किए गए हैं और यह अभियान निरंतर जारी है।

कृषि क्षेत्र में किये गए कार्य



सेवा न्यास कृषकों की आर्थिक उन्नति, उन्नत मैडाकिक तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनके लाभ हेतु समाजों से पहल करके विविध प्रकार के शिविरों की प्रक्रियाओं का आयोजन और संचालन हेतु सहयोग प्रदान करता है। आत्मनिर्भर गाँव को इस दिशा में पांच सौ किसानों को सब्जियों के बीज वितरित किए गए। साथ एवं हर खेत तक बिजली पहुंचाकर न्यास ने इस क्षेत्र की तस्वीर बदलने में महती भूमिका निभाई।

शिक्षा के क्षेत्र में किये गए कार्य



सेवा न्यास सांस्कृतिक क्षेत्र में ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों में पुस्तकें, कापी, पेन, पेंसिल, ड्रेस, बस्ते, ट्रॉफी, क्रीड़ा उपकरण आदि के वितरण के साथ-साथ लोगों में राष्ट्रप्रेम, समरसता एवं सद्भावना का भाव भी जाग्रत करता है। शैक्षणी एवं विविध क्षेत्रों में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहनस्वरूप नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान करता है। पंचम पुण्यतिथि पर स्कूल बेग एवं पेंसिलों का वितरण जरूरतमंद छात्रों के बीच वितरित किया जा रहा है।

पेयजल

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दृष्टि से वैट कंपनी द्वारा आर. ओ. प्रदान किए गए। अभी तक सौ शासकीय विद्यालयों में छात्रों एवं शिक्षकों को वाह पेटेंवाल बिना बिजली के पानीलेवो आर. ओ. दिए जा चुके हैं, जो सफलता के लिए बहुत लाभदायक हैं। विद्यालयों में 500 लीटर की दो सौ टंकियों के वितरण व वितरित करके न्यास ने ग्रामीणों के पेयजल एवं शौचालय हेतु पानी उपलब्ध कराया है।

आध्यात्मिक कार्य



सेवा न्यास आध्यात्मिक विकास हेतु धार्मिक क्षेत्र में विविध प्रकार के धार्मिक आयोजन, शतचिण्डी भण्डारा-रामायण पाठ, श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ, रामशलिल मंथन, भजन-कीर्तन, सत्संग, पूजा-पाठ, पी-पीपा, भोजन, भंडारों के साथ-साथ धार्मिक पुस्तक वितरण जैसे कार्यों को करते हुए सनातन धर्म के उत्थान, संस्कर्म हेतु प्रेरित कर संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार-प्रसार करता है। इस वर्ष माघ मेले में पुनः अनेक आयोजन किए जाने की तैयारी है।

प्रबुद्ध जागरण हेतु वैचारिक गोष्ठियां



समाज के विकास हेतु सेवा न्यास विभिन्न प्रकार की विचार गोष्ठियाँ भी आयोजित करता है। चार विशेष विषयों पर राष्ट्रीय नवाओं के द्वारा छतरपुर शहर में व्याख्यान दो चुके हैं, जिनमें बुद्धिजीवियों एवं नौजवानों की सक्रिय भूमिका रही है। यह कार्य निरंतर प्रतिवर्ष चल रहा है।

सामूहिक विवाह



"द्वारचार व परिणय संस्कार एवं सामग्री वितरण कार्यक्रम हुआ। चार जुलाई 2021 को दद्दा-भाई की स्मृति में 21 जोड़ों को सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 'हर-हरे परिणय सह' संपन्न कराये गये। इसमें संपूर्ण शुभम जीवन की सामग्री दी गई। कोरोना के कारण घर-पर जाकर होक जोड़े का पूर्ण वैवाहिक संस्कार धूमधाम से किये गये।

स्वास्थ्य परिचर्चाएं



कोरोना की पहली लहर के दौरान 2020 में कुल सात परिचर्चाओं का आयोजन किया गया, जिसमें लाभान्वित होनेवाले कुल लाभार्थियों की संख्या 12,465 रही। इसमें लाभार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी विविध जानकारियां दी गईं। इसी प्रकार दूसरी लहर के दौरान कुल 16 परिचर्चाओं का आयोजन किया गया, जिसमें 62,698 लोग लाभान्वित हुए। इस प्रकार कोरोना के दौरान आयोजित कुल 16 परिचर्चाओं में कुल 75,363 लोग लाभान्वित हुए।



विशाल नेत्र परीक्षण शिविर



सतना में धार्मिक अनुष्ठान



न्यास द्वारा वृजवासी का सम्मान



जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र वितरण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

भोपाल, शुक्रवार ।। फरवरी 2022 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpressbhopal@yahoo.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पुस्तकों की अध्ययन आदत हमारी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाता है: उत्तम बनर्जी

– ई लाइब्रेरी से सतना वासियों को जुड़ने का सुनहरा अवसर: डॉ. आशीर्वादम आचारी
– सेवा न्यास के बहुविध कार्यों में वाचनालय अभिनव प्रयोग: श्रीकृष्ण माहेश्वरी

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा स्व. बाल आपटे स्मृति वाचनालय लोकार्पित





–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–सतना। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रेरणा स्रोत व संगठन शिल्पी प्रो. बाल आपटे जी की पुण्य स्मृति में सतना नगर में वाचनालय का उद्घाटन गुरुवार प्रातः किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तम बनर्जी सह प्रांत कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकोशल प्रांत एवं अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी व मार्ग दर्शक श्रीकृष्ण माहेश्वरी (पूर्व क्षेत्र संघचालक रा. स्वयंसेवक संघ) ने किया। यह समारोह सेवा न्यास के कार्यालय, नेह निकुंज, बम्हनगवां, रीवा रोड सतना में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में न्यास के प्रणेता पंडित गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा तथा स्वर्गीय बाल आपटे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने बताया है कि बहुत लंबे समय से राष्ट्रवादी साहित्य हेतु वाचनालय की मांग शहरवासियों व न्यास के कार्यकर्ताओं द्वारा की जा रही थी इसे ध्यान में रखते हुए यह वाचनालय प्रारंभ किया गया है, जो निःशुल्क रूप से शाम 4 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक प्रतिदिन खुलेगा जिसका लाभ नगर के नागरिक और विद्यार्थी ले सकेंगे। डॉ. मिश्रा ने स्व. आपटे के जीवन वृत्त पर विचार व्यक्त किया।

वही कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पधारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी ने कहा कि पुस्तकों का अध्ययन करने की आदत हमारी बौद्धिक क्षमता को



बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि समाज में आज वैचारिक तैयारी होना बहुत आवश्यक है। श्री बनर्जी ने कहा कि यह लाइब्रेरी जिले के नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए बेहद लाभप्रद सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यहां पर विमर्श केंद्र के तौर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे।

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली से पार्टी के केंद्रीय लाइब्रेरी प्रमुख डॉ आशीर्वादम आचारी जुड़े। उन्होंने सतना में खुले स्वर्गीय बाल आपटे की स्मृति में लाइब्रेरी व ई लाइब्रेरी से जोड़ने की घोषणा भी की। सात हजार पुस्तकें डिजिटल ई स्वरूप में प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि इस लाइब्रेरी में अनेक पुस्तकें ऐसी भी होंगी जिसमें आईएएस आईपीएस की तैयारी कर रहे छात्रों को भी लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व क्षेत्र संघ चालक श्री कृष्ण माहेश्वरी ने कहा कि स्व बाल आपटे अधिवक्ता, प्रोफ़ेसर और शिक्षाविद थे। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

डॉ राकेश मिश्र ने आगे कहा कि आज का युग सूचना क्रांति का युग है। इस वाचनालय के माध्यम से विश्व की प्रतिष्ठित ई - लाईब्रेरी से नौजवान युवा पीढ़ी को जोड़ने का संकल्प पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के द्वारा वाचनालय के माध्यम से किया जाएगा। प्रचार प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू ने बताया कि वाचनालय में प्रतिदिन सायंकाल 4 से 6 बजे तक आकर अपनी मनचाही रूचि के अनुसार कवियों, साहित्यकारों के साहित्य को पढ़ें।उन्होंने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगठन की रीढ़ की भूमिका निभाने वाले प्रो. बलवंत परशुराम उपाख्य बाल आपटे जी (मुंबई) विद्यार्थी परिषद के संगठन कर्ता, प्राध्यापक, वरिष्ठ अधिवक्ता, राज्य सभा सदस्य और समाजसेवी रहे। उनकी पुण्य स्मृति में वाचनालय शुभारंभ किया गया है। न्यास के कार्यकर्ता कामता पांडेय, स्वागत उद्बोधन के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मनीषा सिंह ने किया। आभार प्रदर्शन अभिनव रंजन त्रिपाठी ने किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ताम्रकार, ए के एस यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनंत सोनी, समाजसेवी मणिकांत माहेश्वरी, कृष्णा पाण्डेय,श्रीराम मिश्रा, शासकीय स्वशासी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर एस गुप्ता, कमलेश्वर अग्रवाल, कामता पांडे, स्वच्छता प्रमुख मनीषा सिंह, अरविंद सिंह, बलराम गुप्ता, लवकुश सिंह बघेल, श्रीमती नीलम गुप्ता, सुभाष बनर्जी, विभाष बनर्जी, संजय अग्रवाल, संजय नेमा, एडवोकेट रमेश मिश्रा, बाबूलाल सिंह, बालकृष्ण शुक्ला, नीता सोनी, सीमा यादव, प्रतिमा बागरी, अशोक यादव, शंकर दयाल त्रिपाठी, निरंजन शर्मा, डॉ राजीव व्यास, अजय मिश्रा, महेंद्र तिवारी तिवारी, रमाकांत गौतम, शिवम बघेलिया, संजीता सैनी, श्रीमती राधा श्रीवास्तव, जान्हवी त्रिपाठी, बृजेश सिंह, अरविंद सिंह पप्पू, गिरीश अग्रवाल, जी.पी गुप्ता, श्याम लाल गुप्ता श्यामू, राज नारायण तिवारी राजा, नीलम गुप्ता, उपेंद्र तिवारी, अनुराग गौतम, विनय श्रीवास्तव, सीलम सैनी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

कार्यालय राजस्थान हरियाणा उत्तराखण्ड बलरहट से प्रकाशित

वर्ष 15 ● अंक 251 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online सोमवार, तारीख 12 फरवरी 2022 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpressbho@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा सोलहवां स्वास्थ्य शिविर प्रयागराज में आज

पं. दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित





-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-सतना/प्रयागराज। गत वर्षों की भाँति सेवा न्यास द्वारा सोलहवाँ स्वास्थ्य शिविर माघ मेला में आयोजित किया जा रहा है। शनिवार प्रातः नौ बजे प्रयागराज के कमिश्नर व मेलाधिकारी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे।गत तीस जनवरी को भी सेवा न्यास द्वारा आयोजित शिविर में लाभान्वित लोग बुजुर्ग साधु, बाबा, महिलायें, दिव्यांग एवं भगवाधारी ही ज्यादा संख्या में रहे। अनेक लोग समय समाप्त होने पर आये, जिनकी जाँच नहीं हो सकी है। इसलिए पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा सेवा न्यास के पदाधिकारियों को लगा कि हमारे द्वारा कोई भी दृष्टिहीन एवं बहरा व्यक्ति छूट न जाए, इसलिए पुनः माघ मेला परिसर में 12 फरवरी 2022 (शनिवार) को सोलहवाँ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। सद्गुरु सेवा संघ चित्रकूट जिला सतना म.प्र. की कुशल डाक्टरों की टीम मरीज़ों की जाँच करेगी एवं मोतियाबिंद आपरेशन हेतु चयनित मरीज़ों को अपने साथ बस में चित्रकूट ले जाकर फ्री में आपरेशन करके तीन दिन बाद माघ मेला परिसर में ही वापिस दवाइयां व चश्मा सहित छोड़कर जायेंगे।

कान का नि:शुल्क परीक्षण व श्रवण यंत्र वितरण का सत्रहवाँ शिविर प्रयागराज में आज

विश्व प्रसिद्ध एल्पस इंटरनेशनल लिमिटेड के कुशल तकनीशियनों द्वार कान के मरीज़ों की जाँच व उनको श्रवण यंत्र नि:शुल्क उपलब्ध कराये जायेंगे।

सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र अनुरोध किया है कि प्रयागराज में अधिक से अधिक सेवा के लिए उपस्थित रहें।

राष्ट्र और गरीबों के लिए समर्पित थे पं. दीनदयाल जी उपाध्याय: डॉ. राकेश मिश्र

- पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की बैठक में गतिविधियों की हुई समीक्षा

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के बम्हनगवां स्थित कार्यालय मे उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया । इस मौके पर बैठक का आयोजन हुआ ।जिसमें पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा न्यास द्वारा प्रारंभ किए गए प्रा.बाल आपटे स्मृति वाचनालय के विधिवत संचालन हेतु चर्चा की गई। तत्पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने कहा कि पं. उपाध्याय जी का पूरा जीवन ही प्रेरक रहा है। वे जीवन भर राष्ट्र और गरीबों के प्रति समर्पित रहे। पूंजीवाद के समय में एकात्म मानव दर्शन लाए थे पं. उपाध्याय। डॉ मिश्र ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में समाज के रूप में भारत को बेहतर बनाने के लिए पं. दीनदयाल जी के चिंतन और विचार पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले हैं। दीनदयाल जी के विचारों को आत्मसात कर युवा पीढ़ी आगे बढ़े।

इनकी रही उपस्थिति

इसअवसर पर सेवा न्यास के संयोजक अभिनव त्रिपाठी, अशोक गुप्ता, बालकृष्ण शुक्ला, कामता पांडे, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती अंजना तिवारी, श्रीमती सीमा सिंह यादव, श्रीमती राधा श्रीवास्तव, रेणु सिंह, नीलम गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, विजय दुबे, महेंद्र तिवारी, अजय मिश्रा, राजेश त्रिपाठी नीलू, महेन्द्र सिंह, ब्रजेश सिंह, लवकुश सिंह, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



स्व. बाल आपटे स्मृति वाचनालय का अवलोकन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी, अवशेष शुक्ला, हरीश अग्रवाल, कमलेश्वर अग्रवाल, सौभाग्य केसरी अध्यक्ष भाजयुमो सहित अनेक पाठकों ने लाभ लिया।

मुद्रित सामग्री विवरण



आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

FIT INDIA

द्वारा आयोजित

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सतना हाफ मैराथन : 2021

5 दिसम्बर 2021 (रविवार) • प्रारंभ समय: प्रातः 6 बजे

स्थान : दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम, सतना (म.प्र.)

21 किमी	10 किमी	05 किमी
पंजीयन शुल्क : 500 रुपये	पंजीयन शुल्क : 300 रुपये	पंजीयन शुल्क : 300 रुपये
कुल पुरस्कार महिला : 86800/- पुरुष : 86800/-	**कुल पुरस्कार** महिला : 64900/- पुरुष : 64900/-	**कुल पुरस्कार** महिला : 6300/- पुरुष : 6300/-
एवं तीन सांत्वना पुरस्कार एवं मैडल, प्रमाण पत्र सभी प्रतिभागियों को	एवं तीन सांत्वना पुरस्कार एवं मैडल, प्रमाण पत्र सभी प्रतिभागियों को	एवं तीन सांत्वना पुरस्कार एवं मैडल, प्रमाण पत्र सभी प्रतिभागियों को

❖ महिला एवं पुरुष वर्ग की पुरस्कार राशि समान रहेगी। ❖ कुल 66 धावकों को पुरस्कार व मैडल प्रदान किया जायेगा।
❖ प्रतिभागियों को दी जाने वाली सामग्री: टीशर्ट, एनर्जी ड्रिंक, डिजिटल कार्ड (विब मशीन) एवं डिजिटल प्रमाण पत्र समय सहित।



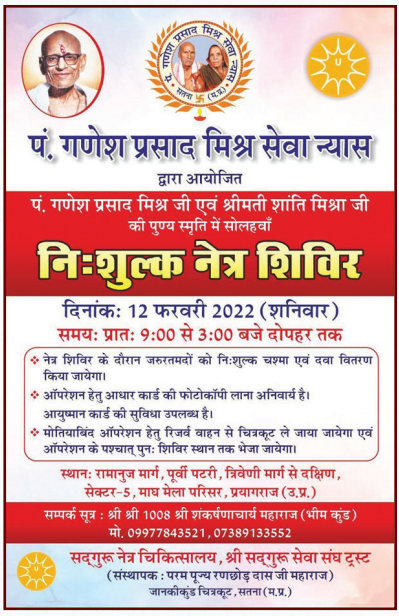
रजिस्ट्रेशन के लिए QR Code स्कैन करें।

कार्यालय : 'नेह निकुंज' बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना (म.प्र.) 485001

संपर्क : 07898457173, 9340416105, 9174000091, 9827216969, 9302810934

रजिस्ट्रेशन करें : nyas.gpmsevanyas.org gpmsevanyas gpmsnyas


पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
द्वारा आयोजित
एल्पस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
सौजन्य से
पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी
की पुण्य स्मृति में सत्रहवाँ निःशुल्क
कान परीक्षण शिविर
सुविधायें
बधिर रोगियों की जाँच व श्रवण यंत्र वितरण
दिनांक: 12 फरवरी 2022 (शनिवार)
समय: प्रातः 9:00 से 3:00 बजे दोपहर तक
स्थान: रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण,
सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)
सम्पर्क सूत्र : श्री श्री 1008 श्री शंकर्षणाचार्य महाराज (भीम कुंड)
मो. 09977843521, 07389133552


पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
द्वारा आयोजित
पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी
की पुण्य स्मृति में सोलहवाँ
निःशुल्क नेत्र शिविर
दिनांक: 12 फरवरी 2022 (शनिवार)
समय: प्रातः 9:00 से 3:00 बजे दोपहर तक
नेत्र शिविर के दौरान जरुरतमदों को निःशुल्क चश्मा एवं दवा वितरण किया जायेगा।
ऑपरेशन हेतु आधार कार्ड की फोटोकॉपी लाना अनिवार्य है।
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध है।
मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु रिजर्व वाहन से चित्रकूट ले जाया जायेगा एवं ऑपरेशन के पश्चात् पुनः शिविर स्थान तक भेजा जायेगा।
स्थान: रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण,
सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)
सम्पर्क सूत्र : श्री श्री 1008 श्री शंकर्षणाचार्य महाराज (भीम कुंड)
मो. 09977843521, 07389133552
सद्गुरू नेत्र चिकित्सालय, श्री सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट
(संस्थापक : परम पूज्य रणछोड़ दास जी महाराज)
जानकीकुंड चित्रकूट, सतना (म.प्र.)


सतना हाफ मैराथन : 2021
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
सतना (म.प्र.)
5 दिसम्बर 2021 (रविवार)
सतना (म.प्र.)
रजिस्ट्रेशन करें: https://myas.gpmsevanyas.org @gpmsevanyas @gpmsevanyas


पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
द्वारा आयोजित
तारा संस्थान, उदयपुर (राजस्थान) तथा एल्पस इंटरनेशनल प्रा.लि.
सौजन्य से
पं. गणेश प्रसाद मिश्र जी एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी
की पुण्य स्मृति में पंद्रहवाँ
निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर
सुविधायें
नेत्र एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन,
बधिर रोगियों की जाँच, फ्री चश्मा, आँखों की दवाई
व श्रवण यंत्र वितरण
दिनांक: 30 जनवरी 2022 (रविवार)
समय: प्रात: 9:00 से 2:00 बजे दोपहर तक
स्थान: रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण,
सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)
सम्पर्क सूत्र : श्री श्री 1008 श्री शंकर्षणाचार्य महाराज (भीम कुंड)
मो. 09977843521, 07389133552


ओरछा के राजा राम की लीला
रामलीला
6 से 15 अक्टूबर 2021, सायं 7 बजे से 10 बजे तक
स्थान:
कंचना घाट, ओरछा, जिला- निवाड़ी (म.प्र.)
सहयोगी
चेयरमैन
अध्यक्ष
सीधा प्रसारण
साधना
साधना GOLD
#53
#1059
#1063
#677
#1213


पं. गणेश प्रसाद मिश्र
स्मृति व्याख्यान माला
(पंचम पुष्प)
विषय
'बदलते परिवेश में संयुक्त परिवार की आवश्यकता'
:: मुख्य वक्ता ::
महामंडलेश्वर स्वामी
श्री अखिलेश्वरानंद गिरि जी
अध्यक्ष
गोपालन एवं पशुधन संवर्द्धन बोर्ड,
मध्य प्रदेश शासन
:: अध्यक्षता ::
प्रो. टी.आर. थापक
कुलपति
महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड
विश्व विद्यालय छतरपुर (म.प्र.)
:: प्रास्ताविक ::
डॉ. राकेश मिश्र
अध्यक्ष
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, महाकोशल
दिनांक: 26 दिसम्बर 2021 (रविवार) • समय: अपराह्न-2 बजे
स्थान: शताब्दी सभागार, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)
आप सादर आमंत्रित हैं।
:: विनीत ::
डॉ. विनोद रावत
9425304492
श्रीमती आशा रावत
सचिव
श्री प्रवीण गुप्त
09826654410
कार्यक्रम में समय से 15 मिनट पूर्व स्थान ग्रहण करें। कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुये मास्क लगायें एवं सेनेटाइज करें।
gpmsevanyas.org
gpmsevanyas
gpmsnyas

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित स्वास्थ्य परिचर्चा

"महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर : बचाव एवं उपाय"

मुख्य अतिथि : डॉ. राजेश जैन (वरिष्ठ चिकित्सक, एक्शन कैंसर हॉस्पिटल) नई दिल्ली
अध्यक्षता : डॉ. शैलबाला श्रीवास्तव (स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ) रीवा
विशिष्ट अतिथि : डॉ. पद्मा शुक्ला (एसोसिऐट प्रोफेसर, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग) रीवा
अतिथि : डॉ. मनीषा अग्रवाल (वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ, बिरला हॉस्पिटल) सतना
अतिथि : डॉ. सुमन जैन (स्त्री रोग विशेषज्ञ) सतना (म.प्र.)

दिनांक: 08.03.2022 (मंगलवार) | समय: दोपहर 3 बजे

स्थान : 'नेह निकुंज' बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना (म.प्र.) 485001

gpmsevanyas.org gpmsevanyas gpmsnyas

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास

द्वारा संचालित

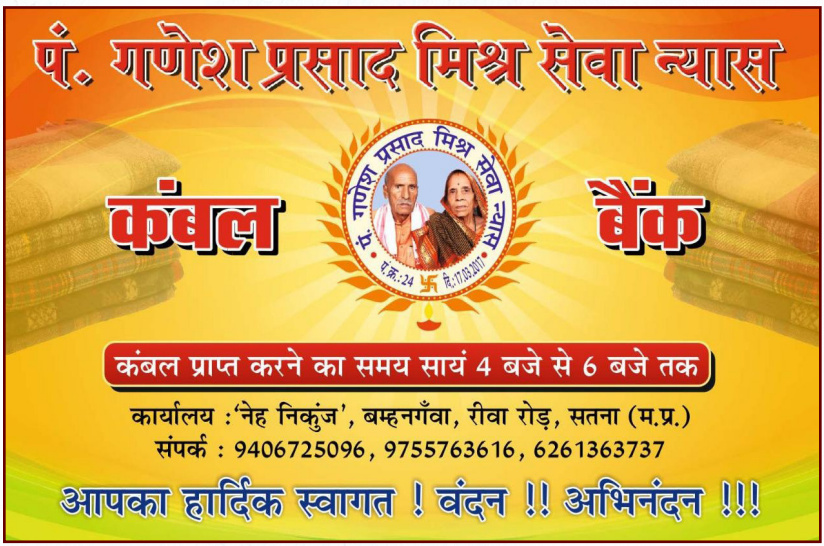
"स्व. बाल आपटे स्मृति वाचनालय"

प्रतिदिन सायं 4 से 6 बजे तक

कार्यालय : 'नेह निकुंज' बम्हनगवाँ, रीवा रोड, सतना (म.प्र.) 485001

gpmsevanyas.org gpmsevanyas gpmsnyas


पं. गणेश प्रसाद मिश्र एवं श्रीमती शांति मिश्रा जी की
पुण्य स्मृति में
कार्यक्रम निम्न तिथियों में सम्पन्न होंगे।
पं. गणेश प्रसाद मिश्र
एवं
श्रीमती शांति मिश्रा
माघ माहात्मय कथा
दिनांक: 18 जनवरी से 16 फरवरी 2022 तक
समय: प्रातः 8 से 9 बजे तक
श्री राम कथा
दिनांक: 21 जनवरी से 29 जनवरी 2022 तक
समय: दोपहर: 12 से 4 बजे तक
श्रीमद् भागवत कथा
दिनांक: 30 जनवरी से 05 फरवरी 2022 तक
समय: दोपहर: 12 से 3 बजे तक
स्थान: रामानुज मार्ग, पूर्वी पटरी, त्रिवेणी मार्ग से दक्षिण, सेक्टर-5, माघ मेला परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)
माघ मेला में पर्व एवं स्नान
मकर संक्रांति 14, जनवरी 2022
पूर्णिमा 17, जनवरी 2022
मौनी अमावस्या 01, फरवरी 2022
वसन्त पंचमी 05, फरवरी 2022
अचला सप्तमी 08, फरवरी 2022
पूर्णिमा 16, फरवरी 2022
निवेदक
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
कार्यालय : 'नेह निकुंज' बम्हनगवाँ, रीवा रोड़, सतना (म.प्र.) 485001
सम्पर्क सूत्र : 09977843521, 09340210080


पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास
कंबल
बैंक
कंबल प्राप्त करने का समय सायं 4 बजे से 6 बजे तक
कार्यालय :'नेह निकुंज', बम्हनगँवा, रीवा रोड़, सतना (म.प्र.)
संपर्क : 9406725096, 9755763616, 6261363737
आपका हार्दिक स्वागत ! वंदन !! अभिनंदन !!!


मेदांता
मेदांता - दी मेडिसिटी
सह-प्रायोजक
पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा
-: निःशुल्क चौदहवाँ :-
मल्टी-स्पेशियल्टी हैल्थ चैक-अप कैंप
चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा
कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑंकोलॉजी, नैफ्रोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, गैस्ट्रीलॉजी एवं रेस्पिरेट्री
दिनांक:
25 से 26 सितम्बर 2021
(शनिवार, रविवार)
सुविधायें
विशेष मेडीकल सुविधाओं से युक्त
चलित चिकित्सा बस की लैब में बी.पी., शुगर, ई.सी.जी.,
मेमोग्राफी, एक्स-रे, एच.बी.ए.1सी आदि
समय:
प्रातः 9:00 से 4:00
बजे सायं तक
स्थान: सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कृष्ण नगर, सतना (म.प्र.) 485001
पंजीयन: www.gpmsevanyas.org पर भी कर सकते हैं। (सीमित स्थान: पहले आये पहले पाये आधार पर) शिविर के समय पंजीयन नहीं हो सकेगा।
कार्यालय: 'नेह निकुंज', ब्रह्मनगवाँ, रीवा रोड़, सतना (म.प्र.) 485001 सम्पर्क: 09340385280, 09424733353, 09406725096


जिला स्तरीय
वॉलीबाल टूर्नामेंट
2022
कार्यक्रम
उद्घाटन समारोह
शनिवार, 12 मार्च 2022 (प्रातः 10 बजे)
समापन समारोह
रविवार, 13 मार्च 2022 (सायं 3 बजे)
स्थान: व्यंकटेश मंदिर परिसर, मुख्तयारगंज, सतना (म.प्र.)
आप सादर आमंत्रित है!
आयोजक : श्री व्यंकटेश क्लब, सतना (म.प्र.)
प्रायोजक : पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास, सतना (म.प्र.)


अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल रामलीला की विशेषतायें
प्रसिद्ध 100 कलाकारों द्वारा मनमोहक मंचन
प्रभु राम का राजा रूप में ओरछा का स्वरूप दर्शन
कुल तीन सौ प्रत्यक्ष दर्शकों की उपस्थिति
नवरात्रि पर्व पर माँ पीताम्बरा पीठ, सूर्यमंदिर उनाव बालाजी एवं हरदौल मंदिर के दर्शन
ओरछा के पर्यटन स्थलों एवं झाँसी का भ्रमण
प्रसिद्ध कला निर्देशक एवं अंतर्राष्ट्रीय कलाकार
सेटेलाइट चैनल व अन्य संचार माध्यमों से घर बैठे लीला दर्शन
कार्यक्रम
बुधवार, 6 अक्टूबर, 2021
गणेश पूजन, शंकर पार्वती संवाद, नारद मोह, रावण तपस्या
गुरुवार, 7 अक्टूबर, 2021
श्रीराम जन्म, विश्वामित्र यज्ञ भंग, ताड़का सुबाहु वध
शुक्रवार, 8 अक्टूबर, 2021
अहिल्या उद्धार, सीता स्वयंवर, धनुष यज्ञ, लक्ष्मण-परशुराम संवाद
शनिवार, 9 अक्टूबर, 2021
मंथरा कैकई संवाद, दशरथ कैकई संवाद, श्री राम वनवास
रविवार, 10 अक्टूबर, 2021
श्रीराम केवट मिलन, दशरथ मरण, चित्रकूट में भरत मिलाप
सोमवार, 11 अक्टूबर, 2021
शूर्पणखा अंग-भंग, खर-दूषण वध, सीता हरण, जटायु उद्धार, शबरी मिलन
मंगलवार, 12 अक्टूबर, 2021
श्रीराम सुग्रीव मित्रता, बाली वध, सीता-हनुमान भेंट, लंका दहन
बुधवार, 13 अक्टूबर, 2021
समुद्रतट पर शिवलिंग स्थापना, अंगद-रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति
गुरुवार, 14 अक्टूबर, 2021
कुम्भकर्ण, मेघनाथ, अहिरावण वध
शुक्रवार, 15 अक्टूबर, 2021
दशहरा महोत्सव, पुतला दहन एवं अहिल्याबाई (सायं 5 बजे से)
भरत मिलाप एवं राज्याभिषेक (सायं 7 बजे)
LIVE
॥ सप्तधना ॥

ओरछा का भारत के स्वतंत्रता संग्राम से भी गहरा रिश्ता है। अमर शहीद क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद ने भी अपने क्रांतिकारी जीवन के छह वर्ष यहीं बिताए थे। यहीं रहकर उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संग्राम का तानाबना बुना था। ओरछा स्थित सातार में वह एक कुटिया में पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी के नाम से रहते थे। सातार में उनकी कुटी क्रांतिकारी गतिविधियों का केन्द्र बन गई थी। अधिकांश गुप्त योजनाएं इसी कुटी में बनती थीं। ओरछा के जंगलों में उन्होंने दूसरे क्रांतिकारियों को प्रशिक्षण और बच्चों को अध्यापन कराया। इसके साथ ही यहां उन्होंने अपने साथियों के साथ निशानेबाजी भी सीखी। उनकी शहादत के बाद मां जगरानी देवी ने भी जीवन के अंतिम क्षण यहां बिताए।



ओरछा में राजा महल, लक्ष्मी मंदिर आदि में बनाये गए विति चित्र बुन्देली कलम के नाम से जाने जाते हैं। इनमें अधिकतर रागमाल, कृष्ण लीला और नायक-नायिकाओं आदि के चित्र हैं। इनको बनाने की विधि अत्यंत उन्नत किस्म की थी। प्रारम्भ में चूना, सुरखी, बालू एवं जूट की प्रथम सतह बनाई जाती है। ओरछा की सांस्कृतिक धरोहर, महल एवं भवनों की स्थापत्य शैली एवं बुन्देली कलम की दृष्टि से इसे यूनेस्को (UNESCO) ने टेंटेटिव लिस्ट (Tentative List) में शामिल किया है। उम्मीद है कि यह शीघ्र ही विश्व धरोहर स्मारक समूह में अंकित हो जायेगा। ऐसा होने पर यह बुन्देलखण्ड का दूसरा विश्व धरोहर स्मारक समूह बनेगा।

आगामी 6 से 15 अक्टूबर 2021 तक ओरछा में होने वाली भव्य अंतर्राष्ट्रीय रामलीला की तैयारियाँ जोरों पर हैं। आयोजन समिति के पदाधिकारी ओरछा में बेतवा नदी के कंचना घाट पर ऐतिहासिक महलों की पृष्ठभूमि में होने वाली भव्य वर्चुअल रामलीला का ऐतिहासिक बनाने में जुटे हुए हैं। इस राम लीला को आधुनिक सैटेलाइट बेस्ड एवं सचार माध्यमों से सीधा प्रसारण किया जायेगा। यह राम लीला अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व के विभिन्न देशों में देखी जा सकेगी। संपूर्ण जगत के कल्याणार्थ होने जा रहे इस आयोजन से जहाँ विश्व में ओरछा के राजा राम की प्रतिष्ठा स्थापित होगी, वहीं बुंदेलखंड का समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन का विकास होगा। स्थानीय नागरिकों को रोजगार मिलने के साथ ही विश्व पटल पर ओरछा प्रतिस्थापित बनना ही ओरछा के राजा राम की लीला समिति एवं पं० गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का मुख्य उद्देश्य है।







डा. राकेश मिश्र
(आजाद, पं० गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास)
(पूर्व प्रोफेसर अध्यक्ष, आर्थिक भारतीय विश्वविद्यालय, चित्रकूट)

चित्रों में ओरछा (म.प्र.) पहुंचने हेतु QR कोड स्कैन कीजिये।



ओरछा के राजा राम की लीला

6 से 15 अक्टूबर, 2021

(रात्रि 7 से 10 बजे तक)

स्थान : कंचना घाट, ओरछा, जिला-निवाड़ी (म.प्र.)

सहयोगी

www.orchhakerajaramkileela.org

orchharamleela | orchha_ke_rajaram | Orchha Ke Raja Ram Ki Lila

"पौराणिक एवं ऐतिहासिक स्थान ओरछा"

डॉ. राकेश मिश्र



भारत के हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में (झांसी के निकट) स्थित प्रकृति, आध्यात्म, इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम का समेकित स्थल ओरछा भारत के साथ ही विश्व पटल पर प्राकृतिक सौन्दर्य एवं ऐतिहासिक महत्व के लिए चर्चित है।

बुन्देलखंड का प्रवेश द्वार झांसी : भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण क्षेत्र बुन्देलखण्ड का प्रवेश द्वार झांसी है। पहुंज और बेतवा नदियों के बीच स्थित झांसी शहर बहादुरी, साहस और स्वाभिमान का प्रतीक है। ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व वाले क्षेत्र बुन्देलखंड का यह प्रवेश द्वार है, ऐसा कहा जाता है कि प्राचीन काल में झांसी वैदी राष्ट्र, जेजाक भुक्ति, इशोटी और बुंदेलखंड का एक हिस्सा था। झांसी को ओरछा का प्रतापी वीर सिंह जू देव बुन्देला ने बसाया था। सन् 1857 का जो स्वतंत्रता संग्राम हुआ था, वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिये बीज का पत्थर साबित हुआ।

ओरछा का भूगोल: बेतवा नदी के किनारे बसे इस नगर की स्थापना श्री रुद्र प्रताप सिंह जू बुन्देला ने की थी। बुंदेलखंड की ये खूबसूरत और दिलचस्प जगहें हैं ओरछा और दतिया। ओरछा झांसी से लगभग आधे घंटे की दूरी (16 कि.मी. पर स्थित है। ओरछा, म. प्र. के निवाड़ी जिले का मुख्य स्थान है।

राजा राम का आगमन : भगवान श्रीराम का ओरछा में चार सौ वर्ष पूर्व राज्याभिषेक हुआ था और उसके बाद से आज तक यहां भगवान श्रीराम को राजा के रूप में पूजा जाता है। यह पूरी दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां भगवान राम को राजा के रूप में पूजा जाता है। ओरछा नरेश मधुकरशाह ने अपनी पत्नी कुंवर गणेश जी से कृष्ण उपासना के लिए वृंदावन चलने को कहा। रानी राम भक्त थीं, उन्होंने अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी के किनारे लक्ष्मण किले के पास अपनी कुटी बनाकर साधना आरंभ की। इन्हीं दिनों संत तिरोमणि तुलसीदास भी अयोध्या में सावना रत थे। संत से आज्ञा पाकर रानी की आराधना दृढ़ से दृढ़तर होती गई। लेकिन, रानी को कई महीनों तक रामराजा के दर्शन नहीं हुए। वह निराश होकर अपने प्राण त्यागने सरयू में कूद पड़ी। तभी जल की अतल गहराइयों में उन्हें रामराजा के दर्शन हुए। रानी ने उन्हें अपना मंतव्य बताया। रामराजा ने ओरछा चलना स्वीकार किया, किन्तु तीन शर्तें रखीं- पहली, यह यात्रा पैदल होगी, दूसरी-यात्रा केवल पुष्य नक्षत्र में होगी, तीसरी-रामराजा की मूर्ति जिस जगह रखी जाएगी, वहां से पुनः नहीं उठेगी। रानी तीनों शर्तों को स्वीकार कर नौ माह तक पैदल चलते हुए 1574 की रामनवमी को ओरछा पहुंची। राजा मधुकरशाह ने राम राजा के विग्रह को स्थापित करने के लिए करोड़ों की लागत से चतुर्भुज मंदिर का निर्माण कराया जब रानी ओरछा पहुंची तो उन्होंने यह मूर्ति अपने महल में रख दी। यह निश्चित हुआ कि शुभ मूहूर्त में मूर्ति को चतुर्भुज मंदिर में रखकर इसकी प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। लेकिन, राम के इस विग्रह ने चतुर्भुज जाने से मना कर दिया। राम आज भी इसी महल में विराजमान हैं और उनके लिए बना करोड़ों का चतुर्भुज मंदिर आज भी वीरान पड़ा है। यह भी एक संयोग है कि जिस संवत को रामराजा का ओरछा में आगमन हुआ, उसी दिन रामचरितमानस का लेखन भी पूर्ण हुआ।

राजा राम को सलामी गारद : यह विश्व का अकेला मंदिर है जहां राम की पूजा राजा के रूप में होती है और उन्हें मंदिर के खुलने एवं बंद होने पर दिन में चार बार सलामी दी जाती है। वहां राम ओरछाधीश के रूप में मान्य हैं। रामराजा मंदिर के चारों तरफ हनुमान जी के मंदिर हैं। छतदारी हनुमान, बजरिया के हनुमान, लंका हनुमान के मंदिर एक सुरक्षा चक्र के रूप में चारों तरफ हैं।

ओरछा में पुष्य नक्षत्र : श्रीराम राजा के दर्शन करने के लिए पूरे बुंदेलखण्ड में पुष्य नक्षत्र का विशेष महत्व माना जाता है। बताया जाता है कि श्रीराम राजा सरकार पुष्य नक्षत्र में ही चलकर ओरछा पहुंचे थे। ऐसे में पुष्य नक्षत्र में यहां के दर्शनों के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु तीर्थस्थल ओरछा पहुंचते हैं। जब भी पुष्य नक्षत्र होता है यहां बहुत बड़ा मेला लगाया जाता है।

ओरछा के रमणीक स्थल : राज महल ओरछा के सबसे प्राचीन स्मारकों में एक है। इसका निर्माण मधुकर शाह ने 17 वीं शताब्दी में कराया था। लक्ष्मीनारायण मंदिर 1622 ई. में वीरसिंह द्वारा बनवाया गया था। मंदिर, ओरछा गांव के पश्चिम में एक पहाड़ी पर बना है। चित्रों के चटकीले रंग इसे जीवंत लगते हैं जैसे वह हाल ही में बने हों। मंदिर में झांसी की लड़ाई के दृश्य और भगवान श्री कृष्ण की आकृतियां बनी हुई हैं। चतुर्भुज मंदिर, राजमहल के समीप स्थित यह ओरछा का मुख्य आकर्षण है। मंदिर चार भुजाधारी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 1558 से 1573 के बीच राजा मधुकर शाह ने कराया था। अपने समय की यह उत्कृष्ट रचना यूरोपीय वैकोइड के समान है। ओरछा में यह स्थान भ्रमण के लिए बहुत श्रेष्ठ है। इसके अलावा फूलबाग एवं सुन्दर महल भी दर्शनीय और रमणीक हैं। ओरछा की अन्य बहुमूल्य धरोहरों में लक्ष्मी मंदिर, पंचमुखी महादेव, राधिका बिहारी मंदिर, राजामहल, राय प्रवीण महल, हरदौल की बैठक, हरदौल की समाधि, जहांगीर महल और उसकी चित्रकारी प्रमुख है।

चन्द्रशेखर आजाद की कुटिया: इतना ही नहीं, ओरछा का भारत के स्वतंत्रता संग्राम से भी गहरा नाता है। अमर शहीद क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद ने भी अपने क्रांतिकारी जीवन के छह साल यहीं बिताए थे। यहीं रहकर उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संग्राम का तानाबाना बुना था। ओरछा स्थित सातार में वह एक कुटिया में पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी के नाम से रहते थे। सातार में उनकी कुटी क्रांतिकारी गतिविधियों का केंद्र बन गई थी। अधिकांश गुप्त योजनाएं इसी कुटी में बनती थीं। ओरछा के जंगलों में उन्होंने दूसरे क्रांतिकारियों को प्रशिक्षण और बच्चों का अध्यापन कराया। इसके साथ ही यहां उन्होंने अपने साथियों के साथ निशानेबाजी भी की। उनकी शहादत के बाद मां जगरानी देवी ने भी जीवन के अंतिम क्षण यहां बिताए और यहीं उन्होंने अंतिम सांस ली।

पर्यटन व संस्कृति मंत्रालय का प्रयास : मध्य प्रदेश सरकार का पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय ओरछा के विकास के लिए प्रयासरत है, वहीं केंद्र सरकार भी इसके विकास के लिए कार्य कर रही है। ओरछा को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ा जा रहा है, जिससे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होकर यह विश्व पटल पर आ जाएगा। 6 अक्टूबर से 16 अक्टूबर के बीच राजा राम की लीला को विभिन्न संचार माध्यमों से देश-विदेश के करोड़ों लोगों तक पहुंचाकर ओरछा के महत्व को बताया जाएगा तब लोगों के मन में उत्सुकता बढ़ेगी, जिससे इस पूरे क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलेगी।

महाराजा हरदौल : बुंदेलखंड में पुरानी परंपराओं और लोक कथाओं का अब भी महत्व है, तमाम ऐसे रीति-रिवाज हैं जिन्हें सामाजिक और धार्मिक मान्यताओं से जोड़कर बिना किसी झिझक निर्वहन